



शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION



ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା
समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha



समग्र शिक्षा ओडिशा वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा)

स्कूल और गण शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार
शिक्षा सौध, यूनिट-V, भुवनेश्वर, ओडिशा

समग्र शिक्षा ओडिशा

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा)

शिक्षा सौध, यूनिट-V, भुवनेश्वर, ओडिशा

वेबसाइट: www.osepa.odisha.gov.in

मुख्य संपादक
श्रीमती अनन्या दास, आई.ए.एस
राज्य परियोजना निर्देशक, ओसेपा

संपादक – मंडल

- **श्रीमती संगीता बेहेरा**
अतिरिक्त निर्देशक, जेनेरल
- **श्रीमती अमिता पटनायक**
अतिरिक्त निर्देशक, सिविल
- **डॉ जैस्मिन पटनायक**
संयुक्त निर्देशक, प्रशासन
- **श्रीमती सुदेष्णा कर**
एफए और सीएओ
- **डॉ संतोष कुमार राउत**
संयुक्त निर्देशक, बालिका शिक्षा और अनुसंधान
- **श्रीमती सस्मिता साहू**
संयुक्त निर्देशक, एमआईएस, आईसीटी और वीएसके
- **श्रीमती प्राची तनया गिरी**
संयुक्त निर्देशक, कम्युनिटी मोबिलाइजेशन
- **श्रीमती निरूपा बेहेरा**
संयुक्त निर्देशक, शिक्षाशास्त्र
- **श्रीमती इतिश्री नायक**
उप निर्देशक, प्रशासन और पाठ्यपुस्तक
- **श्री प्रदोष कुमार नाइक**
उप निर्देशक, समावेशी शिक्षा
- **श्री तन्मय कुमार बेहेरा**
उप निर्देशक, व्यावसायिक शिक्षा
- **श्रीमती शैलाधिराजतनया शतपथी**
उप निर्देशक, शिक्षक शिक्षा
- **डॉ प्रसन कुमार साहू**
सहायक निर्देशक, टीई एवं एससीईआरटी

सदस्य संयोजक

- **श्री दीपक राय**
सहायक निर्देशक, योजना

समन्वयन

- **श्रीमती निबेदिता महापात्र**
वित्त अधिकारी
- **श्रीमती एस एस स्वरूपा**
योजना समन्वयक
- **श्री रंजन कुमार पाणि**
वित्तीय सलाहकार
- **श्री प्रफुल्ल कुमार सेनापति**
वरिष्ठ कार्यक्रम सहायक





शालिनी पंडित, आई.ए.एस
सरकार के आयुक्त-सह-सचिव
-सह-उपाध्यक्ष, ओसेपा

ओडिशा सरकार
स्कूल और गण शिक्षा विभाग
लोक सेवा भवन, भुवनेश्वर-१
कार्यालय: ०६७४-५२३६६३१
ईमेल: secysme@gmail.com

संदेश

ओसेपा द्वारा प्रकाशित समग्र शिक्षा की वार्षिक रिपोर्ट २०२४-२५ प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत गर्व और संतोष हो रहा है। यह रिपोर्ट हमारे राज्य में स्कूली शिक्षा को सुदृढ़ और उन्नत बनाने में की गई महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है। पिछले कुछ वर्षों में, ओडिशा के शैक्षिक परिदृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है, और यह रिपोर्ट उन प्रमुख उपलब्धियों, नवाचारों और पहलों को सामने लाती है जिन्होंने प्रगति की इस यात्रा में योगदान दिया है।

हमारे राज्य ने हमेशा शिक्षकों, छात्रों और स्कूल समुदायों की सुरक्षा, कल्याण और समग्र विकास सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। साथ ही, हम शिक्षा के अधिकार अधिनियम और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों के अनुरूप, प्रत्येक बच्चे को समावेशी, समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और शिक्षा के व्यवसायीकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह रिपोर्ट वर्ष के दौरान की गई पहलों का एक व्यापक विवरण प्रस्तुत करती है। यह निर्धारित मानदंडों, बजट और समय-सीमा के भीतर कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अपनाए गए नवीन दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालती है। साथ ही, यह संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करने, जवाबदेही बढ़ाने और राज्य भर में शिक्षा वितरण की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से सार्थक सुझाव भी प्रस्तुत करती है।

मुझे विश्वास है कि यह रिपोर्ट नीति निर्माताओं, शिक्षकों और शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में काम करेगी। आइए, हम सब मिलकर इन प्रयासों को आगे बढ़ाते रहें और एक ऐसे भविष्य की ओर प्रयास करें जहाँ हर बच्चे को सुरक्षित, समावेशी और उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त हो।

सरकार के आयुक्त-सह-सचिव





श्रीमती अनन्या दास, आई.ए.एस
राज्य परियोजना निर्देशक
ओसेपा, ओडिशा

ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम
प्राधिकरण (ओसेपा), भुवनेश्वर
कार्यालय: ० ६७४-२ ३९५ ३२५
ईमेल: opepaedu@yahoo.co.in

प्रस्तावना

मुझे समग्र शिक्षा की २०२४-२५ की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह रिपोर्ट राज्य भर में स्कूली शिक्षा को मज़बूत करने के हमारे सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है, जिसमें प्रमुख पहलों, अब तक की प्रगति और सामने आई चुनौतियों का ज़िक्र के साथ समान पहुँच, बेहतर शिक्षण परिणामों और समग्र बाल विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि भी है।

एनईपी २०२० के विज़न के अनुरूप, हमने पहुँच, समानता, गुणवत्ता और शासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्कूल न जाने वाले बच्चों पर नज़र रखने और उन्हें मुख्यधारा में लाने, माध्यमिक शिक्षा का विस्तार करने और निरंतर सहयोग के माध्यम से स्कूल छोड़ने वालों की संख्या कम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

निपुण ओडिशा मिशन की शुरुआत के साथ ही आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) एक प्राथमिकता बनी रही, जिससे कक्षा १-३ के लाखों बच्चों को शिक्षण सामग्री और पुस्तकालय संसाधनों का लाभ मिला। शिक्षक प्रशिक्षण और सामुदायिक सहभागिता ने शैक्षणिक विकास को और बढ़ावा दिया।

नामांकन अभियान, निःशुल्क शिक्षण संसाधन, परिवहन एवं अनुरक्षण सुविधाएँ, और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से समावेशी शिक्षा पर हमारा ज़ोर जारी रहा। लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण, बहुभाषी शिक्षा, कौशल विकास और करियर परामर्श जैसी पहलों ने बच्चों के कल्याण और सशक्तिकरण में योगदान दिया है।

यह रिपोर्ट हमारी उपलब्धियों का दस्तावेजीकरण करती है और आगे की राह की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। मैं सभी शिक्षकों, प्रशासकों और हितधारकों को उनके समर्पण के लिए धन्यवाद देता हूँ और ओडिशा में एक सुदृढ़ और समावेशी शिक्षा प्रणाली के निर्माण में निरंतर सहयोग की आशा करता हूँ।

राज्य परियोजना निर्देशक



विषय-सूची

क्रम सं.	अनुक्रमणिका	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारी सारांश	01
2	पहुँच	20
3	बुनियादी ढांचे का विकास	37
4	मुफ्त पाठ्यपुस्तक	47
5	सामुदायिक लामबंदी	49
6	सीडब्ल्यूएसएन के लिए समावेशी शिक्षा	63
7	गुणवत्ता और नवाचार	74
8	निपुण ओडिशा	84
9	अनुसंधान मूल्यांकन और मूल्यांकन	91
10	पुस्तकालय	105
11	खेल और शारीरिक शिक्षा	111
12	लड़कियों की शिक्षा	114
13	मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा	130
14	परियोजना नवाचार (प्राथमिक और माध्यमिक)	135
15	व्यावसायिक शिक्षा	142
16	प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)	162
17	एसएस स्कूल जिबा के लिए चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम	166
18	डिजिटल पहल एवं आईसीटी	170
19	योजना प्रक्रिया और कार्यान्वयन व्यवस्था	174
20	स्कूल सुरक्षा	184
21	सामाजिक अंकेक्षण	188
22	स्कूल छात्र हेल्पलाइन	195
23	ओवीईपी	198
24	टीई और एससीईआरटी	213
25	मीडिया और प्रलेखन	226



संक्षिप्त रूप और परिवर्णी शब्द

एडब्ल्यूपी&बी	वार्षिक कार्य योजना और बजट
बीआरपी	ब्लॉक संसाधन व्यक्ति
बीएस	बेसलाइन उपलब्धि अध्ययन
बीपीएल	गरीबी रेखा से नीचे
बीईओ	खंड शिक्षा अधिकारी
बीआरसी	ब्लॉक संसाधन केंद्र
सीसीई	सतत व्यापक मूल्यांकन
सीआर	पूर्णता दर
सीआरसी	क्लस्टर संसाधन केंद्र
सीटीई	शिक्षक शिक्षा के कॉलेज
सीटीएस	बाल ट्रेकिंग सिस्टम
सीपीडी	सतत व्यावसायिक विकास
सीडब्ल्यूएसएन	विशेष आवश्यकता वाले बच्चे
डी.एल.आई	जिला लिंकड संकेतक
डी.पी.सी	जिला परियोजना समन्वयक
सीएसएस	केंद्र प्रायोजित योजना
डीईओ	जिल्हा शिक्षा अधिकारी
डाइट	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
डीआर	ड्रॉपआउट दर
ईसीसीई	बचपन की देखभाल और शिक्षा
एफए&सीएओ	वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
एफएलएन	मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता
जीईआर	सकल नामांकन अनुपात
जीपी	ग्राम पंचायत
एचएचएस	हाउस होल्ड सर्वे
आईएसई	संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन के
आईओसी	स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए हस्तक्षेप
आईसीटी	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी
केजीबीवी	कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय
केआरपी	प्रमुख संसाधन व्यक्ति
एलईपी	लर्निंग एन्हांसमेंट प्रोग्रामएम

आईएस	प्रबंधन सूचना प्रणाली
एनएसए	नॉन-स्टेट एक्टर्स
एनएसएस	राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण
एनईपी	नई शिक्षा नीति
एनईआर	नेट नामांकन अनुपात
ओओएससी	स्कूल से बाहर के बच्चे
OSEPA	ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण
पीएम	परियोजना प्रबन्धन
पीएफएमएस	सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली
पीएबी	परियोजना अनुमोदन बोर्ड
पीटीआर	छात्र-शिक्षक अनुपात
क्यूएमटी	गुणवत्ता निगरानी उपकरण
आरटीई अधिनियम	शिक्षा का अधिकार अधिनियम
आरसीएफसीई अधिनियम	बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम
आरएफडी	परिणाम फ्रेमवर्क दस्तावेज़
आरएमएसए	राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
आरआर	प्रतिधारण दर/पुनरावृत्ति दर
एसएसी	राज्य आकलन प्रकोष्ठ
एस.आई.एस	राज्य कार्यान्वयन सोसायटी
एस.आई.जी	राज्य प्रोत्साहन अनुदान
एस.पी.डी.	राज्य परियोजना निदेशक
एससी/एसटी	अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति
एसएस	समग्र शिक्षा
एससीईआरटी	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
एसडीजी	सतत विकास लक्ष्य
एसडीएमआईएस	छात्र डेटा प्रबंधन सूचना प्रणाली
SMC	स्कूल प्रबंधन समिति
एसआईजी	राज्य प्रोत्साहन अनुदान
सितारों	राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को मजबूत करना
टीईआई	अध्यापक शिक्षा संस्थान
टीटी	शिक्षक प्रशिक्षण
यू.सी.	उपयोगिता प्रमाणपत्र
वीएसके	विद्या सामानियत केंद्र

ओसेपा के बारे में

ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण, एस एंड एमई विभाग, ओडिशा सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त निकाय है। इसे ३० जनवरी, १९९६ को पंजीकरण संख्या १९९६४/१९९२ के साथ सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के तहत समान गुणवत्ता शिक्षा के सार्वभौमिकरण के दृष्टिकोण के साथ पंजीकृत किया गया था, इस दिशा में प्रयास जो ओडिशा प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण के तहत योजनाओं के कार्यान्वयन के साथ शुरू हुए, २०१८ तक जारी रहे और समग्र शिक्षा, ओडिशा की शुरुआत के बाद ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) के तहत शामिल हुए।

ओसेपा को स्कूल शिक्षा के सभी हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन के लिए काम करने वाले पेशेवरों की एक बहु-अनुशासनात्मक कोर टीम होने पर गर्व है। एक विद्या समिक्षा केंद्र निगरानी और सूचना के समय संग्रह के लिए कार्य कर रहा है।

नामांकन, शिक्षक और स्कूल के बुनियादी ढांचे पर नज़र रखने के लिए, यूडीआईएसई + एक उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रणाली का उपयोग डेटा भंडारण, अद्यतन और विश्लेषण और साझाकरण के लिए किया जाता है। राज्य परियोजना अधिकारी और ३० जिला कार्यालयों दोनों में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को सक्षम किया गया है।

ओसेपा के पास विशेष रूप से बाल केंद्रित पुस्तकों, राज्य की पाठ्य पुस्तकों और अन्य बोर्डों के विषय पर एक अच्छी तरह से स्टॉक पुस्तकालय है। ओएसईपीए हस्तक्षेप, खाता, आरटीआई, पत्रिकाओं, संपादकीय से संबंधित प्रकाशन, वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा के साथ करंट अफेयर्स आदि।

ओसेपा स्कूली शिक्षा की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए नागरिक समाज संगठनों के साथ विभिन्न विभागों, शैक्षणिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से काम करता है।

शिकायत निवारण तंत्र प्रशासन के चक्र में एक महत्वपूर्ण कारक है। कुशल शिकायत निवारण तंत्र सुनिश्चित करने और पूरे सिस्टम को जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए हर सोमवार को राज्य स्तर पर शिकायत दिवस के रूप में निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, स्कूल छात्र हेल्पलाइन राज्य भर के छात्रों तक पहुंचने के लिए एक अद्वितीय तंत्र स्थापित किया गया है। सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए टोल फ्री नंबर १८००-३४५६७२२ के साथ-साथ ऑनलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज की जा सकती है।

क्षमता निर्माण कार्यान्वयन कौशल के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में है। इसलिए, सभी राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के हितधारकों की क्षमता निर्माण राज्य स्तर पर संरचनात्मक तरीके से किया जाता है।

ओसेपा (ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण) अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी शैक्षिक योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच हो। ओसेपा एक समान और समावेशी कक्षा वातावरण बनाने पर केंद्रित है, जहां विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्र कामयाब हो सकते हैं। इसमें सीखने की प्रक्रिया में आवास शामिल है।





1. कार्यकारी सारांश

स्कूल शिक्षा पर एकीकृत योजना में प्री-स्कूल, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों तक एक निरंतरता के रूप में 'स्कूल' की परिकल्पना की गई है। इस योजना का उद्देश्य शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के अनुसार प्री-स्कूल से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है।

लक्ष्य एसडीजी-४.१ में कहा गया है कि "२०३० तक, यह सुनिश्चित करें कि सभी लड़के और लड़कियां मुफ्त, न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी करें जिससे प्रासंगिक और प्रभावी शिक्षण परिणाम सामने आएंगे"।

इसके अलावा, एसडीजी ४.५ में कहा गया है कि "२०३० तक, शिक्षा में लैंगिक असमानताओं को खत्म करना और विकलांग व्यक्तियों, स्वदेशी लोगों और कमजोर परिस्थितियों में बच्चों सहित कमजोर लोगों के लिए शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के सभी स्तरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना"

यह योजना राज्य स्तर पर एकल राज्य कार्यान्वयन सोसायटी (एसआईएस) अर्थात् ओसेपा के माध्यम से एसएंडएमई विभाग द्वारा केन्द्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित की जा रही है।

इस योजना के प्रमुख उद्देश्य हैं

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान और छात्रों के सीखने के परिणामों को बढ़ाना;
- स्कूली शिक्षा में सामाजिक और लैंगिक अंतराल को पाटना;
- स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर समानता और समावेश सुनिश्चित करना;
- स्कूली शिक्षा प्रावधानों में न्यूनतम मानकों को सुनिश्चित करना;
- व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना;
- बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, २००९ के कार्यान्वयन में राज्यों का समर्थन करना;
- शिक्षक प्रशिक्षण के लिए नोडल एजेंसी के रूप में एससीईआरटी/राज्य शिक्षा संस्थानों और डीआईटी का सुदृढीकरण और उन्नयन

परिणाम

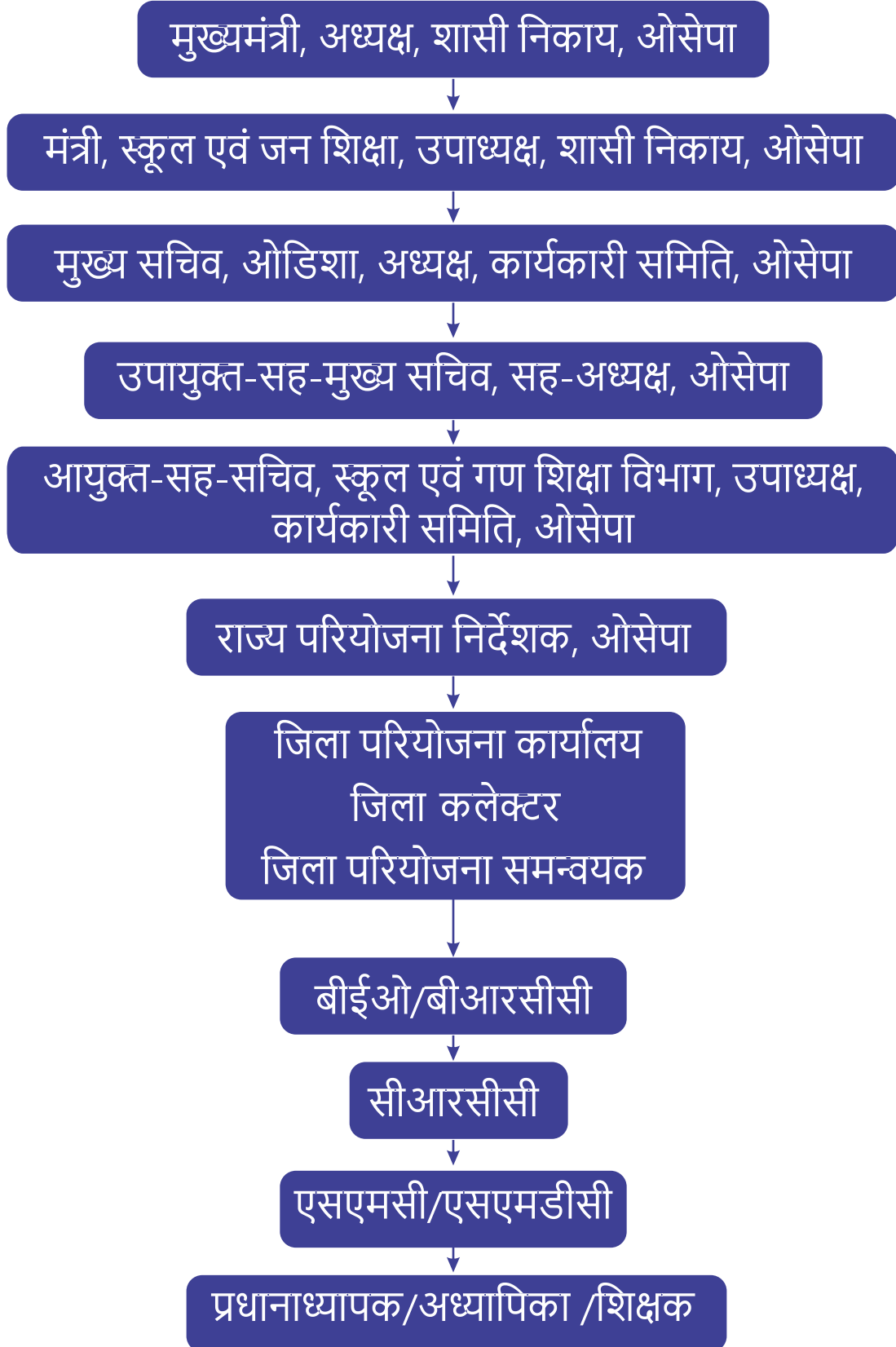
सार्वभौमिक पहुंच, समानता और गुणवत्ता, शिक्षा के व्यावसायिकीकरण को बढ़ावा देना और शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीआईज़) को मजबूत करना।

मार्गदर्शक सिद्धांत

स्कूल शिक्षा के लिए समेकित योजना में एक समान और समावेशी गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने की परिकल्पना की गई है जो शिक्षा के समग्र दृष्टिकोण, समानता, पहुंच, लिंग सरोकार, शिक्षकों की केन्द्रीयता और नैतिक बाध्यता जैसे सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होगी।



1.1 प्रशासनिक संरचना





1.2 ओसेपा - राज्य स्तरीय प्रकल्प बिभाग



1.3 ओसेपा - जिल्ला स्तरीय प्रकल्प बिभाग





1.4 राज्य प्रोफाइल

क्रम सं.	प्रशासनिक इकाइयां	संख्या
1	राजस्व जिले	30
2	शैक्षिक ब्लॉक	314
3	ब्लॉक शिक्षा कार्यालय (BEO)	314
4	क्लस्टर संसाधन केंद्र (CRC)	4,806
5	ग्राम पंचायतें	6,794
6	राजस्व गांव	53,845
7	बस्तियां	1,23,781

1.5 जनसांख्यिकीय संकेतक

विवरण	2011	2001
समुदाय जनसंख्या	41,974,218	36,804,660
पुरुष	21,212,136	18,660,570
महिला	20,762,082	18,144,090
लिंग अनुपात	979	972
क्षेत्र किमी ²	1,55,707	155,707
घनत्व/किमी ²	269	236
साक्षरता	72.87	63.08
पुरुष साक्षरता	81.59	75.35
महिला साक्षरता	64.01	50.51

कवरेज

प्राथमिक से उच्च माध्यमिक कक्षाओं तक सभी श्रेणियों के 61565 स्कूलों में 7554643 बच्चों और 344116 शिक्षकों को शामिल किया गया है।



शैक्षिक संकेतक

1.6 स्कूल/अनुभाग सार (2024-25)

विद्यालय प्रबंधन	प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I-V)	अपर प्राइमरी (I/VI-VII/VIII)	कुल प्राथमिक विद्यालय	कुल माध्यमिक विद्यालय	कुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	कुल
शिक्षा विभाग	26454	14888	41342	4694	765	46801
आदिवासी कल्याण विभाग+ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	430	773	1203	381	110	1694
अन्य राज्य सरकार प्रबंधित विद्यालय	6	2	8	4	7	19
टोटल सरकारी स्कूल (राज्य)	26890	15663	42553	5079	882	48514
सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल	285	1383	1668	3337	793	5798
टोटल सरकारी स्कूल और सहायता प्राप्त स्कूल	27175	17046	44221	8416	1675	54312
SSEPD द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त	14	36	50	20	0	70
केंद्र सरकार प्रबंधित प्रबंधित	0	1	1	3	9	13
निजी सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त)	776	3351	4127	814	1186	6127
प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त	441	418	859	64	22	945
केवी / जेएनवी	1	0	1	15	82	98
समुदाय स्कूल	28407	20852	49259	9332	2974	61565

मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25



1.7 शिक्षक (2024-25)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक	उच्च प्राथमिक	प्राथमिक शिक्षक	माध्यमिक	एचआर. माध्यमिक	समुदाय शिक्षक
शिक्षा विभाग	83195	78072	161267	41116	2953	205336
आदिवासी कल्याण विभाग+ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	1831	3868	5699	3353	578	9630
अन्य राज्य सरकार प्रबंधित प्रबंधित	22	8	30	54	36	120
टोटल सरकारी स्कूल शिक्षक (राज्य)	85048	81948	166996	44523	3567	215086
सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल शिक्षक	933	2495	3428	19465	9312	32205
टोटल सरकारी स्कूल और सहायता प्राप्त स्कूल शिक्षक	85981	84443	170424	63988	12879	247291
SSEPD द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त	254	241	495	61		556
केंद्र सरकार प्रबंधित स्कूल	22	37	59	99	95	253
निजी सहायता प्राप्त स्कूल (मान्यता प्राप्त)	29108	34474	63582	10809	11138	85529
प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त	4584	2345	6929	568	167	7664
केवी / जेएनवी	773	176	949	1001	873	2823
समुदाय शिक्षक	120722	121716	242438	76526	25152	344116

मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25



1.8 नामांकन सारांश (2024-25)

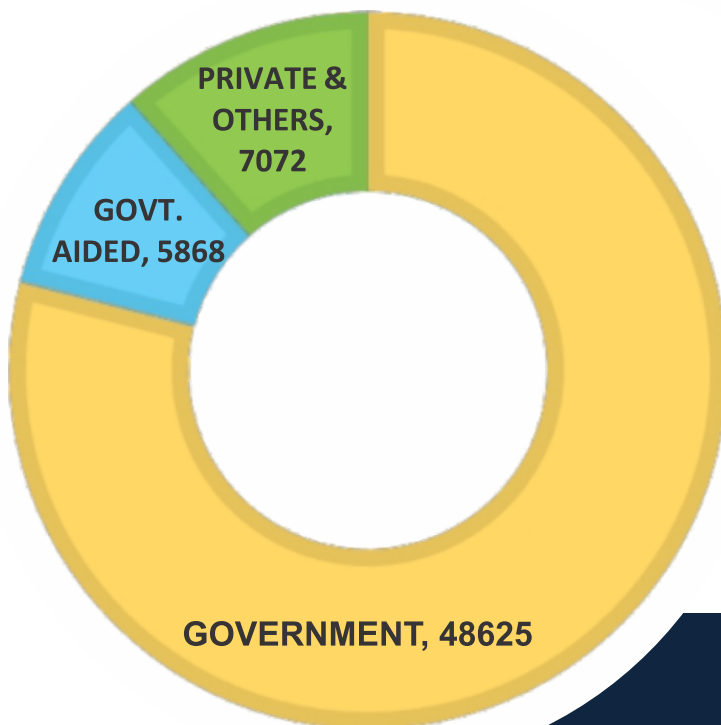
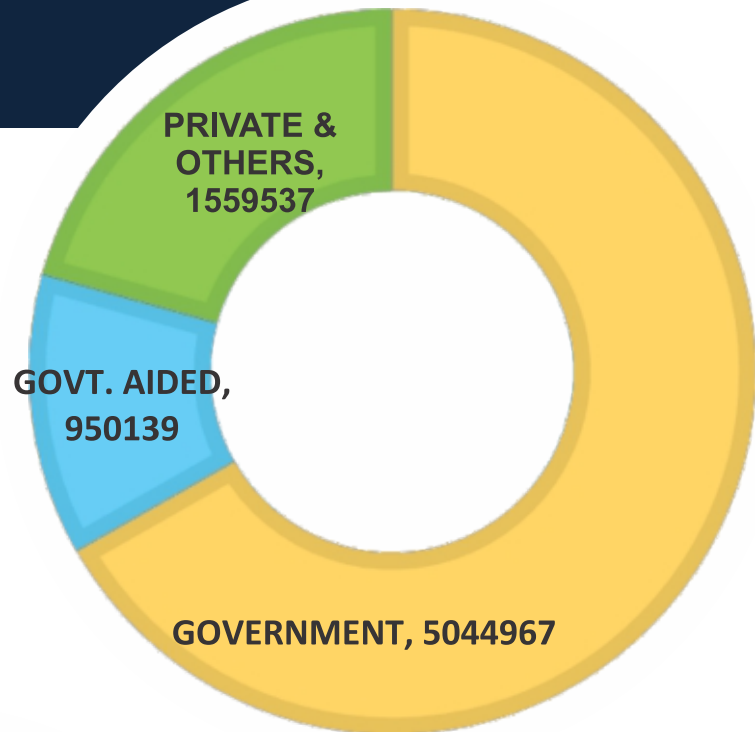
विद्यालय प्रबंधन	प्राथमिक (कक्षा 1-5)	उच्च प्राथमिक (कक्षा 6-8)	प्राथमिक माध्यमिक (कक्षा 1-8)	माध्यमिक (कक्षा 9-10)	उच्चतर माध्यमिक (कक्षा 11-12)	कुल नामांकन (कक्षा 1 - 12)
शिक्षा विभाग	2280373	1454344	3734717	671989	121499	4528205
आदिवासी कल्याण विभाग+ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	172460	173575	346035	65735	15774	427544
अन्य राज्य सरकार प्रबंधित प्रबंधित	841	1363	2204	905	1976	5085
टोटल सरकारी स्कूलों नामांकन (राज्य)	2453674	1629282	4082956	738629	139249	4960834
सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल	23149	119207	142356	346184	456912	945452
टोटल सरकारी स्कूल और सहायता प्राप्त स्कूल नामांकन	2476823	1748489	4225312	1084813	596161	5906286
SSEPD द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त	2764	1415	4179	508	0	4687
केंद्र सरकार प्रबंधित प्रबंधित	1222	2108	3330	1043	1260	5633
निजी सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त)	699889	323369	1023258	150656	306673	1480587
प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त	52826	15500	68326	5533	5091	78950
केवी / जेएनवी नामांकन के बिना कुल नामांकन	3233524	2090881	5324405	1242553	909185	7476143
केवी / जेएनवी (वर्तमान वर्ष)	27486	24850	52336	15797	10367	78500
कुल नामांकन	3261010	2115731	5376741	1258350	919552	7554643

मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25



1.9 ओडिशा में स्कूल, शिक्षक और नामांकन का सैपशॉट: प्रबंधन वार (यूडीआईएसई + 2024-25)

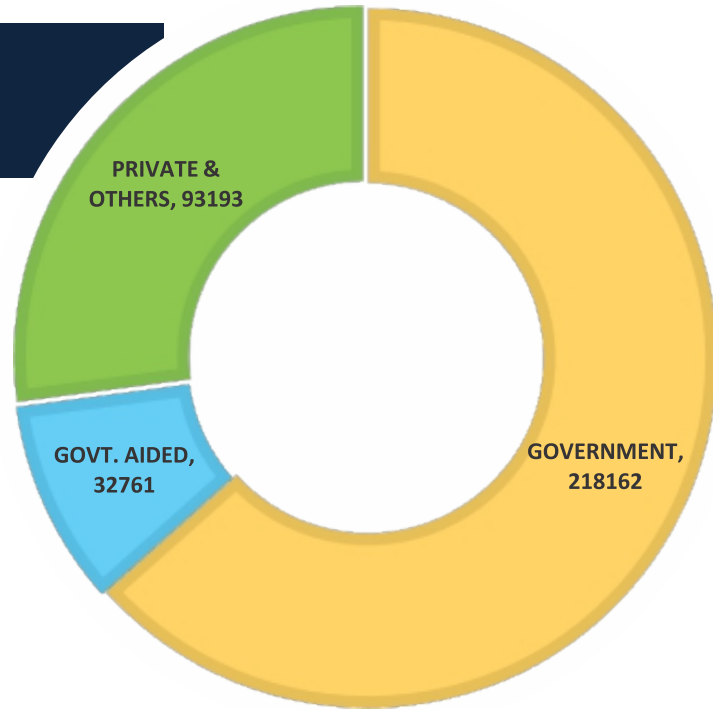
75.55 Lakh
Students



61,565 Schools

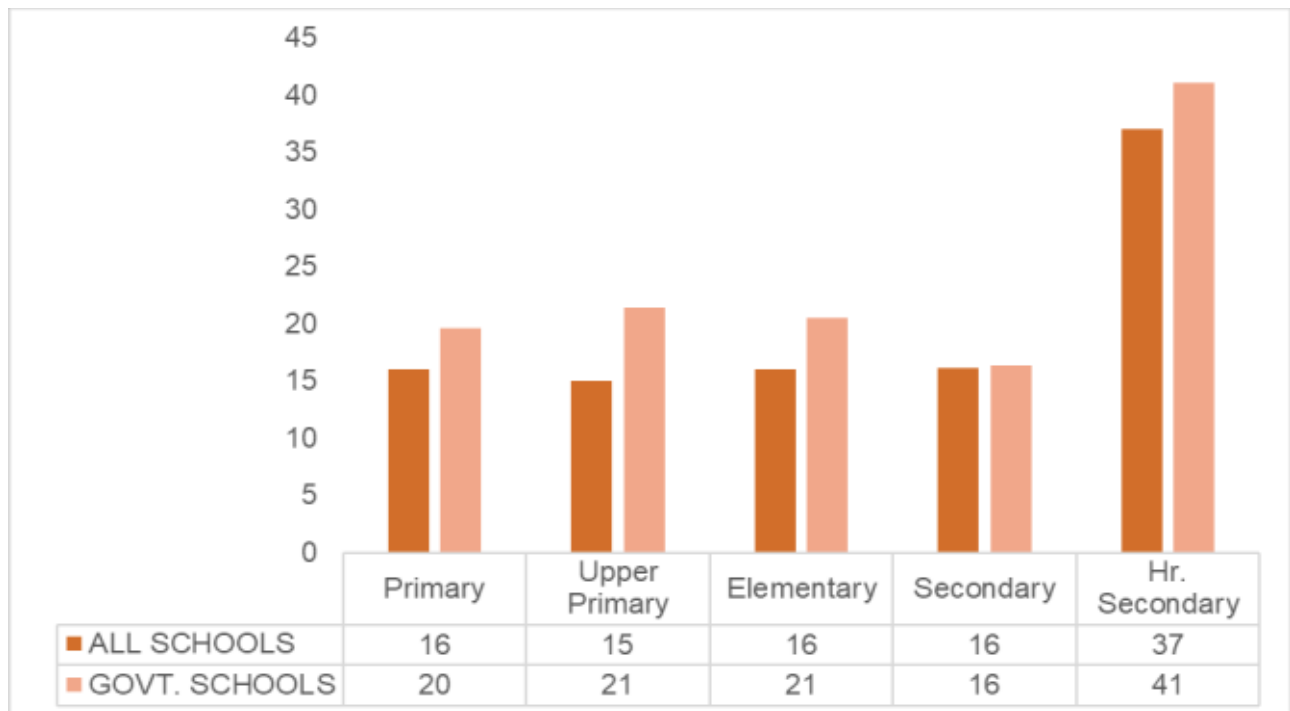


3.4 Lakh Teachers



सरकारी:	79% स्कूल	66% छात्र	62% शिक्षक
सरकारी सहायता प्राप्त:	9% स्कूल	12% छात्र	10% शिक्षक
तिजी	12% स्कूल	22% छात्र	28% शिक्षक

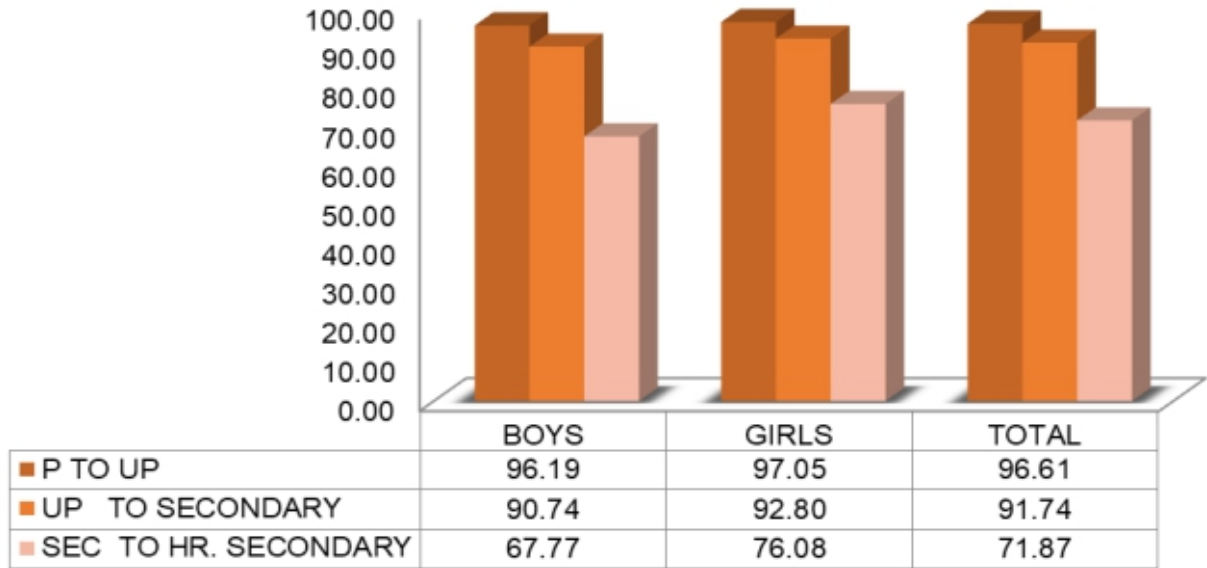
1.10 छात्र शिक्षक अनुपात (पीटीआर)



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

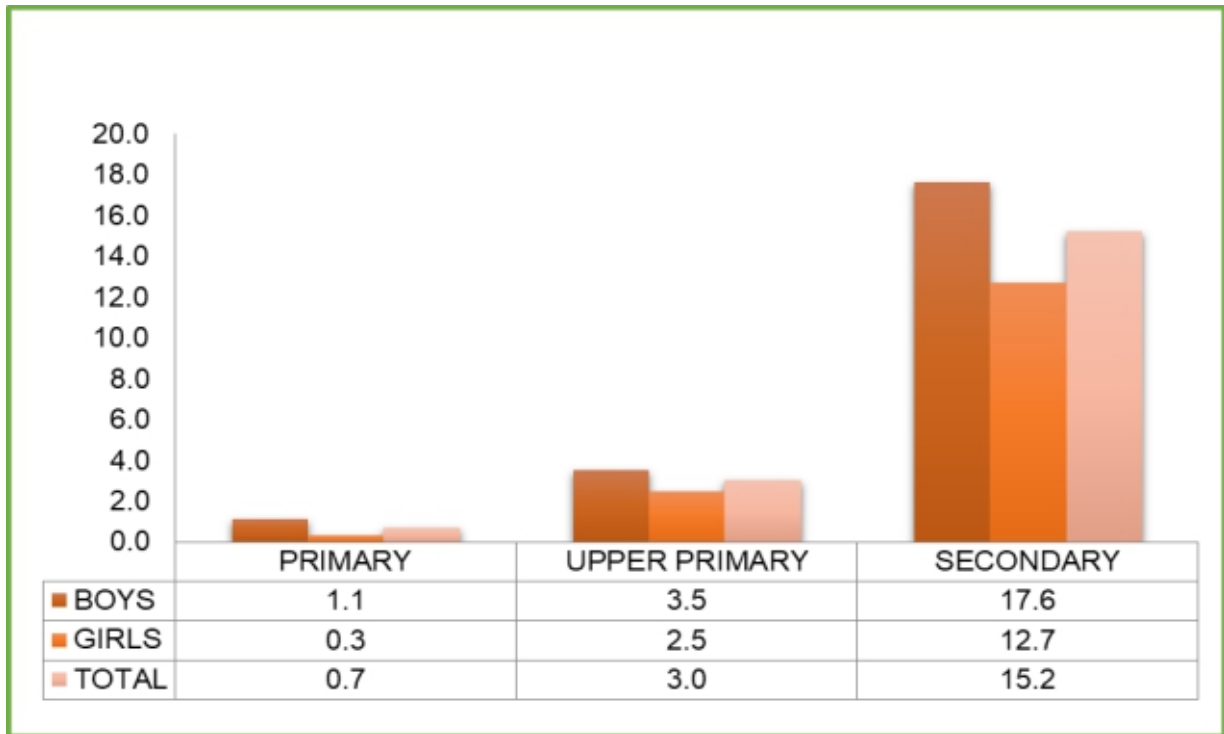


1.11 संक्रमण दर



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

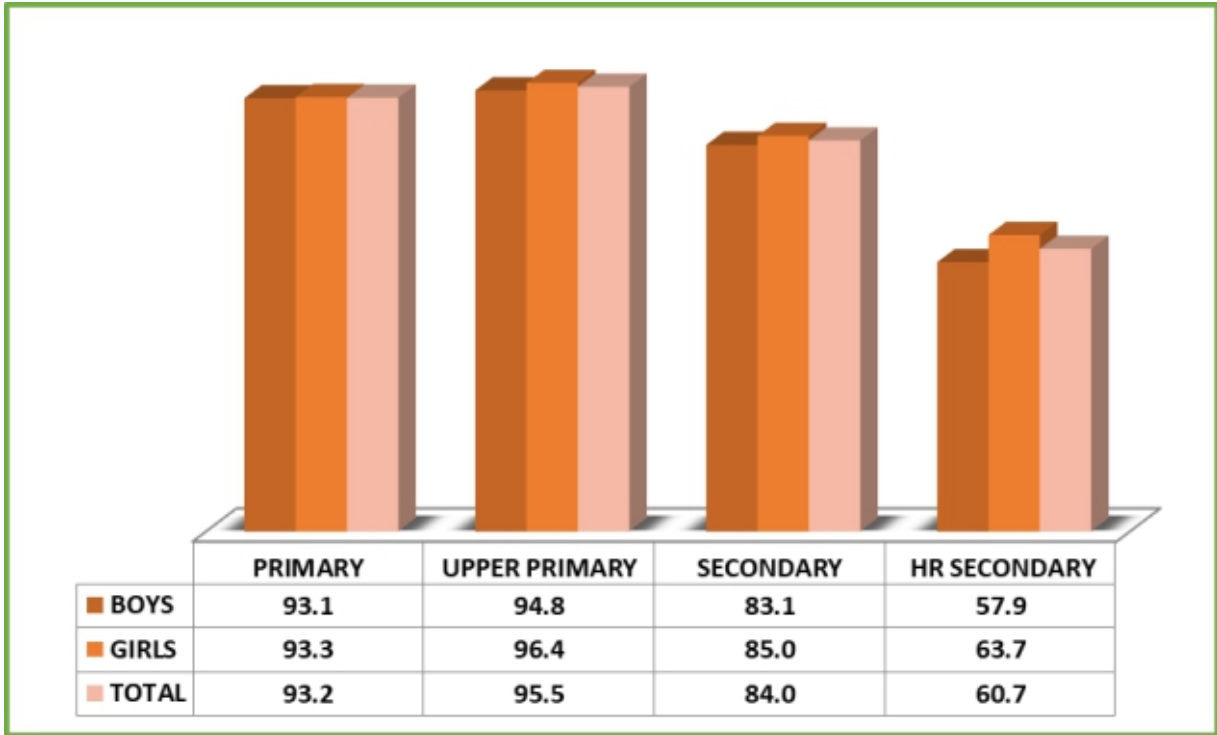
1.12 वार्षिक औसत ड्रॉपआउट दर



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

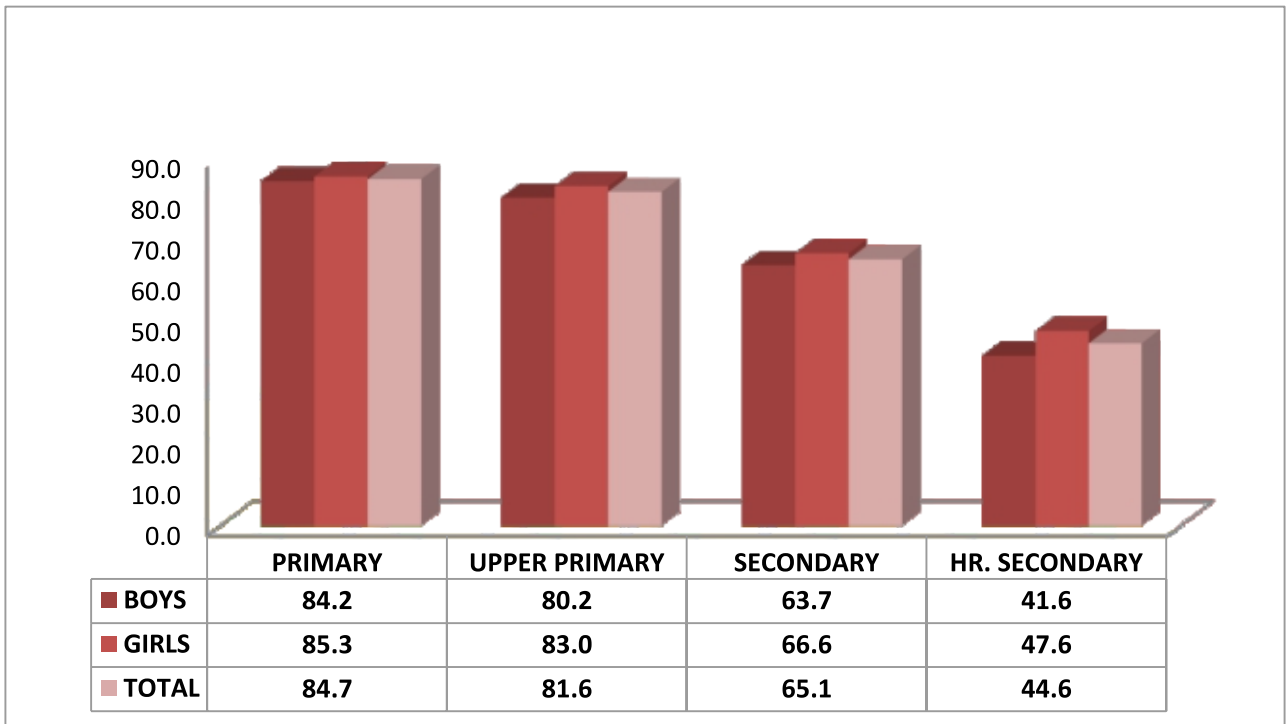


1.13 सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.14 शुद्ध नामांकन अनुपात (एनईआर)

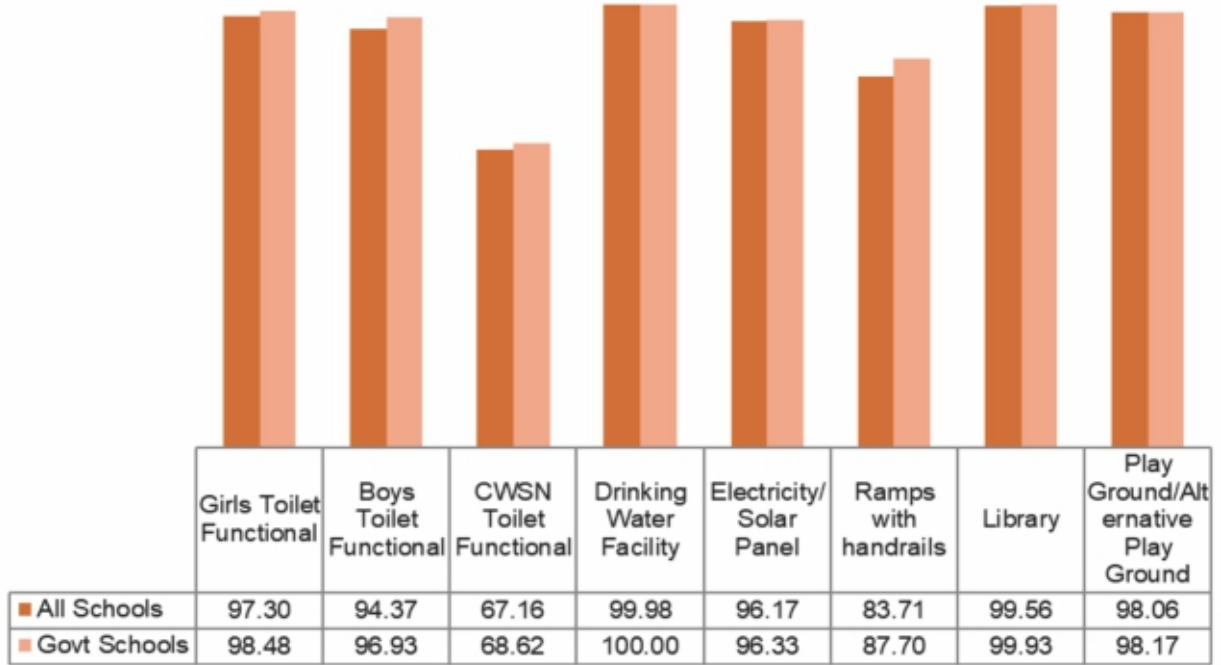


मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25



1.15 बुनियादी ढांचे वाले स्कूल

% of Schools with basic infrastructure facilities (2024-25)



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25





1.16 प्रमुख उपलब्धियां (2024-25)

I. पहुँच और अवधारण

- स्कूल और गण शिक्षा विभाग द्वारा २९ प्राथमिक स्कूलों को उच्च प्राथमिक स्कूल में स्तरोन्नत किया गया।
- पीएबी द्वारा माध्यमिक स्कूल में स्तरोन्नयन और कार्यात्मक के लिए 21 उच्च प्राथमिक स्कूलों को अनुमोदित किया गया है।
- १४१ उन्नत उच्चतर माध्यमिक स्कूल चल रहे हैं और छात्रों को प्रवेश दे रहे हैं।
- दूरस्थ, दुर्गम बस्तियों और प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर विलय स्कूलों से बच्चों के लिए २३१३७ बच्चों को परिवहन और एस्कॉर्ट सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।
- ६-१४ वर्ष आयु वर्ग के बच्चों (आवासीय छात्रावास / स्कूल) के लिए २१ नेताजी सुभाष चंद्र बोस अवासिया विद्यालय १२ जिलों में जारी है, यानी बरगढ़, कटक, गंजम, गजपति, कालाहांडी, कंधमाल, खोरधा, क्योझर, मयूरभंज, मलकानगिरी, कोरापुट और रायगडा।
- ६-१४ वर्ष आयु वर्ग के स्कूल से बाहर के 254 बच्चों और १५-१८ वर्ष के ९३८७ बच्चों की पहचान की गई है।
- आर्टीई अधिनियम के अनुसार स्कूल से बाहर के बच्चों (६-१४ वर्ष) के ४२ बच्चों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ९३८७ बच्चों को SIOS में नामांकित किया गया है।
- बरगढ़, बोलांगीर, कालाहांडी, नुआपाड़ा, मयूरभंज के स्रोत जिलों में ७४ मौसमी छात्रावासों में ३५७८ प्रवासी बच्चों को रखा गया है।

II. लड़कियों की शिक्षा

- रानी लक्ष्मी बाई आत्म परीक्षा कार्यक्रम छात्रों को शारीरिक हमलों के खिलाफ खुद की रक्षा करने और उन्हें जीवन कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए सिखाने के लिए एक वार्षिक गतिविधि है। प्रशिक्षण २५५७२ (उच्च प्राथमिक/माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय) में शुरू किया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस ११ अक्टूबर २०२४ को मनाया गया और २४ जनवरी २०२५ को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जिला और ब्लॉक स्तर पर गतिविधि देखी जाती है।

III. केजीबीवी

- राज्य में २३ जिलों में १८२/१८२ प्रकार-III केजीबीवी कार्यरत हैं, जिनमें ३०८४२ कैदी हैं।
- राज्य के २३ जिलों में १४७/१७३ प्रकार-IV केजीबीवी १११०० कैदियों के साथ कार्य कर रहे हैं।
- लड़कियों को कला और शिल्प, कंप्यूटर, सिलाई, गीत आदि जैसे विभिन्न जीवन कौशल में प्रशिक्षण दिया जाता है
- हॉस्टल प्वाइंट के केजीबीवी कैदियों को मुफ्त आवास, भोजन, स्वास्थ्य जांच आदि प्रदान किए जाते हैं।
- विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण और आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।



- प्रति माह प्रति कैदी @ १०० वजीफा सभी केजीबीवी कैदियों की व्यवस्था में स्थानांतरित किया जाता है।
- केजीबीवीएस में लगे पीटीटीएस के माध्यम से स्कूल के घंटों से परे प्रशिक्षण और सीखने में मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाता है।
- सुचारू कामकाज के लिए प्रत्येक केजीबीवी छात्रावास को रखरखाव और विविध अनुदान प्रदान किए जाते हैं।

IV. समावेशी शिक्षा

- विशेष आवश्यकता वाले ८४३२७ बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) ने सरकार में कक्षा I से XII तक दाखिला लिया। कुल सरकार I & सहायता प्राप्त स्कूल स्रोत: UDISE+ २०२४-२५
- दृष्टिहीन छात्रों को ब्रेल पुस्तकों के १७९१ सेट वितरित किए गए हैं।
- कम दृष्टि वाले छात्रों को बड़े प्रिंट वाली पुस्तकों के ३९७१ सेट वितरित किए गए हैं।
- ब्लॉक स्तर पर २६१ चिकित्सा मूल्यांकन शिविर आयोजित किए गए।
- ७२७९ सी.डब्ल्यू.एस.एन. एड्स और उपकरणों के साथ प्रदान किया गया।
- १४३५७ सीडब्ल्यूएसएन एस्कॉर्ट भत्ता के साथ प्रदान किया गया।
- २४२७५ सी.डब्ल्यू.एस.एन. परिवहन भत्ता प्रदान करता है।
- १०८० नेत्रहीन छात्रों को रीडर भत्ता प्रदान किया गया।
- १९७८० लड़कियों सीडब्ल्यूएसएन वजीफा के साथ प्रदान की।
- विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस सभी ब्लॉकों में मनाया जाता है।
- ब्लॉक स्तर पर सीडब्ल्यूएसएन के लिए आयोजित खेल और एक्सपोजर यात्रा कार्यक्रम।
- सीडब्ल्यूएसएन के लिए संसाधन केंद्र सभी जिला और ब्लॉक मुख्यालयों में खोले गए और कार्य कर रहे हैं।

v. शिक्षाशास्त्र

- सभी सरकारी स्कूलों में प्राथमिक अनुभाग वाले मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) कार्यक्रम को लागू किया गया है, जिसमें कक्षा- III के अंत तक सभी एफएलएन ग्रेड छात्रों द्वारा फाउंडेशन साक्षरता और संख्यात्मक दक्षताओं का सार्वभौमिक अधिग्रहण सुनिश्चित करने की दृष्टि है
- एफएलएन कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन और सरकार की प्रतिबद्धता के लिए। सभी एफएलएन ग्रेड छात्रों द्वारा वांछित योग्यता प्राप्त करने के लिए, राज्य सरकार ने राज्य भर में प्राथमिक खंड वाले सभी सरकारी स्कूलों में "एनआईपीयूएन ओडिशा मिशन" कार्यक्रम शुरू किया है।
- शिशु वाटिका का उद्घाटन: एनईपी २०२० की सिफारिश को लागू करने और प्रारंभिक ग्रेड सीखने को मजबूत करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता; सभी सरकार में शिशु वाटिका (प्री स्कूल) के लिए एक अतिरिक्त वर्ग खोला गया है। ५-६ वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्राथमिक स्कूल।



- शिशु वाटिका वर्कबुक, छात्रों के लिए टीएलएम और शिक्षक पुस्तिका सभी स्कूलों को शिशु वाटिका ग्रेड की आपूर्ति की गई है।
- टीएलएम किट (साक्षरता) जिसमें चित्र पोस्टर (२४), बड़ी पुस्तकें (२०), कविता पोस्टर (२३) और कहानी कार्ड (३३) आदि शामिल हैं, विकसित किए गए हैं और स्कूलों में वितरित किए गए हैं ताकि कक्षा गतिविधि के दौरान पूरक सामग्री के रूप में उपयोग किया जा सके। संख्यात्मक गतिविधि के दौरान उपयोग की जाने वाली संसाधन सामग्री के रूप में एफएलएन ग्रेड वाले स्कूलों को गणित किट वितरित किए गए हैं।
- प्राथमिक कक्षाओं वाले सभी सरकारी स्कूलों में संख्यात्मक गतिविधियों के दौरान उपयोग की जाने वाली संसाधन सामग्री के रूप में गणित किट वितरित की गई हैं।
- सीखने को और अधिक सुखद और दिलचस्प बनाने के लिए प्राथमिक ग्रेड वाले सभी सरकारी स्कूलों को "जादू पेडी किट" की आपूर्ति करने के लिए कदम उठाए गए हैं।
- कक्षा १ के छात्रों के लिए विद्या प्रवेश मॉड्यूल विकसित किया गया है और स्कूल की तैयारी के लिए और स्कूल के माहौल के साथ छात्रों को समायोजित करने के लिए २०२२-२३ से स्कूलों में प्रशासित किया जा रहा है।
- एफएलएन कार्यपुस्तिकाओं को कक्षा-I से III के छात्रों को उनके नियमित अभ्यास के लिए पूरक पठन सामग्री के रूप में प्रदान किया गया है और सभी एफएलएन ग्रेड छात्रों द्वारा वांछित योग्यता की प्राप्ति सुनिश्चित की गई है।
- कक्षा I से III के लिए "शिक्षण सोपान" रजिस्टर (उपलब्धि रजिस्टर) विकसित किया गया है और सभी सरकार को आपूर्ति की गई है। छात्रों के उपलब्धि स्तर को ट्रैक करने के लिए प्राथमिक खंड वाले स्कूल।
- शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिशु वाटिका के सुचारू और प्रभावी संचालन, टीएलएम के उपयोग, बहु ग्रेड कक्षा के प्रबंधन, पेशेवर विकास आदि के लिए "PRASTITI" मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया गया है।
- एफएलएन अनुपालन कक्षा परियोजना को एफएलएन ग्रेड के कक्षा वातावरण को बाल अनुकूल, आकर्षक बनाने के साथ-साथ हर्षित सीखने को सुनिश्चित करने के लिए पेश किया गया है। इस परियोजना के तहत कक्षा में प्रदर्शन बोर्ड, प्रिंट सामग्री को लटकाने के लिए बैटन, टीएलएम कॉर्नर जैसे सामान उपलब्ध कराए जा रहे हैं।
- प्रदर्शन और चर्चा के माध्यम से शिक्षकों को शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए हर महीने के ३ वें शनिवार को हेड टीचर और एक एफएलएन ग्रेड शिक्षक की मासिक क्लस्टर स्तर की साझाकरण बैठक आयोजित की जा रही है।
- एफएलएन कार्यक्रम और इसके प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी के लिए ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर मासिक / त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है।
- छात्रों के मूलभूत कौशल के स्तर का आकलन करने और छात्रों द्वारा ग्रेड स्तर की दक्षताओं की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए एफएलएन ग्रेड के लिए आवधिक मूल्यांकन किया गया है।
- एफएलएन मेला का आयोजन क्लस्टर, ब्लॉक और जिला स्तर पर किया गया है ताकि स्कूल स्तर के नवाचारों और मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) में सर्वोत्तम प्रथाओं का जश्न मनाया जा सके।
- एलईपी कार्यपुस्तिका सभी सरकार के कक्षा IV से VIII के छात्रों को प्रदान की गई है। एस एंड एमई और एसएसडी विभाग के तहत स्कूल। ये वर्कबुक गणित, अंग्रेजी और ओडिया जैसे विषयों के सीखने के परिणामों पर आधारित हैं।



- एलईपी उत्कर्ष कक्षा-९ के छात्रों की सीखने की वृद्धि के लिए लागू किया गया है। सभी सरकारी छात्रों को गणित, अंग्रेजी, विज्ञान और ओडिया जैसे विषयों पर छात्रों की पुस्तिका प्रदान की गई है। एस एंड एमई और एसएसडी विभाग के तहत स्कूल।
- टीटीई और एससीईआरटी, ओडिशा द्वारा विकसित समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) प्राथमिक ग्रेड (कक्षा- I VIII) के सभी छात्रों को प्रदान किया गया है।
- स्कूल की गतिविधियों के साथ AY २०२४-२५ के लिए शैक्षणिक कैलेंडर सभी सरकार को साझा किया गया है। प्राथमिक और माध्यमिक अनुभाग वाले स्कूल (एस एंड एमई और एससी एसटी विभाग दोनों)।
- डीआईटी-सीआरसी लिंकेज कार्यक्रम के तहत ३० जिलों में डीआईटी को सीआरसीसी में मैप किया गया है। आहार शिक्षक स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीआरसी और शिक्षकों को सलाह और अकादमिक सहायता प्रदान कर रहे हैं।
- कक्षा अवलोकन उपकरण (COT) को विकसित किया गया है और कक्षा प्रथाओं का आकलन करने के साथ-साथ शिक्षकों को ऑनसाइट समर्थन प्रदान करने के लिए प्रशासित किया गया है।
- शिक्षकों और छात्रों के लिए स्व-शिक्षा के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए, ई-सामग्री के माध्यम से डिजिटल शिक्षा को विकसित किया गया है और इसे दीक्षा पोर्टल में अपलोड किया गया है।
- ग्रेड I से X के लिए हॉलिडे होमवर्क प्रोग्राम को सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में लागू किया गया है ताकि छात्रों को गर्मियों की छुट्टी के दौरान सीखने की गतिविधियों में संलग्न किया जा सके।
- बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूलों को परीक्षा दर्पण पुस्तिका प्रदान की गई है।

VI. दीक्षा

ज्ञान	प्रेरणा	सहकर्मि सीखना और सहयोग
शिक्षण-अधिगम सामग्री, सीखने के लिए संसाधनों के लिए शिक्षकों की पहुंच बढ़ाने के लिए- केंद्रित शिक्षाशास्त्र।	छात्रों की सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रासंगिक और आवश्यकता-आधारित डिजिटल सामग्री बनाने और क्यूरेट करने में शिक्षकों को प्रेरित करना।	बच्चों के लिए सकारात्मक सीखने का माहौल बनाने के लिए ऑनलाइन चर्चा मंच के माध्यम से शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों को जोड़ना।

शिक्षकों के सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग छात्रों के सीखने के परिणामों की उपलब्धि की गुणवत्ता में वृद्धि करेगा।

- शिक्षक और नेतृत्व प्रशिक्षण
- पाठ योजना और शिक्षक उपकरण
- स्पष्टीकरण सामग्री
- अभ्यास और घर का काम
- प्रश्न बैंक और परीक्षा तैयार करें
- आकलन
- प्रश्नोत्तरी



VII. बुनियादी ढांचे का विकास

- १९२४८ प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल भवनों की संख्या और ७९३ नहीं माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण संचयी रूप से पूरा कर लिया गया है। इसी तरह प्राथमिक विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा के ७६४९१ नग और २९४४ नं माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त कक्षा के कमरे का संचयी रूप से पूरा कर लिया गया है।
- प्राथमिक स्तर पर, पेयजल के साथ ६९९९ स्कूलों की संख्या, लड़कों के शौचालय वाले १५२२७ स्कूल, अलग-अलग लड़कियों के शौचालय वाले ४९४७८ स्कूल, सीडब्ल्यूएसएन शौचालय वाले ३२३६९ स्कूल, विद्युतीकरण सुविधा वाले ११३४९ स्कूल, २२७५१ स्कूल रैंप और हैंडरेल को संचयी रूप से प्रदान किया गया है।
- माध्यमिक स्तर पर ८३३ स्कूलों में पीने के पानी के साथ, लड़कों के शौचालय वाले १०१५ स्कूल, अलग-अलग लड़कियों के शौचालय वाले १८१६ स्कूल, सीडब्ल्यूसीएन शौचालयों वाले ४४ स्कूल, कुल मिलाकर सिविल कार्यों के तहत प्रदान किए गए हैं।
- १८२ उन्नत केजीबीवी (टाइप-III) भवनों का निर्माण पूरा हो चुका है।

VIII. व्यावसायिक शिक्षा

- १००१ माध्यमिक विद्यालय और ६० उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, २६८ हब और स्पोक स्कूलों सहित १०६१ स्कूलों में नामांकित १४१७३२ छात्रों को मंजूरी दी गई है और उन्हें लागू किया गया है।
- राज्य में पहली बार २०२३-२४ में १५ बैचों में २१२० वीटीएस के ५ दिनों के सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।
- छात्रों को गुणवत्तापूर्ण पुस्तक सामग्री और इन-टाइम बुक वितरण सुनिश्चित करने के लिए सभी १२ ट्रेडों के व्यावसायिक शिक्षा पर ३ दिवसीय पुस्तक कार्यशाला का आयोजन किया। छात्रों को अगले सत्र से शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से सभी व्यापार के लिए पाठ पुस्तक मिलेगी।
- छात्रों के लिए एनएसक्यूएफ गठबंधन नौकरी भूमिका पाठ्यक्रम (सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों) कार्यक्रम प्रदान करने के लिए साझेदार संस्थानों के रूप में बागवानी, रेड क्रॉस, आईएचएम, वन विभाग आदि जैसे सरकारी संस्थानों के साथ टैगिंग करके पायलट आधार पर चार स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा के दोहरे मोड को सफलतापूर्वक लागू किया।
- राज्य के १०६१ स्कूलों में २३५७७ अतिथि व्याख्यान और ५५६४ उद्योग यात्राएं आयोजित की गई हैं।

IX. बहुभाषी शिक्षा

- जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा में शिक्षा के माध्यम को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रवेश द्वार।
- प्रारंभिक वर्षों (प्राथमिक कक्षाओं) में मातृभाषा का उपयोग करके आदिवासी बच्चों को प्रणाली शिक्षा से परिचित कराना और धीरे-धीरे अपनी मातृभाषा (L1-MT) से राज्य भाषा (L2) और फिर राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय भाषा (L3) में स्थानांतरित करना।
- माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य जनजातीय सलाहकार समिति (एसटीएसी) की सिफारिश के बाद, राज्य ने वर्ष २००७-०८ में एमएलई लॉन्च किया।



- “राज्य में सभी आदिवासी बच्चों के लिए मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को सुविधाजनक बनाने और तेज करने के लिए एक राज्य स्तरीय नीति” को ओडिशा राजपत्र की अधिसूचना संख्या १०५८ दिनांक ३ जुलाई, २०१४ के माध्यम से अधिसूचित किया गया है।
- एमएलई कार्यक्रम में २१ जनजातीय भाषाओं अर्थात् संताली, सौरा, कोया, कुई, कुवी, किशन, ओरम, मुंडा, जुआंगा, बोंडा, गडाबा, हो, गोंडी, परोजा, खारिया, दिदाई, भिंझल, पौड़ी भुइयां, भूमिया, भातरा और भुंजिया में प्राथमिक शिक्षा शामिल है।
- एमएलई कार्यक्रम १७ जिलों के आदिवासी बहुल क्षेत्रों अर्थात् अंगुल, बालासोर, बरगड, ढेंकनाल, गंजम, गजपति, कंधमाल, कालाहांडी, कोरापुट, क्योझर, मलकानगिरी, मयूरभंज, नवरंगपुर, नुआपाड़ा, रायगढ़ा, संबलपुर और सुंदरगढ़ में चल रहा है।
- १४८३ एमएलई स्कूलों में ९७४८६ एसटी बच्चे पढ़ रहे हैं।
- मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने के लिए ३१८८ शिक्षक लगे हुए हैं।
- १४३ शिक्षा स्वयंसेवक (ईवीएस) स्थिति में हैं और २३ में ७० को नियमित किया गया है २४.
- प्राथमिक ग्रेडों के लिए २१ जनजातीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें और पूरक पठन सामग्री विकसित की गई है।
- एमएलई जिलों में जनजातीय संसाधन केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

X. सुरवी

- युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए क्लस्टर, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर बाल महोत्सव-एसयूआरएवीआई २०२४ का आयोजन किया गया है।
- राज्य स्तरीय सुरावी कार्यक्रम १२ नवंबर से १४ नवंबर, २०२४ तक आवासीय तरीके से ३ दिनों के लिए आयोजित किया गया था।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को दर्शनीय स्थलों (राज्य संग्रहालय, नंदनकानन चिड़ियाघर, ऐतिहासिक स्थल, क्षेत्रीय विज्ञान पार्क आदि) के लिए विभिन्न स्थानों के संपर्क में लाया गया
- विभिन्न प्रतियोगिताओं, मॉडल संयुक्त राष्ट्र, व्यक्तित्व सत्र, कार्यशालाओं, स्टालों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

XI. कला उत्सव

- कला उत्सव का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देना और प्रदर्शित करना है। यह वार्षिक कार्यक्रम छात्रों को विभिन्न स्तरों यानी स्कूल, ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय पर कला और सांस्कृतिक विविधता का पता लगाने और जश्र मनाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- सभी ३० जिलों ने जिला स्तरीय कला उत्सव आयोजित किया है, २०२४-२५ के आसपास २००५ छात्रों ने जिला स्तरीय कला उत्सव में भाग लिया और राज्य के सभी ६ क्षेत्रीय जिलों ने भी जोनल स्तर कला उत्सव आयोजित किया है। राज्य स्तरीय कला उत्सव, २०२४-२५ का आयोजन १२.११.२४ से १३.११.२०२४ के दौरान सरकारी बालिका एचएस, यूनिट - ६, भुवनेश्वर में सुचारू रूप से किया गया और जोनल स्तर के कला उत्सव से चयनित ८५ प्रतिभागियों ने अपने मार्गदर्शक शिक्षकों और अन्य अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। यह दो दिवसीय राज्य स्तरीय



कार्यक्रम था जिसका उद्घाटन निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा एवं निदेशक, माध्यमिक शिक्षा ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में किया।

XII. बैंड प्रतियोगिता

एक स्कूल बैंड अपने स्कूल और देश के प्रति स्कूली बच्चों में एकता, अपनेपन और गर्व की गहरी भावना पैदा करता है। एक बैंड की लय बच्चों और वयस्कों में समान रूप से जुनून, साहस और कार्रवाई करती है। एक बैंड की लय बच्चों और वयस्कों में समान रूप से जुनून, साहस और कार्रवाई को जन्म देती है। गणतंत्र दिवस समारोह, २०२५ के दौरान अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता पूरे देश में स्कूलों में संवैधानिक मूल्यों, देशभक्ति और एकता की भावना को फिर से जीवंत और फिर से जागृत करने में मदद करती है और उन्हें समग्र शिक्षा के मार्ग पर प्रेरित करती है।

जिला और क्षेत्रीय स्तर बैंड प्रतियोगिता:

सभी ३० जिलों ने जिला स्तरीय बैंड प्रतियोगिता, २०२४-२५ का आयोजन किया है और राज्य के भीतर सभी ६ जोनल जिलों ने राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता के लिए बैंड टीमों के चयन के लिए जोनल लेवल बैंड प्रतियोगिता, २०२४-२५ का आयोजन किया है।

राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता:

राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता का आयोजन १४.११.२०२४ को गवर्नमेंट गर्ल्स एचएस, यूनिट- ६, भुवनेश्वर में किया गया था। डीएचएसई, ओडिशा के निदेशक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और एसपीडी, ओसेपा दोपहर में कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में राज्य स्तर पर १३ बैंड टीमों ने भाग लिया। एडब्ल्यूपी और बी २०२४-२५ में अनुमोदित ५ लाख रुपये की राशि इस उद्देश्य के लिए खर्च की गई है।

XIII. डिजिटल शिक्षा

- स्कूलों में आईसीटी प्रावधान: ४००० माध्यमिक विद्यालयों को आईसीटी प्रयोगशाला प्रदान की जाती है। इसके अलावा ६०६५ अपर प्राइमरी ९०९ सेकेंडरी और ७४ वोकेशनल हायर सेकेंडरी स्कूलों के लिए ७०४८ स्मार्ट क्लासरूम उपलब्ध कराए गए।
- ९६७१८ प्राथमिक स्तर के शिक्षकों को टैबलेट प्रदान किए जाते हैं।
- स्कूल गतिविधियों की निगरानी के लिए उच्च प्राथमिक स्कूलों को १०००० टैबलेट प्रदान किए गए हैं।
- सभी ३१६ ब्लॉक आश्रय केंद्र आईसीटी सक्षम हैं।
- ४२ टाइप-IV केजीबीवी और १८२ टाइप-III केजीबीवी के लिए आईसीटी सुविधा।

XIV. स्कूल छात्र हेल्प लाइन

बच्चों की शिकायतों का निवारण शिक्षा का अधिकार अधिनियम, २००९ के अंतर्गत एक प्रमुख पहलू होने के कारण प्रत्येक बच्चे के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए अक्टूबर, २०१० में स्कूल छात्र हेल्पलाइन नामक एक विशिष्ट तंत्र स्थापित किया गया है। जनवरी २०१५ से शिकायतें ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से प्राप्त होती हैं। जनवरी २०१५ से शिकायतें ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों के माध्यम से प्राप्त होती हैं।



2. पहुँच और अवधारण

परिचय:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, २०२० में समग्र शिक्षा के तहत प्राथमिक से उच्च माध्यमिक शिक्षा तक ६-१८ वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों तक पहुँच पर जोर दिया गया है। उच्च माध्यमिक स्तर पर शिक्षा पूरी करने के लिए स्कूल में सभी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाता है। राज्य ने कुल ९०७३१ बस्तियों में से ८७७५० बस्तियों को प्राथमिक और ८८७२१ बस्तियों के साथ उच्च प्राथमिक स्कूली शिक्षा सुविधा के साथ कवर किया है। दूरदराज और दुर्गम बस्तियों के बच्चों को परिवहन और अनुरक्षण सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जो पहुँच पाने में मुश्किल का सामना कर रहे हैं और १ किमी से अधिक स्थित मर्ज किए गए प्राथमिक स्कूल के बच्चे, ऊपरी प्राथमिक विद्यालय और ३ किमी से अधिक और माध्यमिक विद्यालय ५ किमी से अधिक है समग्र शिक्षा मानक के अनुसार बच्चों को उच्च माध्यमिक विद्यालय की सुविधा भी प्रदान की जाती है

शहरी क्षेत्रों में बच्चों की कई कठिन श्रेणियां जैसे बाल श्रम, सड़क की स्थिति में रहने वाले बच्चे, चीर बीनने वाले, अनाथ, एकल माता-पिता, बेघर बच्चे आदि पहुँच नहीं पा रहे थे, कुछ स्कूल के माहौल में जारी नहीं रह सकते थे और बाहर निकल सकते थे। २१. नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासिया विद्यालय (बरगढ़, कटक, गंजम, गजपति, कालाहांडी जिले में आवासीय छात्रावास / स्कूल खोले जाते हैं और कार्य करते हैं। कंधमाल, क्योंझर, खोरधा, कोरापुट, मलकानगिरी, मयूरभंज और रायगडा। शहर के विभिन्न स्थानों से बचाए गए शहरी वंचित बच्चों को एनएससीबीएवी (आवासीय छात्रावास / स्कूल) में पुनर्वास किया जाता है। अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति विकास विभाग, कल्याण विभाग, केजीबीवी आदि के सेवाआश्रम में दूरस्थ, पहाड़ी, जंगल या कम बस्तियों के बच्चों को पहुँच प्रदान की जाती है

६-१८ वर्ष की आयु वर्ग के स्कूली बच्चों की पहचान शिक्षकों और सीआरसीसी द्वारा की जाती है और ब्लॉक और जिला स्तर पर सत्यापित की जाती है। स्कूल के ६-१४ साल के बच्चों को आरटीई अधिनियम के अनुसार विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। १५-१८ वर्ष के बच्चों को SIOS केंद्रों में नामांकित किया गया है। प्रवासी बच्चों को स्रोत और गंतव्य बिंदुओं पर मौसमी हॉस्टल में रखा जाता है और प्रवास से अपने माता-पिता की वापसी तक अध्ययन जारी रखा जाता है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय (आवासीय छात्रावास)

शहरी वंचित बच्चों की कठिन श्रेणी अर्थात् बाल श्रमिक, भीख मांगने वाले बच्चे, बेसहारा बच्चे, प्रौढ़ संरक्षण रहित बच्चे, अनाथ, कठिन परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताएं आदि शहरी क्षेत्रों से मुक्त कराए जाते हैं और प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पूरी करना सुनिश्चित करते हुए आवासीय छात्रावासों में पुनर्वासित किए जाते हैं। १२ जिलों में कुल १७ आवासीय छात्रावास और ०४ आवासीय विद्यालय कार्यरत हैं। कुल २१ एनएससीबीएवी (आवासीय छात्रावास/स्कूल बरगढ़, कटक, गंजाम, गजपति, कलाहांडी जिले में कार्यरत हैं। कंधमाल, खोरधा, केऊंझर, मयूरभंज, मलकानागिरी, कोरापुट और रायगडा।



नेताजी सुभाष चंद्र बोस अवासिया विद्यालय, २०२४-२५ की स्थिति

क्रम सं.	जिले का नाम	रोक	आवासीय छात्रावास का नाम	UDISE कोड	कामकाज का वर्ष	क्षमता	हॉस्टल में बच्चे
1	बारगढ़	बारगढ़	सीमेंट नगर हाई स्कूल	21010303401	2016-17	50	25
2	कटक	सदर	मधुसूदन सरकारी हाई स्कूल	21121804614	2016-17	50	20
3	गजपति	परलाखेमंडी	गांधी मेमोरियल यूपीएस	21200900702	2016-17	50	43
4	गंजम	छतरपुर	रघुनाथपुर यूपी स्कूल	21190605801	2016-17	50	45
5	कालाहांडी	भवानीपटना	बापूजी यूपीएस, भवानीपटना	21261401302	2016-17	50	49
6	कंधमाल	बालीगुडा	ब्लॉक कॉलोनी पीयूपीएस, बालीगुडा	21211501201	2016-17	50	49
7	क्योंझर	क्योंझर सदर	अटापुर नोडल यूपी स्कूल, क्योंझर सदर	21061700501	2012-13	100	90
8	क्योंझर	बरबिल	बरबिल नोडल यूपी स्कूल, बरबिल	21061500602	2012-13	100	81
9	खुर्दा	भुवनेश्वर एमसी	सरकारी हाई स्कूल, यूनिट- I, भुवनेश्वर	21171303604	2012-13	50	41
10	खुर्दा	भुवनेश्वर एमसी	राजभवन प्रोजेक्ट यूपी स्कूल, यूनिट- VIII, भुवनेश्वर	21171302905	2013-14	50	42
11	खुर्दा	भुवनेश्वर एमसी	सरकारी हाई स्कूल, यूनिट-VI, भुवनेश्वर (केवल लड़कियों के लिए)	21171303503	2013-14	50	50
12	खुर्दा	भुवनेश्वर एमसी	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, आईआरसी गाँव, सेक्टर -I, भुवनेश्वर	21171301002	2013-14	50	42



13	कोरापुट	सिमिलिगुडा	आईजी IV पीयूपीएस, सुनाबेडा	21291800104	2018-19	50	50
14	कोरापुट	पोट्टांगी	नेरीडिवाल्सा पीएस, अरजुबालसा, कोटिया जीपी (एलडब्ल्यूई) सह-शिक्षा	21291304201	2018-19	100	100
15	कोरापुट	दशमंतपुर	गिरीगुमा यूजीएस, दशमंतपुर (केवल लड़कियां)	21290407601	2018-19	100	100
16	मालकानगिरी	मलकानगिरी	सरकारी नोडल यूपीएस, बुटीगुडा, मलकानगिरी	21300900804	2016-17	50	50
17	मालकानगिरी	कोरकोंडा	निलाद्रीनगर पीयूपीएस, नीलकंबेरू जीपी, कोरकुंडा (एलडब्ल्यूई)	21300307004	2018-19	100	100
18	मालकानगिरी	पोडिया	कलदापाली यूजीएचएस, पोडिया (एलडब्ल्यूई)	21300701001	2019-20	100	100
19	मयूरभंज	बारीपदा	पूर्णचंद्रपुर प्रोजेक्ट यूपी स्कूल, बारीपदा	21072701501	2014-15	100	99
20	मयूरभंज	बिसोई	बिसोई यूजी हाई स्कूल	21070705602	2015-16	100	100
21	रायगडा	रायगडा	जीबीएम हाई स्कूल, रायगडा	21271400501	2016-17	50	47
कुल						1450	1323



सरकार नोडल यूपीएस, बुटीगुडा, मलकानगिरी



रघुनाथपुर यूपी स्कूल, छत्रपुर, गंजाम

**नए प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों का खुलना:**

सरकार ओडिशा, स्कूल और जन शिक्षा विभाग की अधिसूचना संख्या २२५५४, dt। २६.०९.२०१३ ने आरटीई अधिनियम के अनुसार एनपीएस और एनयूपीएस खोलने के लिए अधिसूचित किया है।

बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, २००९ की धारा -६ और ओडिशा बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियम, २०१० के नियम ६ (४) के अनुसरण में, राज्य सरकार एतद्वारा उक्त नियम की धारा -६ (१) में निर्दिष्ट सीमाओं के साथ बच्चों के मानदंड को जोड़कर राज्य में नए प्राथमिक और नए उच्च प्राथमिक विद्यालय खोलने के लिए निम्नलिखित प्रावधान करती है।

(i) नए प्राथमिक विद्यालय का उद्घाटन:

- गैर-केबीके जिलों और गैर-जनजातीय उपयोजना क्षेत्रों में ६-११ वर्ष आयु वर्ग के कम से कम ४० बच्चों वाली बस्तियों में नए प्राथमिक स्कूल खोले जाते हैं बशर्ते कि ऐसी बसावटों के १ किमी की पैदल दूरी के भीतर कोई प्राथमिक स्कूल न हो।
- केबीके जिलों और जनजातीय उपयोजना क्षेत्रों में ६-११ वर्ष आयु वर्ग के कम से कम २५ बच्चों वाली बस्तियों की बस्तियों/बस्तियों के समूहों में नए प्राथमिक स्कूल खोले जाते हैं बशर्ते कि ऐसी बसावटों में १ किमी की पैदल दूरी के भीतर कोई प्राथमिक स्कूल न हो।

(ii) नए उच्च प्राथमिक विद्यालय का उद्घाटन:

- सभी जिलों में ११-१४ वर्ष आयु वर्ग के कम से कम २५ बच्चों वाली बस्तियों/बस्तियों के समूह में नए उच्च प्राथमिक स्कूल खोले जाते हैं बशर्ते कि ऐसी बसावटों के ३ किमी की पैदल दूरी के भीतर कोई उच्च प्राथमिक स्कूल न हो।

सभी जिलों में नदी, पहाड़ी भू-भाग, घने वन आदि जैसे प्राकृतिक अवरोधकों के मामले में नए प्राथमिक और नए उच्च प्राथमिक स्कूल खोलने के लिए दूरी मानदण्ड में छूट दी गई है।

२०२३-२४ वर्षीय पब ने ओडिशा राज्य के लिए किसी भी नए प्राथमिक और नए उच्च प्राथमिक स्कूलों को मंजूरी नहीं दी है। पीएबी, २०२३-२४ ने ओडिशा राज्य के लिए किसी भी नए प्राथमिक और नए उच्च प्राथमिक विद्यालय को मंजूरी नहीं दी है। एस एंड एमई विभाग में सरकार ने २९ नग को मंजूरी दे दी है। स्कूल खोलने के मानदंड को पूरा करने वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों में उन्नयन के लिए सरकारी प्राथमिक स्कूलों की संख्या। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में उन्नत और सरकार द्वारा अनुमोदित जिलावार प्राथमिक विद्यालय नीचे दिए गए हैं जिला वार प्राथमिक विद्यालयों को उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अपग्रेड किया गया और सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया। नीचे दिया गया है

प्राथमिक विद्यालय को उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्तरोन्नत - 2024-25

क्रम सं.	जिले का नाम	ब्लॉक का नाम	उच्च प्राथमिक विद्यालय में उन्नत प्राथमिक विद्यालय का नाम	उन्नयन का वर्ष
1	अनगुल	तालचेर	टेंदुली प्राइमरी स्कूल	2024-25
2	अनगुल	छेंदीपाड़ा	जम्बुआ प्राइमरी स्कूल	2024-25
3	बालासोर	खैरा	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, भातपड़ा	2024-25
4	बालासोर	बहनागा	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, नीलकंठपुर	2024-25
5	बालासोर	सदर	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, साईपुर	2024-25



6	बालासोर	सदर	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, मल्लीसाही	2024-25
7	बालासोर	रेमुना	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, बाहाला	2024-25
8	बालासोर	रेमुना	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, शंकरपुर	2024-25
9	बालासोर	रेमुना	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, कुरुदा	2024-25
10	बालासोर	बस्ता	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, नाहंजरा	2024-25
11	ढेंकानाल	सदर	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, कंकडाहाड़	2024-25
12	ढेंकानाल	ओडपाड़ा	चारदागाडिया पीएस	2024-25
13	ढेंकानाल	ओडपाड़ा	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, गौड़काटेनी	2024-25
14	ढेंकानाल	गोंदिया	गुंडुरापासी पीएस	2024-25
15	ढेंकानाल	गोंदिया	अन्नापुर पीएस	2024-25
16	गंजाम	बुगुड़ा	सोरोदा पीएस	2024-25
17	गंजाम	हिंजिलिकट	सरकारी पीएस ,पलासी	2024-25
18	जाजपुर	धर्मशाला	कुश्तिरा प्राथमिक विद्यालय	2024-25
19	जाजपुर	धर्मशाला	इच्छापुर पीएस	2024-25
20	जाजपुर	धर्मशाला	नुआकुल सरकारी प्राथमिक स्कूल	2024-25
21	जाजपुर	कोरई	सोलाबंदी सरकारी प्राथमिक स्कूल	2024-25
22	जाजपुर	कोरिया	जालांदा सरकारी पीएस	2024-25
23	जाजपुर	कोरिया	पथरापाड़ा पीएस	2024-25
24	कालाहांडी	धर्मगढ़	सरकारी पीएस छांचनभाली	2024-25
25	केऊंझार	घासीपुरा	सरकारी प्राथमिक स्कूल, टैम्पो	2024-25
26	केऊंझार	घासीपुरा	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, ब्रह्मंडा	2024-25
27	केऊंझार	हाटाडिही	सरकारीपीएस नुअरम्पस	2024-25
28	पूरी	ब्रह्मगिरी	पथरापाड़ा पीएस	2024-25
29	संबलपुर	नक्तीदेउल	कुंजामुरा पीएस	2024-25



१.२.१ स्कूलों का युक्तिकरण और समेकन:

स्कूल एवं जन शिक्षा विभाग ने अधिसूचना संख्या ५४६५ दिनांक ११.३.२०२० और शुद्धिपत्र संख्या १८९०५ दिनांक १४.१२.२०२० के माध्यम से विद्यालयों के युक्तिकरण और एकीकरण की नीति लागू करने की अधिसूचना जारी की है। इसका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना, एक ही परिसर में उच्च विद्यालय स्तर तक की शिक्षा प्रदान करने के लिए यथासंभव अधिक से अधिक एकीकृत माध्यमिक विद्यालयों का निर्माण करना, संक्रमण में सुधार लाना और राज्य के संसाधनों का कुशल उपयोग करना है। एकीकरण के प्रकार नीचे दिए गए हैं।

- सरकारी हाई स्कूल, मणिनाथपुर अनुसूचित और केबीके क्षेत्रों में १५ से कम या उसके बराबर नामांकन वाले प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय और अन्य क्षेत्रों में २० से कम दूरी के बावजूद पास के स्कूलों के साथ समेकित किए जाने वाले स्कूल।
- गैर टीएसपी और गैर केबीके क्षेत्रों के लिए ४० से कम नामांकन और केबीके और टीएसपी क्षेत्रों के लिए २५ से कम नामांकन और पास के प्राथमिक / माध्यमिक विद्यालय की दूरी १ किमी एक ही परिसर में या १०० मीटर की दूरी के भीतर प्राथमिक / उच्च प्राथमिक / माध्यमिक विद्यालय सरकार को। २०२०-२१ में लीड स्कूल के साथ समेकन के लिए ७७५० स्कूलों को अधिसूचित और अनुमोदित किया है। अब तक ५६३२ उपग्रह स्कूलों को लीड स्कूलों के साथ समेकित किया गया है।

परिवहन/अनुरक्षण सुविधाएं:

सरकारी के स्कूल और जन शिक्षा विभाग ने २५.२.२०१९ को संख्या ४६६१ के माध्यम से दूरदराज के बस्तियों में रहने वाले बच्चों के लिए परिवहन/एस्कॉर्ट सुविधाओं का समर्थन प्रदान करने के प्रावधान करने के लिए अधिसूचना जारी की है, जहां आबादी कम है या पहाड़ी क्षेत्रों, घने वन क्षेत्रों आदि में स्थित बस्तियों में या शहरी क्षेत्रों में जहां भूमि की उपलब्धता एक समस्या है या जो बच्चे अत्यंत वंचित समूह से संबंधित हैं या विशेष जरूरतों वाले बच्चे हैं, जिन्हें निम्नलिखित शर्तों के अनुसार स्कूल तक पहुंच नहीं मिल सकती है।

- जहां बच्चों को स्कूलों के यौक्तिकीकरण की नीति के अनुसार सैटेलाइट स्कूल (कम नामांकन) के लीड स्कूल के साथ विलय के कारण आसपास के क्षेत्र में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और वे प्राथमिक स्कूल में भाग लेने के लिए १ किमी से अधिक और उच्च प्राथमिक स्कूल में भाग लेने के लिए ३ किमी से अधिक की यात्रा करते हैं।
- जहां कम आबादी वाली बस्तियों के बच्चे और जहां स्कूल खोलना व्यवहार्य नहीं है और जहां पड़ोस में प्राथमिक स्कूल १ किमी से आगे स्थित है और उच्च प्राथमिक स्कूल ३ किमी से आगे स्थित है
- जहां बच्चे घने जंगल क्षेत्र में स्थित बस्तियों में रहते हैं और बच्चों को स्कूल जाने में बाधा डालने वाले जंगली जानवरों का डर बना रहता है। जहां बच्चों को बरसात के मौसम में नदी/खाई आदि के कारण किसी प्राकृतिक अवरोध का सामना करना पड़ता है।



परिवहन/एस्कॉर्ट सुविधा की स्थिति

वर्ग	पीएबी (प्राथमिक और माध्यमिक) द्वारा अनुमोदित बच्चों की संख्या	बच्चों की संख्या जिन्हें परिवहन/एस्कॉर्ट सुविधा प्रदान की गई है
दूरस्थ बस्ती और मर्ज किए गए स्कूलों में बच्चे	35076	23137

स्कूल से बाहर के बच्चे और विशेष प्रशिक्षण:

सरकार को। ओडिशा के, एस एंड एमई विभाग ने अधिसूचना सं 6939 डी.टी.डी. 31.3.2014 ने स्कूल से बाहर के बच्चों की परिभाषा घोषित की है। 6-14 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों में से कुल 254 बच्चों की पहचान की जाती है और उन्हें उचित आयु वर्ग में भर्ती किया जाता है। पीएबी-2024-25 ने प्राबंध पोर्टल में डाटा अपलोड के अनुसार विशेष प्रशिक्षण के लिए स्कूली बच्चों में से 42 बच्चों को मंजूरी दी है।

सी. नं.	गतिविधियों	PAB लक्ष्य 2023-24	शारीरिक उपलब्धि
1	OoSC को गैर-आवासीय विशेष प्रशिक्षण (फ्रेश)	42	42
	कुल	42	42

कुल 212 स्कूल न जाने वाले बच्चों को सीधे स्कूलों में नामांकित किया गया है और उन्हें विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है।

प्रवासी परिवारों के बच्चों के लिए मौसमी छात्रावास

पीएबी 2024-25 ने स्रोत बिंदुओं में 116 मौसमी हॉस्टलों में बनाए रखने के लिए 4647 प्रवासी बच्चों को मंजूरी दी है। हॉस्टल नवंबर / दिसंबर, 2024 के महीने में खोले जाते हैं। मौसमी हॉस्टल के अंतर्गत उपलब्धि नीचे दी गई है:

प्रवासी बच्चों के लिए मौसमी छात्रावास - 2024-25

स्रोत बिंदु: निवास योग्य

जिले का नाम	पीएबी लक्ष्य (पीएचवाई)		उपलब्धि (पीएचवाई)	
	केंद्र की संख्या	बच्चों की संख्या	केंद्र की संख्या	बच्चों की संख्या
बारगढ़	9	428	8	428
बोलांगीर	30	1283	18	1000
कालाहांडी	12	445	5	252
नुआपाड़ा	63	2407	42	1851
मयूरभंज	2	84	1	47
कुल	116	4647	74	3578

**स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (SIOS)**

१५-१८ वर्ष की आयु वर्ग के स्कूली बच्चों में से ९३८७ बच्चों की पहचान की जाती है और उन्हें सरकार में स्थित SIOS केंद्रों में भर्ती कराया जाता है। प्रत्येक ब्लॉक और जिला मुख्यालय के उच्च विद्यालय।

क्रम सं.	जिले का नाम	SIOS के लिए PAB द्वारा अनुमोदित बच्चों की संख्या (15-18 वर्ष)	बच्चों की संख्या (15-18 वर्ष) SIOS में भर्ती कराया गया
1	अनगुल	शून्य	शून्य
2	बालासोर	1062	1062
3	बरगड	शून्य	शून्य
4	भद्रक	261	261
5	बोलांगिर	722	722
6	बौध	191	191
7	कटक	315	315
8	देवगढ़	239	239
9	ढेंकानाल	285	285
10	गजपति	338	338
11	गंजाम	1327	1327
12	जगतसिंहपुर	शून्य	शून्य
13	जाजपुर	404	404
14	झारसुगुडा	91	91
15	कालाहांडी	108	108
16	कंधमाल	361	361
17	केंद्रपाड़ा	शून्य	शून्य
18	क्योंझर	419	419
19	खोरधा	14	14
20	कोरापुट	571	571
21	मल्कानगिरी	620	620
22	मयूरभंज	शून्य	शून्य
23	नबरंगपुर	1052	1052
24	नयागढ़	48	48
25	नुआपड़ा	541	541
26	पूरी	397	397
27	रायगढ़	20	20
28	संबलपुर	1	1
29	सोनपुर	शून्य	शून्य
30	सुंदरगढ़	शून्य	शून्य
	कुल	9387	9387



उच्च प्राथमिक विद्यालय को माध्यमिक विद्यालय और माध्यमिक को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उन्नयन नया माध्यमिक विद्यालय

भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, समग्र शिक्षा मूल्यांकन दिशानिर्देश 2022-23 दिनांक 23.02.2022

आदर्श

- 5 किमी की दूरी के भीतर हाई स्कूल सुविधा की अनुपलब्धता।
- कैचमेंट एरिया के फीडर यूपीएस की कक्षा 8 में कम से कम 70 बच्चों का नामांकन होना चाहिए। पीएबी की मंजूरी के अनुसार जिले में 21 उन्नत माध्यमिक विद्यालय कार्य कर रहे हैं

क्रम सं.	जिले का नाम	ब्लॉक का नाम	यूपीएस का नाम माध्यमिक विद्यालय में अपग्रेड किया गया
1	बोलांगीर	सैटाला	झिनकरमल जीयूपीएस
2	बोलांगीर	पटनागढ़	दांगबाहल सरकारी यूपीएस
3	बोलांगीर	पटनागढ़	मूड़घाट सरकारी यूपीएस
4	बोलांगीर	पटनागढ़	गेरडा सरकारी यूपीएस
5	बोलांगीर	पटनागढ़	चकमल सरकारी यूपीएस
6	बोलांगीर	पटनागढ़	बडबाबेजुरी सरकारी यूपीएस
7	बोलांगीर	पटनागढ़	देभुइन यूपीएस
8	बौध	हरभंग	करंजाकाता टीओयूपी
9	ढेंकानाल	परजांग	अभिमन्यु सरकारी यूपीएस
10	गंजाम	जगन्नाथ प्रसाद	पीयूपीएस, खजुरीपल्ली
11	कंधमाल	नुआगांव	संकुसाबली यूपीएस
12	कंधमाल	फिरिंगिया	पकरी पीयूपीएस
13	मलकानगिरी	के गुम्मा	गजलममुडी यूपीएस
14	मलकानगिरी	के गुम्मा	जंत्री यूपीएस
15	नुआपड़ा	बोडेन	पतडारहा प्रोज यू.पी.एस
16	नुआपड़ा	कोमना	सरकारी यूपीएस देवडाराह
17	रायगढ़	काशीपुर	लाखिश यूपीएस
18	संबलपुर	जैमनकीरा	सरकारी यूपीएस कडालिपाल
19	संबलपुर	जैमनकीरा	सरकारी पीयूपीएस, शरेई
20	संबलपुर	रेंगाली	सरकारी यूपीएस, कुर्ला
21	सुंदरगढ़	कोइरा	सरकारी यूपीएस, मंडोजोडा

**हायर सेकेंडरी स्कूल का सुदृढीकरण**

भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, समग्र शिक्षा मूल्यांकन दिशानिर्देश 2022-23 दिनांक 23.02.2022

आदर्श

- 7 किमी की दूरी के भीतर हाई स्कूल सुविधा की अनुपलब्धता।
- एक स्कूल जो अध्ययन का एक ही विषय प्रदान करता है, ग्रेड XI में छात्रों की कुल संख्या 60 (प्रति अनुभाग 30 छात्र) और ग्रेड XII में 60 छात्र होंगे। इस प्रकार, अध्ययन के एक विषय की पेशकश करने वाले स्कूल में छात्रों की संख्या 120 होगी। इस प्रकार, अध्ययन के एक विषय की पेशकश करने वाले स्कूल में छात्रों की संख्या 120 होगी।

जिले में 141 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पब, समग्र शिक्षा की मंजूरी के अनुसार कार्य कर रहे हैं।

समग्र शिक्षा के तहत उच्च माध्यमिक स्कूलों को अपग्रेड किया गया

क्रम सं.	जिले का नाम	ब्लॉक का नाम	उच्च प्राथमिक विद्यालय में उन्नत प्राथमिक विद्यालय का नाम	यूडीआईएसई कोड	स्ट्रीम
1	भद्रक	बासुदेवपुर	के. के. जी. पी. एचएस, चांदीमल	21090117403	कला
2	भद्रक	तिहिदी	बासुली नोडल हाई स्कूल, कानपाड़ा	21090707002	कला
3	भद्रक	चन्दाबाली	एस एस निगमानंद हाई स्कूल, शशिकादेईपुर करणजमाला	21090514602	कला
4	भद्रक	बोंथ	कदबरांग नोडल हाई स्कूल	21090410002	कला
5	बोलांगीर	बेलपाड़ा	परिमल युजीएचएस	21240409601	कला
6	बोलांगीर	खापरखोल	सर्वोदय नोडल बिद्यापीठ, लुहासिंघा	21240707302	कला
7	बोलांगीर	अगलपुर	कुटासिंघा एचएस	21240106404	कला
8	बोलांगीर	टिटिलागढ़	खोलन पंचायत नोडल हाई स्कूल	21241306504	कला
9	बोलांगीर	खापरखोल	हरिशंकर हाई स्कूल, रेंगली	21240711602	कला
10	बोलांगीर	देवगांव	बंधपारा एचएस	21240501403	कला
11	बोलांगीर	अगलपुर	युएँमएचएस सालेभाता	21240110001	कला
12	बोलांगीर	लोइसिंघा	उपरबहल एच एस	21240810802	कला
13	बोलांगीर	पुइंतला	बुबेल एनएचएस	21241104903	कला
14	बोलांगीर	सैंटाला	बीआरएचएस करमटाला	21241209802	कला
15	बोलांगीर	पटनागढ़	तमियन नोडल एचएस	21241015403	कला



16	बोलांगीर	पटनागढ़	बरबाहाल युजीएचएस	21241006401	कला
17	बोलांगीर	पटनागढ़	डांड्रावहाल युजीएचएस	21241006001	कला
18	बोलांगीर	तुरेकेला	इंदिरा गांधी हाई स्कूल, ढोलमंडल	21241403602	कला
19	बौध	हरभंग	राजेंद्र नारायण एचएस, ढालपुर	21220213405	कला
20	बौध	कंटामल	जनता हाई स्कूल अंबागांव	21220300105	कला
21	देवगड	बारकोट	पंचायत हाई स्कूल, पीओ-कोडोपाडा	21040109901	कला
22	देवगड	रीमल	पंचपाली सरकारी हाई स्कूल, नुआडीही रीयमाल	21040217201	कला
23	देवगड	तिलइबनी	जनता सरकारी हाई स्कूल, लाइमुरा, तिलइबनी	21040313702	कला
24	देवगड	बारकोट	दन्तरीबहल एचएस, दतारीबहल, बारकोट	21040107901	कला
25	गजपति	नुआगाडा	बदपाड़ा हाई स्कूल, नुआगाड़ा	21200516001	विज्ञान
26	गंजाम	भंजनगर	सरकारी हाई स्कूल, मुजागड	21190411603	कला
27	गंजाम	बुगुड़ा	सकुंतला बिद्यापीठ, कराचुली	21190505503	कला
28	गंजाम	डिगपाहांडी	बोरीपदरा नोडल हाई स्कूल	21190912302	कला
29	गंजाम	जेएनप्रसाद	ए.एन.ए. हाई स्कूल, कलिंगपादर	21191204401	कला
30	गंजाम	केएसनगर	श्री दादीबामन हाई स्कूल, बरिदा-ए	21191301304	कला
31	गंजाम	खलीकोट	सरकारी हाई स्कूल, खोजापल्ली	21191414401	कला
32	गंजाम	सुरुदा	बोराडा युजीएचएस, पीओ-बोराडा	21192205301	कला
33	गंजाम	सुरुदा	जेजे बिद्यापीठ, पीओ-नुआगाडा	21192228201	कला
34	गंजाम	बेगुनियापाड़ा	कालीमेघी जगदीलीपदरा एचएस	21190207501	कला
35	गंजाम	भंजनगर	कबी समब्रत सरकारी हाई स्कूल	21190409704	कला
36	गंजाम	छत्रपुर	गंगा सरकारी हाई स्कूल, गंगापुर	21190606802	कला
37	गंजाम	चिकिती	सरकारी युजीएचएस, बडेकासिंगी	21190701501	कला



38	गंजाम	चिकिती	सरकारी युजीएचएस, पतीसुनापुर	21190713201	कला
39	गंजाम	चिकिती	सरकारी युजीएचएस, कटतुरू	21190707002	कला
40	गंजाम	धरकोट	सरकारी यू.जी. हाई स्कूल ओस्टा	21190802202	कला
41	गंजाम	खलीकोट	श्री गुप्तेश्वर हाई स्कूल	21191408802	कला
42	गंजाम	कुकुडाखंडी	पुरुनापटना यूजीएचएस	21191506102	कला
43	गंजाम	पात्रपुर	तुरुबुदी हाई स्कूल, तुरुबुदी	21191635501	कला
44	गंजाम	पुरुषोत्तमपुर	आर टी बिद्यापीठ	21191807003	कला
45	गंजाम	शेरगड	सरकारी हाई स्कूल, कुरुला	21192106401	कला
46	गंजाम	सूरदा	हदुसराब हाई स्कूल, बडगड	21192204006	कला
47	गंजाम	सूरदा	श्रीधर हाई स्कूल बोरासिंगी	21192206102	कला
48	जगतसिंहपुर	इरासामा	कुंजबिहारी एचएस नुआगांव	21110317003	कला
49	झारसुगुडा	लखनपुर	जे.एल सरकारी एचएस अधपारा, लखनपुर, झारसुगुडा	21020507907	कला
50	झारसुगुडा	लखनपुर	पंचायत सरकारी हाई स्कूल, लखनपुर	21020508205	कला
51	झारसुगुडा	लखनपुर	महात्मा गांधी सरकारी हाई स्कूल, कदमडीही	21020504902	कला
52	झारसुगुडा	लखनपुर	सरकारी हाई स्कूल, पंडारी, पीओ- पंडारी	21020510701	कला
53	कलाहांडी	भवानीपटना	सरकारी हाई स्कूल, सीनपुर	21260125801	कला
54	कलाहांडी	जूनागढ़	बीजीएचएस , माहिचला	21260511201	कला
55	कलाहांडी	नारला	आरकेएन एचएस सेंटपुर	21261214003	कला
56	कलाहांडी	नारला	उलीकपा यूजीएचएस	21261217302	कला
57	कलाहांडी	थाना रामपुर	सरकारी एचएस, महलपटना	21261317601	कला
58	कलाहांडी	थाना रामपुर	सरकारी एचएस ,कियापदर	21261311801	कला
59	कलाहांडी	थाना रामपुर	सरकारी एचएस, कानिगुमा	21261309001	कला



60	कलाहांडी	भवानीपटना	सरकारी एचएस तलबेलगांव	21260126901	कला
61	कलाहांडी	भवानीपटना	सरकारी एचएस तिलजोड़ी	21260108501	कला
62	कलाहांडी	धरमगढ़	धनारपुर यूजीएचएस, ब्लॉक- धरमगढ़	21260202203	कला
63	कलाहांडी	गोलमुंडा	जीपीएनएचएस फरांग, पीओ- फरांग	21260304402	कला
64	कलाहांडी	गोलमुंडा	यूजीएचएस नुआगांव, पीओ-नुआगांव	21260310502	कला
65	कलाहांडी	जयपटना	भैनरिपाली उम्स, ब्लॉक- जयपटना	21260402701	कला
66	कलाहांडी	जूनागढ़	सरकारी एचएस डूंडेलमल	21260507601	कला
67	कलाहांडी	जूनागढ़	जेडीएचएस नांदोल, ब्लॉक- जूनागढ़	21260513902	कला
68	कलाहांडी	कलामपुर	बिश्वनाथ सरकारी एच.एस. मंडलर	21260603901	कला
69	कलाहांडी	कोकासोरा	इंद्रावती सरकारी हाई स्कूल डांगरीगुडा	21260906002	कला
70	कलाहांडी	कोकासोरा	सरकारी हाई स्कूल नेगिगुडा, ब्लॉक- कोकसरा	21260902402	कला
71	कलाहांडी	कोकासोरा	बुधराजा सरकारी हाई स्कूल, अम्पानी	21260900104	कला
72	कलाहांडी	कोकासोरा	सरकारी एचएस दहागांव, पीओ- दाहागांव	21260901006	कला
73	कलाहांडी	एम.रामपुर	सरकारी हाई स्कूल, मोहनगिरी	21261115203	कला
74	कलाहांडी	नारला	एमपिएचएस मस्कुटी, पो- मस्कुटी	21261208802	कला
75	कलाहांडी	नारला	तकार्ला उम्स, पीओ- टकार्ला	21261216404	कला
76	कलाहांडी	नारला	रुपरा रोड हाई स्कूल, पीओ-रुपरा रोड	21261213101	कला
77	कंधमाल	फिरिंगिया	सरकारी यू जी नोडल हाई स्कूल, बालांडापाड़ा	21210800204	कला
78	कंधमाल	बालीगुडा	सरकारी हाई स्कूल, बाराखामा	21210100602	कला



79	क्योंझर	तेल्कोई	श्री जगन्नाथ हाई स्कूल, गोलबंद	21061302802	कला
80	क्योंझर	बंसपाल	बैतरणी नोडल हाई स्कूल	21060200101	कला
81	क्योंझर	आनंदपुर	एल.डी. विद्यापीठ, कोडपड़ा	21060106303	कला
82	क्योंझर	एचसीपुर	जनता हाई स्कूल, जिरंग	21060609001	कला
83	क्योंझर	घासीपुरा	मधुबन सरकारी हाई स्कूल, कंस केंदुआ	21060411702	कला
84	क्योंझर	आनंदपुर	सरकारी हाई स्कूल, धकोठा	21060102101	कला
85	क्योंझर	तेल्कोई	श्री औरोविंदो सरकारी नोडल हाई स्कूल, पीओ-सरुली	21061304204	कला
86	कोरापुट	बंदुगांव	सरकारी हाई स्कूल, बंधुगांव	21290101404	विज्ञान
87	कोरापुट	जेपोर	सरकारी हाई स्कूल, अम्बागुडा	21290500106	कला
88	कोरापुट	कोरापुट	मालुसांता सरकारी नोडल हाई स्कूल, दामनजोड़ी	21290607805	कला
89	कोरापुट	कोटपाड	सरकारी नोडल हाई स्कूल, कुसुमी	21290707071	कला
90	कोरापुट	लैम्टापुत	सरकारी हाई स्कूल, मट्टम्पुट	21290906906	कला
91	कोरापुट	पोट्टांगी	सरकारी यूजी हाई स्कूल, पेरु	21291305901	कला
92	कोरापुट	सेमिलिगुडा	सरकारी नोडल हाई स्कूल, दुधारी	21291400602	कला
93	मलकानगिरी	कोरकुंडा	चित्रकोंडा सरकारी बॉयज हाई स्कूल	21300302102	विज्ञान
94	मलकानगिरी	कोरुकोंडा	कोरुकोंडा हाई स्कूल	21300305003	कला
95	मलकानगिरी	कलीमेला	एमपीवी 21 नोडल होग स्कूल	21300100102	कला
96	मलकानगिरी	पोडिया	उरुबल्ली यूजीएचएस	21300704401	कला
97	मलकानगिरी	मैथिली	सरकारी सलीमी एचएस	21300610901	कला



98	मलकानगिरी	मैथिली	बापूजी सरकारी एचएस अनलापदर	21300601401	कला
99	मलकानगिरी	मलकानगिरी	सिंधुरिमल यूजीएचएस	21300505701	कला
100	मलकानगिरी	मलकानगिरी	क्रुसुवाडा यूजीएचएस	21300303503	कला
101	मयूरभंज	बहलदा	सरकारी हाई स्कूल, झराडीह	21070108102	कला
102	मयूरभंज	बारीपदा	बदबराहमनमारा सरकारी एचएस, पीओ-बडब्रम्मारा	21070400901	कला
103	नबरंगपुर	तेन्तुलीकुंटी / नंदहंडी	सदासिबा हाई स्कूल, डाहाना	21280601403	विज्ञान
104	नबरंगपुर	नंदहंडी	नंदहंडी सरकारी हाई स्कूल	21280604104	विज्ञान
105	नबरंगपुर	दबूगम	सरकारी उमस, बोरीगम	21280200901	कला
106	नबरंगपुर	नबरंगपुर	सरकारी यूजीएचएस भटिगम	21280501801	कला
107	नबरंगपुर	पापाडाहांडी	सरकारी हाई स्कूल, चर्चेटा	21280700501	कला
108	नबरंगपुर	रायगढ़	नोडल गवर्नमेंट हाई स्कूल, तुरुदिही	21280811802	कला
109	नबरंगपुर	उमरकोट	सरकारी हाई स्कूल, जमुरुंडा	21281006203	कला
110	नबरंगपुर	उमरकोट	सरकारी यूजी हाई स्कूल, बेहेड़ा	21281000901	कला
111	नबरंगपुर	उमरकोट	सरकारी यूजी हाई स्कूल, भंडारीगुडा	21281003601	कला
112	नयागड	नुआगांव	महिपुर नोडल हाई स्कूल, महिपुर	21160615102	कला
113	नुआपाड़ा	कोमना	जय किशन सरकारी एचएस, लखना	21250307102	कला
114	नुआपाड़ा	खरड़	जय किशन सरकारी नोडल एच.एस., बरगाओं	21250201001	कला
115	नुआपाड़ा	बोडेन	बस्तयनी एच.एस., दमजहर	21250102701	कला



116	नुआपाड़ा	सिनापाली	सरकारी यूजीएचएस पोर्टिपदा	21250509703	कला
117	नुआपाड़ा	कोमना	सरकारी यूजीएचएस जादामुंडा	21250302801	कला
118	रायगढ़	चंद्रपुर	चंद्रपुर सरकारी हाई स्कूल	21270206704	विज्ञान
119	संबलपुर	बामरा	सरकारी हाई स्कूल गार्पोष	21030103805	कला
120	संबलपुर	रेंगाली	सरकारी एचएस, लापांगा	21030904205	कला
121	संबलपुर	रायरखोल	कडालिगढ़ एचएस	21030811601	कला
122	संबलपुर	धनखड़	सरकारी हाई स्कूल, चिल्लिमे	21030204704	कला
123	संबलपुर	जैमनकीरा	सरकारी पीएनएचएस केनाधिपा, पीओ-केनाधिपा	21030314303	कला
124	संबलपुर	नक्तिदेउल	बापूजी सरकारी एच एस, डैनछ	21030703701	कला
125	संबलपुर	रायरखोल	सरकारी एचएस, मोचीबाहल	21030817202	कला
126	सुंदरगढ़	गुरुंडिया	एजीएम हाई स्कूल, सोल	21050512751	कला
127	सुंदरगढ़	लिफ्रिपारा	बासुदेव सरकारी एचएस डुमबाहाल	21051201901	कला
128	सुंदरगढ़	हेमगीर	सरकारी हाई स्कूल, कणिका	21050608502	कला
129	सुंदरगढ़	हेमगीर	सरकारी हाई स्कूल, लुआबहाल	21050603602	कला
130	सुंदरगढ़	नुआगांव	सरकारी हाई स्कूल हातीबारी	21051304201	कला
131	सुंदरगढ़	नुआगांव	खुंटागांव नोडल हाई स्कूल	21051306402	कला
132	सुंदरगढ़	बलिशंकरा	सरकारी एचएस, कंटाबाहल	21050101001	कला
133	सुंदरगढ़	बलिशंकरा	जनता सरकारी एचएस, सिकाजोर	21050107302	कला



134	सुंदरगढ़	बड़गांव	सरकारी हाई स्कूल एकमा	21050202202	कला
135	सुंदरगढ़	बोनाई	सरकारी एचएस दलकी	21050409401	कला
136	सुंदरगढ़	हेमगीर	सरकारी यूजीएचएस कनकटुरा	21050607601	कला
137	सुंदरगढ़	कोइदा	सरकारी एच एस बिमलागढ़	21050700301	कला
138	सुंदरगढ़	कुआर्मुंडा	सरकारी एचएस, कदोबाहल	21050804301	कला
139	सुंदरगढ़	कुतरा	पुरकापाली पंचायत हाई स्कूल, बिरटोलात	21050904102	कला
140	सुंदरगढ़	सबडेगा	सरकारी हाई स्कूल करमडिही	21051502704	कला
141	सुंदरगढ़	सबडेगा	आर.के.पी रघुनाथ सरकारी एच एस करलाघाटी	21051503302	कला



3. बुनियादी ढांचे का विकास

आरटीई के दिग्दर्शन में समग्र शिक्षा में सिविल कार्यों की भूमिका आरटीई के बुनियादी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पूरे राज्य की आवश्यकता के अनुसार भौतिक बुनियादी ढांचे प्रदान करना है अर्थात एक स्थायी प्रणाली स्थापित करने के प्रमुख लक्ष्य के साथ प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण प्रासंगिक और प्रभावी सीखने के परिणामों के लिए अग्रणी। किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ एसएमसी / एसएमडीसी के माध्यम से कार्य का निष्पादन एसएस सिविल कार्य की मुख्य विशेषता है और राज्य में स्थायी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए विस्था को खोलता है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि परियोजना को लागू करते समय आने वाले कई मुद्दों को हल करने के लिए उचित योजना लगातार हो रही है। इन मुद्दों का जमीनी स्तर पर विश्लेषण किया जा रहा है, जरूरत आधारित मूल्यांकन अध्ययन, प्राथमिकता, धन जुटाने और सीमित उपलब्ध धन से सही समय पर आवश्यक गतिविधि के लिए इसके उपयोग, अन्य विभाग से संभावित संसाधनों की खोज करना ताकि परियोजना को पूरी तरह से वास्तविक आकार दिया जा सके जितना संभव हो सके।

यहां यह उल्लेख करना उचित है कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) जैसी सहायक परियोजनाएं, निश्चित रूप से एक ही उद्देश्य और लक्ष्य के साथ, मुख्य धारा के लिए कार्यक्रम को पूरक बनाने में एक लंबा सफर तय कर चुकी हैं।

इस परियोजना का उद्देश्य न केवल नए स्कूलों या अतिरिक्त कक्षाओं जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है, बल्कि लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय, पीने के पानी की सुविधा, विद्युतीकरण आदि जैसी बुनियादी आवश्यकताओं के साथ-साथ बेहतर स्कूल माहौल भी प्रदान करना है ताकि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में पहुंच बढ़ाई जा सके और ड्रॉपआउट दर को कम किया जा सके। सीडब्ल्यूएसएन के लिए विशेष ध्यान भी योजना प्रक्रिया का हिस्सा है। सीडब्ल्यूएसएन के लिए विशेष ध्यान भी योजना प्रक्रिया का हिस्सा है।



स्कूल शिक्षा स्तर पर राज्य की बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयुक्त योजना बनाई जा रही है और परियोजना को लागू करते समय आने वाले मुद्दों को हल करने के लिए विभिन्न रणनीतियों को अपनाया जा रहा है।

- बिलों के भुगतान से पहले OPWD/समग्र शिक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार मापन पुस्तिका (MB) की जांच।

राज्य में, पंचायतीराज और पेयजल विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा का ध्यान रखा गया है। सीडब्ल्यूएसएन के लिए स्कूल बाधा मुक्त पहुंच बनाने के लिए सभी देखभाल की जाती है।



प्राथमिक:

सिविल कार्यों के निष्पादन के लिए किए गए मुख्य बिंदु

- वित्तीय प्रबंधन और खरीद (एफएमपी के अनुसार) की धनराशि का निर्धारण S.M.C / S.M.D.C के पक्ष में तीन चरणों में किया जाएगा, अर्थात् प्रथम चरण में ४०%, द्वितीय चरण में ३०% तथा तृतीय चरण में शेष ३०%।
- गुणवत्ता निर्माण और सिविल कार्यों के समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी सलाहकारों, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकारों, जिला परियोजना समन्वयकों द्वारा सिविल बुनियादी ढांचे की अक्सर निगरानी और पर्यवेक्षण।
- जिला परियोजना कार्यालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन।
- राज्य परियोजना कार्यालय में नियमित अंतराल पर भौतिक रूप से / वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक।
- जिला स्तर पर सिविल कार्यों को निष्पादित करने वाले समुदाय/SMC / SMDC के साथ-साथ कुशल कर्मियों/श्रमिकों को तकनीकी मार्गदर्शन।
- स्कूल भवन के निर्माण के दौरान अपनाई गई महत्वपूर्ण विशेषताएं:
- स्थानीय कौशल और स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों के उपयोग के लिए लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों और पर्यावरण के अनुकूल निर्माण कार्य को अपनाना
- स्कूल सुरक्षा पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुपालन में बहु जोखिम प्रतिरोधी विशेषताएं।
- हर्षित सीखने का माहौल
- SMC और तकनीकी कर्मियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में SMC सदस्यों को प्रशिक्षण, उपयुक्त योजनाओं का चयन, श्रमिकों को संलग्न करने, सामग्री खरीदने और निर्माण को तेज करने, निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, लेखा प्रबंधन और निर्माण के बाद रखरखाव के लिए अग्रणी।
- गुणवत्ता नियंत्रण:

निगरानी और पर्यवेक्षण

- संबंधित जिले के वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार, तकनीकी सलाहकार और वित्तीय सलाहकार नियमित अंतराल पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसपीओ में समीक्षा बैठक में भाग लेते हैं।
- TC के लिए दो महत्वपूर्ण गतिविधियों जैसे छत की कास्टिंग और खाते के निपटान के साथ-साथ DPO में उनके यूसी प्रस्तुत करने के लिए सप्ताहवार कार्य योजना लक्ष्य निर्धारित करना।
- जिला परियोजना कार्यालय में D.P.C द्वारा साप्ताहिक समीक्षा बैठक और कलेक्टर-सह-अध्यक्ष द्वारा मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है।



- भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा।
- क्षेत्र स्तर पर तकनीकी सलाहकारों द्वारा सामना की जा रही विभिन्न चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में चर्चा करें।
- निधि प्रवाह, खाते का निपटान और यूसी प्रस्तुत करना।

समुदाय के लिए तकनीकी मार्गदर्शन

तकनीकी सलाहकार द्वारा इंजीनियरों की सेवाएं ब्लॉक स्तर पर निर्माण गतिविधियों में एसएमसी का समर्थन करने के लिए और कार्यों की निगरानी के लिए जिला स्तर पर वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार द्वारा प्रदान की जाती हैं। ये इंजीनियर कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी करने और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए निर्माण स्थलों का दौरा करते हैं और सिविल कार्यों की प्रभावी निगरानी के लिए डीपीओ के साथ संपर्क भी करते हैं। उन्हें प्रत्येक कार्य के लिए माप पुस्तिका में माप भी दर्ज किया जाता है। निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों के तकनीकी ज्ञान के उन्नयन के लिए, प्रशिक्षण-सह-अभिविन्यास कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है।

स्कूल निर्माण के दौरान अपनाई गई महत्वपूर्ण विशेषताएं:

I. लागत प्रभावी तकनीकें

- स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग,
- स्कूल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए स्थानीय कौशल का उपयोग करना।
- पारंपरिक लाल ईंट के स्थान पर फ्लाई ऐश ईंट के उपयोग के लिए एसएमसी को प्रोत्साहित करना, जो न केवल किफायती है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है।

II. मल्टी हैज़ार्ड प्रतिरोधी विशेषताएं:

भूकंप, बाढ़ और चक्रवात की संभावना वाले क्षेत्रों में साइट विशिष्ट डिजाइन तैयार करने के लिए भेद्यता एटलस का पालन किया जा रहा है। नवीनतम कोडल विनिर्देशों के अनुसार विभिन्न खतरे प्रतिरोधी विशेषताएं प्रदान की जाती हैं। कार्य के निष्पादन के दौरान एसएस और एनबीसी दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है।

III. प्लान और डिजाइन बनाना (साइट विशेष डिजाइन):

➤ बाढ़

- दीवारों में पानी की केशिका क्रिया को रोकने के लिए रिकॉर्ड किए गए एच. एफ. एल. के आधार पर प्लिंथ लेवल को ठीक करना। के आधार पर प्लिंथ लेवल को ठीक करना।
- नींव के स्कोरिंग को रोकने के लिए प्लिंथ सुरक्षा।
- बार-बार बाढ़ आने वाले क्षेत्रों में सीढ़ियों का मामला।

➤ साइक्लोन

- प्रतिबंधित उद्घाटन और इसके प्लेसमेंट



➤ भूचाल

- भेद्यता एटलस में उपलब्ध जोखिम क्षेत्र मानचित्रों का उपयोग शमन उपायों को तय करने के लिए किया जाता है।
- प्लिंथ स्तर और लिंटेल् स्तरों पर क्षैतिज बैंड (बॉक्स एक्शन विकसित करने के लिए) और ऊर्ध्वाधर बैंड (छत और प्लिंथ के बीच उचित टाई-अप के लिए) एक बॉक्स जैसी संरचना के रूप में व्यवहार करने के लिए कोडल विनिर्देशों का पालन करते हुए प्रदान किए गए

➤ भवन डिजाइन और विकल्प

- राज्य भर में एसबीसी के अनुसार विभिन्न मिट्टी की स्थितियों के अनुरूप विकसित नींव डिजाइनों के प्रकार
- स्थानीय रूप से उपलब्ध निर्माण सामग्री का उपयोग (लेटराइट / ग्रेनाइट / फ्लाई ऐश ईटें / पत्थर)
- निर्माण लागत पर बचत करने के लिए आरसीसी डिजाइनों को संशोधित किया गया।

IV. भवन में आवश्यक सुविधा का प्रावधान

ड्रिप कोर्स, प्लिंथ प्रोटेक्शन, वर्षा जल निकासी टॉंटी आदि के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर कार्य किया जाता है।

V. अन्य महत्वपूर्ण भवन घटक

शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए रैंप और हैंडरेल, बच्चों की सुरक्षा, विद्युतीकरण आदि के लिए अग्निशमन उपकरण प्रदान किए जाते हैं।

VI. आकर्षक एवं सीखने योग्य वातावरण

- बच्चों के अनुकूल तत्व जैसे स्विंग, स्लाइड, सी-सॉ आदि,
- निर्मित शिक्षण घटकों में जैसे कि दीवार चित्र, दीवार चित्रकला, वर्णमाला और संख्याओं को दर्शाने वाले ग्लि, बच्चों के चाक बोर्ड, सीखने के कोने, एक अलग गेट अप के साथ बरामदा आदि।

क्षमता निर्माण – १ (एसएमसी)

- एसएमसी और तकनीकी कर्मियों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां।
- साइट उपलब्धता के अनुसार उपयुक्त योजनाओं का चयन।
- निर्माण की गुणवत्ता के संबंध में एसएमसी सदस्यों का क्षमता निर्माण
- निर्माण मैनुअल (स्थानीय भाषा / चित्रमय प्रतिनिधित्व); निर्माण विनिर्देशों और प्रक्रियाओं (स्थानीय भाषा) की व्याख्या करने वाले पत्रक, प्रशिक्षण मॉड्यूल संशोधित;
- एसएमसी के बीच आसान समझ के लिए ओडिया भाषा में वृत्तचित्र फिल्म, प्रशिक्षण मॉड्यूल, उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में विचार को संक्षिप्त करने वाले पत्रक, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, डिजाइन विनिर्देशों, निर्माण प्रक्रियाओं आदि को तैयार किया गया है।



- एसएमसी और इंजीनियरों को समुदाय, भूमिकाओं और एसएमसी और इंजीनियरों की जिम्मेदारियों के माध्यम से निर्माण कार्यों की प्रक्रियाओं से परिचित कराने के लिए नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- यूनिफॉर्म यूसी फॉर्मेट, फाइनेंस कंसल्टेंट्स द्वारा आयोजित खातों के रखरखाव पर अलग एसएमसी प्रशिक्षण
- एमटीए का गठन और नियमित आधार पर एसएमसी (पाक्षिक), एमटीए और पीटीए बैठकें सुनिश्चित करना।

क्षमता निर्माण – २: (राजमिस्त्री)

- लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को अपनाना और डिजाइन विनिर्देशों को बनाए रखना।
- राजमिस्त्रियों को स्थानीय भाषा में ओसेपा द्वारा प्रकाशित तकनीकी मैनुअल "शिक्षा नीडा" की मदद से तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- साइट विशिष्ट स्थिति के अनुसार, नींव के प्रकार यानी ढेर, कॉलम और ओपन फाउंडेशन को OPWD कोड और SS मानदंडों का पालन करते हुए तकनीकी कर्मियों के निर्णय के अनुसार अपनाया जा रहा है।

क्षमता निर्माण – ३: (कर्मचारी)

- गुणवत्ता नियंत्रण उपायों, परीक्षणों (व्यावहारिक प्रदर्शन), पर्यवेक्षण और निगरानी, बिल तैयार करने और UC प्रस्तुत करने पर TC के लिए अर्धवार्षिक अभिविन्यास कार्यक्रम। वरिष्ठ टी.सी.
- की वर्तमान संख्या - ३० जिलों में ३३ स्वीकृत पदों में से २७ टी.सी. हैं तथा ३१४ ब्लॉकों में २५३ टी.सी. हैं तथा ३१६ स्वीकृत पदों में से २ यूएलबीएस हैं। इसके अतिरिक्त, एसपीओ में ३ टी.सी. हैं। इसके अलावा ३ नग एसपीओ में टीसीएस।

गुणवत्ता नियंत्रण:

➤ रेत के लिए परीक्षण

ठीक रेत सुंदरता मापांक (F.M) परीक्षण के लिए किया जाता है और यह १.५ या उससे अधिक के भीतर होता है। मोटे रेत के लिए, सुंदरता मापांक (F.M) २.५ से ३.५ के भीतर है। रेत की ग्रेडिंग मोटर चालित चलनी शेकर द्वारा चलनी विश्लेषण द्वारा की जाती है।

➤ ईंट के लिए परीक्षण

ईंटों का जल अवशोषण परीक्षण क्षेत्र स्तर पर किया जाता है।

ईंट की संपीड़न शक्ति का भी परीक्षण किया जाता है।

ईंट की पेराई शक्ति का भी परीक्षण किया जाता है।

➤ कंक्रीट के लिए परीक्षण:

- **घन परीक्षण** - सीमेंट कंक्रीट की संपीड़न शक्ति १५ X १५ X १५ सेमी आकार के कंक्रीट क्यूब का परीक्षण करके संपीड़न परीक्षण मशीन द्वारा की जाती है।



- **स्लम्प टेस्ट** - स्थिरता निर्धारित करने के लिए स्लंप टेस्ट किया जाता है।

स्कूल सुरक्षा प्रावधान:

स्कूल के बुनियादी ढांचे के डिजाइन में भूकंप प्रतिरोधी संरचना, अग्नि सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं आदि के लिए किए गए प्रावधान। (कई प्राकृतिक आपदाओं जैसे चक्रवात, बाढ़ और पृथ्वी भूकंप को ध्यान में रखते हुए ऐसी आपदाओं का विरोध करने के लिए इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। ये इमारतें बाढ़ प्रवण क्षेत्र में उच्च प्लिंथ स्तर के साथ हैं, चक्रवात और पृथ्वी के भूकंप के क्षेत्र में चेतावनी के मामले में इमारत के सही स्थान पर क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर बैंड के उद्घाटन और प्रावधान की व्यवस्था कर रही हैं। इमारतों में आग से भयभीत उपकरणों की व्यवस्था भी की जाती है। ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है।

माध्यमिक:

माध्यमिक विद्यालयों के सिविल कार्यों को ग्रामीण निर्माण विभाग, पंचायती राज और पेयजल विभाग और लोक निर्माण विभाग के PRA द्वारा निष्पादित किया जा रहा है।

न्यू स्कूल (माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक)

माध्यमिक विद्यालय और सीनियर माध्यमिक विद्यालयों को क्रमशः ऊपरी प्राथमिक विद्यालय और माध्यमिक विद्यालय से अपग्रेड किया जाता है। इन स्कूलों के लिए फर्नीचर, पुस्तकालय, एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, कला और शिल्प कक्ष, शौचालय ब्लॉक, पेयजल, विद्युतीकरण आदि जैसे वर्ग कक्ष उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में फिजिक्स लैब, केमिस्ट्री लैब, बायोलॉजी लैब, गणित लैब आदि प्रयोगशालाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बुनियादी ढांचे का सुदृढीकरण

मौजूदा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का प्रस्ताव यू-डीआईएसई रिपोर्ट और बुनियादी ढांचे के अंतर के आधार पर किया गया है। अतिरिक्त कक्षा कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, पुस्तकालय, कला / शिल्प कक्ष जैसे घटक, मौजूदा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के तहत शौचालय, पेयजल सुविधा और विद्युतीकरण को कवर किया गया है।

बालिका छात्रावास (केजीबीवी-IV)

लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और लिंग असमानता को खत्म करने के लिए, बड़ी संख्या में लाने के प्रयास किए गए हैं लड़कियों को स्कूलों में रखने और उन्हें बनाए रखने के लिए। इस योजना में शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों (ईबीबी) और उपरोक्त लक्ष्य समूहों की एकाग्रता के करीब वाले क्षेत्रों में आवास और बोर्डिंग सुविधाओं के साथ हॉस्टल की स्थापना की परिकल्पना की गई है ताकि लड़कियों को सामाजिक कारकों के कारण अपना अध्ययन जारी रखने के अवसर से वंचित न किया जाए। इस योजना का एक अन्य उद्देश्य माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा को बड़ी संख्या में छात्राओं के लिए सुलभ बनाना है।

गतिविधियां हैं:



- जमीनी स्तर पर योजना,
- मूल्यांकन अध्ययन की आवश्यकता है,
- गतिविधियों की प्राथमिकता,
- सीमित उपलब्ध निधियों से सही समय पर सही गतिविधि के लिए धन जुटाना और इसका उपयोग,
- परियोजना को यथासंभव पूर्ण यथार्थवादी आकार देने के लिए अन्य एजेंसियों से संभावित संसाधनों की खोज करना आदि।

आसपास का वातावरण:

विद्यार्थियों को आकर्षित करने में स्कूल का वातावरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्युतीकरण के साथ पर्याप्त कक्षा बुनियादी ढांचे, अच्छी स्वच्छता की स्थिति, परिसर में बहुत सारे वनस्पतियों के साथ विशाल खेल का मैदान सभी बच्चों के उचित विकास के लिए आवश्यक हैं। ये छात्रों के बीच उच्च उपस्थिति दर बनाए रखने में भी योगदान देते हैं।

शौचालय:

बच्चों में स्कूल के दिनों से ही साफ-सफाई की उचित आदतें लगानी पड़ती हैं। समग्र शिक्षा सरकारी स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाती है ताकि वे व्यक्तिगत स्वच्छता के ऐसे मामलों में बच्चों को शिक्षित कर सकें और उनकी रक्षा कर सकें। बालिका शौचालय के लिए इंसीनेटर का प्रावधान किया गया है। प्रदर्शन की झलक नीचे दी गई है।





पीने का पानी:

पानी जीवन की मूल आवश्यकता है। राज्य के लगभग सभी स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों के लिए पीने के पानी की सुविधा है। सभी स्कूलों में अपशिष्ट जल के निपटान की व्यवस्था उपलब्ध है। स्कूल परिसर में पानी के ठहराव से बचने के लिए सावधानी बरती जाती है।

स्कूल का वातावरण



अतिरिक्त कक्षा:



केजीबीबी बिल्डिंग:





एसएस और केजीबीवी के तहत सिविल कार्यों की प्रगति मार्च 2024 को समाप्त हो रही है

समग्र शिक्षा (माध्यमिक) के तहत सिविल कार्य की स्थिति मार्च 2024 को समाप्त होने तक						
क्रम सं.	गतिविधियों	प्रगति की स्थिति (मार्च 2024 को समाप्त)				पूर्णता दर का %
		वर्ष 2023-24 तक संचयी लक्ष्य	पूरा किया	प्रगति पर है	शुरू नहीं हुआ	
1	प्राथमिक शाळा					
	(a) नया	8698	8606	86	6	99%
	(b) कम निर्माण	841	811	20	10	96%
	(c) जीर्ण-शीर्ण	560	554	6	0	99%
	कुल	10099	9971	112	16	99%
2	उच्च प्राथमिक विद्यालय					
	(a) नया	8352	8278	59	15	99%
	(b) कम निर्माण	341	340	1	0	100%
	(c) जीर्ण-शीर्ण	456	455	1	0	100%
	कुल	9149	9073	61	15	99%
3	अतिरिक्त क्लास रूम	77931	76033	1203	695	98%
4	पीने का पानी	7181	6963	79	139	97%
5	लड़कों का शौचालय	15904	14540	852	512	91%
6	अलग लड़कियों शौचालय	50441	48544	1373	524	96%
7	सीडब्ल्यूएसएन शौचालय	32816	31870	638	308	97%
8	विद्युतीकरण	11912	8424	1892	1596	71%
9	हाथ रेलिंग के साथ रैंप	22949	22012	525	412	96%
10	सौर पेनल	16	0	0	16	0%
	कुल	238398	227430	6735	4233	95%



समग्र शिक्षा (माध्यमिक) के तहत सिविल कार्य की स्थिति मार्च 2024 को समाप्त होने तक

क्रम सं.	विवरण	लक्ष्य	पूरा किया	प्रगति पर है	शुरू नहीं हुआ	पूरा होने का%
1	नया स्कूल	895	776	44	75	87%
2	अतिरिक्त कक्षा:	3278	2780	149	349	85%
3	विज्ञान प्रयोगशाला	2090	1790	85	215	86%
4	कंप्यूटर कक्ष	1302	1116	56	130	86%
5	पुस्तकालय कक्ष	2015	1739	83	193	86%
6	कला/शिल्प/संस्कृति कक्ष	1363	1137	71	155	83%
7	लड़कियों के शौचालय	2736	1337	765	634	49%
8	लड़कों का शौचालय	1116	938	73	105	84%
9	सीडब्ल्यूएसएन शौचालय	51	18	23	10	35%
10	पीने का पानी	879	818	61		93%
11	सौर पेनल	101			101	0%
12	विद्युतीकरण	8	7		1	88%
13	प्रमुख मरम्मत	124	40	48	36	32%
14	मामूली मरम्मत	64	25	23	16	39%
15	नया स्कूल (उच्चतर माध्यमिक स्तर)	156	2	6	148	1%
कुल		16178	12523	1487	2168	77%

क्रम सं.	गतिविधि	संचयी लक्ष्य	भौतिक प्रगति (संचयी)			
			समापन	प्रगति पर है	शुरू नहीं हुआ	पूर्णता का%
1	केजीबीवी बिल्डिंग (प्राथमिक)	182	182	0	0	100%
2	केजीबीवी बिल्डिंग (टाइप IV) (माध्यमिक)	173	170	2	1	98%



4. मुफ्त पाठ्यपुस्तक

छात्रों का केंद्रित समूह यानी सरकार के कक्षा -1 से आठवीं तक के सभी छात्र। और सरकार। समग्र शिक्षा के तहत ओडिशा के मदरसों सहित सहायता प्राप्त स्कूलों को मुफ्त पाठ्य पुस्तकों का लाभ प्रदान किया गया है। राज्य स्तरीय समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार, टीबीपी एंड एम, भुवनेश्वर द्वारा पाठ पुस्तकें मुद्रित की जाती हैं और सभी ब्लॉक बिंदुओं (एबीईओ-सह-बीआरसी अंक) और फिर आवश्यकता के अनुसार राज्य के 30 जिलों के स्कूल बिंदुओं पर आपूर्ति की जाती है। पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति दिसंबर, 2024 और 100% एन.टी. के महीने से शुरू हुई वर्ष 2024-25 के दौरान राज्य के सभी 30 जिलों में पुस्तकों की आपूर्ति की गई है।

सालों	नहीं। लाभार्थियों की संख्या (प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय)	बजट (लाख रुपए में)	उपलब्धि का प्रतिशत (शारीरिक)	निगरानी तंत्र	मुद्दों को हल करने की रणनीतियाँ
2024-25	4505346	13885.8	100%	जिले के सभी नोडल अधिकारी। सभी एबीईओ-सह-बीआरसीसी / सीआरसीसी / एचएम / एसएमसी सदस्य आदि	सभी CRCC/ABEO-cum-BRCC /SMC सदस्य/BEOs/DPC पाठ्यपुस्तकों आदि के वितरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करेंगे।







5. सामुदायिक लामबंदी

सामुदायिक लामबंदी के तहत उपलब्धि २०२४-२५

वर्ष २०२४-२५ के दौरान राज्य में २ अप्रैल, २०२४ से नया शैक्षणिक सत्र आरंभ किया गया है। उक्त दिन माता-पिता छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि, राज्य के सभी स्कूलों में आयु उपयुक्त ग्रेड में छात्रों के नामांकन पर उन्मुख थे। शैक्षणिक सत्र २०२४-२५ के लिए नामांकन प्रक्रिया भी शुरू की गई थी।



EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 3

ତା ୦୨.୦୪.୨୦୨୪ରିଖରେ ରାଜ୍ୟର ସମସ୍ତ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପାଠପଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେବା ସହ ନୂତନ ଭାବେ, ଉପଯୁକ୍ତ ବୟସ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଶ୍ରେଣୀରେ ପିଲାମାନଙ୍କର ନାମଲେଖା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ମଧ୍ୟ ଜାରି ରହିଛି ।





स्कूल में टीचर प्रोफाइल फ्लेक्स

सभी शिक्षकों के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षक प्रोफाइल प्रदर्शित किए गए हैं। प्रोफाइल में शिक्षक का नाम, पदनाम, स्कूल में शामिल होने की तारीख, संपर्क नंबर और तस्वीर जैसे विवरण शामिल हैं। यह पहल शिक्षकों को पहचानने और सम्मानित करने, जवाबदेही सुनिश्चित करने, प्रतिरूपण या नकली शिक्षकों को रोकने, शिक्षक उपस्थिति की निगरानी करने और छात्रों, माता-पिता और समुदाय के बीच विश्वास को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

ଆମ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଶିକ୍ଷକ / ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ

ବିଦ୍ୟାଳୟର ନାମ :

ପ୍ରାନ୍ତ :

ଜିଲ୍ଲା :

କ୍ର.ସଂ.	ଶିକ୍ଷକ / ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀର ନାମ	ପଦବୀ	ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଯୋଗଦାନ ତାରିଖ	ଯୋଗାଯୋଗ ନମ୍ବର	ଫଟୋଗ୍ରାଫ (ପାଖପାଖି ବାହର)
୧					
୨					
୩					
୪					
୫					
୬					
୭					
୮					
୯					
୧୦					

SYED MUMTAZ ALI GOVT HIGH SCHOOL, JADUPUR
STAFF INFORMATION CHART

Sl. No.	Name of Staff	Designation	Qualification	Date of Joining	Mobile No.	Photo
1	Mr. M. M. Ali	Principal	B.A., B.Ed.	01.08.2014	9876543210	
2	Mr. S. K. Das	Teacher	B.A., B.Ed.	02.09.2015	9876543211	
3	Mr. R. K. Singh	Teacher	B.A., B.Ed.	03.10.2016	9876543212	
4	Mr. P. K. Verma	Teacher	B.A., B.Ed.	04.11.2017	9876543213	
5	Mr. Q. K. Gupta	Teacher	B.A., B.Ed.	05.12.2018	9876543214	
6	Mr. T. K. Sharma	Teacher	B.A., B.Ed.	06.01.2019	9876543215	
7	Mr. U. K. Reddy	Teacher	B.A., B.Ed.	07.02.2020	9876543216	
8	Mr. V. K. Nair	Teacher	B.A., B.Ed.	08.03.2021	9876543217	
9	Mr. W. K. Kumar	Teacher	B.A., B.Ed.	09.04.2022	9876543218	
10	Mr. X. K. Singh	Teacher	B.A., B.Ed.	10.05.2023	9876543219	
11	Mr. Y. K. Das	Teacher	B.A., B.Ed.	11.06.2024	9876543220	
12	Mr. Z. K. Verma	Teacher	B.A., B.Ed.	12.07.2025	9876543221	
13	Mr. A. K. Gupta	Teacher	B.A., B.Ed.	13.08.2026	9876543222	
14	Mr. B. K. Sharma	Teacher	B.A., B.Ed.	14.09.2027	9876543223	
15	Mr. C. K. Reddy	Teacher	B.A., B.Ed.	15.10.2028	9876543224	
16	Mr. D. K. Nair	Teacher	B.A., B.Ed.	16.11.2029	9876543225	
17	Mr. E. K. Kumar	Teacher	B.A., B.Ed.	17.12.2030	9876543226	
18	Mr. F. K. Singh	Teacher	B.A., B.Ed.	18.01.2031	9876543227	
19	Mr. G. K. Das	Teacher	B.A., B.Ed.	19.02.2032	9876543228	
20	Mr. H. K. Verma	Teacher	B.A., B.Ed.	20.03.2033	9876543229	
21	Mr. I. K. Gupta	Teacher	B.A., B.Ed.	21.04.2034	9876543230	
22	Mr. J. K. Sharma	Teacher	B.A., B.Ed.	22.05.2035	9876543231	
23	Mr. K. K. Reddy	Teacher	B.A., B.Ed.	23.06.2036	9876543232	
24	Mr. L. K. Nair	Teacher	B.A., B.Ed.	24.07.2037	9876543233	
25	Mr. M. K. Kumar	Teacher	B.A., B.Ed.	25.08.2038	9876543234	

राज्य के सभी स्कूलों में समग्रशिक्षा लोगो का डिजाइन और निर्धारण।

ओडिशा के लिए समग्र शिक्षा लोगो को फिर से डिजाइन किया गया है और सभी आधिकारिक संचार, प्रदर्शन, ब्रांडिंग आदि में उपयोग के लिए सभी संबंधित लोगों को परिचालित किया गया है



राज्य व्यापी अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) और स्कूल प्रबंधन समिति / स्कूल प्रबंधन और विकास समिति (एसएमसी / एसएमडीसी) की बैठक

शैक्षणिक कैलेंडर 2024-25 के अनुसार, एक ही दिन में पूरे राज्य में माता-पिता-शिक्षक बैठक की 04 संख्या और एपीएआर आईडी पर 02 विशेष बैठकें आयोजित की गई हैं, जहां 30 लाख माता-पिता सक्रिय रूप से चर्चा में भाग ले रहे थे।

जिन तिथियों में पीटीएम और एसएमसी/एसएमडीसी बैठकें आयोजित की गई थीं।

- 1st PTM : 02.04.2024
- 2nd PTM : 10.08.2024
- 3rd PTM : 26.11.2024
- 4th PTM : 11.01.2025
- विशेष PTM : 30.09.2024
- विशेष PTM : 30.11.2024





PTM के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- माता-पिता को अपने बच्चों के शैक्षणिक विकास के बारे में उन्मुख करना
- बच्चे और स्कूल के समग्र विकास के लिए रणनीति तैयार करना
- राज्य / केंद्र सरकार द्वारा की गई पहलों के बारे में उन्मुख करने के लिए। बच्चों की शिक्षा के लिए
- नामांकन के लिए माता-पिता के बीच जागरूकता पैदा करना, स्कूलों में बच्चों को बनाए रखना।
- बच्चे के व्यक्तिगत प्रदर्शन को साझा करने के लिए
- छात्रों की सीखने की वृद्धि के लिए रणनीति बनाने के लिए
- स्कूलों के साथ साझेदारी बनाने के लिए माता-पिता के बीच जागरूकता पैदा करना



अभिभावक शिक्षक बैठकें

- शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के लिए पहली अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) सभी सरकार में सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। सरकार। हाई स्कूल, मणिनाथपुर स्कूल और जन शिक्षा विभाग, सरकार के तहत स्कूलों में २ अप्रैल, २०२४ (मंगलवार) को राज्य के सहायता प्राप्त स्कूल। ओडिशा के।
- दूसरी अभिभावक-शिक्षक बैठक १०.०८.२०२४ को पूरे राज्य में आयोजित की गई थी, जिसमें २९ लाख से अधिक माता-पिता सक्रिय रूप से भाग ले रहे थे
- छात्रों के लिए एपीएआर आईडी के पंजीकरण / निर्माण के बारे में माता-पिता को उन्मुख करने के लिए राज्य के सभी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में ३० सितंबर, २०२४ को एक विशेष पीटीएम आयोजित किया गया था।
- छात्रों के लिए एपीएआर आईडी के पंजीकरण / निर्माण के बारे में माता-पिता को उन्मुख करने के लिए राज्य के सभी स्कूलों में ३० नवंबर, २०२४ को तीसरी अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) आयोजित की गई थी।
- शैक्षणिक सत्र २०२४-२५ के लिए अंतिम पीटीएम ११ जनवरी, २०२५ को आयोजित किया गया था ताकि एसए-1 में छात्रों की उपलब्धियों, छात्रों की उपलब्धियों में सुधार, परीक्षा से संबंधित तनाव प्रबंधन, परीक्षा पे चर्चा, स्कूल विकास योजना आदि में भागीदारी के लिए माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका साझा की जा सके। जहां २८ लाख से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया था।

शिक्षा सप्ताह (२२ से २८ जुलाई २०२४):

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० की ४वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर शिक्षा क्षेत्र में शिक्षार्थियों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और हितधारकों के बीच सहयोग और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के लिए २२-२८ जुलाई, २०२४ से राज्य के सभी स्कूलों में एक सप्ताह की गतिविधियों का आयोजन किया गया।





ବିଦ୍ୟାଳୟସ୍ତରୀୟ ଶିକ୍ଷା ସମ୍ରାହ ପାଳିତ



ବିଦ୍ୟାବଳୟଗଣ ଶିକ୍ଷା ବାହାରି କର୍ମାଳୁକାରରେ ଉପସ୍ଥିତ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ, ଶିକ୍ଷକ-ବନ୍ଦୀ ଆହ୍ୱାନକରୁଛନ୍ତି ।

ବିଭା, ୨୩୫୭(ନବେକ୍ତ୍ର ବର୍ଣ୍ଣ)

[illegible][illegible]

ପ୍ରଭୃତି ଭବିଷ୍ୟତ ସୂଚକ ।
ସୁଦୀର୍ଘାୟାସ, ଏହି ଭବିଷ୍ୟତ
ଆସନ୍ତା ୨୮ଟାଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବଡ଼ ଶିଖା
ମଣ୍ଡଳ ଅଧୀନ ଦିଶିବ ବିଦ୍ୟମାନ ପାଟଣ
ପ୍ରଦେଶରୁ ଦେଖି ଦିଆ ଶିଖା ଦିଗର
ତରଫରୁ ସୁଦୀର୍ଘ ମିଳିବ । ଏହାକୁଦିଗ
ଶିଖାସିଦ୍ଧା ପ୍ରସିଦ୍ଧତା ଗୁଣାଣୀ ଭବିଷ୍ୟତ
ପରିଚାଳନା କରିବା ବଡ଼ ଏହାର
ସୁଦୀର୍ଘ ବୃତ୍ତର ଦିଗର ଦିଗରୁ
ଧ୍ୟାନରତ ଆସିବ ଭବିଷ୍ୟତ ।

मिशन जीवन के लिए इको क्लब: #Plant4Mother के बारे में

पहल के तहत वृक्षारोपण अभियान **#Plant4Mother – #एक_पेड़_माँ_के_नाम** प्रत्येक स्कूल में कम से कम ३५ पौधे लगाने के उद्देश्य से या तो स्कूल परिसर के भीतर, घर पर, या उपयुक्त सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित किया गया था। इस पहल का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और संसाधन में कमी जैसे पर्यावरणीय मुद्दों को दबाने और पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता पैदा करना था। वर्ष २०२४ के दौरान २५, मिशन लाइफ के हिस्से के रूप में इको क्लबों के माध्यम से 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत ओडिशा भर में कुल १८,००,३४६ पौधे लगाए गए हैं।”





ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷା ଓ ସାକ୍ଷରତା ବିଭାଗ, ଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରାଳୟ

ଓ

ପରିବେଶ, ଜଙ୍ଗଲ ଏବଂ ଜଳବାୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ ମନ୍ତ୍ରାଳୟ, ଭାରତ ସରକାର

ମିଶନ **LIFE** ପାଇଁ ଇକୋ କ୍ଲବ୍

ଗୋଟିଏ ଗଛ ମା'ଙ୍କ ନାମରେ

ମା' ପାଇଁ ଗଛଟିଏ

ଦିବସ _____





EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 27

'ଶିକ୍ଷା ସପ୍ତାହ'ର ଷଷ୍ଠ ଦିବସରେ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପାଳିତ ହେଲା "ମାଆ ପାତ୍ର ଗଛଟିଏ" । 'ଗବେଷକ' ଅଧିନରେ ସୁଲ ପରିବର, ଖାଲି ସ୍ଥାନ ଓ ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ନିଜ ମାଆଙ୍କ ସହ ମିଶି ତାଲା ଗୋପଣ କରିଛନ୍ତି ।

#ShikshaSaptah
#plantformother
#NEP2020
#SamagraShiksha



Kantuni, Odisha, India
R8C7+G4C, Kantuni, Bauda, Odisha 762014, India
Lat 20.821713°
Long 84.312855°
27/07/24 10:18 AM GMT +05:30



राष्ट्रपति भवन में रक्षा बंधन कार्यक्रम



समाचार

ରାଷ୍ଟ୍ରପତିଙ୍କୁ ରାଖି ବାନ୍ଧିଲେ ଓଡ଼ିଶା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୧୯/୮ (ଭମିଷ): ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଭବନରେ ପବିତ୍ର ରକ୍ଷାବନ୍ଧନ ଉତ୍ସବ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। ଏଥିରେ ଓଡ଼ିଶା ସମେତ ୧୬ଟି ରାଜ୍ୟର ୧୮୦ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ଓଡ଼ିଶାର ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଜିଲ୍ଲାର ଟ୍ରୋପିକା ବାଳିକା ଉଚ୍ଚବିଦ୍ୟାଳୟ, କେନ୍ଦୁଝର ଜିଲ୍ଲାର ଡିଏସ୍ ଉଚ୍ଚବିଦ୍ୟାଳୟ, ନବରଙ୍ଗପୁର ସରକାରୀ ବାଳିକା ଉଚ୍ଚବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର ବୁଢ଼ାରାଜା ଉଚ୍ଚବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ହେଙ୍ଗାନାଳ ବିଦି ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟର ମୋଟ ୨୫ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ସାମିଲ ହୋଇଥିଲେ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ସହିତ ଓଡ଼ିଶାରୁ ୫ଜଣ ଶିକ୍ଷକଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଓ ନୋଡାଲ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରମୁଖ ଭୂମିକା ସେନାପତି ଯୋଗଦେଇଥିଲେ।

ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଭବନର ସାଂସ୍କୃତିକ କେନ୍ଦ୍ରରେ ଆଜି ସକାଳ ୮ଟା ୧୦ଟାରେ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ସୂଚକ ରକ୍ଷା ବନ୍ଧନ



କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଟ୍ରୋପିକା ମୁର୍ଖୁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ପ୍ରଥମେ ସମ୍ବୋଧନ କରିଥିଲେ। ସମ୍ବୋଧନ ପରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ରାଜ୍ୟର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ରାଷ୍ଟ୍ରପତିଙ୍କୁ ସାକ୍ଷାତ

କରିଥିଲେ। ଏହି କ୍ରମରେ ଓଡ଼ିଶାର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ସହିତ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ପାଖାପାଖି ୧୫ ମିନିଟ୍ ଧରି ବିଭିନ୍ନ ବିଷୟରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ରାଷ୍ଟ୍ରପତି

କହିଥିଲେ, ରକ୍ଷାବନ୍ଧନ କେବଳ ଭାଇ ଭଉଣୀର ସଂପର୍କ ନୁହେଁ, ଏହା ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଯୋଡ଼ିବାର ଏକ ମାଧ୍ୟମ। ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଭବନ ପରିସରରୁ ଦେଶର ବୀର ସୈନିକ ତଥା ସାମାନ୍ୟ ମୂରକମାନଙ୍କୁ ମୁକ୍ତମନେ ସୌଜନ୍ୟ ସ୍ୱାଗତ କରିଥିଲେ। ଓଡ଼ିଶାର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ରାଷ୍ଟ୍ରପତିଙ୍କୁ ରାଖି ବାନ୍ଧିବା ସହ ରାଷ୍ଟ୍ରପତିଙ୍କ ଆଶୀର୍ବାଦ କାମନା କରିଥିଲେ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ କେନ୍ଦ୍ର ଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ ଓ କେନ୍ଦ୍ର ଶିକ୍ଷା ରାଷ୍ଟ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ନୟାଡ଼ି ଚୌଧୁରୀ ମଧ୍ୟ ସାମିଲ ହୋଇଥିଲେ। ଶେଷରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଭବନର ଅମୃତ ଉଦ୍ୟାନ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିଥିଲେ। ଆବଶ୍ୟକୀୟ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଓଡ଼ିଶା ପେରିସିଡେ ବୋଲି ନୋଡାଲ ଅଧିକାରୀ ଶ୍ରୀ ସେନାପତି ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି।



राष्ट्रपति भवन में रक्षा बंधन कार्यक्रम

देश भर के छात्रों को समावेश को बढ़ावा देने और अवसर देने के लिए, ओडिशा के २५ स्कूली छात्रों ने राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में 'रक्षा बंधन' कार्यक्रम में भाग लिया और भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ बातचीत की। ओडिशा के २५ छात्रों और ०६ शिक्षकों सहित ३१ सदस्यों की एक टीम ने १९ अगस्त, २०२४ को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में रक्षा बंधन कार्यक्रम-२०२४ में भाग लिया है।



EducationOdisha @SMEOdisha - Aug 18

ଓଡ଼ିଶାର ୨୫ଜଣ ସ୍କୁଲ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ମହାନଦୀର ଗାନ୍ଧୀ ଶ୍ରୀମତୀ ଦ୍ରୌପଦୀ ମୁର୍ମୁଙ୍କ ସହିତ ଗାନ୍ଧୀଜୀଙ୍କ ଗୃହରେ ଗୋଟିଏ ସମୟରେ ଭେଟ ହେବ। ଏହାବେଳେ ଗାନ୍ଧୀଜୀଙ୍କ ସହିତ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଆଲୋଚନା ଚାର୍ଚ୍ଚାସୂଚୀର ମଧ୍ୟ ଆୟୋଜନ କରାଯାଇଛି ।



Ministry of Education
@EduMinOfIndia

School students are bursting with excitement as they eagerly await the honor of meeting the Hon'ble President of India on the auspicious occasion of Raksha Bandhan! Their boundless enthusiasm reflects the deep significance of this special day. This wonderful opportunity to interact with the President is a milestone moment for the students, filling them with immense pride and excitement. As they prepare for this distinguished meeting, they're determined to make the celebrations truly unforgettable!

**@rashtrapatibhvn #Rakshabandhan
#SchoolEducation #PMSHRI
#SamagraShiksha**



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (२१ जून, २०२४):

१०th अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) २१ जून, २०२४ को राज्य के ४६२४९ स्कूलों में मनाया गया। १०th अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'योग फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी' है। समग्र शिक्षा, ओडिशा के तहत १ वीं बगलेस गतिविधि सभी स्कूलों में देखी गई, जहां ४.३ मिलियन छात्रों ने योग को अपनाया।



EducationOdisha @SMEOdisha - Jun 21

Celebrating the 10th International Day of Yoga with the 1st Bagless activity under Samagra Shiksha! Across 46,249 schools, 4.3 million students embraced Yoga, promoting 'Yoga for Self and Society'. An inspiring move towards a healthier life!
#YogaDay2024
#HealthyLiving



स्वच्छता पखवाड़ा (१ से १५ सितंबर, २०२४):

राज्य के सभी स्कूलों में १ से १५ सितंबर, २०२४ तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया गया। इस पखवाड़े के दौरान छात्रों में स्वच्छता, स्वच्छता और स्वच्छता की आदतों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी छात्रों / शिक्षकों / अधिकारियों ने स्वच्छता के लिए प्रतिज्ञा लेने में भाग लिया। छात्रों ने स्वच्छता के महत्व के बारे में बात की और इसे बनाए रखने का संकल्प लिया और राज्य के वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को अपडेट किया गया।



बाल दिवस – सुरावी, २०२४ (१४ नवंबर २०२४):

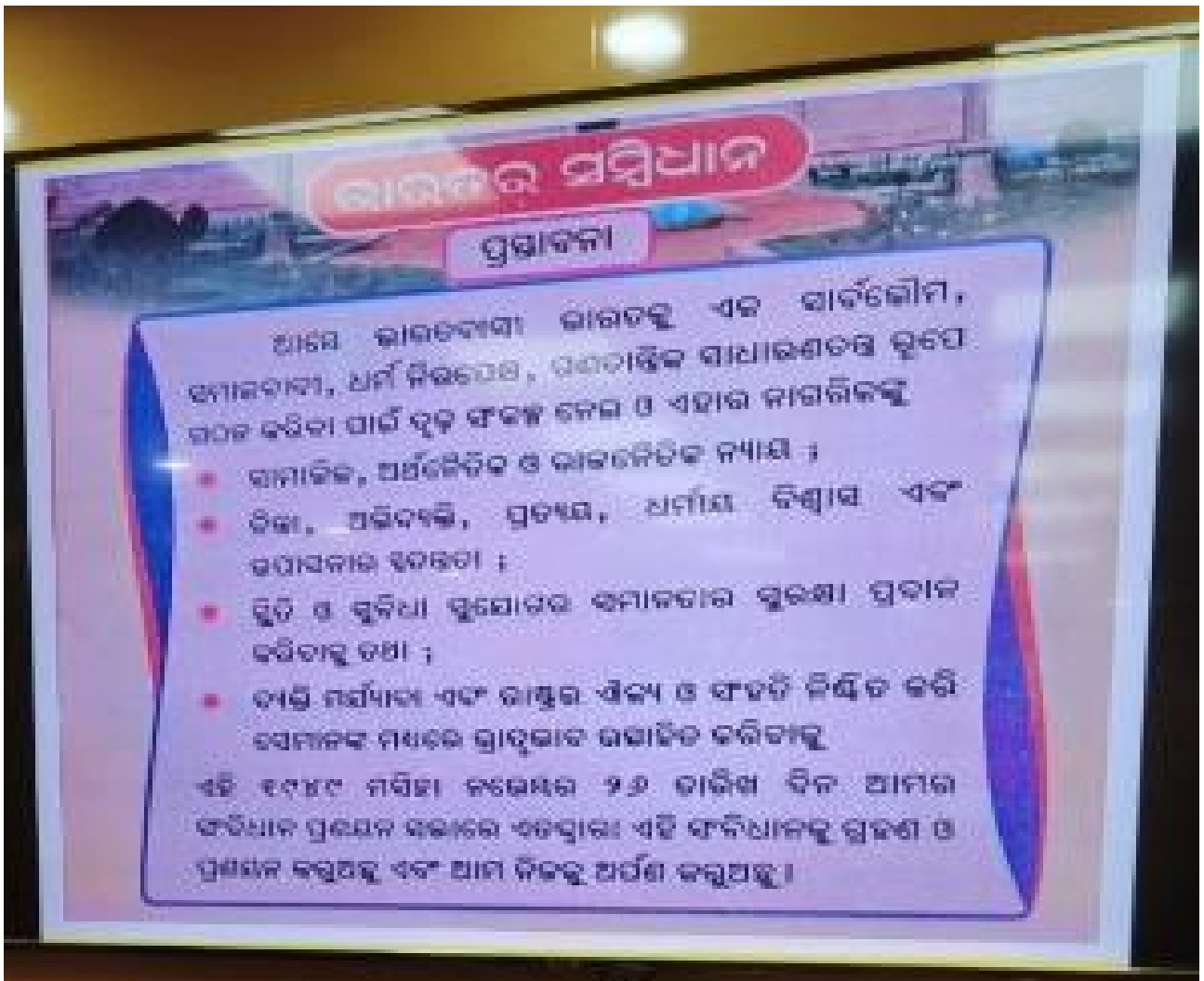
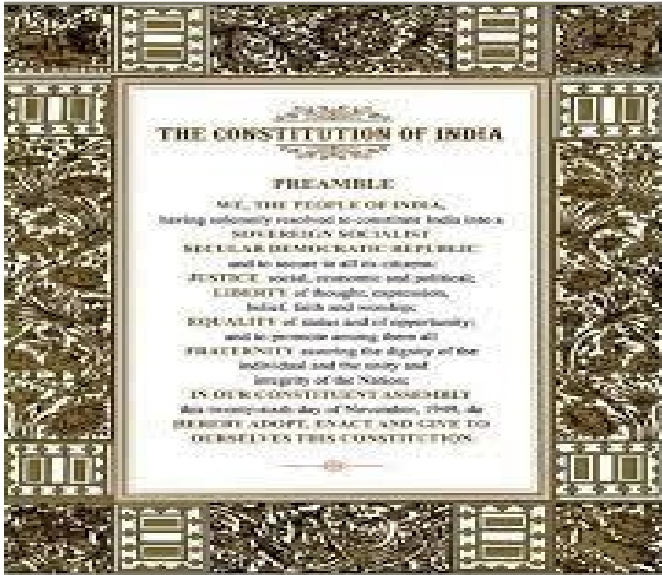
वर्ष २०२४ के दौरान सितंबर २०२४ से नवंबर २०२४ तक स्कूल, क्लस्टर, ब्लॉक और जिला स्तर पर बाल महोत्सव 'सुरावी' का आयोजन किया गया और छात्रों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राज्य मुख्यालय में १२ से १४ नवंबर, २०२४ के बीच युवा प्रतिभाओं के पोषण के लिए ०३ दिवसीय राज्य स्तरीय बाल महोत्सव 'सुरावी' का आयोजन किया गया, जिसमें ४००० छात्र, मार्गदर्शक शिक्षक और अधिकारी शामिल हुए। माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा ने १४ नवंबर २०२४ को "शिशु दिवस" की पूर्व संध्या पर मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर भाग लिया है। स्कूल से राज्य स्तर तक बाल महोत्सव "सुरावी -२०२४" के दौरान ७८०.०० रुपये की राशि खर्च की गई थी।





संविधान दिवस (२६ नवंबर २०२४):

"संविधान दिवस" २६ नवंबर २०२४ को राज्य भर के ४८६३१ स्कूलों, शैक्षिक संस्थानों और ३७७ कार्यालयों में मनाया गया था और भारतीय संविधान के प्रस्तावना को पढ़ा गया था।





GPS Map Camera

Bhubaneswar, Odisha, India
Unit 8, Keshari Nagar, Bhubaneswar, Odisha
751001, India

भारतीय भाषा उत्सव

११ दिसंबर, २०२४ को पूज्य महाकवि सुब्रमण्य भारती की जयंती मनाने के लिए ४ दिसंबर से ११ दिसंबर, २०२४ तक “भारतीय भाषा उत्सव” का आयोजन किया गया था। भारतीय भाषा उत्सव का उद्देश्य हमारे राष्ट्र की भाषाई समृद्धि का जश्न मनाना और महाकवि भारती की विरासत को इस तरह से सम्मानित करना था जो हमारे लीनरों के दिलों और दिमागों से मेल खाती है। माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा ने “भारतीय भाषा उत्सव” और ३००नग की पूर्व संध्या पर मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर भाग लिया है ३० जिलों के छात्रों/शिक्षकों में से राज्य स्तरीय चित्रकला और जर्नल मेकिंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कृत किया गया।



CMO Odisha @CMO_Odisha · Dec 11, 2024

ଜାତୀୟ ମହାକବି ସୁବ୍ରହ୍ମଣ୍ୟ ଭାରତୀୟ ଉତ୍ସବ ଆବେଶରେ ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ‘ଭାରତୀୟ ଭାଷା ଉତ୍ସବ’ ସମାରୋହ ପାଳିତ ହୋଇଛି । ଭାରତୀୟ ବିବିଧତା ଯେତେବେଳେ ଆମର ସର୍ବଶ୍ରେଷ୍ଠ ଶକ୍ତି । ଜାତୀୟ ସାହିତ୍ୟ ସହିତ ଅନ୍ୟତମ ଭାରତୀୟ ଭାଷାକୁ ମଧ୍ୟ ଗର୍ବିତ କରିଛନ୍ତି । ମହାକବି ଭାରତ, ଗଣେ ଗାଥାପଠନାଦି ଏବଂ ଓ ସମାଜ ସଂସ୍କାର ଭାବେ ପୂର୍ବରୁ

Show more





परीक्षा पे चर्चा -२०२५

“परीक्षा पे चर्चा-२०२५”, माननीय प्रधानमंत्री के साथ छात्रों की एक अनूठी बातचीत जनवरी २०२५ के महीने में चरणबद्ध तरीके से आयोजित की गई थी, जहां ओडिशा के १४ छात्रों और ५ शिक्षकों ने नई दिल्ली और मुंबई में विभिन्न सत्रों में भाग लिया है।



१६,१५,०५३ छात्रों / शिक्षकों / माता-पिता ने

“परीक्षा पे चर्चा” पोर्टल भारत सरकार, नई दिल्ली में पंजीकरण किया है। ५३,७४,१०३ छात्रों, शिक्षकों, माता-पिता ने १०.०२.२०२५ को माननीय प्रधानमंत्री के लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम को देखा है। माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा और शिक्षा मंत्री, ओडिशा ने राज्य मुख्यालय में कार्यक्रम को देखा और १०.०२.२०२५ को सरकार में छात्रों के साथ बातचीत की। सरकार। हाई स्कूल, यूनिट- I, भुवनेश्वर।



सामुदायिक लामबंदी २०२४-२५ के तहत आयोजित अन्य गतिविधियां हैं:

- ५ सितंबर, २०२४ को शिक्षक दिवस
- राष्ट्रीय एकता दिवस का अवलोकन और ३१ अक्टूबर, २०२४ को शपथ लेना
- ऊर्जा संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता
- वीरता पुरस्कार के तहत परियोजना वीर गाथा ४.० - छात्र की कला / चित्रकला, निबंध, कविता, अभिनय आदि
- एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम (ओडिशा-महाराष्ट्र) का कार्यान्वयन
- भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों का कार्यान्वयन



6. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा

समग्र शिक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विशेष आवश्यकताओं वाले प्रत्येक बच्चे को किसी भी प्रकार, श्रेणी और विकलांगता की डिग्री के बावजूद सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। इसलिए, इसने शून्य अस्वीकृति नीति को अपनाया है, यानी किसी भी बच्चे को शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

समग्र शिक्षा के लक्ष्य को 6-18 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 द्वारा सुगम बनाया गया है।

आरटीई अधिनियम में निम्नलिखित का उल्लेख है: छह से अठारह वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को पड़ोस के स्कूल में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार होगा और कोई भी बच्चा किसी भी प्रकार के शुल्क या खर्च का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो उसे प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा को आगे बढ़ाने और पूरा करने से रोक सकता है। विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 में परिभाषित विकलांगता से पीड़ित बच्चे को नियमित सरकारी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार होगा। सामान्य छात्रों के साथ स्कूल। विकलांगता से पीड़ित एक बच्चा, जैसा कि विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 में परिभाषित किया गया है, को नियमित सरकार में शिक्षा को आगे बढ़ाने का अधिकार होगा। सामान्य छात्रों के साथ स्कूल

21 प्रकार की विकलांगता हैं: 1) अंधापन, 2) कम दृष्टि, 3) श्रवण हानि (बधिर और सुनने में कठिन), 4) भाषण और भाषा विकलांगता, 5) लोकोमोटर विकलांगता, 6) मानसिक बीमारी, 7) विशिष्ट सीखने की अक्षमता, 8) सेरेब्रल पाल्सी, 9) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, 10) बधिर अंधापन सहित कई विकलांगता, 11) कुष्ठ रोग ठीक हो गया, 12) बौनापन, 13) बौद्धिक विकलांगता (एमआर), 14) मांसपेशियों की डिस्ट्रॉफी, 15) पुरानी न्यूरोलॉजिकल स्थितियां, 16) मल्टीपल स्केलेरोसिस, 17) थैलेसीमिया, 18) हीमोफिलिया, 19) सिकल सेल रोग, 20) एसिड अटैक सर्वाइवर और 21) पार्किंसंस रोग।

समग्र शिक्षा के मानदंडों के अनुसार, प्रति वर्ष विशेष प्रस्ताव के अनुसार, विशेष जरूरतों वाले बच्चों को शामिल करने के लिए 3500 रुपये प्रति सीडब्ल्यूएसएन खर्च किया जाएगा। विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए जिला योजना 3500 रुपये प्रति बाल मानक के भीतर तैयार की गई है। वर्ष 2024-25 में राज्य और जिला स्तर पर विभिन्न गतिविधियां शुरू की गई हैं और प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:-

2024-25 के दौरान समावेशी शिक्षा गतिविधियों की प्रगति

क्रम सं.	गतिविधियों के नाम	2024-25 के दौरान प्रगति
1	पहचान और नामांकन	सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नामांकित सीडब्ल्यूएसएन छात्रों की संख्या ८४२२७, प्राथमिक - ६२२९४, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक - २१३०३
2	सहायक यंत्रों और उपकरणों का वितरण	ब्लॉक स्तर पर चिकित्सा मूल्यांकन शिविर आयोजित किए गए हैं और 7279 सीडब्ल्यूएसएन को सहायक उपकरण और सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं।
3	माता-पिता का अभिविन्यास प्रशिक्षण	सीडब्ल्यूएसएन के माता-पिता और अभिभावकों को ब्लॉक स्तर पर आईई पर एक दिवसीय अभिविन्यास प्रदान किया गया है।
4	ब्रेल पुस्तकें	दृष्टिहीन छात्रों को ब्रेल पुस्तकों के 1791 सेट वितरित किए गए हैं।



5	बड़ी प्रिंट वाली किताबें	कम दृष्टि वाले छात्रों को बड़े प्रिंट वाली पुस्तकों के 3971 सेट वितरित किए गए हैं।
6	एस्कॉर्ट भत्ता	14357 सी.डब्ल्यू.एस.एन. को 10 महीने के लिए 6000/- रुपये की दर से एस्कॉर्ट भत्ता प्रदान किया गया। (प्राथमिक एवं माध्यमिक)
7	परिवहन भत्ता	24275 सी.डब्ल्यू.एस.एन. को 10 महीने के लिए 3000/- रुपये की दर से परिवहन भत्ता प्रदान किया गया। (प्राथमिक एवं माध्यमिक)
8	लड़कियों सीडब्ल्यूएसएन के लिए वजीफा	19780 सी.डब्ल्यू.एस.एन. लड़कियों को 10 माह के लिए 2000/- रु. की दर से वजीफा प्रदान किया गया। (प्राथमिक और माध्यमिक)
9	पाठक भत्ता	1080 दृष्टिबाधित सी.डब्ल्यू.एस.एन. को 10 माह के लिए 6000/- रुपये की दर से रीडर भत्ता प्रदान किया गया। (प्राथमिक और माध्यमिक)
10	चिकित्सा सेवाएं	सीडब्ल्यूएसएन को ब्लॉक और जिला स्तरीय संसाधन केंद्रों में फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा, भाषण चिकित्सा और ब्रेल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।
11	कम दृष्टि डिवाइस और टीएलएम किट का वितरण	65 सी.डब्ल्यू.एस.एन. को कम दृष्टि वाले उपकरण और आई.सी.टी. उपकरणों के साथ sightsavers India के साथ अभिसरण प्रदान किया गया।
12	स्पोर्ट्स मीट	सीडब्ल्यूएसएन के लिए स्पोर्ट्स मीट 30 जिलों के 314 ब्लॉकों में आयोजित की गई।
13	समावेशी शिक्षा स्वयंसेवक	1094 आईई स्वयंसेवक ग्राम पंचायत स्तर पर काम कर रहे हैं ताकि राज्य सरकार के बजट के माध्यम से सीडब्ल्यूएसएन को सहायता सेवाएं प्रदान की जा सकें।
14	सीडब्ल्यूएसएन के लिए ब्लॉक संसाधन व्यक्ति	(ग) केन्द्रीय जल बीमा निगम को संसाधन सहायता प्रदान करने के लिए ब्लॉक स्तर पर कार्यरत ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों की संख्या 632 है।
15	पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम	ब्लॉक / जिला स्तर पर आयोजित विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस।

समग्र शिक्षा 2024-25 के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए आयोजित गतिविधियाँ।

चिकित्सा मूल्यांकन शिविर:-

हर साल डॉक्टरों और पुनर्वास पेशेवरों की एक टीम द्वारा विभिन्न प्रकार के सीडब्ल्यूएसएन के मूल्यांकन के लिए ब्लॉक स्तर पर चिकित्सा मूल्यांकन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उनके प्रकार और विकलांगता की डिग्री का पता लगाया जा सके और

सीडब्ल्यूएसएन को एड्स और उपकरणों की आवश्यकता की पहचान की जा सके। इस उद्देश्य के लिए एसएसईपीडी, एच एंड एफ डब्ल्यू विभाग, मेडिकल कॉलेज, एएलआईएमसीओ, जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र (एनएचएम), एसवीएनआईआरटीएआर और जिला विकलांगता पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) के साथ अभिसरण में आयोजित ब्लॉक स्तरीय शिविर।



(कम दृष्टि आकलन शिविर)



(चिकित्सा मूल्यांकन शिविर)

सीडब्ल्यूएसएन के लिए सहायक उपकरण और उपकरणों का प्रावधान:

आवश्यकता-आधारित सहायक उपकरण और उपकरण, सहायक उपकरण विभिन्न संस्थानों, संगठनों और एजेंसियों के साथ अभिसरण में कक्षा। से XIA के पहचाने गए सीडब्ल्यूएसएन की सभी श्रेणियों जैसे ट्राइसाइकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, कैलीपर्स, कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र, ब्रेल किट, TLM किट, कम दृष्टि उपकरण, सीपी कुर्सियां, चश्मा और ICT उपकरणों को वितरित किए जा रहे हैं: ALIMCO, NIEPID, SVNIRTAR, DDRC, RBSK, Sunetra, Sightsavers और अन्य गैर सरकारी संगठन।



(सहायक उपकरण और उपकरणों का वितरण)



(सहायक उपकरण और उपकरणों का वितरण)

स्पीच थेरेपी कार्यक्रम:-

भाषण चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम समावेशी शिक्षा के तहत एक नियमित गतिविधि है। स्पीच थेरेपी प्रशिक्षण कार्यक्रम समावेशी शिक्षा के तहत एक नियमित गतिविधि है। कक्षा I से XII तक के श्रवण और भाषण बाधित बच्चों को उनके माता-पिता के साथ ब्लॉक स्तर संसाधन केंद्रों, NHM के DEIC और DDRC और जिला स्तर पर उपलब्ध SSEPD विभाग में भाषण चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।



(स्पीच थेरेपी)



(स्पीच थेरेपी)

फिजियोथेरेपी और व्यावसायिक चिकित्सा कार्यक्रम।

कक्षा I से XII तक के मस्तिष्क पक्षाघात, बहु-दिव्यांगता, गति-बाधित और बौद्धिक विकलांगता वाले बच्चों के लिए ब्लॉक/जिला स्तर पर फिजियोथेरेपी और व्यावसायिक चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। एनएचएम के डीआईसी और एसएसईपीडी विभाग के डीडीआरसी के सहयोग से ब्लॉक/जिला स्तर पर आयोजित इस चिकित्सा शिविर में विकलांग बच्चे और उनके अभिभावक दोनों भाग ले रहे हैं।



(भौतिक चिकित्सा)



(भौतिक चिकित्सा)

माता-पिता, अभिभावक के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम।

ब्लॉक स्तर पर समावेशी शिक्षा पर माता-पिता, अभिभावकों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों में सीडब्ल्यूएसएन के माता-पिता ने सीडब्ल्यूएसएन की शिक्षा के प्रति अभिभावकों की भूमिकाओं पर अभिविन्यास प्रदान किया, जो सरकार से उनके लिए उपलब्ध सुविधाएं हैं। एनजीओ क्षेत्र, पहचान, मूल्यांकन, रेफरल सेवाएं, सर्जिकल सुधार, एड्स और उपकरणों आदि का उपयोग



(माता-पिता के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम)



(माता-पिता के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम)

ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

ब्लॉक स्तर पर काम करने वाले ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों (सीडब्ल्यूएसएन) की क्षमता निर्माण के लिए जिला/अंतर-जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।



(बीआरपी (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम)

ब्रेल पुस्तकों और बड़ी प्रिंट पुस्तकों का प्रावधान

हर साल कक्षा एक से दसवीं तक के दृष्टिबाधित छात्रों को रेडक्रॉस कंप्यूटरीकृत ब्रेल प्रेस, बेरहामपुर के साथ मेल खाते हुए ब्रेल पुस्तकों की आपूर्ति की जाती है। टीबीपी एंड एम भुवनेश्वर द्वारा आपूर्ति किए गए कम दृष्टि वाले छात्रों को बड़ी प्रिंट पुस्तकों की आपूर्ति भी की जाती है।



(बड़ी प्रिंट पुस्तकों का वितरण)



(ब्रेल पुस्तकों का वितरण)

बौद्धिक विकलांगता छात्रों के लिए टीएलएम किट का वितरण

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय संस्थानों, एनआईपीआईडी और एनआईपीएमडी के माध्यम से बौद्धिक विकलांगता वाले छात्रों को टीएलएम किट वितरित किए गए हैं।



(एनआईपीआईडी द्वारा टीएलएम किट का वितरण)



(एनआईपीआईडी द्वारा टीएलएम किट का वितरण)

स्पोर्ट्स मीट और एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम।

सीडब्ल्यूएसएन के लिए ब्लॉक स्तर पर स्पोर्ट्स मीट और एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उनकी छिपी क्षमता की पहचान की जा सके और उन्हें अपनी पाठ्येतर गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।



नेत्रहीन छात्रों के लिए ब्रेल और गतिशीलता प्रशिक्षण

नेत्रहीन छात्रों के लिए उनके माता-पिता के साथ जिला/ब्लॉक स्तर पर ब्रेल और गतिशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कम दृष्टि मूल्यांकन, कम दृष्टि वाले उपकरणों, आईसीटी उपकरणों के वितरण के लिए साइटसेवर के साथ सहयोग कार्यक्रम।

एक विकास संगठन, भारत के Sightsavers ने अंधे और निम्न दृष्टि वाले छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा को मजबूत करने के लिए ओसेपा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। Sightsavers ने जिला / ब्लॉक स्तर पर कम दृष्टि मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया और कम दृष्टि वाले छात्रों को डेज़ी प्लेयर, टैबलेट, स्मार्ट फोन जैसे आवश्यकता आधारित चश्मा, कम दृष्टि वाले उपकरण, आईसीटी उपकरण प्रदान किए।



(ICT और कम दृष्टि वाले उपकरणों का वितरण)



(ICT और कम दृष्टि वाले उपकरणों का वितरण)

गंभीर सीडब्ल्यूएसएन के लिए एस्कॉर्ट भत्ते का प्रावधान।

कक्षा I से XII तक सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में ७५% या अधिक विकलांगता पढ़ने वाले लोकोमोटर, दृष्टिबाधित, बौद्धिक विकलांगता, एकाधिक विकलांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार श्रेणी के गंभीर सीडब्ल्यूएसएन को १० महीने के लिए @ ६००० / - रुपये का भुगतान किया गया है। डीबीटी मोड के माध्यम से छात्रों/अभिभावकों के बैंक खातों में धनराशि हस्तांतरित की गई। डीबीटी मोड के माध्यम से छात्रों/माता-पिता के बैंक खातों में हस्तांतरित धन।

सीडब्ल्यूएसएन के लिए परिवहन भत्ते का प्रावधान

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा १ से १२ तक पढ़ने में ४०-१००% विकलांगता वाले सभी श्रेणियों के सीडब्ल्यूएसएन को १० महीने के लिए ३०००/- रुपये की दर से परिवहन भत्ता दिया गया है। यह धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से छात्रों/अभिभावकों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाती है।

सीडब्ल्यूएसएन के लिए रीडर भत्ते का प्रावधान

कक्षा I से XII तक सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में ७५% या अधिक विकलांगता पढ़ने वाले दृष्टिबाधित छात्रों को १० महीने के लिए पाठक भत्ता @ रु.६०००/- का भुगतान किया गया है। डीबीटी मोड के माध्यम से छात्रों/माता-पिता के बैंक खातों में हस्तांतरित धन।

सीडब्ल्यूएसएन लड़कियों के लिए वजीफा

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा - I से XII वीं में नामांकित विकलांगता प्रमाण पत्र रखने वाली सीडब्ल्यूएसएन लड़कियों को १० महीने के लिए @ २००० रुपये का भुगतान किया गया है। डीबीटी मोड के माध्यम से छात्रों/अभिभावकों के बैंक खातों में धनराशि हस्तांतरित की गई। डीबीटी मोड के माध्यम से छात्रों/माता-पिता के बैंक खातों में हस्तांतरित धन।

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए रीडर भत्ते का प्रावधान

कक्षा I से XII तक सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में ७५% या अधिक विकलांगता पढ़ने वाले दृष्टिबाधित छात्रों को १० महीने के लिए पाठक भत्ता @ रु.६०००/- का भुगतान किया गया है।

ब्लॉक स्तर पर पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम

वर्ष २०२४ के दौरान पर्यावरण भवन कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध निधियों से जिला/ब्लॉक स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस का अवलोकन किया गया है।



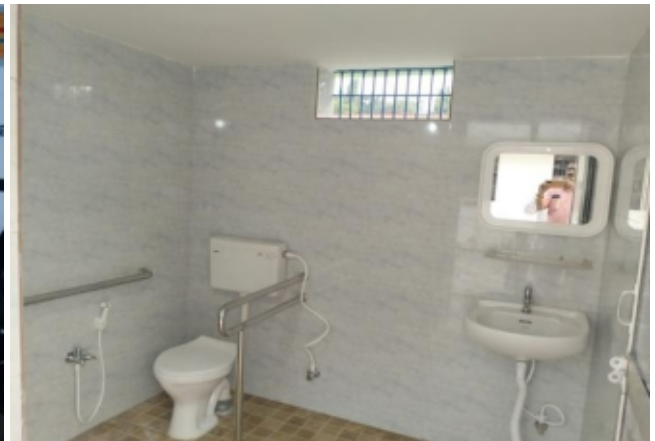
(विकलांग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली रैली)



(विकलांग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली रैली)

ब्लॉक/जिला स्तर पर सीडब्ल्यूएसएन के लिए संसाधन केंद्रों का कार्य

सभी जिला और ब्लॉक मुख्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए चिकित्सा सेवाएं, मूल्यांकन, प्रशिक्षण, परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए शिक्षकों और माता-पिता समर्पित संसाधन केंद्र (सीडब्ल्यूएसएन) खोला गया है। सीडब्ल्यूएसएन के लिए नियमित आधार पर उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं, मूल्यांकन, प्रशिक्षण, निगरानी और परामर्श सेवाओं सहित जिला और ब्लॉक स्तर पर सभी शैक्षिक और संसाधन सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए संसाधन केंद्र खोले जाते हैं।



(जिला और ब्लॉक स्तर पर कार्यरत सीडब्ल्यूएसएन के लिए संसाधन केंद्र)

बीएसई और सीएचएसई, ओडिशा द्वारा सीडब्ल्यूएसएन के लिए प्रावधान/छूट:

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई) और उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीएचएसई), ओडिशा ने कक्षा X और कक्षा XII बोर्ड परीक्षा के दौरान सीडब्ल्यूएसएन के लिए उपलब्ध विशेष प्रावधानों / छूट के बारे में अधिसूचना अधिसूचित की। अभिभावकों व शिक्षकों के बीच जागरूकता के लिए दैनिक समाचार पत्र में लघु वीडियो, ऑडियो, यूट्यूब वीडियो, बुकलेट व विज्ञापन बनाया गया।

सुनेत्रा- स्कूली छात्रों के लिए विजन स्क्रीनिंग और चश्मा वितरण कार्यक्रम

दृष्टि जांच शिविर ब्लॉक स्तर पर आयोजित किए जाते हैं और स्वास्थ्य एवं स्कूल एवं जन शिक्षा विभाग के एक संयुक्त अभिसरण कार्यक्रम, सुनेत्रा के तहत कक्षा १ से १० तक के पहचाने गए स्कूली छात्रों को आवश्यकता आधारित बिजली चश्मे वितरित किए जाते हैं। स्कूल स्तर पर प्रारंभिक स्क्रीनिंग के माध्यम से शिक्षकों द्वारा पहचान की गई दृष्टि समस्या वाले चयनित छात्रों को ब्लॉक स्तर दृष्टि स्क्रीनिंग शिविर में भेजा गया। बीईओ के साथ तालमेल में पीएचसी/सीएचसी के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रखंड स्तरीय शिविर का आयोजन किया जाता है। डीबीसी की नेत्र संबंधी तकनीकी टीम छात्रों की आंखों की जांच और प्रदर्शन का मापन करती हैं। ओएसएमसीएल द्वारा सीडीएमओ / पीएचसी स्तर पर चयनित विक्रेता द्वारा आपूर्ति किए गए चश्मे की आवश्यक संख्या और पीएचसी स्कूल के छात्रों को वितरण के लिए बीओएस को चश्मा सौंपते हैं।



विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की कक्षा में भागीदारी

समग्र शिक्षा के तहत, विशेष जरूरतों वाले विभिन्न प्रकार के बच्चे नियमित स्कूलों में शिक्षा जारी रख रहे हैं। वे नियमित कक्षा प्रथाओं में बहुत सक्रिय हैं। वे कक्षा में कक्षा शिक्षकों द्वारा आयोजित कई गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं।



(सीडब्ल्यूएसएन पैर के साथ ड्राइंग में भाग लेते हैं)



(सीडब्ल्यूएसएन द्वारा तैयार पेंटिंग)

विभिन्न गतिविधियों में सीडब्ल्यूएसएन की भागीदारी

सीडब्ल्यूएसएन ब्लॉक स्तर पर आयोजित ड्राइंग और पेंटिंग, शिल्प निर्माण, योग जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेता है।



(सीडब्ल्यूएसएन पेंटिंग, क्राफ्ट मेकिंग और योग गतिविधियों में भाग लेते हैं)



ब्लॉक संसाधन व्यक्ति और आईई स्वयंसेवकों द्वारा सीडब्ल्यूएसएन को संसाधन सहायता का प्रावधान

समग्र शिक्षा के तहत, ब्लॉक संसाधन व्यक्ति स्कूल स्तर पर सीडब्ल्यूएसएन को संसाधन सहायता प्रदान करने के लिए लगे हुए हैं। यानी स्वयंसेवक भी सीडब्ल्यूएसएन को घरेलू स्तर पर सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए लगे हुए हैं।



(ब्लॉक संसाधन व्यक्ति और आईई स्वयंसेवकों ने सीडब्ल्यूएसएन को घरेलू सेवाएं प्रदान की)



7. गुणवत्ता और नवाचार

प्रमुख लक्ष्य

- सभी स्तरों पर छात्रों के सीखने के स्तर में सुधार
 - सीखने के परिणामों की उपलब्धि में अंतर को बंद करने के लिए सीखने में वृद्धि / संवर्धन कार्यक्रम (एलईपी) प्रदान करना
 - सीखने के परिणामों की उपलब्धि में अंतर का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सीखने के स्तर का आकलन करना
 - समग्र रिपोर्ट कार्ड बनाना (एचपीसी) प्रगति के साथ-साथ संज्ञानात्मक, भावात्मक और साइकोमोटर डोमेन में प्रत्येक शिक्षार्थी की विशिष्टता को प्रतिबिंबित करने के लिए
 - समग्र स्कूल अनुदान के प्रावधान के माध्यम से सभी शिक्षार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक बुनियादी न्यूनतम उपकरणों से भरा एक प्रवाहकीय सीखने का माहौल सुनिश्चित करें, ताकि छात्र और शिक्षक अपने स्कूलों में पढ़ाने और सीखने के लिए सहज और प्रेरित हों
1. गुणवत्ता पहल के कार्यान्वयन की स्थिति:

बिद्या प्रवेश सामग्री

- एक बच्चे के मूलभूत चरण में समान गुणवत्ता की शिक्षा तक पहुंच मौलिक है। यह एक बच्चे के भीतर स्वास्थ्य, कल्याण, भाषा साक्षरता, गणितीय सोच और पर्यावरण जागरूकता से संबंधित मूलभूत दक्षताओं को विकसित करने में मदद करता है। इसलिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी २०२०) प्रासंगिक अवधारणाओं को विकसित करने और बच्चों को स्कूली शिक्षा शुरू करने पर इष्टतम सीखने की सुविधा के लिए आवश्यक दक्षताओं को प्राप्त करने पर जोर देती है। विद्या प्रवेश स्कूल के लिए बच्चों की तैयारी में अंतर को पाटने के लिए एक अंतरिम उपाय है। ऐसे मजबूत मूलभूत दक्षताओं के साथ प्राथमिक स्कूलों में अपनी शिक्षा शुरू करने वाले बच्चे अधिक उन्नत दक्षताओं को तेजी से समझते हैं। इसलिए, यह शुरुआत ग्रेड 1 में चिकनी और आरामदायक होनी चाहिए जिससे स्कूल शिक्षा प्रणाली और सीखने की प्रक्रिया के साथ बेहतर समायोजन हो सके।
- विद्या प्रवेश मॉड्यूल सभी सरकारी स्कूलों के ४४९४५ स्कूलों और ग्रेड १ के छात्रों की ५१११५२ संख्या में शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत स्कूल आते हैं। इसके तहत स्कूलों को कवर किया जाता है।

शैक्षणिक कैलेंडर

शैक्षणिक कैलेंडर तैयार किया गया है और कैलेंडर की सॉफ्ट कॉपी प्राथमिक और माध्यमिक दोनों वर्गों के लिए सभी सरकारी स्कूलों को परिचालित की गई है।

शैक्षणिक कैलेंडर की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- स्कूल के काम के दिन

- मूल्यांकन की समय सीमा
- स्कूल के काम के घंटे
- शिक्षकों के लिए शिक्षण घंटा

छुट्टी का होमवर्क

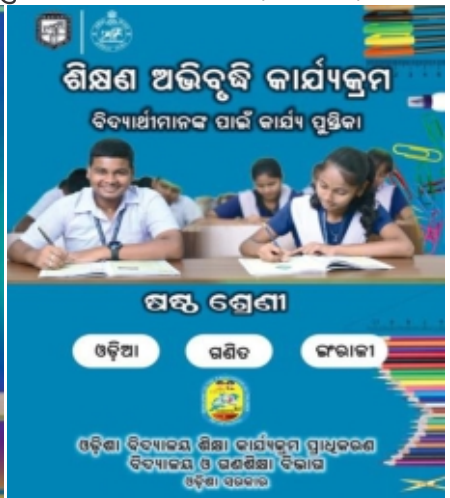
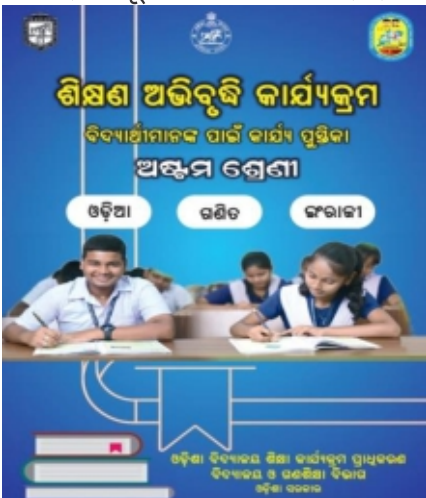
- अत्यधिक गर्मी की स्थिति के कारण स्कूलों के शुरुआती बंद होने के दौरान निरंतर सीखने को सुनिश्चित करने के लिए, ओडिशा सरकार ने कक्षा I-VIII के छात्रों के लिए एक अद्वितीय हॉलिडे होम वर्क प्रोग्राम लागू किया कार्यक्रम ०१.५.२०२४ को शुरू हुआ और २०२४ के दौरान छुट्टी के बाद स्कूल खोलने तक जारी रहा।



- सुचारू निष्पादन के लिए, स्कूल और जन शिक्षा विभाग ने एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की, जिसे प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सभी जिलों में प्रसारित किया गया था।

एलईपी वर्कबुक कक्षा-VI, VII & VIII के लिए

एलईपी कार्यपुस्तिका सभी सरकार के कक्षा VI से VIII के छात्रों को प्रदान की गई है। एस एंड एम और एसएसडी के तहत स्कूल प्रस्थान कर रहे हैं। तीन विषयों के लिए एक एकल कार्यपुस्तिका यानी ओडिया, अंग्रेजी, गणित





विकसित की गई है। ये कार्यपत्रक संबंधित विषयों और कक्षा के सीखने के परिणामों पर आधारित हैं और यह कार्यपत्रकों के शीर्ष पर परिलक्षित हुआ है। नमूना प्रश्न कार्यपत्रकों के मध्य और अंत में दिए गए हैं।

कक्षा-I-VIII के लिए होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड

टीटीई और एससीईआरटी, ओडिशा द्वारा विकसित प्राथमिक ग्रेड (कक्षा- I-VIII) के सभी छात्रों को समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) प्रदान किया गया है। इन कार्डों को तीन चरणों के लिए तैयार किया गया है अर्थात मूलभूत चरण (कक्षा- I और II), प्रारंभिक चरण (कक्षा- III, IV और V) और मध्य चरण (कक्षा- VI, VII और VIII)।



एलईपी लर्निंग एन्हांसमेंट प्रोग्राम

एलईपी-उत्कर्ष: शिक्षण संवर्धन कार्यक्रम - उत्कर्ष कक्षा ९ के छात्रों के लिए २०० घंटे का लक्षित शिक्षण कार्यक्रम है, जिसे मुख्य विषयों - ओडिया, अंग्रेजी, गणित और विज्ञान में सीखने के अंतराल को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कक्षा ९ के पाठ्यक्रम के अनुरूप मूलभूत और पूर्व-शर्त दक्षताओं पर केंद्रित है और नियमित शिक्षण के पूरक के रूप में समर्पित अवधि के माध्यम से वितरित किया जाता है। आयु



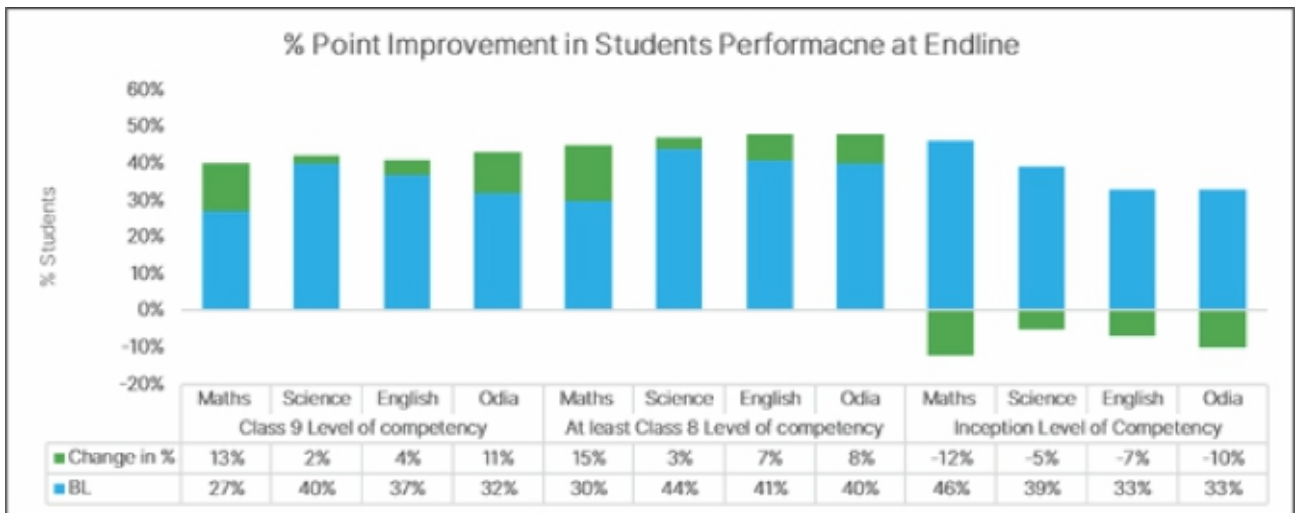
२०२४-२५ में, उत्कर्ष को ५,२६१ डीएसएमई और एसएसडी हाई स्कूलों में लागू किया गया था, जिसकी शुरुआत २-६ अगस्त २०२४ को डीआरजी स्तर के प्रशिक्षण से हुई थी। निर्देश फाउंडेशन चरण (४ जुलाई-३१ अगस्त २०२४) के साथ शुरू हुआ, इसके बाद समर्थित शिक्षण चरण (१ सितंबर २०२४-३१ जनवरी २०२५), जिसके दौरान शिक्षकों ने ओडिया, विज्ञान, गणित और अंग्रेजी में छात्रों के मूलभूत कौशल को मजबूत करने के लिए लक्षित शिक्षण सहायता प्रदान की। ३,७३,३५० के छात्र हैंडबुक और १०,५२२ के शिक्षक हैंडबुक प्रत्येक विषय में मुद्रित किए गए थे और स्कूल के बिंदुओं तक वितरित किए गए थे।



सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में सीखने की कमी को दूर करने के लिए, पुरी और जगतसिंहपुर जिलों में चयनित उच्च विद्यालयों में एक पायलट कार्यक्रम को छात्र सीखने को और बढ़ाने के लिए, उत्कर्ष कार्यपत्रकों के साथ पलूजा प्लेटफॉर्म के माध्यम से मिश्रित पूरक समर्थन के ३० घंटे प्राप्त हुए

कार्यक्रम प्रभाव: कार्यक्रम के परिणाम को मापने के लिए, चार विषयों में ३.६५ लाख छात्रों के साथ वार्षिक जनगणना-आधारित

आधारभूत मूल्यांकन २०-२१ अगस्त २०२४ को आयोजित किया गया था, और उसी समूह के साथ एक अंतिम मूल्यांकन १७-१८ फरवरी २०२५ को हुआ था। इसके अलावा कार्यक्रम के परिणाम को मजबूत करने और सीजीआई द्वारा सीखने के अंतराल के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक तीसरे पक्ष का मूल्यांकन किया गया था। तीसरे पक्ष के मूल्यांकन ने स्वीकार किया- हस्तक्षेप ने महत्वपूर्ण छात्र प्रदर्शन लाभ का नेतृत्व किया, जिसमें भाषा (०.६३) में एक बड़ा प्रभाव और गणित (०.४६) में एक मध्यम प्रभाव था। गणित में, १७-पॉइंट स्केल स्कोर वृद्धि सीजीआई पैमाने पर ११ अंकों के ऐतिहासिक औसत से ५४% अधिक थी। उत्कर्ष परिणाम विश्लेषण के आधार पर- गणित में, छात्रों ने कक्षा ९ और कम से कम कक्षा ८ के स्तर पर उच्चतम सुधार दिखाया। इसके अतिरिक्त, १२% छात्रों ने योग्यता के सबसे निचले स्तर 'स्थापना' से प्रगति की है, जो सभी विषयों के बीच अधिकतम आंदोलन (लाल रंग में परिक्रमा) भी करता है।



तमिलनाडु राज्य योजना आयोग द्वारा अध्ययन दौरा: राज्य योजना आयोग के पूर्णकालिक सदस्य प्रो. श्रीनिवासन के नेतृत्व में एक चार सदस्यीय टीम ने २ से ३ दिसंबर २०२४ को ओडिशा का दौरा किया, ताकि एलईपी-उत्कर्ष के शैक्षणिक और अनुदेशात्मक दृष्टिकोण का अध्ययन किया जा सके। ओसेपा द्वारा दो दिवसीय बूट शिविर और फील्ड एक्सपोजर का आयोजन किया गया था, कार्यक्रम के साथी, पीपल फॉर एक्शन से तकनीकी कार्यान्वयन समर्थन के साथ, पहल की गहरी समझ को सुविधाजनक बनाने के लिए। टीम ने तमिलनाडु में चयनित



जनजातीय ब्लॉकों के लिए अपनी लक्षित अनुदेशात्मक रणनीतियों को अपनाने के उद्देश्य से एलईपी-उत्कर्ष से सर्वोत्तम प्रथाओं का अवलोकन किया।

उत्कर्ष + (२०२४-२०२५)

कक्षा १० बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए, ओसेपा, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (BSE), और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने नवंबर २०२४ में दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से ८० घंटे का आत्म-शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। पाठ्यक्रम में गणित, भौतिक विज्ञान, जीवन विज्ञान, ओडिया और अंग्रेजी में पूर्व शर्त और वर्ग स्तर की दक्षताओं को शामिल किया गया है, और आसान पहुंच के लिए अध्याय-वार क्यूआर कोड से जुड़ा हुआ है। प्रत्येक विषय में आठ इकाइयां, ५० बहुविकल्पीय प्रश्न और परीक्षा तैयारी को मजबूत करने के लिए एक मॉक टेस्ट शामिल हैं। जिला और



ब्लॉक अधिकारियों के साथ-साथ प्रमुख शिक्षकों के लिए अभिविन्यास सत्रों के बाद, छात्रों को दीक्षा मंच पर नामांकन करने और कक्षा १० बोर्ड की तैयारी के लिए एक संरचित स्व-शिक्षण संसाधन के रूप में पाठ्यक्रम का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कार्यक्रम राज्य भर में डीएसएमई और एसएसडी के तहत सभी स्कूलों के लिए उपलब्ध कराया गया था। परीक्षा की तैयारी को और मजबूत करने और समय प्रबंधन कौशल में सुधार करने के लिए, सात विषयों - ओडिया, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, में अभ्यास परीक्षण पत्रों का एक पैकेज विकसित किया गया था। हिंदी और संस्कृत। इनमें प्रश्न पत्रों के कई सेट शामिल थे, प्रत्येक के अंत में प्रदान की गई उत्तर कुंजी के साथ संसाधन मुद्रित और डिजिटल दोनों प्रारूपों में सभी स्कूलों को आपूर्ति की गई थी, जिससे छात्रों को अपनी परीक्षाओं से पहले व्यवस्थित अभ्यास में शामिल होने में सक्षम बनाया गया था।



निरंतर सीखने की प्रक्रिया – दीक्षा

ज्ञान साझा करने के लिए डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर - एक राष्ट्र एक मंच

- **दीक्षा के बारे में:** दीक्षा (ज्ञान साझा करने के लिए डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की एक प्रमुख पहल है।
- **प्लेटफॉर्म पहुँच क्षमता:** एक वेब पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन दोनों के रूप में उपलब्ध, दीक्षा देश भर के छात्रों और शिक्षकों के लिए इंटरैक्टिव और आकर्षक शिक्षण सामग्री प्रदान करती है।
- **शिक्षक विकास पर ध्यान दें:** शिक्षकों के लिए सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) के महत्व को स्वीकार करते हुए दीक्षा बड़े पैमाने पर **शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा** और कुशलता से शैक्षिक सामग्री का प्रसार करने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में कार्य करती है।
- **तकनीकी क्षमताएं:** दीक्षा डिजिटल शैक्षिक सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण, होस्टिंग और साझा करने का समर्थन करती है। यह एक **केंद्रीकृत भंडार के रूप में** कार्य करता है, जो देश भर में शिक्षकों और संस्थानों द्वारा योगदान किए गए संसाधनों को एक साथ लाता है।
- **पाठ्यक्रम निर्माण फ्रेमवर्क:** यह मंच निम्नलिखित के लिए एक उपयोगकर्ता के अनुकूल ऑनलाइन ढांचा प्रदान करता है:
 - डिजिटल सामग्री अपलोड की जा रही है
 - आकलन डिजाइन
 - विषय-सूची
 - विभिन्न संसाधनों को समेकित पाठ्यक्रमों में एकीकृत करना
 - पाठ्यक्रम की खपत और शिक्षार्थी सगाई पर नज़र रखना और विश्लेषण करना
- इस समय ओडिशा में दीक्षा पर ३६ से अधिक शिक्षक पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनका सेवन



४३.१२ लाख से अधिक शिक्षकों द्वारा किया गया है और १९.७०+ Cr से अधिक का उत्पादन किया गया है सामग्री नाटकों और ९१,९५,९७४ घंटे समय बिताया।

This report includes course consumption details from 1st April 2020

Last updated on : 12-August-2025

Total Plays

19,69,79,907

Total Time Spent (Hrs)

19,95,974

विज्ञान और मिशन

- शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे छात्रों को बेहतर सीखने के परिणाम प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सकता है।

प्रमुख शैक्षिक संसाधन उपलब्ध हैं

१. शिक्षक और नेतृत्व प्रशिक्षण

- शिक्षकों और स्कूल के नेताओं के लिए क्षमता निर्माण
- व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

२. पाठ योजनाएं और शिक्षण उपकरण

- तैयार करने के लिए उपयोग संरचित सबक योजनाओं
- कक्षा एड्स और अनुदेशात्मक सामग्री

३. व्याख्यात्मक सामग्री

- वैचारिक वीडियो, प्रस्तुतियाँ, और डिजिटल मॉड्यूल
- विषय-वार और ग्रेड-विशिष्ट सामग्री

४. अभ्यास और गृहकार्य संसाधन

- कार्यपत्रकों और अभ्यास अभ्यास
- सीखने को मजबूत करने के लिए घर ले जाएं असाइनमेंट

५. प्रश्न बैंक और परीक्षा की तैयारी

- संशोधन के लिए क्यूरेटेड प्रश्न सेट
- परीक्षा के लिए मॉडल पेपर और प्रारंभिक सामग्री

६. आकलन:

- प्रारंभिक और सुप्रेरक मूल्यांकन उपकरण
- स्वचालित प्रतिक्रिया और प्रदर्शन ट्रेकिंग

७. क्विज़

- आत्म-मूल्यांकन के लिए इंटरैक्टिव क्विज़
- वैचारिक समझ का परीक्षण करने के लिए आकर्षक प्रारूप



उद्देश्य



ज्ञान

- इसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण-शिक्षण सामग्री और संसाधनों तक शिक्षकों की पहुंच में सुधार करना है जो एक सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं।



प्रेरणा

- इसका लक्ष्य शिक्षकों को उन डिजिटल सामग्री को विकसित करने और व्यूरेट करने के लिए प्रोत्साहित करना और सशक्त बनाना है जो प्रासंगिक, प्रासंगिक और शिक्षार्थियों की जरूरतों के साथ संरेखित है, जिससे छात्र सगाई और सीखने के परिणामों में सुधार होता है।

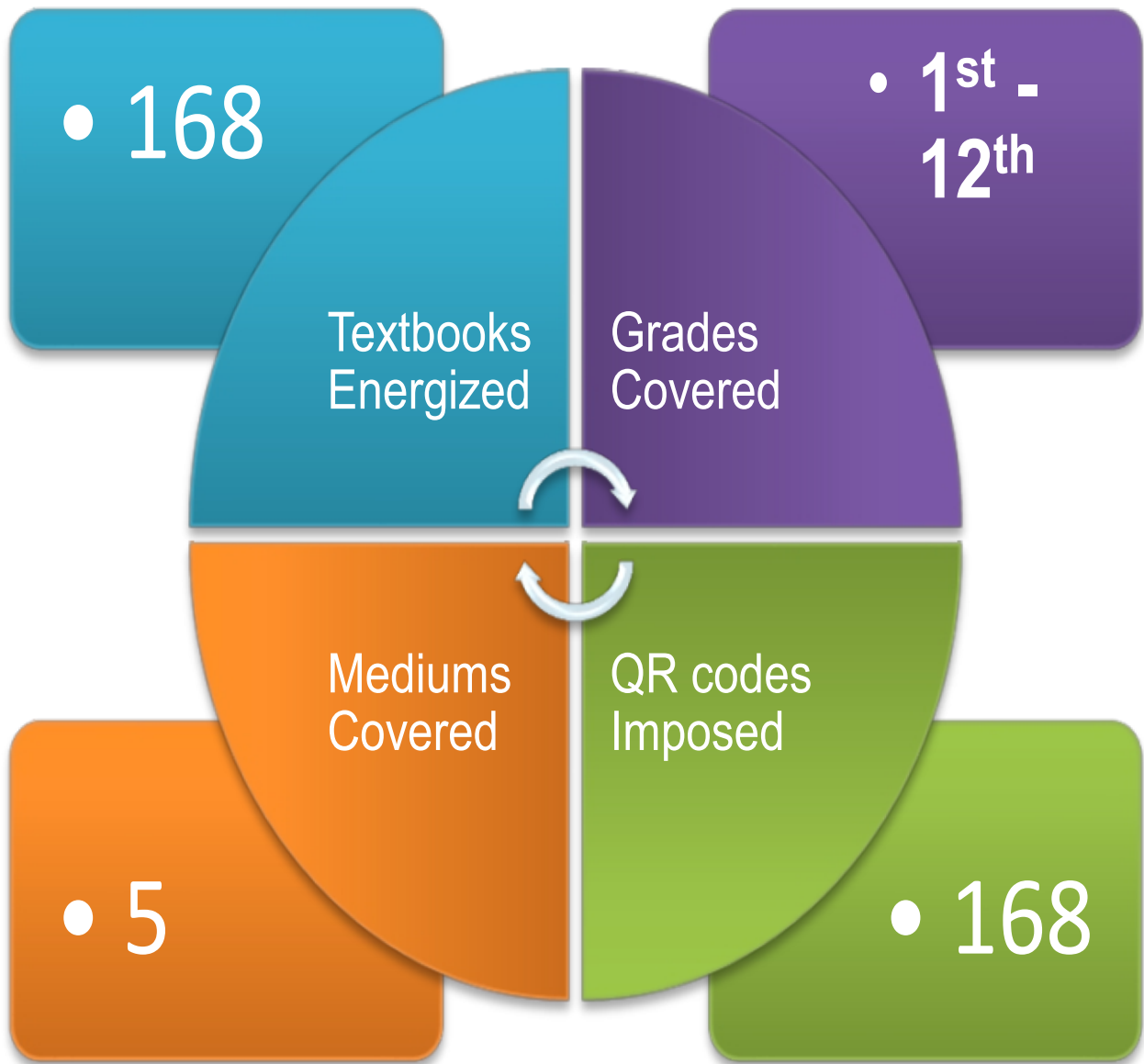


सहकर्म सीखना और सहयोग

- इसका उद्देश्य ऑनलाइन चर्चा मंच स्थापित करना है जो शिक्षकों, छात्रों और माता-पिता के बीच संचार और सहयोग की सुविधा प्रदान करता है, जिससे बच्चों के लिए एक सहायक और सकारात्मक सीखने का माहौल पैदा होता है।

अभिमंत्रित पाठ्य पुस्तकों की स्थिति और ई-कॉन्टेंट अपलोड किया गया

- उन भाषाओं की संख्या जिनमें ई-सामग्री उपलब्ध है -05 (ओडिया, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत और उर्दू)
- ग्रेड I-XII-186 से निर्धारित पाठ्यपुस्तकों की संख्या
- क्यूआर कोड से सक्रिय पाठ्यपुस्तकों की संख्या- 168



- 21.78 करोड़ + अब तक कुल सफल क्यूआर स्कैन
- संबंधित अध्यायों के साथ मैप करने के लिए 450+ ई-सामग्री उपलब्ध है।
- 12690 ई-सामग्री पहले से ही दीक्षा में अपलोड की गई है

डिजिटल सामग्री (eContents) इससे प्राप्त:

- टीई और एससीईआरटी निदेशालय (कक्षा लेनदेन पर सामग्री पीएम ईविद्या चैनलों पर प्रसारित की जाएगी)
- एचएसई निदेशालय (कक्षा लेन-देन पर सामग्री पीएम ईविद्या चैनलों पर प्रसारित की जाएगी)
- लड़कियों शिक्षा हस्तक्षेप (BARNALI सामग्री)
- अक्षरा फाउंडेशन
- कार्य के लिए लोग (UTKARSH +)



कुछ ई-सामग्री (डिजिटल सामग्री) दीक्षा में उपलब्ध है

ସିରଳ ସହସମାକରଣ

(3) ଦୁ ଆମେ ପାଇବା ଯେ

$$\frac{x}{h_1c_2 - h_2c_1} = \frac{y}{c_1a_2 - c_2a_1} = \frac{1}{a_1h_2 - a_2h_1} \text{---(4)}$$

(ii) ଏହାକୁ ନିମ୍ନରୂପେ ପାଇଁ ଅବକଳନ କରାଯାଇଥିବା ପଦ୍ଧତି ଦେଖନ୍ତୁ ।

$$\frac{x}{\begin{pmatrix} h_1 & c_1 \\ h_2 & c_2 \end{pmatrix}} = \frac{y}{\begin{pmatrix} c_1 & a_1 \\ c_2 & a_2 \end{pmatrix}} = \frac{1}{\begin{pmatrix} a_1 & h_1 \\ a_2 & h_2 \end{pmatrix}}$$

ସିରଳ ସହସମାକରଣ Linear simultaneous Equation

ଉପସ୍ଥାପନା (Introduction)

ଯେକିଏ ଅଜ୍ଞାତ ରାଶି ଦ୍ଵିତୀୟ ଏବଂ ତତ୍ତତ୍ତ ସମାକରଣର ସାଧାରଣ ରୂପ (General form) ହେଉଛି $ax+b=0$ ($a \neq 0$) ।

ସମାକରଣର ଯେକିଏ ସାଧାରଣ ଅର୍ଥାତ୍ ଯେକିଏ ମୂଳ ବା ମୂଳ (root) ଅଟେ !

ତେଣୁ ସମାକରଣର ମୂଳ $x = \frac{-b}{a}$ ।

ଦର୍ଶନୀୟ ଦୁଇଅକ୍ଷର ରାଶି x ଓ y ଦ୍ଵିତୀୟ ଯେକିଏ ସମତରଳ ଏବଂ ତତ୍ତତ୍ତ ସମାକରଣର ସାଧାରଣ ରୂପ ଦିଆଯାଇ ଅବକଳନ କରାଯାଏ ।

Tense Revisited, Part - 1 || English || Class - X

Watch Later Share

EDUSAT ORSAC ODISHA

9:42 / 42:15

YouTube

ଭୂଗୋଳ - ୧୦

(ଅବଶ୍ୟକ ସମ୍ବଳ)

49:02



8. निपुण ओडिशा

निपुण ओडिशा मिशन को औपचारिक रूप से माननीय मुख्यमंत्री द्वारा ५ सितंबर 2024 को शुरू किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ग्रेड १ से ग्रेड ३ तक के प्रत्येक बच्चे को मजबूत मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल (एफएलएन) प्राप्त हो।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 राज्य के शैक्षिक परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण सुधार, नीति संरेखण और व्यापक आउटरीच पहल के साथ एक ऐतिहासिक चरण है।



मुख्य विशेषताएं और उपलब्धियां:

- **सीखने के संसाधन:** साक्षरता और संख्यात्मक परिणामों की उपलब्धि के लिए ग्रेड १ से ग्रेड ३ में नामांकित छात्रों के लिए वितरित कार्यपुस्तिकाओं और पाठ्यपुस्तकों। ९३१,१७३ छात्रों (ग्रेड १ और ग्रेड २) ने सीखने की सामग्री प्राप्त की।
- **सीखने का माहौल:** वर्ष के दौरान राज्य भर में २०८९ एफएलएन अनुरूप स्कूलों का विकास किया गया। एक आकर्षक और उत्तेजक सीखने के माहौल को बढ़ावा देने के लिए सभी सरकारी प्राथमिक स्कूलों में प्रिंट-समृद्ध, छात्र-अनुकूल एफएलएन कक्षाओं का विकास किया। ४४,८९७ स्कूलों में अब FLN ग्रेड पुस्तकों के साथ पुस्तकालय हैं, शुरुआती ग्रेड से पढ़ने और सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।
- **शिक्षक क्षमता निर्माण:** शिक्षण-शिक्षण सामग्री के प्रभावी उपयोग और सीखने के परिणामों में सुधार के लिए अभिनव कक्षा रणनीतियों पर प्रशिक्षण का सामना करने के लिए ३ दिनों के गहन चेहरे के साथ नौ मासिक क्लस्टर बैठकें आयोजित की गईं। इस पहल से ८५०४६ शिक्षकों को लाभ हुआ।
- **सामुदायिक जुड़ाव:** एफएलएन लक्ष्यों का समर्थन करने में माता-पिता, स्थानीय नेताओं और समुदाय को शामिल करने के लिए राज्यव्यापी जागरूकता अभियान और एनआईपीयूएन मेलों का आयोजन किया।



- **मूल्यांकन फ्रेमवर्क:** बेंचमार्किंग सीखने के लिए उपयोग की जाने वाली राज्य-विशिष्ट सर्वेक्षण प्रणाली, डिजिटल (मोबाइल / टैबलेट) और पेन-पेपर गतिविधि-आधारित / अवलोकन तौर-तरीकों दोनों का उपयोग करती है
- **प्रगति ट्रैकिंग:** सभी ४४,८९७ स्कूलों में त्रैमासिक और वार्षिक आकलन लागू किया गया। शिख्यान सोपान रजिस्टर का उपयोग सार्वभौमिक रूप से छात्र उपलब्धियों और दक्षताओं को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है।

निपुण ओडिशा कार्यान्वयन

में निपुण ओडिशा कार्यान्वयन, कक्षा सीखने और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए प्रमुख हस्तक्षेप शुरू किए गए हैं। इस पर ध्यान दिया गया है:

- गतिविधि-आधारित सीखने और शिक्षण सीखने की सामग्री (टीएलएम) के उपयोग के माध्यम से बेहतर कक्षा अभ्यास।
- प्रगति को ट्रैक करने और सीखने के अंतराल की पहचान करने के लिए नियमित छात्र आकलन।
- प्रशिक्षण, सलाह और निरंतर पेशेवर समर्थन के माध्यम से शिक्षक क्षमता में वृद्धि।
- बाल-अनुकूल कक्षाएं जो हर्षित और समावेशी सीखने को प्रोत्साहित करती हैं।
- घर-स्कूल संबंधों को मजबूत करने के लिए समुदाय और माता-पिता की सगाई।
- स्थानीय संदर्भों में प्रारंभिक साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए बहुभाषी आधार।



शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान ३० जिलों में ३८ डीपीएमयू बैठकें, १०४ जिला समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं।

A. एफएलएन मानकों के अनुसार हर्षित और आयु-उपयुक्त, प्रिंट-समृद्ध कक्षाएं, ग्रेड ३ से ग्रेड ३ तक

स्कूलों ने मूलभूत सीखने के वातावरण को मजबूत करने के लिए प्रमुख पहलों को सफलतापूर्वक लागू किया है:

- **आयु-उपयुक्त, प्रिंट-समृद्ध कक्षाओं की स्थापना,** बच्चों के सीखने के लिए आकर्षक और उत्तेजक स्थान बनाना।
- **गुणवत्ता शिक्षण-सीखने की सामग्री (टीएलएम) प्रदान करना** जिसने मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के विकास का सक्रिय रूप से समर्थन किया है।
- पीजीआई मानकों को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, प्रभावी शिक्षण और सीखने के लिए एक मजबूत नींव बनाना।



इन उपायों ने राज्य भर के बच्चों के लिए शुरुआती सीखने के अनुभवों की गुणवत्ता में काफी वृद्धि की है।



B. शिक्षक क्षमता निर्माण: प्रशिक्षण और सलाह

बेहतर शिक्षक प्रदर्शन और कक्षा अभ्यास शिक्षक सहयोग और पेशेवर विकास को मजबूत करने के लिए जिलों में नियमित मासिक क्लस्टर स्तर की बैठकें आयोजित की गईं। इसके अलावा, **सहकर्मी सीखने के समूहों का** गठन परिसरों के भीतर किया गया था, जो निरंतर पेशेवर विकास के लिए मंच बनाते थे। यह दृष्टिकोण **कोरापुट और मलकानगिरी में विशेष रूप से प्रभावी रहा है**, जैसा कि पीजीआई रिपोर्ट में उजागर किया गया है।

शिक्षण की गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए, एक **छात्र सीखने के परिणाम-केंद्रित कक्षा अवलोकन उपकरण** पेश किया गया था और कक्षा प्रथाओं का आकलन करने के लिए लागू किया गया था, जो शिक्षण और सीखने के परिणामों के बीच अधिक संरेखण सुनिश्चित करता है।

निपुण ओडिशा मिशन ने पहुंच का विस्तार करके, शिक्षक क्षमता में सुधार करके, सीखने की सामग्री का नवाचार करके और समुदायों और माता-पिता को शामिल करके मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करने में परिवर्तनकारी प्रगति की है।



C. मूल्यांकन और निगरानी

छात्र सीखने के परिणामों की ट्रैकिंग को मजबूत करने के लिए, मूल्यांकन रजिस्टर (सिखान सोपान) को मासिक निगरानी के लिए सभी स्कूलों को प्रदान किया गया है। जिलों ने निगरानी और शासन तंत्र को बढ़ाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण अपनाए हैं:



D. निपुण मेला के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता:

निपुण मेला राज्य भर में आयोजित किया गया था, जो सीखने का एक जीवंत उत्सव था- जहां स्कूल, शिक्षक, छात्र और समुदाय नवाचार प्रदर्शित करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और एफएलएन उत्कृष्टता के लिए सामूहिक दृष्टि को मजबूत करने के लिए एक साथ आते हैं।

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों ने क्लस्टर स्तर, ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर नवाचार और सर्वश्रेष्ठ अभ्यास का प्रदर्शन किया, जिससे प्रभावी रणनीतियों के लिए दृश्यता और मान्यता प्रदान की गई। स्कूलों को मान्यता दी गई और प्रोत्साहित किया गया जो एफएलएन प्रयासों में उत्कृष्टता और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं। विकास लक्ष्य १ से संबंधित एफएलएन गतिविधियों में छात्र लगे हुए थे: स्वास्थ्य और कल्याण, विकास लक्ष्य २: प्रभावी कम्युनिकेटर, और विकास लक्ष्य ३: शामिल शिक्षार्थी

इन निपुण मेलों ने क्रॉस-लर्निंग के लिए स्कूलों के बीच एफएलएन प्रथाओं के आदान-प्रदान की। इसने स्कूलों को जागरूकता पैदा करने और घर पर बच्चों के सीखने के लिए सामुदायिक समर्थन को मजबूत करने में भी मदद की।









प्रशिक्षण जारी : शिशु वाटिका के शिक्षकों के लिए प्रस्तुति मॉड्यूल



9. ଅନୁସନ୍ଧାନ ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନ ଓ ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନ

ଆର.ଏ. ସ୍କୁଲ ଶିକ୍ଷା ଓ ଉଚ୍ଚ ଶିକ୍ଷା ମେଁ ଏକ ଅଭିସରଣ ଢାଞ୍ଚା ହେଁ ଜୋ ୬-୧୮ ବର୍ଷ କେ ଆୟୁ ବର୍ଗ କେ ବଚ୍ଚିଂ କୋ ବିଜ୍ଞାନ, ଗଣିତ ଓ ପ୍ରାୟୋଗିକି ଶିଖିବେଁ ମେଁ ଅବଲୋକନ, ପ୍ରୟୋଗ, ନିଷ୍କର୍ଷ ଡ୍ରାଓିଂ, ମାଡଲ ବିଲ୍ଡିଂ ଆଦି କେ ମାଧ୍ୟମ ସେ କ୍ଷମା କି ଗତିବିଧିଂ ଓ ପ୍ରକ୍ରିୟାଂ କେ ମାଧ୍ୟମ ସେ ପ୍ରେରିତ କରତା ହେଁ। ଯହ ଉଚ୍ଚ ଶିକ୍ଷା ସଂସ୍ଥାନଂ କୋ ସଲାହ ଦେବେ ସଂସ୍ଥାନ ବନବେ ଓ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ଗଣିତ କେ ଅଧ୍ୟୟନ ମେଁ ମାଧ୍ୟମିକ ଓ ପ୍ରାଥମିକ ସ୍କୁଲଂ କି ସହାୟତା କରବେ କି ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରବେ ସ୍କୁଲି ବଚ୍ଚିଂ କେ ବିଚ୍ଛିନ୍ନ ଜିଜ୍ଞାସା, ଉତ୍ସାହ ଓ ନବାଚାର କି ଖୋଜ କି ଭାବନା ପୈଦା କରବା ଚାହତା ହେଁ।

ସ୍କୁଲି ଶିକ୍ଷା କେ ଲିଏ ଏକୀକୃତ ଯୋଜନା - ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା କେ ତହତ ପ୍ରଦାନ କିଏ ଗଏ ଆର.ଏ. କେ ତହତ ପ୍ରମୁଖ ହସ୍ତକ୍ଷେପଂ ମେଁ ବିଜ୍ଞାନ ପ୍ରଦର୍ଶନି କା ସଂଚାଳନ, ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତରୀ ପ୍ରତିଯୋଗିତା, ଉଚ୍ଚ ଶିକ୍ଷା ସଂସ୍ଥାନଂ କେ ଛାତ୍ରଂ କେ ଲିଏ ଜୋଖିମ / ଅଧ୍ୟୟନ କା ଦୌରା, ସ୍କୁଲ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ଗଣିତ ପ୍ରୟୋଗଶାଳାଂ କୋ ମଜବୁତ କରବା ଶାମିଲ ହେଁ। ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଅଭାସ୍କର ଅଭିଯାନ (ଆର.ଏ.), ୨୦୨୪-୨୫ କେ ତହତ ଆୟୋଜିତ ପ୍ରମୁଖ ଗତିବିଧିଂ ଇସ ପ୍ରକାର ହେଁ।

୧. ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତରୀ ପ୍ରତିଯୋଗିତା

ରାଜ୍ୟ ନିଧି କେ ୩୦ ଜିଲ୍ଲଂ କେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ୩୧୬ ବ୍ଲକ୍‌କଂ / ଯୁ.ଆର.ସି.ସି. ମେଁ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତରୀ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ପୁରୀ ହେଁ ଗର୍ଭି ହେଁ। ୨୦୨୪-୨୫ କେ ଦୌରା ୩୧୬ ବ୍ଲକ୍‌କଂ / ଯୁ.ଆର.ସି.ସି. କେ ଖିଲାଫ ୫୦,୦୦୦ / - ପ୍ରତି ବ୍ଲକ୍‌କା ପ୍ରାବଧାନ କିୟା ଗୟା ଥା ଓ ଆଡଭାନ୍ସିଡ୍ ଓ ଆନୁମୋଦନ ୨୦୨୪-୨୫ କେ ଅନୁସାର ବ୍ଲକ୍‌କ୍ ସ୍ତର (ପ୍ରାଥମିକ ଓ ମାଧ୍ୟମିକ) ପର କ୍ରିଜ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କେ ସଂଚାଳନ କେ ଲିଏ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଜିଲ୍ଲଂ / ବ୍ଲକ୍‌କଂ କୋ ଆବଶ୍ୟକ ଦିଶାନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଏ ଗଏ ଥେ।



૨. વિજ્ઞાન પ્રદર્શની

वर्ष 2024-25 हेतु राज्य के सभी ब्लॉकों में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन पूर्ण हो चुका है। ब्लॉक स्तर (प्राथमिक एवं माध्यमिक) पर विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन हेतु प्रति ब्लॉक 20,000/- रुपये की धनराशि का प्रावधान किया गया है तथा AWP एवं B अनुमोदन 2024-25 के अनुसार ब्लॉक स्तर पर गतिविधि आयोजित करने हेतु सभी ब्लॉकों/जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रेषित किए गए हैं।



ବୁଦ୍ଧସ୍ତରୀୟ ବିଜ୍ଞାନମେଳା

ତୁମ୍ଭଟିଏକ, ୧୪ ୯୧ : କେଳାବଳୀ ପ୍ରସ୍ତରେ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ଜଣମାନ ସାମସବୁ ସୁନ୍ଦର ହୁମାଳ ପାଣିପ୍ରାଣୀ ତୁମ୍ଭଟିଏକ ସରକାରୀ ଇଡ଼ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଆୟୋଜିତ ହୋଇଥିଲାହି ଭୁବନେଶ୍ୱର ବିଜ୍ଞାନ ମେଳାରେ ପଞ୍ଚୁ ପୁରୁଷ ବୁଲି ଦେଖୁଥିଲେ । ମେଳାକୁ ତୁମ୍ଭଟିଏକ ବୁଲି ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ବାସନ୍ତି ମାଧ୍ୟାବଦ୍ୟାଚନ କରିଥିଲେ । ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଜିଲ୍ଲା ପରିଷଦ ସଭ୍ୟ ନବାନ ପାତ୍ର, ତୁମ୍ଭଟିଏକ ସରପଞ୍ଚ ପ୍ରିୟଙ୍କା ପତ୍ତା ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ । ବିଭିନ୍ନ ବିଦ୍ୟାଳୟର ବୁଲି ବିଜ୍ଞାନିକଙ୍କ ମେଳା ୧୭ ପ୍ରକଳ୍ପ ପ୍ରଦର୍ଶିତ ହୋଇଥିଲା । ଜିଲ୍ଲାପା ପଦ୍ମନାୟକ, ସାନିନୀ ଦେବୀ, ଶିଶୁ ମଝିଆସେଠ, ଏଲିଆସ ବଡ଼ସେଠ, ଆଶା ମହାରଣା, ବିଭବନ ନାୟକ, ପ୍ରିୟା ମାଧ୍ୟାବ ପ୍ରକଳ୍ପ ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ମନୋନୀତ ହୋଇଥିଲା । ବିଚାରକ ଭାବେ ଜଣ୍ଡାପାଣି ସରକାରୀ ନୋଡାଲ ଇଡ଼ ବିଦ୍ୟାଳୟ ବିଜ୍ଞାନ ଶିକ୍ଷକ ସମ୍ରାଟ ତୁମ୍ଭାଳ ଦେହେରା ଓ କୋପିପିଲି ଇନ୍ସାନ୍ସ ଇଡ଼ ବିଦ୍ୟାଳୟ ବିଜ୍ଞାନ ଶିକ୍ଷକ ସମ୍ରାଟ ସିଂ ପଦ୍ମନାୟକ ରହିଥିଲେ । ଉପସାହନୀ ସଭାରେ ପ୍ରମୁଖ ଅତିଥି ତୁମ୍ଭଟିଏକ ବିଶ୍ୱିଷ୍ଟ ବନବିହାରି ଉପସାହ, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ବାଲିଗୁଡ଼ା ଓଡ଼ିଶା ଆକାଶ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ରତିଶ୍ରୀ ସାହୁ, ତୁମ୍ଭଟିଏକ ଗୋଷ୍ଠୀ ସାମ୍ବ୍ୟକେଶ୍ୱରୀ ଦା. ଚ୍ୟୋଟି ଉତ୍ତମ ପାତ୍ର, ଏବିରଡ଼ ଉତ୍ତମ ବସ ପ୍ରଧାନ, ବିଆରବିଜି ଜନାର୍ଦନ ପାଣିଗ୍ରାହୀ, ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକ ଶ୍ରୀରାମ ବଳିୟାଲ ସିଂ ପ୍ରମୁଖ ମାଣ୍ଡିତ ଥିଲେ । ତୁମ୍ଭଟିଏକ ଦିଗେ ପବିତ୍ର ଉତ୍ତରାଳ ଉଦ୍‌ୟାଧାନରେ ଆୟୋଜିତ ମେଳାକୁ ବାସନ୍ତି ବାଲିକ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ ।

ସମାଜ



ବିଜ୍ଞାନ ମେଳାରେ ୧୨୬ ପ୍ରକଳ୍ପ ପ୍ରଦର୍ଶିତ

ଭୂତିଶ୍ରା, ସଂସାର (ମି.ପ୍ର): ଭୂତିଶ୍ରା ବୁଦ୍ଧ ବଦନ୍ତଶ୍ରାବେଶ ଆଦିବାସୀ ଜଲ୍ୟାଣ ବିଭାଗ ଦ୍ଵାରା ପରିଚାଳିତ ଜଳ ବିତ୍ୟାବୟବର ବୁଦ୍ଧଶ୍ରାବଣ ବାଲ୍ୟ ଶିକ୍ଷାନିଳ



ପ୍ରବର୍ତ୍ତନ ଓ ବିଜ୍ଞାନମେଳା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେଇଯାଇଛି । ଭୂବିଜ୍ଞା ଗୋଷ୍ଠୀ ଶିକ୍ଷାଧିକାରୀ ଗୀତା ପଟ୍ଟନାୟକ ସଭାପତିତ୍ବରେ ଆୟୋଜିତ ଜଣକରେ ଅତିରିକ୍ତ ଦିବା ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧିକାରୀ ନାଏକ ପୁଣ୍ୟଅଗ୍ନିପିତ୍ତ ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ବିଦ୍ୟାବତ୍ସଲ ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକ ପୂରାଧାରୀ କନକର, ବିଦ୍ୟାବତ୍ସଲ ପରିଚାଳନା ସମିତି ସଭାପତି ପୁଣ୍ୟବନ୍ଧୁ ବାବୁ, ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ଶାରୋଦଧର ପଟ୍ଟେକ, ଭୂବିଜ୍ଞା ବୃନ୍ଦର ସଦସ୍ୟା ଗୋଷ୍ଠୀ ଅଧିକାରୀ ଗୌରାଙ୍ଗ ଭୂସୁନ, ଲକ୍ଷ୍ମଣ ଦେବୁରୀ, ପ୍ରମୋଦ ନାଏକ, ବୁଦ୍ଧନାଥ ଦାଶ, ସରପଞ୍ଚ ପତିତ୍ତ ଦିବାନ, ଶିକ୍ଷକ ବିରେୟ ପଟ୍ଟେକ ପ୍ରମୁଖ ସମ୍ମାନିତ ଅଗ୍ନିପିତ୍ତ ଥିଲେ । ଏହି ବିଜ୍ଞାନମେଳାରେ ୧୨୬ଟି ପ୍ରବନ୍ଧ ପ୍ରଦର୍ଶିତ ହୋଇଥିଲା । ପ୍ରବନ୍ଧ ଗ୍ରହଣର ମୂଲ୍ୟାୟନ ପରେ ୪୫ଜଣ ବୃତ୍ତା ହାତୀହାତୀକୁ ପୁରସ୍କୃତ କରାଯାଇଥିଲା ।

3. राज्य के भीतर एक्सपोजर यात्रा (प्राथमिक स्तर)

राज्य के भीतर प्राथमिक स्तर पर छात्रों के लिए भ्रमण यात्राएँ पूरी हो चुकी हैं। कार्यक्रम में लगभग 85478 छात्रों ने भाग लिया। ब्लॉक स्तर (प्राथमिक) पर एक्सपोज़र विजिट के आयोजन हेतु AWP & B 2024-25 में प्रति छात्र 1000/- रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई और इस गतिविधि के संचालन हेतु सभी ब्लॉकों/जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रेषित किए गए।

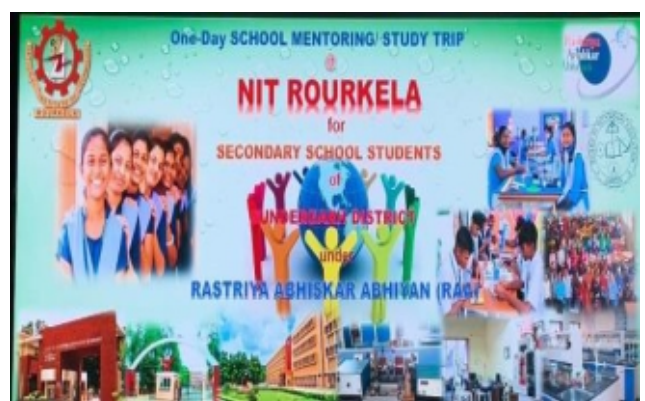


४. राज्य के बाहर एक्सपोजर यात्रा (माध्यमिक स्तर)

९० छात्रों और १५ गाइड शिक्षकों की बाहरी राज्य की एक्सपोजर यात्रा फरवरी २०२५ के महीने में आयोजित की गई है। बाहरी राज्य में एक्सपोजर यात्रा के लिए व्यय १००% है।

५. उच्च संस्थानों के लिए अध्ययन यात्रा

एडब्ल्यूपी एंड बी, २०२४-२५ ने माध्यमिक स्तर पर उच्च संस्थानों के अध्ययन दौरे को मंजूरी दी और सभी ३० जिलों को पूरा कर लिया गया है और माध्यमिक स्तर पर चयनित छात्रों को शामिल करने वाली गतिविधि के सुचारू संचालन के लिए जारी दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इस गतिविधि के तहत, माध्यमिक छात्रों ने उच्च संस्थानों का दौरा किया और उच्च शिक्षण संस्थानों में विज्ञान प्रयोगशाला, गणित प्रयोगशाला आदि के लिए पहला अनुभव और एक्सपोजर प्राप्त किया और अनुभवी शिक्षकों के साथ बातचीत की।





६. मैथ्स क्लब/साइंस क्लब २०२४-२५

राष्ट्रीय अभास्कर अभियान, २०२४-२५ के तहत विज्ञान और गणित क्लब की गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश सभी जिलों को सूचित किया गया है, इस कार्यक्रम के तहत सुझाई गई गतिविधि नीचे दी गई है:

प्राथमिक ग्रेड २०२४-२५ के लिए आयोजित गतिविधियों की विचारोत्तेजक सूची

- गणित के साथ मज़ा (सूची से ४ गतिविधियां)
- आइए करते हैं और सीखते हैं (सूची से ४ गतिविधियां)
- हमारे पर्यावरण को जानें (सूची से ४ समूह गतिविधियां)
- हमारी अंतरिक्ष को जानें
- स्कूल में लर्निंग फेस्टिवल (मेला)

माध्यमिक ग्रेड २०२४-२५ के लिए आयोजित विचारोत्तेजक गतिविधियों की सूची

- पोस्टर बनाना
- कार्य मॉडल
- सेमिनार
- पूछ-ताछ करना
- स्कूल में लर्निंग फेस्टिवल (मेला)





७. राज्य के बाहर एक्सपोजर विजिट

एडब्ल्यूपी और बी अनुमोदन के अनुसार, माध्यमिक छात्रों के बाहरी राज्य में संपर्क यात्रा के २०२४-२५ का आयोजन किया गया है, संबलपुर, गंजम और कटक जैसे ३ क्षेत्रीय जिलों को प्रति जोन ३० छात्रों की दर से ९० छात्रों के लिए गतिविधि आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई थी।





8. कला उत्सव, २०२४-२५

जिला / क्षेत्रीय स्तर कला उत्सव:

कला उत्सव का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देना और प्रदर्शित करना है। यह वार्षिक कार्यक्रम छात्रों को विभिन्न स्तरों यानी स्कूल, ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय पर कला और सांस्कृतिक विविधता का पता लगाने और जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

यह कार्यक्रम केवल एक बार की गतिविधि से अधिक है; यह छात्रों की कलात्मक प्रतिभा की पहचान, खोज, समझ, अभ्यास, विकसित और प्रदर्शन करने की एक व्यापक प्रक्रिया शुरू करता है। यह एक सर्व-समावेशी सेट-अप में छात्रों की प्रतिभा को पोषित करने और प्रदर्शित करने के लिए एक समान अवसर और अनुकूल वातावरण प्रदान करता है और सीखने को अधिक अभिव्यंजक, रचनात्मक और हर्षित बनाने में मदद करता है।

कला रूपों को छह व्यापक श्रेणियों के तहत कई उप-श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें भाग लेने वाली टीमों को व्यापक विकल्प दिए गए हैं।

- १ गायन संगीत
- २ वाद्य संगीत
- ३ नृत्य
- ४ रंगमंच
- ५ दृश्य कला
- ६ पारंपरिक कहानी कह रही है

सभी ३० जिलों ने जिला स्तरीय कला उत्सव आयोजित किया है, २०२४-२५ के आसपास २००५ छात्रों ने जिला स्तरीय कला उत्सव में भाग लिया और राज्य के सभी ६ क्षेत्रीय जिलों ने भी जोनल स्तर कला उत्सव आयोजित किया है।

जिला और क्षेत्रीय स्तर पर गतिविधि की झलक





राज्य स्तरीय कला उत्सव:

राज्य स्तरीय कला उत्सव, २०२४-२५ का आयोजन १२.११.२४ से १३.११.२०२४ के दौरान सरकारी बालिका एचएस, यूनिट -६, भुवनेश्वर में सुचारू रूप से किया गया और जोनल स्तर के कला उत्सव से चयनित ८५ प्रतिभागियों ने अपने मार्गदर्शक शिक्षकों और अन्य अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। यह दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम था जिसका उद्घाटन निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा एवं निदेशक, माध्यमिक शिक्षा ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में किया।



राज्य स्तर पर गतिविधि की झलक



कला उत्सव- समृद्धि, २०२४-२५

जिला स्तरीय कला उत्सव- समृद्धि का आयोजन २८ जिलों (रिपोर्ट के अनुसार २ जिलों में कोई प्रतिभागी नहीं) में किया गया था और प्रतिभागियों को २९.१.२०२५ को सरकारी एचएस, आईआरसी विलेज, भुवनेश्वर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुना गया था। प्रत्येक जिले के १ प्रतिभागियों की कुल २८ प्रतिभागियों ने राज्य स्तर पर इस कार्यक्रम में भाग लिया और श्रीमती मनिसा मिश्रा, सहायक। जगतसिंहपुर जिले के शिक्षक का चयन ६ से ७ फरवरी २०२५ तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया था। इस प्रयोजन के लिए एडब्ल्यूपी एंड बी, २०२४-२५ में कोई फंड अनुमोदित नहीं किया गया था, हालांकि ओसेपा के एमएमएमईआर बजट हेड से व्यय किया गया था।





9. बैंड प्रतियोगिता

परिचय:

एक स्कूल बैंड अपने स्कूल और देश के प्रति स्कूली बच्चों में एकता, अपनेपन और गर्व की गहरी भावना पैदा करता है। एक बैंड की लय बच्चों और वयस्कों में समान रूप से जुनून, साहस और कार्रवाई करती है। एक बैंड की लय बच्चों और वयस्कों में समान रूप से जुनून, साहस और कार्रवाई को जन्म देती है। गणतंत्र दिवस समारोह, २०२५ के दौरान अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता पूरे देश में स्कूलों में संवैधानिक मूल्यों, देशभक्ति और एकता की भावना को फिर से जीवंत और फिर से जागृत करने में मदद करती है और उन्हें समग्र शिक्षा के मार्ग पर प्रेरित करती है।

गतिविधियां इस प्रकार हैं:

- ब्रास बैंड गर्ल्स
- Brass Band लड़कों
- पाइप बैंड लड़कियों ('झांझ' शामिल नहीं किया जाना चाहिए)
- पाइप बैंड लड़कों ('झांझ' शामिल नहीं किया जाना चाहिए)

जिला और क्षेत्रीय स्तर बैंड प्रतियोगिता

सभी ३० जिलों ने जिला स्तरीय बैंड प्रतियोगिता, २०२४-२५ का आयोजन किया है और राज्य के भीतर सभी ६ जोनल जिलों ने राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता के लिए बैंड टीमों के चयन के लिए जोनल लेवल बैंड प्रतियोगिता, २०२४-२५ का आयोजन किया है।

राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता

राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता का आयोजन १४.११.२०२४ को गवर्नमेंट गर्ल्स एचएस, यूनिट- ६, भुवनेश्वर में किया गया था। डीएचएसई, ओडिशा के निदेशक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और एसपीडी, ओसेपा दोपहर में कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में राज्य स्तर पर १३ बैंड टीमों ने भाग लिया। एडब्ल्यूपी और बी २०२४-२५ में अनुमोदित ५ लाख रुपये की राशि इस उद्देश्य के लिए खर्च की गई है।







10. पुस्तकालय

"पुस्तकालय" शब्द परंपरा, अर्थ और उपयोग में समृद्ध है। स्कूल लाइब्रेरी जानकारी प्रदान करती है, विचारों को विकसित करती है, और ज्ञान विकसित करती है जो आज की सूचना और ज्ञान आधारित समाज में सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए बहुत आवश्यक है। स्कूल पुस्तकालय के लिए यह मौलिक है कि छात्रों को आजीवन सीखने के कौशल से लैस किया जाए और उनमें रचनात्मक सोच और कल्पना विकसित की जाए, और उन्हें आदर्श और जिम्मेदार नागरिकों के रूप में जीने में सक्षम बनाया जाए। पुस्तकालय पुस्तकें संसाधनों के रूप में बुनियादी उपकरण हैं, जो प्रभावी शिक्षण और सीखने के लिए आवश्यक हैं। बच्चों और पुस्तकों को सफलतापूर्वक एक साथ लाने के लिए, बच्चों को पढ़ने की खुशी का अनुभव करना होगा और पढ़ने को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इस उद्देश्य के लिए सरकारी स्कूलों के लिए पुस्तकालय अनुदान का प्रावधान किया गया है ताकि सभी उम्र के छात्रों के बीच पढ़ने की आदत पैदा की जा सके और पुस्तकों की खरीद सहित स्कूल पुस्तकालयों को मजबूत किया जा सके।

समग्र शिक्षा के तहत सरकारी स्कूलों के लिए पुस्तकालय अनुदान का प्रावधान किया गया है ताकि सभी उम्र के छात्रों के बीच पढ़ने की आदत पैदा की जा सके और पुस्तकों की खरीद सहित स्कूल पुस्तकालयों को मजबूत किया जा सके। सरकारी स्कूलों में पुस्तकों और पुस्तकालयों के लिए योजना के तहत प्रावधान इकाई लागत के अनुसार रु. ५,००० / - प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I-V) के लिए, @ रु. १३,०००/- उच्च प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा VI- VIII) के लिए, @ रु. माध्यमिक विद्यालयों (कक्षा IX-X) के लिए १५,००० / - और @ रु. समग्र वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (कक्षा XI से XII) के लिए २०,००० / -।

प्रगति २०२४-२५:

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में समझ कौशल के साथ जल्दी पढ़ने और लिखने को बढ़ावा देना है, और बुनियादी संख्यात्मक कौशल भी है। दिशानिर्देश आयु / ग्रेड के अनुसार राज्य स्तरीय समिति द्वारा उपयुक्त पुस्तकों का चयन किया गया है।

- स्कूलों को आयु/ग्रेड उपयुक्त पुस्तकालय पुस्तकों का एक विशेष रूप से चयनित सेट प्रदान करके, और कक्षाओं में दिन-प्रतिदिन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को समृद्ध करने और सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए इन पुस्तकों का उपयोग करने के लिए शिक्षकों को उन्मुख करना।
- शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, पुस्तकालय पुस्तक चयन समिति ने सरकारी स्कूलों से आयु/ग्रेड के लिए उपयुक्त पुस्तकों का चयन किया है। प्रकाशन गृह और क्षेत्रीय/स्थानीय प्रकाशक। प्रकाशन घर और क्षेत्रीय / स्थानीय प्रकाशक।

पुस्तकालय द्वारा की गई गतिविधियाँ:

- लेखन कौशल, रचनात्मकता में सुधार करने के लिए, छात्रों को एक कहानी लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया था जो उन्होंने पहले पढ़ी है या उसी तरह की कहानी को फिर से बनाने और कहानी कहने के सत्र में बताने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।
- वर्ष २०२४-२५ के दौरान ४८६४२ स्कूलों के लिए ०४ सरकारी और १८३ क्षेत्रीय प्रकाशकों से पुस्तकालय पुस्तकों की खरीद सफलतापूर्वक पूरी की गई।



- वर्ष २०२४-२५ के दौरान पुस्तकालय अनुदान के तहत सभी स्कूलों में ६७० शीर्षकों से संबंधित कुल ५८,७१,६७५ पुस्तकों का वितरण किया जा रहा है।
- क्वाटरली चिल्ड्रेन्स मैगज़ीन- "शिशु लेखा" ओडिया भासा प्रतिष्ठान (ओबीपी), सरकार के सहयोग से सभी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों को प्रदान किया गया। ओडिशा के।
- शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देशों में सुझाए गए मानदंडों के आधार पर कक्षाओं में रीडिंग कॉर्नर विकसित किए गए।
- पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए क्लबों को पढ़ना बनाया गया था। पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए रीडिंग क्लब बनाए गए थे। रीडर्स क्लब के अंतर्गत महीने में एक दिन रीडिंग डे होता है जिसमें अलग-अलग रीडिंग एक्टिविटीज की जाती हैं।
- स्कूल में पुस्तकालय गतिविधियों के लिए प्रति सप्ताह ०२ पीरियड्स आवंटित किए जाते हैं।
- पुस्तकालय की पुस्तकों को पढ़ने में ब्रेक अवधि का उपयोग।
- ६१३० हाई स्कूलों में ई-लाइब्रेरी की कार्यक्षमता सुनिश्चित की जा रही है।
- डिजिटल लाइब्रेरी तक पहुंच के साथ भौतिक पुस्तकालयों को सुनिश्चित करने के लिए, स्कूल और जन शिक्षा विभाग, सरकार के एकीकृत स्वचालन प्रणाली (UAS) के तहत एक पुस्तकालय मॉड्यूल (Digital) विकसित किया गया है।
- डिजिटल मॉड्यूल को अंतिम रूप दे दिया गया है और भुवनेश्वर नगर निगम के स्कूल हेडमास्टर्स के साथ-साथ मलकानगिरी जिले के ०२ समूहों के स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिए पायलट प्रोजेक्ट रोल आउट के एक भाग के रूप में प्रशिक्षण पूरा किया गया है।
- मॉड्यूल भुवनेश्वर के कैपिटल हाई स्कूल में लागू किया गया है और परीक्षण जांच चल रही है।
- यूएस के माध्यम से भौतिक पुस्तकालय को डिजिटल पुस्तकालय में परिवर्तित करने का कार्य शीघ्र ही राज्य के सभी स्कूलों में लागू किया जाएगा।

निगरानी तंत्र:

- स्कूल पुस्तकालयों के कार्यकरण का पता लगाने के लिए डीईओ-सह-डीपीसी, एडीईओ का नियमित दौरा
- नोडल अधिकारी पुस्तकालय पुस्तकों का उचित उपयोग सुनिश्चित करते हुए जिलों का दौरा करते हैं।
- सभी डीईओ, डीपीसी, बीईओ, सीआरसीसी, बीआरसीसी, एचएम के नियमित निरीक्षण और दौरे में एजेंडा में से एक।
- ई-लाइब्रेरी की कार्यक्षमता और छात्रों द्वारा इसके उपयोग पर जिलों से दैनिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना।



पुस्तकालय पुस्तक पठन गतिविधियाँ - एक नज़र में







कार्यान्वयन और औचित्य के तौर-तरीके:

- आयु/ग्रेड उपयुक्त पुस्तकालय पुस्तकें सरकार से केंद्रीय रूप से खरीदी जाएंगी। समय-समय पर एमओई द्वारा सूचित पुस्तकालय दिशानिर्देश का पालन करते हुए प्रकाशन गृह और स्थानीय प्रकाशक और जिला अधिकारियों के माध्यम से स्कूल प्वाइंट (कक्षा I- XII) को आपूर्ति की जाती है। माध्यमिक विद्यालयों में कार्यात्मक ई-पुस्तकालय की शुरुआत। ई-लाइब्रेरी प्रणाली के तहत डिजिटल रीडिंग / लर्निंग सामग्री जैसे स्टोरी बुक, विजुअल, वीडियो और ऑडियो आदि को लाइब्रेरी के कंप्यूटरों में संग्रहीत किया जा सकता है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर विभिन्न पुस्तकालय गतिविधियों (जैसा कि दिशानिर्देश में विस्तृत है) को पूरा करना और शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में वृद्धि करना। स्कूल निगरानी ऐप के माध्यम से पुस्तकालय पुस्तकों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना और राज्य और जिला अधिकारियों द्वारा शारीरिक निगरानी करना।
- पुस्तक चयन प्रक्रिया: इस कार्यक्रम का मुख्य जोर आयु/ग्रेड उपयुक्त पुस्तकालय पुस्तकों का चयन करने पर है। यह कार्यक्रम का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील पहलू है। एमओई दिशानिर्देशों के अनुपालन में, पुस्तक चयन समिति का गठन प्रधान सचिव के साथ अध्यक्ष के रूप में किया गया है। राज्य स्तर पर चयन समिति उपलब्ध ७०० -८०० अच्छी पुस्तकों की मास्टर सूची तैयार करती है। पुस्तकों का केंद्रीकृत चयन पूरे राज्य में संग्रह की एकरूपता बनाए रखने में मदद करता है। मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों और एनईपी में विस्तृत मापदंडों के अनुसार राज्य स्तरीय समिति द्वारा स्कूल श्रेणी वार पुस्तकालय पुस्तकों का चयन किया गया है। उसके बाद, पुस्तकों की खरीद के लिए आदेश केंद्र में रखे जाते हैं और जिला मुख्यालय में वितरित किए जाते हैं।



- स्कूल प्वाइंट तक वितरण: विभिन्न स्तरों पर जिला पदाधिकारियों की मदद से पुस्तकालय पुस्तक वितरण किया जाएगा। पुस्तकालय पुस्तकों का स्टॉक प्रवेश और भौतिक सत्यापन केवल स्कूल बिंदु पर किया जाएगा। हालांकि, स्टॉक प्रविष्टि जिला बिंदु और ब्लॉक बिंदु पर भी की जाएगी ताकि रसीद और वितरण का पारदर्शी तंत्र सुनिश्चित किया जा सके।
- **उपयोग:** एक बार जब किताबें स्कूल बिंदु पर वितरित हो जाती हैं, तो एचएम की जिम्मेदारी है कि वह पुस्तकों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करे और लाइब्रेरी परिग्रहण रजिस्टर में प्रवेश करे और छात्रों के उपयोग के लिए स्कूल में प्रदान किए गए पुस्तकालय कक्ष में पुस्तकों को सुरक्षित रखें। छात्रों के बीच पढ़ने को बढ़ावा देने के लिए, स्कूल **पढ़ने** के कोनों को स्थापित करते हैं और सीखने का समृद्ध वातावरण बनाते हैं। कविता कॉर्नर और संदेश बोर्ड जैसे विभिन्न बाल-अनुकूल घटकों को विकसित किया गया है। पुस्तकालय पुस्तकों को बच्चों के लिए आसानी से सुलभ बनाने के लिए उन्हें प्रदर्शित करने के लिए अभिनव और कम लागत वाले तरीके अपनाए गए।

अपेक्षित परिणाम

दिन-प्रतिदिन शिक्षण सीखने की प्रक्रिया का संवर्धन। शुरुआती चरण में पढ़ने की आदत डालें जो बच्चों की पढ़ने की क्षमता को बढ़ावा देगी। भाषा कौशल, कहानी कहने, महत्वपूर्ण सोच और अन्य लोगों के साथ छात्रों की मदद करें। महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों, नए विचारों और वास्तविक जीवन की स्थिति के बारे में स्पष्ट भावी के बारे में जानकारी प्राप्त करें। साहित्यिक कौशल, शब्दावली के विकास में योगदान करें और ज्ञान आधारित निर्माण करें। विभिन्न विषयों से संबंधित कौशल और क्षमताओं, व्यवहार और मूल्यों में सुधार।

प्रमुख प्रदर्शन संकेतक

क्रम सं.	गतिविधि	मुख्य प्रदर्शन संकेतक
1	पुस्तकालय	• स्कूल में कुल नामांकित छात्रों का स्कूल में पुस्तकालय पुस्तकों की कुल संख्या से अनुपात: 3:1 (लगभग)
2		• स्कूल में शैक्षणिक वर्ष में कम से कम दो किताबें उधार लेने वाले छात्रों का प्रतिशत।
3		• प्रारंभिक चरण के छात्रों में उन छात्रों का प्रतिशत जिन्होंने आयु उपयुक्त मौखिक पठन प्रवाह प्राप्त कर लिया है।
4		• ज् मिडिल स्तर के विद्यार्थियों में उन छात्रों का प्रतिशत जिन्होंने आयु उपयुक्त मौखिक पठन प्रवाह प्राप्त कर लिया है।
5		• प्रारंभिक चरण के छात्रों में उन छात्रों का प्रतिशत जिन्होंने आयु उपयुक्त मौखिक पठन प्रवाह प्राप्त कर लिया है।



11. खेल और शारीरिक शिक्षा

स्कूलों में खेल, बच्चों और शैक्षिक प्रणालियों दोनों के लिए बहुत लाभ हैं। लाभ कई डोमेन में बच्चों के विकास के संदर्भ में प्रस्तुत किया जा सकता है: शारीरिक, जीवनशैली, भावात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक। खेल में बच्चों के मौलिक आंदोलन कौशल और शारीरिक दक्षताओं के विकास में विशिष्ट योगदान करने की क्षमता है, जो बाद की जीवनशैली और खेल की शारीरिक गतिविधियों में भागीदारी के आवश्यक अग्रदूत हैं। वे भी, जब उचित रूप से प्रस्तुत किए जाते हैं, तो सामाजिक कौशल और सामाजिक व्यवहार, आत्मसम्मान और प्रो स्कूल के दृष्टिकोण के विकास का समर्थन कर सकते हैं, और, कुछ परिस्थितियों में, अकादमिक और संज्ञानात्मक विकास।

खेलों के कई फायदे हैं। शारीरिक शिक्षा बच्चों को शरीर के प्रति सम्मान विकसित करने में मदद करती है - अपने स्वयं के और दूसरों के लिए, मन और शरीर के एकीकृत विकास में योगदान देता है, स्वास्थ्य में एरोबिक और एनारोबिक शारीरिक गतिविधि की भूमिका को विकसित करता है, सकारात्मक रूप से आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को बढ़ाता है, और सामाजिक और संज्ञानात्मक विकास और शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाता है।

यह अन्य लोगों के साथ मिलने और संवाद करने, विभिन्न सामाजिक भूमिकाएं लेने, विशेष सामाजिक कौशल (जैसे सहिष्णुता और दूसरों के लिए सम्मान) सीखने और टीम / सामूहिक उद्देश्यों (जैसे सहयोग और सामंजस्य) को समायोजित करने के अवसर प्रदान करता है, और यह उन भावनाओं का अनुभव प्रदान करता है जो शेष जीवन में उपलब्ध नहीं हैं।

समग्र शिक्षा पूर्व विद्यालय से उच्च माध्यमिक स्तर तक एक एकीकृत / समग्र स्कूल प्रणाली प्रदान करने का प्रयास करती है। इससे स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर बच्चों के संक्रमण में मदद मिलेगी और बच्चों को स्कूली शिक्षा पूरी करने में मदद मिलेगी। इस योजना का उद्देश्य शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के अनुसार प्री-स्कूल से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है।

खेल अनुदान के तहत प्रत्येक सरकारी स्कूल को खेल अनुदान के रूप में रु. प्राथमिक स्कूलों के लिए ५००० रुपये। उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए १०,००० रुपये और रु. २५,००० माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए खेल उपकरणों की खरीद पर खर्च को पूरा करने के लिए।

स्कूलों में खेल अनुदान के प्रमुख उद्देश्य:

- छात्रों को फिटनेस लक्ष्यों तक पहुंचने और स्कूल में छात्रों की शारीरिक गतिविधि और खेल भागीदारी के माध्यम से स्वस्थ जीवन बनाए रखने में मदद करना
- छात्रों की शारीरिक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना और विकसित करना और छात्रों को व्यक्तिगत क्षमताओं को विकसित करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना
- एक साझा हित में विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को एक साथ लाकर छात्रों के बीच टीम भावना के विकास को प्रोत्साहित करना

- छात्रों में गर्व, खेल भावना और नैतिक व्यवहार के अच्छे दृष्टिकोण विकसित करना
- छात्रों के बीच अच्छे संबंध विकसित करना और बनाए रखना
- अच्छे चरित्र पर केंद्रित मूल्य-आधारित खेल कार्यक्रम प्रदान करना।
- छात्रों में मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य में सुधार
- मूल्यवान क्षमताओं और दक्षताओं के विकास के अवसर प्रदान करना, और सामाजिक नेटवर्क और सामुदायिक सामंजस्य विकसित करना स्कूलों में खेल सुविधाओं में सुधार कैसे करें:

स्कूलों में खेल सुविधाओं में सुधार कैसे करें:

विभाग ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं जिनमें स्कूलों द्वारा अधिप्राप्ति के लिए आयु के उपयुक्त खेल उपस्करों की निर्देशात्मक सूची शामिल है। स्कूल खेल मैदान आदि की उपलब्धता सहित स्कूल में अवसंरचना की उपलब्धता के आधार पर खेल-विशिष्ट उपस्करों का चयन करता है। विभाग ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं जिनमें स्कूलों द्वारा अधिप्राप्ति के लिए आयु के उपयुक्त खेल उपस्करों की निर्देशात्मक सूची शामिल है। स्कूल खेल मैदान आदि की उपलब्धता सहित स्कूल में अवसंरचना की उपलब्धता के आधार पर खेल-विशिष्ट उपस्करों का चयन करता है।



मलकानगिरी के एक स्कूल में चल रही प्रतियोगिता

समग्र स्कूल अनुदान

- समग्र स्कूल अनुदान गैर-कार्यात्मक स्कूल उपकरणों के प्रतिस्थापन के लिए और उपभोग्य सामग्रियों, खेल सामग्री, खेल और खेल उपकरण, प्रयोगशाला वस्तुओं, बिजली शुल्क, इंटरनेट, पानी की आपूर्ति जैसे आवर्ती लागतों को पूरा करने के लिए वार्षिक आधार पर प्रदान किया जाता है। शिक्षण एड्स, और अन्य आवश्यक आवश्यकताएं।
- यह शौचालय और अन्य सुविधाओं सहित स्कूल के बुनियादी ढांचे के वार्षिक रखरखाव और मरम्मत का भी समर्थन करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्कूल की इमारतों को अच्छी स्थिति में रखा जाए।
- अनुदान का उद्देश्य स्कूलों में स्वच्छता और स्वच्छता को बढ़ावा देना है, जिससे **स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों को मजबूत किया जा सके।**
- सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है, और स्कूलों से अनुदान के उपयोग में सामुदायिक योगदान के तत्वों को शामिल करने की उम्मीद की जाती है।
- कम्पोजिट स्कूल ग्रांट को नामांकन स्लैब के आधार पर विभाजित किया गया है, जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के लिए अलग-अलग इकाई लागत है।



११. मलकानगिरी के एक स्कूल में बास्केटबॉल प्रतियोगिता



12. बालिका शिक्षा

१. प्रबंधन केजीबीवी:

भारत सरकार द्वारा अगस्त, २००४ में दुर्गम क्षेत्रों में मुख्य रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों की बालिकाओं के लिए उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय स्कूलों की स्थापना हेतु कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) योजना शुरू की गई थी।

उद्देश्य

- वंचित लड़कियों तक पहुंच सुनिश्चित करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकित सभी बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- स्कूल के माहौल को लड़कियों के अनुकूल बनाना।
- लड़कियों की शिक्षा के प्रबंधन और सुधार में समुदाय की भागीदारी।

लाभार्थियों

- स्कूल छोड़ने वाली / स्कूल न जाने वाली किशोरियां जो उच्च प्राथमिक शिक्षा पूरी करने में असमर्थ थीं।
- बीपीएल श्रेणी से संबंधित लड़कियां
- बीपीएल श्रेणी की लड़कियां
- एकल माता-पिता / अनाथ / सीडब्ल्यूएसएन से संबंधित लड़कियां

रूपरेखा

विभिन्न गतिविधियों के संचालन सहित केजीबीवी के प्रबंधन के लिए पीएबी में निधि का प्रावधान किया गया है। पीएबी अनुमोदन को ध्यान में रखते हुए, राज्य स्तर पर विशिष्ट दिशानिर्देश तैयार किए जाते हैं और गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए केजीबीवी वाले सभी जिलों (आवर्ती और गैर-आवर्ती दोनों) को सूचित किया जाता है। इसके अलावा, गतिविधियों के समय पर संचालन और आवंटित धन के खर्च को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक केजीबीवी के खिलाफ पीएबी अनुमोदन से निधि का प्रावधान किया जाता है। एसएमसी केजीबीवी के प्रबंधन और उसके दिन-प्रतिदिन के मामलों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रमुख गतिविधियां

i. स्वास्थ्य और पोषण

- सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में खाद्य समिति का गठन किया जाता है और निर्धारित मेनू चार्ट के अनुसार inmates.as को खाद्य पदार्थ परोसा जाता है।
- खाद्य मंत्री को प्रत्येक केजीबीवी में चुना गया है, उन्हें स्वच्छता अभ्यास, स्वास्थ्य और पोषण, भोजन की गुणवत्ता आदि पर प्रशिक्षित किया गया है।



ii. द्वितीय. बोर्डर्स द्वारा शैक्षणिक गतिविधियां

- सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं
- केजीबीवी छात्रावासों में वार्षिक समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां छात्रों ने भाग लिया और समारोह को एक शानदार सफलता दी।
- केजीबीवी के सभी छात्रों के लिए नियमित मूल्यांकन अभ्यास / यूनिट टेस्ट भी आयोजित किया जाता है, साथ ही हर सुबह और शाम उपचारात्मक शिक्षण भी आयोजित किया जाता है विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण

iii. विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के छात्रा को १०००/- रुपये प्रति कैदी की लागत से विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।
- व्यावसायिक गतिविधियां जैसे बोर्बाई कार्य, फिनाइल/अगरबत्ती/साबुन तैयार करना, पुस्तक/फोटो बांधना, कंप्यूटर शिक्षण, टाइप लेखन, सिलाई, राखी की तैयारी/अभिवादन/कैलेंडर तैयार करना, झाड़ू बनाना, बांस का काम, पत्ती सिलाई, अगरबत्ती आदि।
- जीवन कौशल गतिविधियों जैसे कराटे, गीत, कला, दीवार पेंटिंग, मिट्टी मॉडल, रेत कला आदि
- योग, मार्शल आर्ट और सेल्फ डिफेंस पर प्रशिक्षण कैदी को प्रदान किया गया है।

iv. खेल & खेल

KGBV Inmates के सर्वांगीण विकास के लिए और स्कूली शिक्षा प्रणाली को प्रेरित करने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय स्तर पर विभिन्न खेल और खेलों के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।





- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नियमित रूप से फुटबॉल मैच, मुक्केबाजी, कबड्डी, बैडमिंटन आदि जैसी विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां/पाठ्येतर गतिविधियां आयोजित की गईं और कुछ लड़कियों ने समय-समय पर ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता और खेल गतिविधियों में भी भाग लिया।
- केजीबीवी छात्रों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया था स्वास्थ्य और स्वच्छता

v. स्वास्थ्य और स्वच्छता

- निकटतम पीएचसी के डॉक्टर के माध्यम से प्रत्येक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच आयोजित की गई है और इस प्रयोजनार्थ स्वास्थ्य/चिकित्सा रजिस्टर भी रखा गया है।
- किशोर और लिंग मुद्दों, व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरणीय स्वच्छता, पर्यावरण स्वच्छता और मासिक धर्म स्वच्छता पर छात्रों को परामर्श प्रदान किया गया।
- बीमार कन्याओं को निःशुल्क दवाईयां प्रदान की जाती हैं
- छात्रों के लिए सैनिटरी पैड का प्रावधान और सैनिटरी पैड के उपयोग पर उन्हें प्रदान किया गया अभिविन्यास।

vi. अग्नि सुरक्षा पर केजीबीवी कर्मचारियों का उन्मुखीकरण

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं।
- केजीबीवी कर्मचारियों जैसे हेड कुक, असिस्टेंट कुक, हॉस्टल वार्डन, स्कूल एचएम आदि ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया तस्वीरें SS के तहत स्कूल यूनिफॉर्म का वितरण





ଅନ୍ତେବାସିନୀ ଛାତ୍ରୀ ମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପାର୍କର ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟ କରଣ ।

२. समग्र शिक्षा के तहत स्कूल यूनिफॉर्म का वितरण वस्तुनिष्ठ

उद्देश्य

- स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए।
- प्राथमिक स्तर पर प्रतिधारण दर में सुधार करना
- जीईआर और एनईआर दर बढ़ाने के लिए
- छात्रों को नियमित रूप से अपने स्कूलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना
- छात्रों के बीच अपनेपन की भावना पैदा करने के लिए
- छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें किसी भी प्रकार की हीनता की भावना से दूर रखना।

रूपरेखा

सत्र २०२३-२४ में समग्र शिक्षा के तहत निःशुल्क स्कूल यूनिफॉर्म वितरण के संबंध में सभी जिलों के साथ आवश्यक निर्देश के साथ एक विस्तृत दिशानिर्देश साझा किया गया और वर्दी वितरण के उद्देश्य से स्कूलों के लिए धन का प्रावधान किया गया। ज्यादातर एसएमसी स्कूलों में जूते, मोजे, टी-शर्ट, ट्रैक पैंट आदि जैसे अन्य संबंधित सामानों के साथ वर्दी वितरित करता है। अधिकतर एसएमसी ने स्कूलों में जूते, मोजे, टी-शर्ट, ट्रैक पैंट आदि जैसे अन्य संबंधित सामान के साथ वर्दी वितरित की

उपलब्धियों

सत्र २०२३-२४ के दौरान कक्षा I से VIII में पढ़ने वाले प्रारंभिक छात्रों की ४०१९१५४ संख्या को GMSMBY के तहत मुफ्त स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की गई है। योजना के तहत छात्रों को जूते, मोजे, टी-शर्ट, ट्रैक पैंट, कैप और आई कार्ड के साथ दो जोड़ी वर्दी की आपूर्ति की गई है। इस उद्देश्य के लिए एसएस और राज्य निधि दोनों का उपयोग किया गया है। ३. GMSMBY के तहत स्कूल यूनिफॉर्म का वितरण वस्तुनिष्ठ



उद्देश्य

- स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए।
- प्राथमिक स्तर पर प्रतिधारण दर में सुधार करना
- जीईआर और एनईआर दर बढ़ाने के लिए
- छात्रों को नियमित रूप से अपने स्कूलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना
- छात्रों के बीच अपनेपन की भावना पैदा करने के लिए
- छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें किसी भी प्रकार की हीनता की भावना से दूर रखना।

रूपरेखा

सत्र २०२३-२४ के दौरान GMSMBY के तहत मुफ्त स्कूल यूनिफॉर्म के वितरण के संबंध में सभी जिलों के साथ आवश्यक निर्देश के साथ एक विस्तृत दिशानिर्देश साझा किया गया था और वर्दी के वितरण के उद्देश्य से स्कूलों के खिलाफ फंड का प्रावधान किया गया था। ज्यादातर एसएमसी स्कूलों में जूते, मोजे, टी-शर्ट, ट्रैक पैंट आदि जैसे अन्य संबंधित सामानों के साथ वर्दी वितरित करता है। अधिकतर एसएमसी ने स्कूलों में जूते, मोजे, टी-शर्ट, ट्रैक पैंट आदि जैसे अन्य संबंधित सामान के साथ वर्दी वितरित की



उपलब्धियों

सत्र २०२३-२४ के दौरान कक्षा I से VIII में पढ़ने वाले प्रारंभिक छात्रों की ४७७७९० संख्या को GMSMBY के तहत मुफ्त स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की गई है।

४. MCCPY के तहत स्कूल यूनिफॉर्म का वितरण वस्तुनिष्ठ

उद्देश्य

- स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए।
- प्राथमिक स्तर पर प्रतिधारण दर में सुधार करना
- जीईआर और एनईआर दर बढ़ाने के लिए
- छात्रों को नियमित रूप से अपने स्कूलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना
- छात्रों के बीच अपनेपन की भावना पैदा करने के लिए
- छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें किसी भी प्रकार की हीनता की भावना से दूर रखना।

रूपरेखा

सत्र २०२३-२४ के दौरान MCCPY के तहत मुफ्त स्कूल यूनिफॉर्म के वितरण के संबंध में सभी जिलों के साथ आवश्यक निर्देश के साथ एक विस्तृत दिशानिर्देश साझा किया गया था और वर्दी के वितरण के उद्देश्य से स्कूलों के खिलाफ फंड का प्रावधान किया गया था। ज्यादातर एसएमसी स्कूलों में जूते, मोजे, टी-शर्ट, ट्रैक पैंट आदि जैसे अन्य संबंधित सामानों



के साथ वर्दी वितरित करता है। अधिकतर एसएमसी ने स्कूलों में जूते, मोजे, टी-शर्ट, ट्रैक पैट आदि जैसे अन्य संबंधित सामान के साथ वर्दी वितरित की

उपलब्धियों

सत्र २०२३-२४ के दौरान कक्षा I से VIII में पढ़ने वाले प्रारंभिक छात्रों की १०३३०७५ संख्या को MCCPY के तहत मुफ्त स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की गई है।



५. प्राथमिक विद्यालयों में रानी लक्ष्मीबाई आत्म रक्षा प्रशिक्षण (आत्मरक्षा प्रशिक्षण) का आयोजन वस्तुनिष्ठ उद्देश्य

- लड़कियों के बीच आत्मविश्वास विकसित करने और उनके बीच भय मनोविकृति को तोड़ने के लिए।
- एक आत्मविश्वासी और सीधे आगे व्यक्तित्व विकसित करने के लिए।
- आत्मविश्वास के साथ चलने के लिए।
- छात्रों को विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों को सीखने की सुविधा प्रदान करना
- स्कूलों में लड़कियों की अवधारण बढ़ाने के लिए

रूपरेखा

जहां तक तौर-तरीकों का सवाल है, सत्र २०२३-२४ के दौरान स्कूलों में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण (आत्मरक्षा प्रशिक्षण) के सुचारू संचालन के लिए सभी जिलों को अस्थायी इकाई लागत के साथ एक विस्तृत दिशानिर्देश सूचित किया गया था। इसके अलावा, प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रति स्कूल Fund@१५००० का प्रावधान किया गया था। इसके अलावा, प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए फंड @ १५००० प्रति स्कूल का प्रावधान किया गया था।

उपलब्धियों

पीएबी २०२३-२४ द्वारा अनुमोदित राज्य के १९७७९ स्कूलों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया गया था और २०२३-२४ के दौरान लगभग १९७७९०० छात्रों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।



६. माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में रानी लक्ष्मीबाई आत्म रक्षा प्रज्ञान (आत्मरक्षा प्रशिक्षण) का आयोजन

उद्देश्य

- लड़कियों के बीच आत्मविश्वास विकसित करने और उनके बीच भय मनोविकृति को तोड़ने के लिए।
- एक आत्मविश्वासी और सीधे आगे व्यक्तित्व विकसित करने के लिए।
- आत्मविश्वास के साथ चलने के लिए।
- छात्राओं को विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों को सीखने की सुविधा प्रदान करना
- स्कूलों में लड़कियों की अवधारण बढ़ाने के लिए

रूपरेखा

जहाँ तक तौर-तरीकों का सवाल है, सत्र २०२३-२४ के दौरान स्कूलों में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण (आत्मरक्षा प्रशिक्षण) के सुचारू संचालन के लिए सभी जिलों को विस्तृत दिशानिर्देश और अनुमानित इकाई लागत से अवगत करा दिया गया है। इसके अलावा, प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रति विद्यालय @१५,००० रुपये की धनराशि का प्रावधान किया गया है।



उपलब्धियों

पीएबी २०२३-२४ द्वारा अनुमोदित राज्य के ५५६७ माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया गया और २०२३-२४ के दौरान लगभग ५५६७०० छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।





७. २४ जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस का अवलोकन

उद्देश्य

- छात्राओं को विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त महसूस करने का अवसर देना
- छात्राओं को उनकी कक्षा शिक्षण अधिगम गतिविधियों से परे विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना
- छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें जीवन में उच्च सपने देखने के लिए प्रेरित करना।

रूपरेखा

२४ जनवरी, २०२४ को राष्ट्रीय बालिका दिवस के सुचारू रूप से अवलोकन के लिए आवश्यक निर्देश के साथ एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया गया था। फंड @ ५००० प्रति ब्लॉक और @ २५००० प्रति जिले को PAB २०२३-२४ द्वारा अनुमोदित के उद्देश्य से प्रावधान किया गया था।

उपलब्धियों

सभी ३० जिलों के साथ राज्य के सभी ३१६ ब्लॉकों ने २४ जनवरी २०२४ को राष्ट्रीय बालिका दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया और छात्राओं ने इस अवसर की पूर्व संध्या पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिया और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए चयनित छात्रों को सम्मानित किया गया।



८.११ अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का अवलोकन वस्तुनिष्ठ

उद्देश्य

- छात्राओं को विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त महसूस करने का अवसर देना
- छात्राओं को उनकी कक्षा शिक्षण अधिगम गतिविधियों से परे विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना
- छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें जीवन में उच्च सपने देखने के लिए प्रेरित करना।

रूपरेखा

११ अक्टूबर, २०२४ को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के सुचारू रूप से अवलोकन के लिए आवश्यक निर्देश के साथ एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया गया था। फंड @ ५००० प्रति ब्लॉक और @ २५००० प्रति जिले को PAB २०२३-२४ द्वारा अनुमोदित के उद्देश्य से प्रावधान किया गया था।

उपलब्धियों

सभी ३० जिलों के साथ राज्य के सभी ३१६ ब्लॉकों ने ११ अक्टूबर २०२४ को बहुत उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया और छात्राओं ने इस अवसर की पूर्व संध्या पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिया और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए चयनित छात्रों को सम्मानित किया गया।



९. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ वस्तुनिष्ठ

उद्देश्य

- लिंग पक्षपाती लिंग-चयनात्मक उन्मूलन को रोकने के लिए
- बालिकाओं के अस्तित्व और संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए
- बालिकाओं की शिक्षा और भागीदारी सुनिश्चित करना।
- लड़कियों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उचित पहल सुनिश्चित करना
- लैंगिक समानता के लिए दीर्घकालिक हस्तक्षेप सुनिश्चित करना

रूपरेखा

इस कार्यक्रम के तहत नयागढ़ जिले में कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया गया था। ₹२०००००/- (दो लाख)। जिले में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत जिले के १०० स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

उपलब्धियों

- बाल विवाह के बुरे प्रभावों के बारे में माता-पिता को जागरूक किया गया
- शिक्षकों और माता-पिता के बीच स्कूलों में बालिकाओं के नामांकन और प्रतिधारण को प्रोत्साहित किया गया
- कार्यक्रम के संबंध में स्कूल स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान पर छात्रों, शिक्षकों के माता-पिता, SMC/MTA सदस्यों, PRI सदस्यों के संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया और विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए।

बालिकाओं के मूल्य के बारे में जागरूकता के लिए "कई प्रतिभाशाली लड़कियों", "हमारी लड़कियों को हमारा गौरव", "लड़कियों को बचाओ सृजन बचाओ", "लड़कियों के सशक्तिकरण" जैसे विषयों पर ड्राइंग और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।





१०. बरनाली (जेंडर इक्विटी प्रोग्राम)

उद्देश्य

- माध्यमिक स्तर पर स्कूलों में लड़कियों के प्रतिधारण में सुधार
- किशोर लड़के और लड़कियां अधिक लिंग समान व्यवहार प्रदर्शित करते हैं
- शिक्षकों ने कक्षाओं में बेहतर लिंग संवेदनशील व्यवहार/कार्यों का प्रदर्शन किया
- स्कूल प्रमुखों ने स्कूलों में बेहतर लिंग संवेदनशील व्यवहार/कार्यों का प्रदर्शन किया
- ब्लॉक / जिला स्तर के प्रशासनिक अधिकारी (BEO, DEO) लैंगिक समानता व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं और स्कूलों में तंत्र स्थापित करते हैं
- पाठ्यपुस्तक में लैंगिक समानता विषय-वस्तु/पाठ समाकलित किए गए हैं
- SRG/DRG बेहतर लिंग संवेदनशील व्यवहार प्रदर्शित करते हैं
- शिक्षकों की क्षमता निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग में सुधार है

रूपरेखा

बरनाली पुस्तकें (कक्षा ६th से ८th के लिए छात्रों की गतिविधि पुस्तकें और शिक्षकों की मार्गदर्शिका पुस्तकें मुद्रित की गई हैं) विकसित की गई हैं, ६th से ८th कक्षा वाले स्कूलों में बरनाली कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है। सामाजिक अध्ययन पाठ्यक्रम के साथ एकीकरण में कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सत्र २०२३-२४ (२०२२-२३ में आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण) में एसआरजी और डीआरजी प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।



उपलब्धियों

उच्च प्राथमिक कक्षाओं वाले विद्यालयों में बरनाली कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु कक्षा ६वीं से ८वीं तक के लिए छात्र गतिविधि पुस्तकों और शिक्षक मार्गदर्शिका पुस्तकों सहित कुल १७८१७५८ पुस्तकें मुद्रित की गई हैं। इनमें से १६५९६४० छात्र गतिविधि पुस्तकें और १२२११८ शिक्षक मार्गदर्शिका पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में बरनाली कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन हेतु कार्यक्रम के अंतर्गत एसआरजी और डीआरजी प्रशिक्षण २०२३-२४ में पूरा किया गया और दूसरे दौर का शिक्षक प्रशिक्षण (पुनश्चर्या प्रशिक्षण जुलाई २०२४ में आयोजित किया जाएगा) भी पूरा किया गया।



STUDENTS ACTIVITY BOOK



TEACHERS GUIDE BOOK





११. राज्य स्तरीय सुरवी २०२३ में केजीबीवी प्रदर्शनी स्टॉल

उद्देश्य

- KGBV कैदियों को राज्य स्तरीय सुरवी कार्यक्रम के दौरान अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर देना।
- केजीबीवी कैदियों को राज्य स्तरीय सुरवी कार्यक्रम में अपनी संस्कृति, परंपरा और विरासत का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करना।
- केजीबीवी कैदियों को राज्य की राजधानी की यात्रा के लिए एक अवसर देने और राज्य स्तरीय सुरवी कार्यक्रम में आयोजित कई गतिविधियों का निरीक्षण करने और उनके समकक्षों से सीखने के लिए।

रूपरेखा

केजीबीवी स्टाल की व्यवस्था के लिए राज्य स्तर के सुरवी ग्राउंड में केजीबीवी स्टाल के लिए स्थान प्रदान किया जाता है और राज्य स्तर के एसयूआरएवीआई बजट हेड के उद्देश्य से निधि का प्रावधान किया जाता है। राज्य में विभिन्न केजीबीवी के चयनित छात्र अपने वार्डन / एचएम / और अन्य सहायता कर्मचारियों के मार्गदर्शन और समर्थन के तहत कार्यक्रम में भाग लेते हैं। भाग लेने वाले छात्रों और उनके गाइड स्टाफ को मुफ्त आवास, बोर्डिंग और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

उपलब्धियों

२०२३ के दौरान २४, राज्य में विभिन्न केजीबीवी के कुल ३६४ संख्या में केजीबीवी कैदी (छात्र) और ३० अन्य सहयोगी स्टाफ ने केजीबीवी स्टाल में भाग लिया और अपनी छिपी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी छात्रों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में शिक्षण सामग्री के साथ-साथ भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। केजीबीवी स्टाल सरकार के परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय सुरावी २०२३-२४ में आकर्षण का केंद्र था। बॉयज हाई स्कूल, यूनिट ९, भुवनेश्वर (ओडिशा)।





एमएलई के उद्देश्य

- प्रारंभिक वर्षों (प्राथमिक कक्षाओं) में मातृभाषा का उपयोग करके आदिवासी बच्चों को प्रणाली शिक्षा से परिचित कराना और धीरे-धीरे अपनी मातृभाषा (L1) से राज्य भाषा (L2) और फिर राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय भाषा (L3) में स्थानांतरित करना।
- प्राथमिक स्तर पर भाषा की बाधा को दूर करके एमएलई की शुरूआत के माध्यम से बच्चे को औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करना।
- प्रारंभिक कक्षाओं में अपनी मातृभाषा का उपयोग करके आदिवासी छात्रों के पढ़ने और लिखने के कौशल और सीखने में सुधार करना।
- ब्रिजिंग प्रक्रिया के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर बच्चे को मुख्य धारा में लाने के लिए ओडिया भाषा को पेश करना।
- आदिवासी बच्चों में उनकी भाषा और संस्कृति के लिए प्रशंसा और सामाजिक सम्मान की भावना विकसित करना।

कवरेज

मातृभाषा में शिक्षा की शुरूआत के माध्यम से बच्चे को औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करने और प्राथमिक स्तर पर भाषा बाधा को दूर करने के लिए राज्य में एम. एल. ई. कार्यक्रम शुरू किया गया है

- "ओडिशा के लिए एमएलई नीति और कार्यान्वयन दिशानिर्देश" सरकार द्वारा दिनांक ०१.०७.२०१४ की अधिसूचना संख्या १४११८ के माध्यम से अनुमोदित किया गया है
- एमएलई कार्यक्रम में २१ जनजातीय भाषाओं अर्थात संताली, सौरा, कोया, कुई, कुवी, किशन, ओरम, मुंडा, जुआंगा, बोंडा, गडाबा, हो, गोंडी, परोजा, खारिया, दिदाई, भिंझल, पौड़ी भुइयां, भूमिया, भातरा और भुंजिया में प्राथमिक शिक्षा शामिल है।
- एमएलई कार्यक्रम १७ जिलों के आदिवासी बहुल क्षेत्रों अर्थात अंगुल, बालासोर, बरगड, ढेंकनाल, गंजम, गजपति, कंधमाल, कालाहांडी, कोरापुट, क्योंझर, मलकानगिरी, मयूरभंज, नवरंगपुर, नुआपाड़ा, रायगढ़ा, संबलपुर और सुंदरगढ़ में चल रहा है।
- १३१७ एमएलई स्कूलों में ८९९४२ एसटी बच्चे पढ़ रहे हैं।
- मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने के लिए ३१८८ शिक्षकों (शिक्षा सहायक) और १४३ भाषा अनुदेशकों/शिक्षा स्वयंसेवकों (ईवी) को नियुक्त किया गया है।
- प्राथमिक गैरडों के लिए २१ जनजातीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें और पूरक पठन सामग्री विकसित की गई है।



जनजातीय शिक्षा संसाधन केंद्र

आदिवासी संसाधन केंद्रों की स्थापना राज्य के एमएलई जिलों में स्वदेशी जनजातीय संसाधनों के प्रसार के लिए की गई है। स्वदेशी जनजातीय संसाधनों के प्रसार के लिए राज्य के एमएलई जिलों में जनजातीय संसाधन केन्द्र (TRC) स्थापित किए गए हैं। संसाधन केंद्र का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, माता-पिता और समुदाय के सदस्यों को उनकी जनजातियों, संस्कृति, परंपरा, जीवन शैली, साहित्य, भाषा आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद करना है। जनजातीय संसाधन केंद्र (TRC) में पाठ्य पुस्तकें, पूरक पठन सामग्री, प्रशिक्षण मैनुअल, संदर्भ पुस्तकें, TLM, कहानियां, कविताएं, विभिन्न सांस्कृतिक मर्दें, सामुदायिक संसाधन, प्रख्यात आदिवासी नेताओं/स्वतंत्रता सेनानी के फोटोग्राफ, मॉडल, डिस्प्ले बोर्ड आदि को स्कूली पाठ्यक्रम से जोड़कर बच्चों के सीखने के लिए रखा गया है। सभी संसाधन सामग्रियों को भविष्य के संदर्भ के लिए सामुदायिक ज्ञान के संरक्षण के लिए TRC में संग्रहीत किया गया है। भविष्य के संदर्भ के लिए सामुदायिक ज्ञान को संरक्षित करने के लिए सभी संसाधन सामग्रियों को टीआरसी में संग्रहीत किया गया है।







Tribal Museum, Budhakhman Primary School, Keonjhar





14. परियोजना नवाचार (प्राथमिक और माध्यमिक)

क्रम सं.	गतिविधियों	भौतिक
1	युवा और इको क्लब (स्टैंडअलोन प्राथमिक विद्यालय)	27052
2	युवा और इको क्लब (प्राथमिक विद्यालय)	15687
3	यूथ एंड इको क्लब (माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक)	5919
4	स्कूल की ट्विनिंग	1264
5	EBSB - गतिविधियां (प्राथमिक)	30
6	सुरवी कार्यक्रम	30
7	MLE शिक्षकों और EVS की क्षमता निर्माण	3539
8	मातृभाषा दिवस पर प्रदर्शनी	48658
9	फिट इंडिया	30
10	आमा संस्कृति आमा खेलना	48658
11	गपा सुनीबा ओ काहिबा	42739
	नवाचार कुल	

यूथ एंड इको क्लब

यह महत्वपूर्ण है कि जीवन के अनुभव के आधार पर पर्यावरण शिक्षा जीवन के शुरुआती वर्षों के दौरान शुरू होनी चाहिए। इस उद्देश्य के लिए, स्कूलों में युवा और पर्यावरण क्लब छात्रों को भाग लेने और सार्थक पर्यावरणीय गतिविधियों और परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए हैं। यह एक मंच है जिसके माध्यम से छात्र ध्वनि पर्यावरण व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए अपने माता-पिता और पड़ोस के समुदायों को प्रभावित करने, संलग्न करने के लिए पहुंच सकते हैं। यह छात्रों को पर्यावरणीय अवधारणाओं का पता लगाने के लिए सशक्त बनाता है।

पत्र सं. ८५०७ dtd.०२.११.२०१९ में जिलों को सूचित दिशा-निर्देशों के तहत स्कूलों में युवा और इको क्लब पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। प्रत्येक कक्षा के चयनित सदस्यों के माध्यम से युवा और इको क्लबों के तहत स्कूलों द्वारा हर साल गतिविधियां की जा रही हैं।

राज्य के २७०५२ स्वसंपूर्ण प्राथमिक, १५६८७ प्राथमिक और ५९१९ माध्यमिक विद्यालयों में युवा और इको क्लब स्थापित किए गए हैं। वर्ष २०२४-२५ के दौरान विश्व पर्यावरण दिवस का अवलोकन, राष्ट्रीय युवा दिवस का अवलोकन, राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का अवलोकन, वन महोत्सव का वृक्षारोपण और अवलोकन, रसोई उद्यान का विकास, पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता रैली, युवाओं और इको क्लब के सदस्यों की वार्षिक बैठक, क्लब के सदस्यों के



लिए बैज, तिरंगे में ध्वज पोस्ट का रंग, पर्यावरण के अनुकूल वातावरण पर संगोष्ठी / वार्ता, कचरा निपटान आदि को लिया गया है। सभी गतिविधियों को सफलतापूर्वक स्कूलों में आयोजित किया गया है। इसके अलावा, परिसर के सौंदर्यीकरण को युवा और इको क्लब के तहत एक अतिरिक्त गतिविधि के रूप में जोड़ा गया है।

स्कूल की ट्विनिंग

'स्कूलों का शिक्षण' एक अभिनव और परिवर्तनकारी पहल है जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में पर्याप्त सुधार लाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के दृष्टिकोण के अनुरूप, जो शैक्षिक परिदृश्य को आधुनिक बनाने और सुधारने का प्रयास करता है, यह पहल छात्रों के लिए समग्र विकास के अवसर प्रदान करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाती है।

इस अवधारणा में दो स्कूलों के बीच एक सहयोगी साझेदारी शामिल है - एक अच्छी तरह से स्थापित या बेहतर संसाधन वाली संस्था है और दूसरे को अतिरिक्त शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे के समर्थन की आवश्यकता है। इस व्यवस्था के माध्यम से, स्कूल एकजुटता को बढ़ावा देते हैं, सहकर्मी सीखने को प्रोत्साहित करते हैं, और अकादमिक विकास और समग्र विकास के लिए एक साझा वातावरण बनाते हैं।

ट्विनिंग स्कूलों के उद्देश्य

- अच्छी तरह से संसाधनयुक्त स्कूलों और अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले स्कूलों के बीच सहयोगी सीखने और ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देना।
- अभिनव शिक्षण के आदान-प्रदान के माध्यम से शिक्षण-सीखने प्रथाओं को मजबूत करने के लिए, कक्षा रणनीतियों, और मूल्यांकन विधियों।
- छात्रों को समग्र विकास के अवसर प्रदान करना, जिसमें सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के संपर्क में शामिल हैं।
- संसाधन और बुनियादी ढांचे के अंतर को पाटकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करना।
- स्कूलों में एकजुटता और समावेशिता की भावना का निर्माण करना, सामूहिक विकास को प्रोत्साहित करना।
- छात्रों के कल्याण के लिए एक साथ काम करने वाले स्कूलों का नेटवर्क बनाकर सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ाने के लिए।

वर्ष २०२४-२५ के दौरान, ६३२ स्कूलों को अन्य ६३२ मुख्यालय HST-५T स्कूलों/ओडिशा आदर्श विद्यालयों/केंद्रीय विद्यालयों (KVs)/जवाहर नवोदय विद्यालयों (JNVs) के साथ जोड़ा गया है। इस संरचित सहयोग से शिक्षण-शिक्षण प्रथाओं को मजबूत करने, संसाधन उपयोग में सुधार करने और स्कूलों में इच्छिणी को बढ़ावा देने की उम्मीद है।

स्कूल ट्विनिंग से अपेक्षित परिणाम

- साझा शैक्षणिक प्रथाओं और अभिनव शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से छात्र सीखने के स्तर में सुधार।
- पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, आईसीटी सुविधाओं और खेल बुनियादी ढांचे जैसे संसाधनों का बेहतर उपयोग।
- सहकर्मी सीखने, सलाह और पेशेवर विकास के अवसरों के माध्यम से बढ़ी हुई शिक्षक क्षमता।



- विविध गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए छात्रों के लिए जोखिम में वृद्धि, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ावा देना।
- संयुक्त योजना और निगरानी के माध्यम से स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन प्रथाओं को मजबूत किया।
- शिक्षा की समानता और गुणवत्ता में समग्र सुधार, विशेष रूप से संसाधन-बाधित या ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में।

एक भारत श्रेष्ठ भारत - ईबीएसबी

जिला मुख्यालय में एक दिवसीय प्रदर्शनी-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रत्येक ब्लॉक के छात्र शामिल हैं। प्रदर्शनी का आयोजन महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत, वर्णमाला, संख्या, सरल वाक्य, मानचित्र के रंग, महाराष्ट्र के बहादुर नायकों, शैक्षिक परिदृश्य, गुफाओं की तस्वीरें, किले, कपड़े, खाद्य पदार्थ, समुद्र तटों की तस्वीरें, कक्षा शिक्षण, पहाड़ी और मंदिर, भगवान और देवी, कला और शिल्प, प्राकृतिक परिदृश्य, गहने आदि

विविधता में एकता का जश्न मनाने के लिए, राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को बढ़ावा देने के लिए, समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के लिए, दीर्घकालिक जुड़ाव स्थापित करने और दोनों राज्यों ओडिशा और महाराष्ट्र के बीच सीखने को बढ़ावा देने के लिए एक वातावरण बनाने के लिए गतिविधि शुरू की गई है। बच्चों को स्कूलों में मराठी भाषा, लिपि सीखनी होगी। बच्चों को प्रोत्साहित करने और महाराष्ट्र के बारे में उनके ज्ञान को बढ़ाने के लिए स्कूल स्तर पर वाद-विवाद, निबंध, प्रश्नोत्तरी, कला और चित्रकला जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत गतिविधियों का वार्षिक कैलेंडर तैयार किया गया है और राज्य के सभी स्कूलों के साथ साझा किया गया है।

SURAVI - एक बच्चों का त्योहार

राज्य स्तरीय बाल महोत्सव; शिशु महोत्सव - सुरवी २०२४ का आयोजन बाल दिवस की पूर्व संध्या पर १२th से १४th नवंबर, २०२४ तक राज्य मुख्यालय (भुवनेश्वर) में ०३ दिनों के लिए किया जा चुका है।

इस राज्य स्तरीय समारोह में, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से प्रतिभाओं के चयन की प्रक्रिया के माध्यम से पहचाने गए लगभग २,२०० बच्चों के साथ-साथ राज्य भर के १२०० गाइड शिक्षक और अधिकारी राज्य मुख्यालय में एकत्र हुए। इन बच्चों को इस अवसर के उत्सव के रूप में इन तीन दिनों के दौरान विभिन्न कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनियों और क्षेत्र यात्राओं में भाग लेने का अवसर मिला। यह राज्य के कई दूरदराज के कोनों से बच्चों को विभिन्न सीखने के अवसरों में भाग लेने के लिए एक महान मंच प्रदान करता है। इन तीन दिनों के दौरान इन बच्चों को इस अवसर के उत्सव के रूप में विभिन्न कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनियों और फील्ड ट्रिप में भाग लेने का अवसर मिला। यह राज्य के कई दूरस्थ कोनों के बच्चों को विभिन्न सीखने के अवसरों में भाग लेने के लिए एक महान मंच प्रदान करता है।

माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा इस अवसर पर 'शिशु दिवस समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माननीय उप मुख्यमंत्री, माननीय मंत्री, स्कूल और जन शिक्षा, माननीय मंत्री उच्च शिक्षा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इन तीन दिनों के दौरान कार्यक्रम में भाग लिया है।



न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राज्य स्तरीय समारोह में भाग लेने के लिए युवा प्रतिभाओं और समूहों का चयन करने के लिए अक्टूबर-नवंबर, २०२३ के दौरान क्लस्टर, ब्लॉक और जिला स्तर पर १ दिन के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह मंच छात्रों को अपनी छिपी प्रतिभा दिखाने का पर्याप्त अवसर देता है। यह मंच छात्रों को अपनी छिपी प्रतिभा दिखाने का पर्याप्त अवसर देता है।

‘ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରତିଭା ପ୍ରଦର୍ଶନ ପାଇଁ ‘ସୁରଭି’ ପ୍ରକୃଷ୍ଟ ମାଧ୍ୟମ’

[illegible]

ଜିଲାସ୍ତରୀୟ ଶିଶୁ ମହୋତ୍ସବ

[illegible]

ପ୍ରଦାନ
କରୁ
ଦେଉ
ପ୍ରାୟ
ପ୍ରାୟ
ଶିଳ୍ପ
ସଂସ୍ଥା
ଆଦି
କାର୍ଯ୍ୟ
କ୍ରମ

[illegible]



EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 12, 2024

ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ, ଓଡ଼ିଶା ସରକାରଙ୍କ ଅନୁଦାନରେ ଅତିବଡ଼ି ଆଇନ କୋଲେଜରେ ଗାନ୍ଧୀଜୀଙ୍କ ଶିଳ୍ପ ମହୋତ୍ସବ- ପୁରସ୍କାର ୨୦୨୪।

ବୃତ୍ତ, ସଙ୍ଗୀତ, ଚିତ୍ରକଳା, ଗୁଣାକଳା, ପ୍ରତିଭା ପ୍ରଦର୍ଶନ ସହ ବିଭିନ୍ନ ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଭାଗ ନେଇଛନ୍ତି। ଆସନ୍ତୁ ଆମ ପିଲାମାନଙ୍କର ଏହି ଚେତନାକୁ ଉତ୍ସାହରେ ଭରିବା।



OSEPA @OSEPA_Official · Nov 12, 2024

Promote

ଗାନ୍ଧୀଜୀଙ୍କ ଶିଳ୍ପ ମହୋତ୍ସବ ପୁରସ୍କାର - ୨୦୨୪ ମାର୍ଚ୍ଚର ମନ୍ତ୍ରୀ, ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଦ୍ଵାରା ଚଳେଇଥିବ ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 13, 2024

ପୁରସ୍କାର ବିଜୟୀ ବିଦ୍ୟାର ସେବାରେ ଭବିଷ୍ୟତ ନିର୍ମାଣକାରୀ ଶ୍ରୀମତୀ ପ୍ରଭାତୀ ପରିଜା ପିଲାମାନଙ୍କୁ ବିଭିନ୍ନ ଭାଷା ଓ ବିଭିନ୍ନ ପିନ୍ଧା ଉପରେ ଯୋଗାଯୋଗ କରିବା ଏକାଠି ଆସନ୍ତୁ ଓ ଆଜିର ଶିଳ୍ପ କାଳିନି ଉତ୍ତମ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଭବିଷ୍ୟତରେ ।



OSEPA @OSEPA_Official · Nov 13, 2024

Promote

Join us for the second day of the State-Level Children's Festival, SURAVI 2024. Watch live from Capital High School, Unit-3, Bhubaneswar. Link:



youtube.com

Day 2 - SURAVI 2024

SURAVI 2024 At Capital High School Bhubaneswar.



EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 13, 2024

ଗାନ୍ଧୀଜୀଙ୍କ ଶିଳ୍ପ ମହୋତ୍ସବ ପୁରସ୍କାର ଏବଂ ବିଭିନ୍ନ ଆକର୍ଷଣ କୋରସି ଶିଳ୍ପ ସାମଗ୍ରୀ। ସେମାନେ ବିଭିନ୍ନ ବିଭିନ୍ନ ଶିଳ୍ପ ପଦ୍ଧତିରେ ଭାଗ ନେଇଛନ୍ତି ଏବଂ ଶିଳ୍ପ ଉପରେ ଉଚ୍ଚ ଚେତନା ରଖିଛନ୍ତି। ସେମାନେ ଅଭିଭାବକ ପ୍ରାୟଶଃ ପ୍ରଶଂସା ପାଇଁ ପ୍ରଥମ ସ୍ଥାନରେ ଓ ଶିଳ୍ପ 'ପୁରସ୍କାର' ପାଇଁ।



OSEPA @OSEPA_Official · Nov 13, 2024

Promote

SURAVI - 2024, a program to discover and showcase student talents, offers participants the chance to explore various historical, zoological and cultural sites on the second day. The students are thrilled and are enjoying every moment with high enthusiasm.



मातृभाषा दिवस पर प्रदर्शनी

मातृभाषा दिवस का अवलोकन मातृभाषा या देशी भाषा को बढ़ावा देने और मनाने की एक पहल है। स्कूलों में मातृ भाषा दिवस का आयोजन भाषाई विविधता के संरक्षण और बढ़ावा देने के महत्व को उजागर करने के लिए विभिन्न गतिविधियों और घटनाओं को शामिल कर सकता है।

"अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस" २१ फरवरी, २०२५ को राज्य के ४८६५८ स्कूलों में मनाया गया था। हमारे राज्य के स्कूलों में मातृभाषा में प्रीमबल्स पढ़ना, ओट एच टेकिंग, कहानियों और कविताओं का पाठ, प्रतियोगिताओं, पोस्टर और पेंटिंग, भाषा प्रदर्शनी, पठन सत्र जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए

माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा और शिक्षा मंत्री, ओडिशा के विज्ञापन और संदेश जारी किए गए। स्कूलों में मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की गई हैं।

ମାତୃଭାଷା ସୁରକ୍ଷାରେ ଗୋଟିଏ ଜାତି ଓ ସଂସ୍କୃତି ସୁରକ୍ଷିତ

କୋରାପୁଟ, ୨୨। ୨(ନି.ପ୍ର):
ପିଏମ୍ ଶ୍ରୀକେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଦ୍ୟାଳୟ
କୋରାପୁଟରେ ଅନ୍ତରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ
ମାତୃଭାଷା ଦିବସ ପାଳିତ
ହୋଇଯାଇଛି। ବରିଷ୍ଠ ସାହିତ୍ୟିକ
ତଥା ଓଡ଼ିଶା ସାହିତ୍ୟ ଏକାଡେମୀ
ଦ୍ଵାରା ପୁରସ୍କୃତ ନାରାୟଣ ପଣ୍ଡା
ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ରୂପେ ଯୋଗଦେଇ
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର ଶୋଭାମଣ୍ଡନ
କରିଥିଲେ। ଶ୍ରୀ ପଣ୍ଡା ଓଡ଼ିଆ
ଭାଷା ସାହିତ୍ୟର ମହାନତା
ଉପରେ ଆଲୋଚନା କରି
ମାତୃଭାଷା ସୁରକ୍ଷାରେ ଗୋଟିଏ
ଜାତି ଓ ସଂସ୍କୃତି ସୁରକ୍ଷିତ ବୋଲି
ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଥିଲେ। ବିଦ୍ୟାଳୟ
ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ସରୋଜ କୁମାର ଦାଶ
ମଧୁବାବୁଙ୍କ ସ୍ମୃତିଚାରଣ ସାଙ୍ଗକୁ



ବକ୍ତବ୍ୟ ମାଧ୍ୟମରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ
ମାତୃଭାଷାର ପ୍ରଚାର ପ୍ରସାର
ନିମନ୍ତେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବାକୁ
କହିଥିଲେ। ବିଦ୍ୟାଳୟର କୁନି
କୁନି ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ସମେତ
ମାଧ୍ୟମିକ ବର୍ଗର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ
ନିଜ ମାତୃଭାଷାରେ ମନଛୁଆଁ
ଗୀତ, ଭାଷଣ, କବିତା ସମ୍ପର୍କକୁ
ଆକୃଷ୍ଟ କରିଥିଲା। ମାତୃଭାଷା
ଦିବସ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ଏକ ଷ୍ଟଲ୍
ମାଗାଜିନ୍ ଲୋକାର୍ପିତ

ହୋଇଥିଲା। ବିଦ୍ୟାଳୟ ପ୍ରଧାନ
ଶିକ୍ଷକ ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ବେହେରା,
ବରିଷ୍ଠ ଶିକ୍ଷକ ବି.ଟି.ନାଉଡୁ
ଅନୁମତି ଅତିଥି ରୂପେ
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।
ଅଶୋକ କୁମାର ଲାବଲ,
ଧନଧର । ଦ ଅ ପ ଶ
କରିଥିବାବେଳେ ଶିକ୍ଷକ ତରୁଣ
କୁମାର ଦାଶ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ
ରୂପରେଖ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରି ସଞ୍ଚାଳନ
କରିଥିଲେ।





गप सुनीबा ओ काहिबा

बच्चों को कहानियां सुनने का बहुत पैसा है। प्राथमिक ग्रेड के शिक्षार्थियों के बीच सुनने और बोलने की आदत विकसित करने के लिए गतिविधि यानी 'गपा सुनीबा ओ कहीबा' कार्यक्रम २० जुलाई, २०२४ को राज्य के ४२७३९ प्राथमिक विद्यालयों में आयोजित किया गया था। 'गपा सुनीबा ओ कहीबा' शिक्षार्थियों के बीच शब्दावली, सुनने, बोलने और नाटकीय कौशल विकसित करेगा। उद्देश्य के लिए कहानी कहने की गतिविधि सभी सरकार में आयोजित की जानी चाहिए। राज्य के प्राथमिक स्कूल स्थानीय कहानीकारों (समुदाय के बुजुर्ग व्यक्ति / शिक्षक / कहानी कहने में प्रवीणता रखने वाले छात्र) को स्कूलों को प्राथमिक ग्रेड के छात्रों के लिए उपयुक्त कहानियों को बताने के लिए आमंत्रित करते हैं। इसके अलावा, कहानी टेलर से सुनने के बाद कहानी को फिर से शुरू करने के लिए चयनित छात्रों को गुंजाइश दी जा सकती है जो शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता विकसित करेगा। स्कूल के सर्वश्रेष्ठ कहानी टेलर को सामुदायिक कहानी टेलर के साथ पहचाना जाता है।

आम संस्कृति आम खेलाना

राज्य के ४८६५८ स्कूलों में स्कूल स्तर का 'अमा संस्कृति अमा खेलाना' आयोजित किया गया है। संस्कृति आधारित पारंपरिक खेलौनों को बढ़ावा देने के लिए, प्रत्येक स्कूल में शिक्षकों, स्थानीय कारीगरों, टोयमेकर्स और कुम्हारों आदि को आमंत्रित करते हुए एक दिवसीय "खिलौना बनाने की कार्यशाला" का आयोजन किया गया था खिलौनों को क्षेत्रों की संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों के आधार पर विकसित किया जाएगा। खिलौने बच्चे के अनुकूल और पाठ्यक्रम आधारित होना चाहिए। खिलौने तैयार करते समय संस्कृति के साथ-साथ पाठ्यक्रम को भी महत्व दिया जाना चाहिए। सभी शिक्षक खिलौना बनाने की कार्यशाला में शामिल थे जिसका उपयोग कक्षा लेनदेन में किया जाएगा।

अमा संस्कृति अमा खेलाना को स्कूल के हाई अचीवर्स, स्कूल एलुमनी, वॉल पत्रिका के प्रकाशन और स्कूल वार्षिक दिवस के बाद सम्मानित करने जैसी गतिविधियों के साथ टैग किया गया था।



15. व्यावसायिक शिक्षा

परिचय:

व्यावसायिक शिक्षा समग्र शिक्षा के व्यापक ढांचे के भीतर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो सभी स्कूलों में पारंपरिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करती है। इसका उद्देश्य वास्तविक वास्तविक दुनिया की कार्य सेटिंग में अनुभव के माध्यम से छात्रों की रोजगार क्षमता और उद्यमशीलता क्षमताओं को बढ़ाना है, छात्रों के बीच कैरियर विकल्पों के बारे में जागरूकता पैदा करना है, और उन्हें अपनी योग्यता, क्षमता और आकांक्षाओं के द्वारा विकल्प बनाने में सक्षम बनाना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के अनुसार, बड़े और व्यक्तिगत संस्थानों में शिक्षा प्रणाली दोनों को बदलने के लिए कई मौलिक सिद्धांतों को रेखांकित किया गया है, जहां व्यावसायिक शिक्षा एक प्रमुख स्तंभ के रूप में कार्य करती है। शिक्षा का वोकेशनलाइजेशन व्यावहारिक विषयों को शामिल करने को संदर्भित करता है जो बुनियादी ज्ञान, कौशल विकसित करेंगे, और छात्रों को कुशल पेशेवरों और उद्यमियों के रूप में कैरियर पर विचार करने के लिए सशक्त बनाएंगे।

लक्ष्य

1. ओडिशा के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 9th से 12th कक्षाओं में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन।
2. सभी स्कूलों में सामान्य शैक्षणिक शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण।
3. इन पाठ्यक्रमों से बाहर निकलने वाले छात्रों के लिए रोजगार पैदा करना।
4. स्कूल ड्रॉप-आउट में कमी और उपस्थिति के स्तर में सुधार।
5. युवा छात्रों को कार्यबल के लिए तैयार करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उद्योग और शिक्षा के बीच सहयोग बढ़ाना महत्वपूर्ण है, यह सुनिश्चित करना कि उनके पास नियोक्ता की आवश्यकताओं के अनुसार कौशल और योग्यता है।

उद्देश्यों

- a. मांग-आधारित योग्यता-आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों के रोजगार कौशल में वृद्धि।
- b. द्वितीयक स्तर पर ड्रॉप-आउट दर को कम करने के लिए।
- c. व्यावसायिक शिक्षा के भीतर और सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के बीच छात्रों को कैरियर मार्ग प्रदान करें।
- d. अकुशल श्रमिकों की महत्वपूर्ण संख्या को संबोधित करने के लिए जिन्होंने केवल ग्रेड ८ तक पूरा किया है और कौशल विकास और रोजगार के लिए मार्गों की आवश्यकता है।
- e. छात्रों को उनकी दक्षताओं की पहचान करने और विकसित करने के लिए विकसित करना।
- f. छात्रों को सामान्य या नरम कौशल, कठिन या नौकरी-विशिष्ट कौशल और उद्यमशीलता कौशल प्राप्त करने में मदद करें।



अवलोकन - NSQF अनुरूप स्कूल व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम

VE कार्यक्रम का पैमाना:	- ओडिशा के 30 जिलों में 1061 स्कूलों (60 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों सहित) में 1,41,732 छात्रों ने दाखिला लिया। - विश्व बैंक स्टार कार्यक्रम के तहत पहले स्वीकृत 100 नए स्कूलों को समग्र शिक्षा के तहत कवर करने के लिए PAB 24-25 में अनुमोदित किया गया है। - हब और स्पोक: 2021 और 22 पब में 5 हब और 15 स्पोक स्वीकृत। 2022-23 में 263 हब और 263 स्पोक स्वीकृत हुए। इस साल कुल 268 हब और 278 स्पोक स्कूल लागू किए गए हैं।			
ओडिशा में व्यावसायिक व्यापार / क्षेत्र	- परिधान, कृषि, मोटर वाहन, सौंदर्य और कल्याण, निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर, खाद्य प्रसंस्करण, आईटी-आईटीईएस, खुदरा, नलसाजी, पर्यटन और आतिथ्य। - स्कूलों में कुल 12 सेक्टर चल रहे हैं और ओडिशा में 22 जॉब रोल उपलब्ध हैं।			
प्रभावित स्कूलों के प्रकार:	1001 माध्यमिक विद्यालय 60 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय।			
ओडिशा में व्यावसायिक प्रशिक्षकों की संख्या	2122 व्यावसायिक प्रशिक्षक (VTs)			
नामांकन(2024-25)	श्रेणी	समुदाय नामांकन	लड़कों	लड़कियों
	9 th	69298	38218	31080
	10 th	64318	36345	27973
	11 th	4156	1838	2318
	12 th	3960	1944	2016
लैब स्थिति सेट करें	1344 प्रयोगशालाओं में दोनों ट्रेडों के लिए पूरी तरह कार्यात्मक व्यावसायिक प्रयोगशालाएं हैं। 778 वीई लैब सेटअप प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है। - सभी 1061 स्कूलों में मिनी लैब स्थापित टूल किट है।			



कृषि



मोटर वाहन



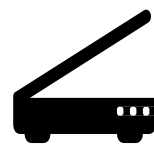
परिधान



सुंदरता और तंदुरुस्ती



दूरसंचार



इलेक्ट्रॉनिक्स



खाद्य प्रसंस्करण



नलसाजी



पर्यटन और
आतिथ्य



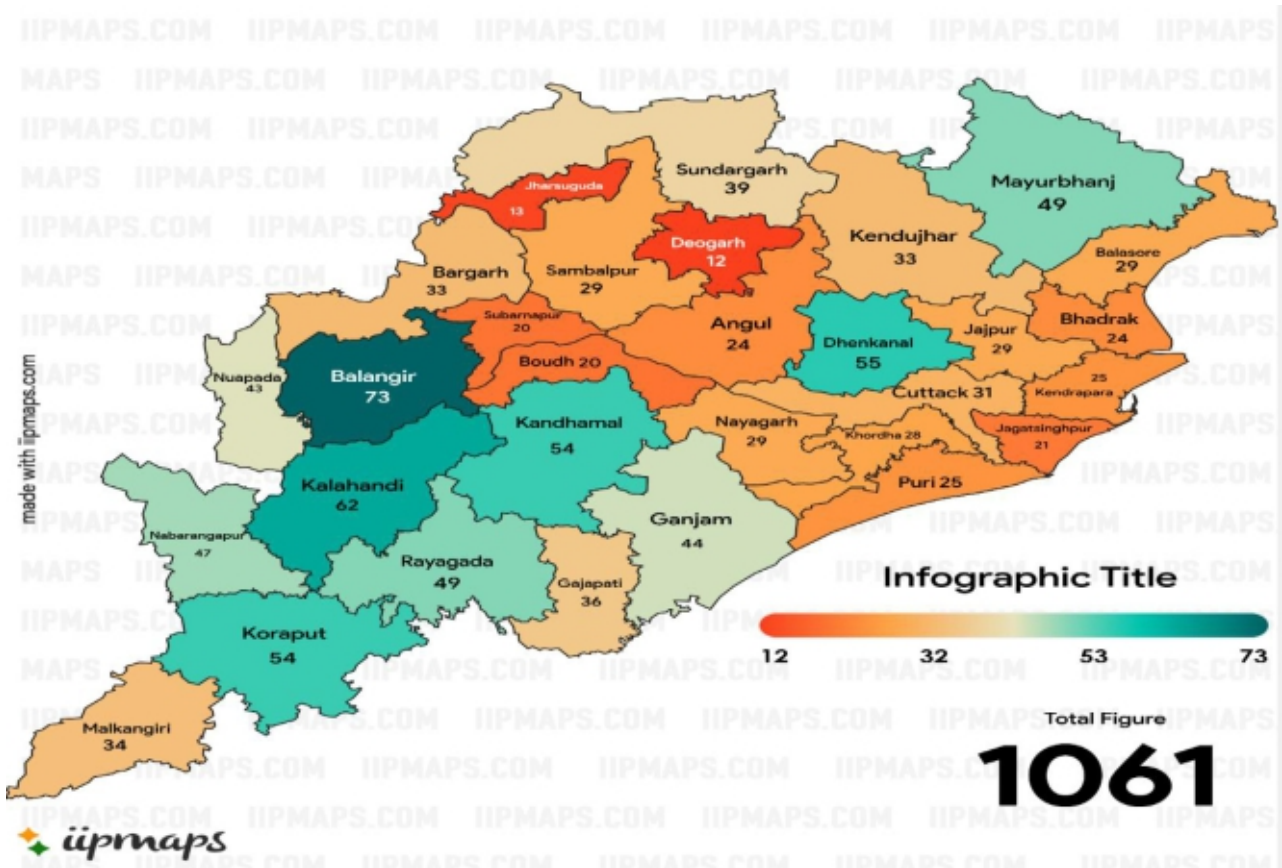
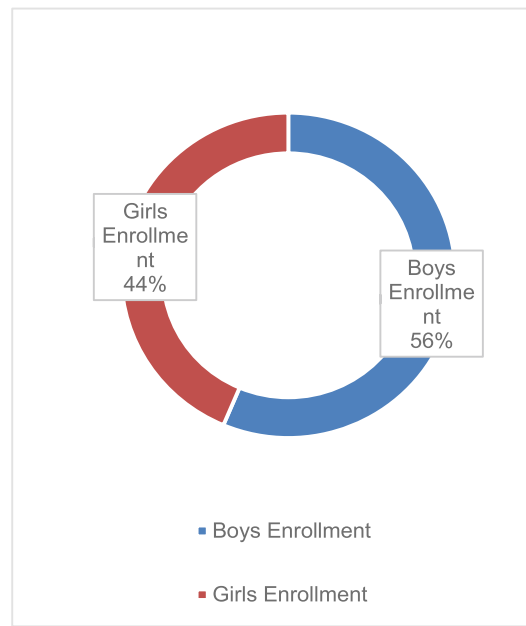
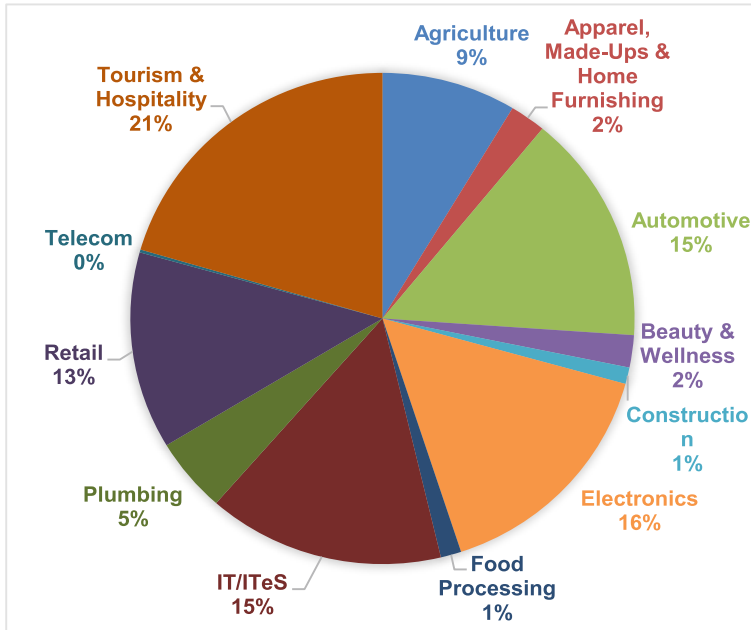
वाक्य-रचना



आईटी/आईटीईएस



रिटेल





१०६१ स्कूलों में ट्रेडों का वितरण नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	विभाग	व्यापार-वार स्कूलों की संख्या	नौकरी की भूमिका
1	कृषि	11	माइक्रो सिंचाई तकनीशियन,
		172	सोलैनेशियस क्रॉप कल्टीवेटर
2	परिधान, मेड-अप और होम फर्निशिंग	49	सिलाई मशीन ऑपरेटर
3	मोटर वाहन	306	मोटर वाहन सेवा तकनीशियन एल -3,
		15	मोटर वाहन सेवा तकनीशियन एल -3,
4	सौंदर्य और कल्याण	40	सहायक सौंदर्य चिकित्सक
		5	सौंदर्य चिकित्सक
5	वाक्य-रचना	15	सहायक मेसन
		6	निर्माण चित्रकार और डेकोरेटर
		2	जनरल मेसन
6	इलेक्ट्रॉनिक्स	322	जूनियर फील्ड तकनीशियन घरेलू उपकरण
		10	वायरमैन - नियंत्रण कक्ष
7	खाद्य प्रसंस्करण	15	बेकिंग तकनीशियन
		13	क्राफ्ट बेकर
8	आईटी/आईटीईएस	8	CRM घरेलू आवाज,
		314	घरेलू डाटा एंट्री ऑपरेटर
9	नलसाजी	97	प्लम्बर (सामान्य) – द्वितीय
		7	प्लम्बर (सामान्य) – द्वितीय
10	रिटेल	15	खुदरा बिक्री सहयोगी
		261	स्टोर संचालन सहायक
11	दूरसंचार	4	ऑप्टिकल फाइबर splicer
12	पर्यटन और आतिथ्य	28	काउंटर सेल्स एक्जीक्यूटिव
		407	खाद्य पेय सेवा प्रशिक्षु
	महायोग	2122	



वर्ष २०२४ में की गई गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं

१. व्यावसायिक पुस्तक विकास के लिए पुस्तक कार्यशाला

२०२५ से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई) माध्यमिक छात्रों के लिए व्यावसायिक पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ सामग्री के विकास और मुद्रण के लिए जिम्मेदार होगा। ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) एक समर्पित समिति के गठन के लिए बीएसई को विषय विशेषज्ञों की एक सूची प्रदान करेगा।

वर्तमान में, कक्षा ९ के लिए ९ छात्र पाठ्यपुस्तकें; कक्षा १० के लिए ५ छात्र पाठ्यपुस्तकें पीएसएससीआईवीई वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

अभ्यास के अनुसार, ओडिशा में, हमें छात्र संदर्भ हैंडबुक विकसित करने की आवश्यकता है, जिसके लिए पीएसएससीआईवीई द्वारा किताबें प्रकाशित नहीं की गई हैं और छात्रों को प्रकाशन और वितरण के लिए पीएसएससीआईवीई पाठ्यपुस्तकों को ओडिया भाषा में अनुवाद किया गया है।

व्यावसायिक शिक्षा विषयों के लिए बीएसई में एक व्यापार-वार पाठ्यक्रम समिति पहले ही आधिकारिक तौर पर गठित की जा चुकी है। इस समिति में व्यावसायिक प्रशिक्षकों के साथ-साथ शैक्षिक संस्थानों और उद्योगों के विषय विशेषज्ञ शामिल हैं, ताकि उच्च गुणवत्ता, पाठ्यक्रम-संरेखित पाठ्यपुस्तकों का विकास सुनिश्चित किया जा सके और बीएसई द्वारा आवश्यक अन्य संबंधित गतिविधियों का समर्थन किया जा सके।

चरण - १: प्री-वर्कशॉप - १ दिन

- व्यावसायिक शिक्षा के लिए बीएसई में एक व्यापार-वार पाठ्यक्रम समिति का गठन किया गया है।
- प्रत्येक समिति पाठ्यचर्या/पाठ्य पुस्तकों/संदर्भ पुस्तकों की आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्य पुस्तकों के एक भाग का प्रारूपण करने के लिए उत्तरदायी थी।
- समिति ने एक समिति संयोजक को उनके अनुभव और वरिष्ठता के बारे में विषय विशेषज्ञ के रूप में पहचान की है।
- समिति ने दिन के अंत में पुस्तकों के विकास और प्रारूपण का विवरण देते हुए एक कार्यवाही प्रस्तुत की है।
- समिति के सदस्य पुस्तिका को अंतिम रूप देते समय उनके संदर्भ के लिए PSSCIVE पाठ्यक्रम के साथ संरेखित करने के लिए उपलब्ध मसौदा प्रतियों / पाठ्यपुस्तकों का अनुवाद करते हैं।
- समिति को ३० दिनों के भीतर मसौदा पूरा करने का निर्देश दिया गया था, और व्यापार की पाठ्यपुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए पुस्तक कार्यशाला के ३ दिन शुरू करने के लिए निर्देशित किया गया था।

चरण - २: ३ दिनों की कार्यशाला

- समिति के सभी सदस्यों ने अपनी अंतिम पांडुलिपियां माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को सौंप दी।
- समिति के सदस्य पुस्तिका को अंतिम रूप देते समय उपलब्ध प्रारूप प्रतियों को PSSCIVE पाठ्यक्रम के साथ उनके संदर्भ के लिए अनुवाद करते हैं।

- समिति के सदस्यों को अपने अंतिम प्रारूप की जांच करनी थी और कोई आवश्यक संशोधन करना था।
- विषय-वस्तु विशेषज्ञ तैयार किए गए प्रारूप का पूर्वावलोकन करेंगे और प्रारूप को अंतिम रूप देने पर अनुमोदन प्रदान करेंगे।
- प्रत्येक समिति ड्राफ्ट की समीक्षा करने और किसी भी आवश्यक भाषा सुधार का सुझाव देने के लिए एक भाषा विशेषज्ञ से जुड़ी हुई थी।
- समिति द्वारा तैयार और अनुमोदित की जाने वाली अंतिम पांडुलिपि।

पांडुलिपि पर समिति के सदस्यों और अधिकृत कर्मियों द्वारा हस्ताक्षर किए जाने और डीटीपी और प्रिंटिंग के लिए भेजा जाना है।







२ व्यावसायिक प्रशिक्षकों की क्षमता निर्माण

२१२० व्यावसायिक प्रशिक्षकों के लिए १२ दिवसीय इन-सर्विस प्रशिक्षण कार्यक्रम को तीन स्थानों पर ५ ट्रेडों के लिए १५ बैचों में निष्पादित किया गया था: जाटनी, खोरधा, और परलाखेमुंडी, गजपति जिले में सेंटुरियन विश्वविद्यालय और भुवनेश्वर में विश्व कौशल केंद्र। प्रत्येक बैच को प्रत्येक क्षेत्र में व्यावसायिक प्रशिक्षकों की संख्या के अनुरूप न्यूनतम ४५ प्रतिभागियों को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों को समायोजित करने के लिए सावधानीपूर्वक बनाई गई थी ताकि सहकर्मि बातचीत और कनेक्शन को प्रोत्साहित किया जा सके। विभिन्न ट्रेडों के लिए तीन परिसरों को कवर करने वाले दो संस्थानों को चरणबद्ध तरीके से निष्पादित किया गया था।

- विश्व कौशल केंद्र, भुवनेश्वर: जून २४, २०२४ से अगस्त ८, २०२४ तक प्रशिक्षण, नलसाजी पर केंद्रित, इलेक्ट्रॉनिक्स, और सौंदर्य और कल्याण।



- सेंटुरियन विश्वविद्यालय: २४ जून, २०२४ से २ अगस्त, २०२४ तक कृषि को कवर करते हुए प्रशिक्षण, परिधान, मोटर वाहन, निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, आईटी / आईटीईएस, खुदरा, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, और पर्यटन और आतिथ्य।

व्यापक लागत विश्लेषण

एक व्यापक लागत विश्लेषण ने कुशल संसाधन उपयोग सुनिश्चित किया।

लागत संरचना में शामिल हैं:

- प्रशिक्षण हॉल प्रभार: प्रत्येक स्थान पर प्रशिक्षण हॉल के उपयोग के लिए विस्तृत खर्च।
- व्यावसायिक लैब्स: उल्लिखित ट्रेडों में व्यावहारिक कक्षाओं के लिए उन्नत प्रयोगशालाओं की उपलब्धता।
- आवास लागत: प्रत्येक प्रतिभागी के रहने के लिए प्रति-दिन शुल्क, आराम और सुविधा सुनिश्चित करना।
- खाद्य व्यय: सभी प्रतिभागियों को नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना प्रदान करने के लिए लागत। संसाधन व्यक्ति शुल्क: प्रशिक्षण सत्रों का संचालन करने वाले विशेषज्ञों के लिए मुआवजा।

विशेषज्ञता का लाभ उठाएं

पर्याप्त विशेषज्ञता वाले संसाधन व्यक्तियों की पहचान और उन्हें शामिल करना कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक था। इन विशेषज्ञों ने अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की, व्यावहारिक ज्ञान साझा किया, और इंटरैक्टिव सत्रों की सुविधा प्रदान की, सभी प्रतिभागियों के लिए सीखने के अनुभव को समृद्ध किया।

विविध और प्रासंगिक प्रशिक्षण मॉड्यूल

प्रशिक्षण कार्यक्रम की सामग्री को सावधानीपूर्वक क्षेत्रों और ट्रेडों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जो व्यावसायिक प्रशिक्षकों की विभिन्न आवश्यकताओं के लिए इसकी प्रासंगिकता सुनिश्चित करता है। प्रशिक्षण मॉड्यूल शामिल हैं:

- शिक्षण पद्धति: शिक्षण प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीक।
- छात्र-कक्षा प्रबंधन: प्रभावी कक्षा प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ।
- शैक्षणिक गतिविधियाँ: सीखने के अनुभव को समृद्ध करने के लिए अकादमिक गतिविधियों में संलग्न होना।
- कैरियर परामर्श: छात्रों के लिए कैरियर विकास पर मार्गदर्शन।
- उद्योग के रुझान: प्रशिक्षकों को अपडेट रखने के लिए वर्तमान उद्योग के रुझानों में अंतर्दृष्टि।
- एक्जिट सर्वेक्षण और प्रकाश से बाहर निकलें: निरंतर सुधार सुनिश्चित करने के लिए मूल्यांकन और प्रतिक्रिया तंत्र।

सेंटुरियन विश्वविद्यालय और विश्व कौशल केंद्र द्वारा आयोजित व्यावसायिक प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। जबकि कार्यक्रम अच्छी तरह से प्राप्त और प्रभावशाली था, हाइलाइट किए गए मुद्दों को संबोधित करने से व्यावसायिक प्रशिक्षण की प्रभावशीलता में और वृद्धि होगी और प्रशिक्षकों के पेशेवर विकास का समर्थन होगा। इस प्रकार विभिन्न ट्रेडों में छात्रों को प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। इन चुनौतियों को हल करने के निरंतर प्रयास व्यावसायिक शिक्षा पहलों की समग्र सफलता और स्थिरता में योगदान देंगे।





३. मूल्यांकन और प्रमाणन

राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुसार, विभिन्न व्यावसायिक विषयों के तहत कक्षा १०th और १२th में नामांकित छात्रों द्वारा प्राप्त कौशल का मूल्यांकन उनके व्यापार-विशिष्ट क्षेत्र कौशल परिषदों (SSC) द्वारा किया जाना है। ओडिशा के सभी कवर सरकारी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का मूल्यांकन राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (NSDC) के मार्गदर्शन में संबंधित एसएससी द्वारा किया जाता है।

२०२४ के शैक्षिक सत्र में, सभी ट्रेडों के लिए व्यावसायिक छात्रों का मूल्यांकन २ जनवरी से शुरू किया गया था और १० फरवरी २५ २०२५ को पूरा किया गया था।



व्यावसायिक शिक्षा के तहत कुल छात्रों का मूल्यांकन किया गया

व्यापार का नाम	सेक्टर स्किल काउंसिल	स्तर			कुल विद्यार्थी परीक्षा देते हैं
		ii	iii	iv	
फुटकर	खुदरा क्षेत्र के लिए प्रबंधन और उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद	8649		513	9162
कृषि	भारतीय कृषि क्षेत्र कौशल परिषद	5208		397	5605
परिधान	परिधान निर्मित और गृह फर्निशिंग क्षेत्र कौशल परिषद	1251			1251
सौंदर्य और कल्याण	ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्किल काउंसिल	980		147	1127
इलेक्ट्रॉनिक्स	इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया	9676		336	10012
मोटर वाहन	मोटर वाहन कौशल विकास परिषद		10101	513	10614
आईटी/आईटीईएस	आईटी – आईटीईएस क्षेत्र कौशल परिषद – नैसकॉम	10998		300	11298
पर्यटन और आतिथ्य	पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र कौशल परिषद	13416		928	14344
नलसाजी	भारतीय नलसाजी क्षेत्र कौशल परिषद	3010		238	3248
खाद्य प्रसंस्करण	खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कौशल परिषद	326		383	709
वाक्य-रचना	भारत की निर्माण कौशल विकास परिषद	263		294	557
दूरसंचार	भारतीय दूरसंचार कौशल विकास परिषद	137			137
कुल		53914	10101	4049	68064





४. व्यावसायिक शिक्षा के लिए अतिथि व्याख्यान सत्र

कक्षा ९ से १२ तक के व्यावसायिक छात्रों के लिए सभी ट्रेडों के लिए अतिथि व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए थे, जिसमें स्थानीय औद्योगिक संपदा के उद्योग विशेषज्ञों और पेशेवरों को अतिथि संकाय / संसाधन व्यक्तियों के रूप में काम पर रखा गया था। अतिथि व्याख्याता ने विषयों को वितरित किया और संबंधित व्यापार के व्यावहारिक उपकरणों का प्रदर्शन किया। इससे छात्रों और व्यावसायिक प्रशिक्षकों को बेहतर समझ और सीखने का अनुभव मिलता है। सत्र का मुख्य उद्देश्य संबंधित क्षेत्र में छात्रों को कौशल प्रदान करना और कक्षा और वास्तविक कौशल के बीच के अंतर को भरना है।



५. औद्योगिक दौरे

संबंधित क्षेत्रों में वास्तविक जीवन की स्थिति में शामिल होने के लिए कक्षा ९ से १२ तक के व्यावसायिक छात्रों के लिए सभी ट्रेडों के लिए उद्योग का दौरा किया गया था ताकि वे अपने संबंधित क्षेत्रों में अधिक ज्ञान प्राप्त कर सकें। उद्योग एक कारखाना, एक सेवा केंद्र, एक सरकारी विभाग, अस्पताल या खेत या किसी भी एजेंसी, या उत्पादन या सेवा उन्मुख छोटे और सूक्ष्म प्रतिष्ठानों में लगे व्यक्ति हो सकते हैं जो छात्रों को वांछित व्यावसायिक विशेषज्ञता प्रदान करने की क्षमता रखते हैं। एक विशेष व्यवसाय। यह यात्रा पाठ्यपुस्तकों का उपयोग किए बिना, स्कूलों से दूर मूल्यवान शैक्षिक अवसर प्रदान करती है। स्कूल के पास के उद्योगों को मैप किया जा सकता है और तदनुसार यात्राओं की योजना बनाई जा सकती है। यह व्यावहारिक प्रदर्शन और वास्तविक दुनिया के संदर्भ प्रदान करके कक्षा सीखने को पूरक करता है। वे सिद्धांत और अभ्यास के बीच के अंतर को पुल करते हैं, छात्रों को अपने भविष्य के करियर के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और कौशल से लैस करते हैं।



६. पूर्व-व्यवसाय गतिविधियाँ

एनईपी २०२० के अनुसार, कक्षा ६ से ८ तक के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा के बाहर की दुनिया से परिचय बढ़ाने और उन्हें व्यावसायिक शिक्षा में प्रवेश के लिए तैयार करने हेतु १० दिन के बैगलेस दिवस लागू किए जा रहे हैं। २०२२-२३ में, १३४८ स्कूलों (समग्र से ८४८ और डब्ल्यूबी स्टार्स से ५००) को पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत शामिल किया गया और ८१७८० छात्रों का नामांकन हुआ।

२०२३ में, २४ ३०४८ स्कूलों को कवर किया गया था, जिसमें सितारों से २१०० और समग्र स्कूलों से ९४८ शामिल थे।



७. हब और स्पोक स्कूल

हब विद्यालयों में वीटी (VTs) द्वारा स्पोक विद्यालयों के लिए सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाएँ संचालित की जानी आवश्यक हैं। प्रयोगशालाओं का उपयोग स्पोक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए किया जाता है तथा जीएल (GL) एवं आईवी (IV) की पहचान हब विद्यालयों के वीटी द्वारा की जाती है। जीएल एवं आईवी हेतु निधि हब विद्यालय को प्रदान की जाती है।

स्पोक विद्यालयों में प्रत्येक ट्रेड में २० विद्यार्थियों का नामांकन किया जाएगा, और परिवहन व्यय हब विद्यालय के एसएनए (एकल नोडल एजेंसी) खाते में दिया जाएगा।

पूर्व में, सत्र २०२१-२२ में प्रत्येक हब विद्यालय के मुकाबले ३ स्पोक विद्यालयों को स्वीकृत किया गया था, जो क्रियान्वयन के लिए कठिन था, अर्थात् ५ हब विद्यालयों के लिए १५ स्पोक विद्यालय। २०२३ १-२४ में, १ हब स्कूलों के खिलाफ स्कूल में बात की, यानी, २६३ हब स्कूलों से २६३ स्पोक स्कूल।



८. विश्व कौशल केंद्र में बच्चों के बूट शिविर

PSSIVE भोपाल द्वारा 19 से 21 दिसंबर, 2024 तक तीन दिनों के लिए विश्व कौशल केंद्र में “नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता पर जागरूकता निर्माण” विषय पर 60 छात्रों के लिए एक बाल बूट शिविर का आयोजन किया गया था। पीएमयू टीम ने छात्र चयन की प्रक्रिया को सुगम बनाया है और विश्व कौशल केंद्र, PSSIVE भोपाल और जिला अधिकारियों के साथ समन्वय कर पूरी कार्यशाला का समन्वय किया है।



९. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क के अनुसार मध्य स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण

30 जनवरी से 1 फरवरी, 2025 तक तीन दिवसीय आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम PSSIVE, भोपाल द्वारा विश्व कौशल केंद्र, भुवनेश्वर में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क के अनुसार मध्य चरण में व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए आयोजित किया गया था। प्रत्येक जिले से प्रधानमंत्री-श्री स्कूलों के 50 शिक्षकों का चयन किया गया और प्रशिक्षण में भाग लिया गया। पीएमयू टीम ने जिला अधिकारियों, विश्व कौशल केंद्र के अधिकारियों और पीएसएससीआईवीई अधिकारियों के साथ समन्वय कर शिक्षकों, यात्रा, आवास आदि के चयन की प्रक्रिया को सुगम बनाया है।





व्यावसायिक गतिविधियों की कुछ झलकियां







16. प्रबंधन सूचना प्रणाली

प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) प्रबंधन और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं की दिशा में कुशल और प्रभावी जानकारी प्रदान करके शैक्षिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। MIS संगठन की दक्षता, प्रभावशीलता और निर्णय लेने की क्षमताओं को बढ़ाता है। यह प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करता है, डेटा प्रबंधन में सुधार करता है, संचार की सुविधा प्रदान करता है, सहयोग करता है और समग्र लक्ष्यों और उद्देश्यों का समर्थन करता है।

समग्र शिक्षा के तहत MIS समय पर सटीक और प्रासंगिक जानकारी प्रदान करके निर्णय लेने की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए विभिन्न हस्तक्षेपों का समर्थन करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्कूल, नामांकन, शिक्षक और सुविधा के बारे में जानकारी जमीनी स्तर से एकत्र की जा रही है और व्यवस्थित दृष्टिकोण में वास्तविक समय के आधार पर अद्यतन की जा रही है।

समग्र शिक्षा के तहत MIS वास्तुकला और स्कोप:

प्रबंधन सूचना प्रणाली इकाई राज्य, 30 जिला परियोजना कार्यालयों और 316 ब्लॉक / शहरी संसाधन केंद्र कार्यालयों में पेशेवर रूप से योग्य कर्मियों और बुनियादी ढांचे के साथ स्थापित की गई है। सभी क्लस्टर संसाधन केंद्र भी CRCC को मजबूत करने के लिए कंप्यूटर और परिधीय से लैस हैं। राज्य, जिला और ब्लॉक एमआईएस कर्मियों को निर्बाध संचार के लिए व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से जोड़ा जाता है और सिस्टम को सुचारू रूप से प्रबंधित किया जाता है। आभासी बैठकों और सम्मेलनों के लिए ब्लॉक शिक्षा कार्यालयों में से कुछ में मिनी सम्मेलन कक्ष स्थापित किए जाते हैं।

समग्र शिक्षा के तहत प्रबंधन सूचना प्रणाली की प्रमुख भूमिकाएं निम्नलिखित हैं:-

डेटा प्रबंधन - एमआईएस विभिन्न डेटाबेस और पोर्टल के माध्यम से बड़ी मात्रा में डेटा को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने में मदद करता है। इसमें छात्रों, शिक्षकों, सुविधाओं, परीक्षाओं और अन्य प्रशासनिक जानकारी से संबंधित डेटा एकत्र करना, संग्रहीत करना, व्यवस्थित करना और पुनर्प्राप्त करना शामिल है।

1. **सूचना सुगमता:** एमआईएस प्रशासकों, शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के लिए सूचना तक आसान पहुँच प्रदान करता है। यह हितधारकों को किसी भी समय स्थान-वार स्कूली शिक्षा, पहुँच, प्रतिधारण, परिवर्तन, स्कूल छोड़ने, बुनियादी ढाँचे की स्थिति, छात्र प्रदर्शन आदि से संबंधित प्रासंगिक डेटा और रिपोर्ट प्राप्त करने की अनुमति देता है।
2. **प्रशासनिक सहायता:** एमआईएस प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित करने में सहायता करता है, जिसमें छात्र प्रवेश, नामांकन, शिक्षकों का युक्तिकरण और संसाधन आवंटन शामिल हैं। यह नियमित प्रशासनिक प्रक्रियाओं को स्वचालित करता है, कागजी कार्रवाई को कम करता है और समग्र परिचालन दक्षता में सुधार करता है।
3. **निर्णय सहायता:** एमआईएस प्रशासकों और नीति निर्माताओं को निर्णय सहायता प्रणाली प्रदान करता है। यह रिपोर्ट, विश्लेषण और अंतर्दृष्टि उत्पन्न करता है जो पाठ्यक्रम विकास, संसाधन आवंटन, बजट और रणनीतिक योजना से संबंधित निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सहायता करते हैं।
4. **प्रदर्शन मूल्यांकन:** एमआईएस विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाता है। यह व्यक्तिगत छात्र प्रदर्शन का आकलन करने, शिक्षक प्रभावशीलता की निगरानी करने और निर्धारित लक्ष्यों और मानदंडों के विरुद्ध समग्र संस्थागत प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में मदद करता है।





५. **संसाधन नियोजन और प्रबंधन:** एमआईएस संगठन को संसाधनों की प्रभावी ढंग से योजना बनाने और प्रबंधन करने में मदद करता है। यह शैक्षिक सामग्री, जैसे किताबें, उपकरण और तकनीक, के इन्वेंट्री प्रबंधन में सहायता करता है। यह बजट, खरीद और व्यय ट्रैकिंग आदि सहित वित्तीय प्रबंधन में भी सहायता करता है।

MIS के तहत डेटाबेस और ई-गवर्नेंस गतिविधियां:

- शिक्षा प्लस के लिये एकीकृत डिजिटल सूचना प्रणाली (UDISE+):** समय पर और सटीक डेटा ठोस और प्रभावी योजना एवं निर्णय लेने का आधार है। इसके लिए, एक अच्छी तरह से काम करने वाली सतत शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली की स्थापना आज अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिशा में, एक अच्छी तरह से कार्यरत सतत शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली की स्थापना आज अत्यंत महत्वपूर्ण है। **UDISE+** स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सबसे बड़ी प्रबंधन सूचना प्रणालियों में से एक है। ओडिशा ने **UDISE+** प्लेटफॉर्म पर ६१५६४ नं स्कूलों में ३४१२९३ शिक्षकों और राज्य के बच्चों की ७८,१७,७०५ संख्या। **UDISE+** ऑनलाइन है और प्री-प्राइमरी से कक्षा XII तक औपचारिक शिक्षा प्रदान करने वाले सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों से २०१८-१९ से वास्तविक समय में डेटा एकत्र कर रहा है। **UDISE+** के माध्यम से एकत्र की गई जानकारी का उपयोग योजना बनाने, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने और विभिन्न शिक्षा से संबंधित कार्यक्रमों को लागू करने और प्रगति का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह स्कूल के प्रदर्शन से संबंधित महत्वपूर्ण KPI पर नज़र रखता है, मापता है और ट्रैक रखता है। २०२४-२५ के दौरान, **UDISE+** प्लेटफॉर्म को सभी स्कूल-नामांकित छात्रों के लिए एक अद्वितीय, आजीवन १२-अंक पहचानकर्ता प्रदान करने के लिए स्वचालित स्थायी अकादमिक खाता रजिस्ट्री (आपार) आईडी उत्पन्न करने के लिए अत्यधिक मजबूत किया गया है। एपीएएआर आईडी डिगिलोकर इकोसिस्टम तक पहुंचने के लिए प्रवेश द्वार होगा जो छात्रों को परीक्षा परिणाम, समग्र रिपोर्ट कार्ड, सीखने के परिणामों जैसे छात्रों की सभी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहीत करने की अनुमति देगा, इसके अलावा छात्रों की अन्य उपलब्धियों के अलावा यह ओलंपियाड, खेल, कौशल प्रशिक्षण या कोई भी क्षेत्र हो। छात्र भविष्य में अपनी उच्च शिक्षा या रोजगार के उद्देश्य के लिए क्रेडिट स्कोर का उपयोग कर सकते हैं। ओडिशा ने वर्ष २०२४-२५ के लिए छात्र विवरण के साथ **UDISE+** पोर्टल में ६६% आपार आईडी जनरेशन पूरा कर लिया है। एकीकृत स्वचालन प्रणाली (यूएस) के तहत वास्तविक समय के आधार पर विभिन्न अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए छात्र-वार जानकारी उपलब्ध कराई गई है।
- एसेट एंड फंड मैनेजमेंट (एफएम):** समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत सभी सिविल कार्यों की प्रगति की ऑनलाइन निगरानी के लिए OMBADC, Mo School, PR & DW Department, RD Department, Asset & Fund Management Application जैसे कई स्रोतों को विकसित किया गया है। घटक वार भौतिक और वित्तीय लक्ष्य राज्य स्तर द्वारा एफएम में अपलोड किए गए। राज्य, जिला और block.it में संबंधित गतिविधियों के खिलाफ मासिक शारीरिक और वित्तीय स्थिति स्कूलों को सौंपे गए सिविल कार्यों की प्रगति की निगरानी करने में मदद करती है, पूरा होने के साथ-साथ निधि प्रबंधन और यूसी संग्रह के लिए लंबे समय से लंबित सिविल कार्यों में तेजी लाने में मदद करती है।
- उपस्थिति ऐप:** सभी सरकार के शिक्षक और छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति के लिए। और सरकार। सहायता प्राप्त प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय, उपस्थिति ऐप विकसित किया गया है। प्रत्येक कार्य दिवस में एचएम उपस्थिति मोबाइल एप्लिकेशन में लॉगिन करेगा और प्रत्येक वर्ग के लिए कक्षा शिक्षक आवंटित करेगा और तदनुसार संबंधित कक्षा शिक्षक संबंधित कक्षा / अनुभाग के छात्रों के साथ नाम से अपनी उपस्थिति बनाते हैं। यह स्कूल के शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति को देखने के लिए आवश्यक है।
- बाल ट्रेकिंग सर्वेक्षण २०२५**
शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, २००९ में कहा गया है कि स्कूल से बाहर के सभी बच्चों (OoSC) को आयु-उपयुक्त प्रवेश और विशेष प्रशिक्षण सहायता के माध्यम से मुख्यधारा में लाया जाना चाहिए। इसके साथ ही, NEP २०२० शिक्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक नामांकन और निर्बाध संक्रमण की कल्पना करता है, जो प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। NEP २०२० का अध्याय ३ ड्रॉपआउट दरों को कम करने और सभी स्तरों पर शिक्षा के लिए सार्वभौमिक सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। ओडिशा में, लगभग ४८,०४४ बच्चों को वर्तमान में यूडीआईएसई + के ड्रॉपबॉक्स में ड्रॉप-आउट के रूप में चिह्नित किया गया है। नामांकन में अंतराल की पहचान करना और OoSC को स्कूल में वापस लाना इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।



इसका समर्थन करने के लिए, स्कूल और जन शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार, ओओएससी की पहचान करने और उन्हें अभियान मोड में मुख्यधारा में लाने के लिए एक व्यापक डोर-टू-डोर चाइल्ड ट्रेकिंग सर्वेक्षण आयोजित कर रहा है।

इस योजना के प्रमुख उद्देश्य हैं

1. प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तरों पर स्कूल से बाहर के बच्चों की पहचान करना।
2. UDISE+ के ड्रॉपबॉक्स में ड्रॉपआउट के रूप में चिह्नित बच्चों की स्थिति को मान्य करना।
3. लक्षित हस्तक्षेपों के लिए विशेष आवश्यकताओं (सीडब्ल्यूएसएन) वाले बच्चों के विवरण को कैप्चर करना।
4. विभिन्न क्षेत्रों में बहुभाषी शिक्षा (MLE) की आवश्यकता का आकलन करना।

यह २००५ के बाद से पहला ऐसा सर्वेक्षण है और एनईपी २०२० को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, विशेष रूप से इसके अध्याय ३, जो मजबूत बाल ट्रेकिंग, समावेशी शिक्षा पर जोर देता है, और "आस स्कूल जिबा" अभियान के माध्यम से हर बच्चे को शिक्षा प्रणाली में मुख्यधारा में लाने पर जोर देता है।

१७. आस स्कूल जिबा अभियान के लिए बाल ट्रेकिंग सर्वेक्षण

राज्य भर में स्कूल से बाहर के बच्चों (OoSC) की पहचान, मुख्यधारा और रोकथाम के लिए एक डोर-टू-डोर जनगणना सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। यह २००५ के बाद पहला ऐसा सर्वेक्षण है और NEP २०२० को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, विशेष रूप से इसके अध्याय ३, जो मजबूत बाल ट्रेकिंग, समावेशी शिक्षा पर जोर देता है, और प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्रणाली में मुख्यधारा में लाने पर जोर देता है।

१. उद्देश्य

PTM के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तरों पर OoSC की पहचान करने के लिए।
- लक्षित हस्तक्षेपों के लिए विशेष आवश्यकताओं (सीडब्ल्यूएसएन) वाले बच्चों के विवरण को कैप्चर करना।
- विभिन्न क्षेत्रों में बहुभाषी शिक्षा (MLE) की आवश्यकता का आकलन करना।

२. सर्वेक्षण के तौर-तरीके

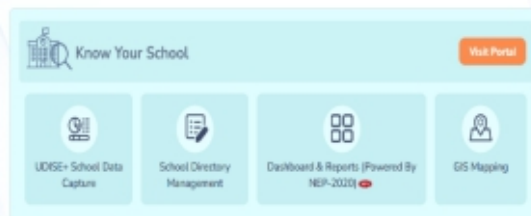
सर्वेक्षण एक संरचित और चरणबद्ध दृष्टिकोण का उपयोग करके आयोजित किया गया था, जिसमें निम्नलिखित तौर-तरीके शामिल थे:

- राज्य-स्तरीय अभिविन्यास: सभी अधिकारियों को कार्यान्वयन में स्पष्टता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए सर्वेक्षण के उद्देश्यों, पद्धतियों और अपेक्षित परिणामों पर प्रशिक्षण और अभिविन्यास प्रदान किया गया था।
- Habitation मानचित्रण: जिले, ब्लॉक और क्लस्टर स्तरों पर प्रत्येक बस्ती को व्यवस्थित रूप से निकटतम स्कूलों में मैप किया गया था। इससे स्कूलों की पहुंच के भीतर बच्चों की सटीक पहचान सुनिश्चित हुई और अतिरिक्त शैक्षिक सुविधाओं की आवश्यकता वाले क्षेत्रों का पता चला।
- शिक्षक मैपिंग: शिक्षकों को क्षेत्र के आकार और आबादी के आधार पर विशिष्ट बस्तियों में मैप किया गया था। इस आवंटन ने जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण प्रक्रिया की जवाबदेही और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की।
- डेटा संग्रह: सर्वेक्षणकर्ताओं ने घरेलू स्तर के डेटा को कैप्चर करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया, जिसे प्रत्येक जिले के लिए एक्सेल फाइलों के रूप में निर्यात किया गया था। इसने ऑफ़लाइन मोड और मानकीकृत डेटा संग्रह की अनुमति दी।
- संकलन पायलट: एक ब्लॉक के लिए प्रक्रिया का परीक्षण और सत्यापन करने के लिए एक पायलट संकलन आयोजित किया गया था। सटीकता में

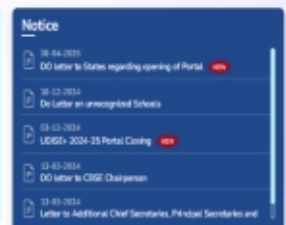
UDISE+

The Unified District Information System for Education Plus is an educational management information system under the Department of School Education & Literacy, Ministry of Education under the Government of India. UDISE+ functions as a central platform that enables respective schools to efficiently record and submit data related to its profile (infrastructure & facilities), individual students and teachers' details. This is done in real-time made by all recognised schools that provide formal and special education in any of the school categories (that is, from pre-primary to higher secondary levels) throughout the country each academic year. The recorded data is validated by the MLE and other designated officials at the block, district and state levels, and monitored at four levels, including the national.

This makes UDISE+ one of the largest management information systems for credible information collection mechanisms and serves as the official statistics of the Ministry of Education.



Schools, Teachers and Students Statistics As Per Academic Year 2023-24





सुधार के लिए पायलट से मिली सीख को राज्य-व्यापी संकलन में शामिल किया गया था।

- राज्य स्तरीय संकलन: सभी जिला डेटा फाइलों को विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करके राज्य स्तर पर संकलित और समेकित किया गया था। इस कदम ने प्रारूपों को मानकीकृत करने और डेटा अखंडता सुनिश्चित करने में मदद की।
- डेटा विश्लेषण: संकलित डेटासेट को डैशबोर्ड और विस्तृत विश्लेषण के विकास के लिए आईआईटी मद्रास को भेजा गया था, जिससे क्षेत्रों में रुझानों और पैटर्न के दृश्य को सक्षम किया जा सके।

३. मुख्यधारा रणनीतियों

स्कूल से बाहर के बच्चों को मुख्यधारा में लाने के लिए, निम्नलिखित रणनीतियों की सिफारिश की गई है:

- प्रवेश:
 - आयु-उपयुक्त कक्षाओं में।
 - व्यावसायिक संस्थानों (आईटीआई, पॉलिटेक्निक) में।
 - SIOS/NIOS में
 - आवासीय छात्रावासों में (KGBV, PM JANMAN, DA-JGUA, NSCBAV, SSD हॉस्टल, सीडब्ल्यूएसएन के लिए विशेष स्कूल)।
 - घर आधारित शिक्षा
- ब्रिज कार्यक्रम
 - प्राथमिक ग्रीष्मकालीन शिक्षण शिविर, अतिरिक्त कक्षाएं, माता-पिता का समर्थन।
 - माध्यमिक कक्षा ९ के लिए सीखने के कैप्सूल, सहकर्मि समर्थित अतिरिक्त कक्षाएं।
 - उच्चतर माध्यमिक: २-३ महीने के शिक्षण शिविर और विस्तारित कक्षाएं।

४. सामुदायिक लामबंदी

सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा:

- जन प्रतिनिधियों की भागीदारी।
- विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठकें (पीटीएम)।
- पदयात्रा और शिक्षा सभाएं।
- प्रवेश ड्राइव और सम्मान समारोह।
- माताओं के समूहों को संगठित करना।

५. रोकथाम और स्थिरता

शिक्षा की स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, निम्नलिखित चरणों की सिफारिश की गई है:

- बच्चों को ट्रैक किया गया, जिसमें फिर से नामांकित छात्र शामिल थे।
- एक-एक मेंटरशिप प्रदान की गई थी।
- जोखिम वाले छात्रों को हस्तक्षेप के लिए जल्दी पहचाना गया था।

६. आगे का रास्ता

इस सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा साक्ष्य-आधारित योजना और भविष्य के हस्तक्षेप के लिए एक आधार के रूप में काम करेंगे।

प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:

- नीति निर्माण के लिए ड्रॉपआउट प्रवृत्तियों का दृश्य और विश्लेषण।
- शिशु वाटिका की तैयारी के माध्यम से बचपन की शिक्षा को मजबूत करना।
- आवासीय विद्यालय सुविधाओं (केजीबीवी, हॉस्टल) का विस्तार और बढ़ाना।
- SIOS और व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से लचीला सीखने के रास्ते प्रदान करना।
- जोखिम वाले छात्रों की पहचान और समर्थन के लिए शिक्षक प्रशिक्षण।
- स्थानीय अभियानों के लिए क्षेत्र-विशिष्ट ड्रॉपआउट विश्लेषण।
- संसाधन मूल्यांकन के आधार पर सीडब्ल्यूएसएन के लिए अनुरूप हस्तक्षेप।
- बुनियादी ढांचा विकास: जहां आवश्यक हो, नए स्कूलों का उन्नयन, समेकन और स्थापना।



17. आस स्कूल जिबा अभियान के लिए बाल ट्रेकिंग सर्वेक्षण

राज्य भर में स्कूल से बाहर के बच्चों (OOSC) की पहचान, मुख्यधारा और रोकथाम के लिए एक डोर-टू-डोर जनगणना सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। यह २००५ के बाद पहला ऐसा सर्वेक्षण है और NEP २०२० को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, विशेष रूप से इसके अध्याय ३, जो मजबूत बाल ट्रेकिंग, समावेशी शिक्षा पर जोर देता है, और प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्रणाली में मुख्यधारा में लाने पर जोर देता है

१. उद्देश्य

PTM के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तरों पर OOSC की पहचान करने के लिए।
- लक्षित हस्तक्षेपों के लिए विशेष आवश्यकताओं (सीडब्ल्यूएसएन) वाले बच्चों के विवरण को कैप्चर करना।
- विभिन्न क्षेत्रों में बहुभाषी शिक्षा (MLE) की आवश्यकता का आकलन करना।

२. सर्वेक्षण के तौर-तरीके

सर्वेक्षण एक संरचित और चरणबद्ध दृष्टिकोण का उपयोग करके आयोजित किया गया था, जिसमें निम्नलिखित तौर-तरीके शामिल थे:

- राज्य-स्तरीय अभिविन्यास: सभी अधिकारियों को कार्यान्वयन में स्पष्टता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए सर्वेक्षण के उद्देश्यों, पद्धतियों और अपेक्षित परिणामों पर प्रशिक्षण और अभिविन्यास प्रदान किया गया था।
- Habitation मानचित्रण: जिले, ब्लॉक और क्लस्टर स्तरों पर प्रत्येक बस्ती को व्यवस्थित रूप से निकटतम स्कूलों में मैप किया गया था। इससे स्कूलों की पहुंच के भीतर बच्चों की सटीक पहचान सुनिश्चित हुई और अतिरिक्त शैक्षिक सुविधाओं की आवश्यकता वाले क्षेत्रों का पता चला।
- शिक्षक मैपिंग: शिक्षकों को क्षेत्र के आकार और आबादी के आधार पर विशिष्ट बस्तियों में मैप किया गया था। इस आवंटन ने जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण प्रक्रिया की जवाबदेही और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की।
- डेटा संग्रह: सर्वेक्षककर्ताओं ने घरेलू स्तर के डेटा को कैप्चर करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया, जिसे प्रत्येक जिले के लिए एक्सेल फाइलों के रूप में निर्यात किया गया था। इसने ऑफ़लाइन मोड और मानकीकृत डेटा संग्रह की अनुमति दी।
- संकलन पायलट: एक ब्लॉक के लिए प्रक्रिया का परीक्षण और सत्यापन करने के लिए एक पायलट संकलन आयोजित किया गया था। सटीकता में सुधार के लिए पायलट से मिली सीख को राज्य-व्यापी संकलन में शामिल किया गया था।
- राज्य स्तरीय संकलन: सभी जिला डेटा फाइलों को विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करके राज्य स्तर पर संकलित और समेकित किया गया था। इस कदम ने प्रारूपों को मानकीकृत करने और डेटा अखंडता सुनिश्चित करने में मदद की।



- डेटा विश्लेषण: संकलित डेटासेट को डैशबोर्ड और विस्तृत विश्लेषण के विकास के लिए आईआईटी मद्रास को भेजा गया था, जिससे क्षेत्रों में रुझानों और पैटर्न के दृश्य को सक्षम किया जा सके।

३. मुख्यधारा रणनीतियों

स्कूल से बाहर के बच्चों को मुख्यधारा में लाने के लिए, निम्नलिखित रणनीतियों की सिफारिश की गई है:

१. प्रवेश:

- आयु-उपयुक्त कक्षाओं में।
- व्यावसायिक संस्थानों (आईटीआई, पॉलिटेक्निक) में।
- SIOS/NIOS में
- आवासीय छात्रावासों में (KGBV, PM JANMAN, DA-JGUA, NSCBV, SSD हॉस्टल, सीडब्ल्यूएसएन के लिए विशेष स्कूल)।
- घर आधारित शिक्षा

२. ब्रिज कार्यक्रम

- प्राथमिक ग्रीष्मकालीन शिक्षण शिविर, अतिरिक्त कक्षाएं, माता-पिता का समर्थन।
- माध्यमिक कक्षा ९ के लिए सीखने के कैप्सूल, सहकर्मी समर्थित अतिरिक्त कक्षाएं।
- उच्चतर माध्यमिक: २-३ महीने के शिक्षण शिविर और विस्तारित कक्षाएं।

४. सामुदायिक लामबंदी

सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा:

- जन प्रतिनिधियों की भागीदारी।
- विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठकें (पीटीएम)।
- पदयात्रा और शिक्षा सभाएं।
- प्रवेश ड्राइव और सम्मान समारोह।
- माताओं के समूहों को संगठित करना।

५. रोकथाम और स्थिरता

शिक्षा की स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, निम्नलिखित चरणों की सिफारिश की गई है:

- बच्चों को ट्रैक किया गया, जिसमें फिर से नामांकित छात्र शामिल थे।
- एक-एक मेंटरशिप प्रदान की गई थी।
- जोखिम वाले छात्रों को हस्तक्षेप के लिए जल्दी पहचाना गया था।

६. आगे का रास्ता

इस सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा साक्ष्य-आधारित योजना और भविष्य के हस्तक्षेप के लिए एक आधार के रूप में काम करेंगे।

प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:

- नीति निर्माण के लिए ड्रॉपआउट प्रवृत्तियों का दृश्य और विश्लेषण।
- शिशु वाटिका की तैयारी के माध्यम से बचपन की शिक्षा को मजबूत करना।
- आवासीय विद्यालय सुविधाओं (केजीबीवी, हॉस्टल) का विस्तार और बढ़ाना।
- SIOS और व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से लचीला सीखने के रास्ते प्रदान करना।
- जोखिम वाले छात्रों की पहचान और समर्थन के लिए शिक्षक प्रशिक्षण।
- स्थानीय अभियानों के लिए क्षेत्र-विशिष्ट ड्रॉपआउट विश्लेषण।
- संसाधन मूल्यांकन के आधार पर सीडब्ल्यूएसएन के लिए अनुरूप हस्तक्षेप।
- बुनियादी ढांचा विकास: जहां आवश्यक हो, नए स्कूलों का उन्नयन, समेकन और स्थापना।





18. डिजिटल पहल एवं आईसीटी

१ गतिविधि आईसीटी

उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) प्रयोगशाला की स्थापना।

अवलोकन

स्कूली शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों आईसीटी पर भारत की राष्ट्रीय नीति (२०१२) और व्यापक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० का उद्देश्य शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) को एकीकृत करना है ताकि पहुंच, गुणवत्ता और दक्षता को बढ़ाया जा सके। प्रमुख पहलुओं में डिजिटल बुनियादी ढांचे का विकास, विभिन्न भाषाओं में गुणवत्ता वाली डिजिटल सामग्री प्रदान करना, सेवा में पेशेवर विकास दोनों के लिए आईसीटी कौशल में शिक्षकों को प्रशिक्षण देना और छात्रों और शिक्षकों के बीच अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है। आईसीटी, आईसीटी सक्षम शिक्षा के लिए शिक्षार्थी केंद्रित और न्यायसंगत पहुंच पर जोर देता है, सभी के लिए डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देता है, और एक वैश्विक ज्ञान समाज के लिए छात्रों को तैयार करता है।



मुख्य उद्देश्य

- **डिजिटल साक्षरता और कौशल:** आईसीटी में छात्रों और शिक्षकों को कुशल बनाने के लिए, उन्नत डिजिटल क्षमता के लिए बुनियादी साक्षरता से आगे बढ़ना।
- **बुनियादी ढांचे का विकास** विश्वसनीय इंटरनेट कनेक्टिविटी और बिजली आपूर्ति सहित स्कूलों में मजबूत आईसीटी बुनियादी ढांचे की स्थापना।
- **डिजिटल सामग्री निर्माण:** विभिन्न सीखने की जरूरतों का समर्थन करने के लिए विभिन्न भाषाओं में उच्च गुणवत्ता, प्रासंगिक और सुलभ डिजिटल सामग्री का विकास और प्रदान करना।



- **शिक्षक क्षमता निर्माण:** शिक्षण, प्रशासन और अपने स्वयं के पेशेवर विकास के लिए आईसीटी उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए कौशल के साथ शिक्षकों को लैस करना।
- **समान पहुंच:** यह सुनिश्चित करना कि आईसीटी-सक्षम शैक्षिक संसाधन और अवसर सभी शिक्षार्थियों के लिए सुलभ हैं, जिनमें दूरस्थ और हाशिए वाले समुदाय शामिल हैं।
- **नवाचार और अनुसंधान:** शैक्षिक उद्देश्यों के लिए आईसीटी के उपयोग में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करना।

प्रमुख घटक और रणनीतियाँ

- **नीति मार्गदर्शक सिद्धांत:** यह नीति सीखने वाले और सीखने वाले केंद्रित सीखने, पहुंच, इच्छिटी, जवाबदेही और सहयोग जैसे सिद्धांतों पर बनाई गई है।
- **आईसीटी-सक्षम स्कूल:** सर्वव्यापी आईसीटी-सक्षम स्कूलों के लिए लक्ष्य जो छात्रों और व्यापक समुदाय के लिए सूचना केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।
- **सामग्री भंडार:** शिक्षकों के नेतृत्व में सहयोगी सामग्री विकास पर ध्यान देने के साथ शैक्षिक संसाधनों को स्टोर और साझा करने के लिए डिजिटल रिपॉजिटरी की स्थापना।
- **मिश्रित शिक्षा:** मिश्रित सीखने के वातावरण बनाने के लिए डिजिटल सामग्री का लाभ उठाना जो पारंपरिक और प्रौद्योगिकी-उन्नत तरीकों को जोड़ती है।
- **स्थानीय सामग्री विकास:** डिजिटल विभाजन को पाटने और छात्रों के संदर्भों के लिए सीखने को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में स्थानीय सामग्री के निर्माण को प्रोत्साहित करना।

NEP २०२० के साथ संबंध

ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) अब सरकार में कक्षा छठी और बारहवीं के छात्रों के लिए प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में आईसीटी कार्यक्रम लागू कर रहा है। सरकार। हाई स्कूल, मणिनाथपुर छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए समग्र शिक्षा के छतरी के नीचे सहायता प्रदान की गई।

स्कूल और जन शिक्षा विभाग, सरकार ने राज्य के सरकारी स्कूलों में आईसीटी योजना के माध्यम से शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की पहल की है। स्थिरता योजना के तहत राज्य सरकार ने ई-लाइब्रेरी के तहत सभी ४००० माध्यमिक विद्यालयों को लिया है, २००० माध्यमिक विद्यालयों और २३१७ उच्च प्राथमिक विद्यालयों में आईसीटी योजना के निष्पादन के लिए ओडिशा कंप्यूटर एप्लीकेशन सेंटर (OCAC), तकनीकी निदेशालय को परियोजना प्रदान करके कदम उठाए गए हैं। ई और आईटी विभाग, ओडिशा सरकार कार्यान्वयन एजेंसी (ओं) को संलग्न करने के लिए। आईसीटी योजना के तहत ४३१७ स्कूलों में उच्च थ्रूपुट वीएसएटी कनेक्टिविटी प्रदान करके वर्चुअल क्लासरूम स्थापित करने के लिए OCAC द्वारा निविदा जारी की गई है।

२. गतिविधि: स्मार्ट क्लास

एक **स्मार्ट कक्षा** शिक्षा का एक रैप-अप मोड है, जो शिक्षा या छात्रों के ध्यान अवधि से दूर जाने के बजाय, मौजूदा पारंपरिक कक्षा सेटअप में अवसर जोड़ता है। छात्रों को अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझने, उनके पढ़ने और समझ कौशल में सुधार करने और अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करके गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने का अवसर। **इस प्रकार यह शिक्षा प्रणाली की जिम्मेदारी है कि वह छात्रों के लाभ के लिए विभिन्न तकनीकी अवसरों को नियोजित करे।** कक्षा ने

क्रमशः शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक पाठ्यक्रम बनाने और सहयोगी सीखने की प्रणाली के लिए एक इंटरैक्टिव तकनीक को सफलतापूर्वक बदल दिया है। डिजिटल क्लासरूम को एक "प्रौद्योगिकी-सक्षम" सीखने का माहौल माना जा सकता है जहां छात्र सीखने और प्रशिक्षक और साथियों के साथ बातचीत पूरी तरह से सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के रणनीतिक उपयोग के माध्यम से समर्थित है। यह परियोजना स्कूलों के आधुनिकीकरण और "डिजिटल कक्षा सीखने की प्रणाली" को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ "डिजिटल शिक्षण केंद्र" की स्थापना के आसपास घूमती है।

६०६५ नग में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना उच्च प्राथमिक विद्यालय और ९०९ माध्यमिक विद्यालयों को प्रति स्कूल स्मार्ट क्लास डिवाइस के साथ २ कक्षा की स्थापना के लिए मंजूरी दी गई है। स्मार्ट क्लास उपकरणों की स्थापना सभी ६९७४ स्कूलों में पूरी हो चुकी है।

प्रगति: ओडिशा कंप्यूटर एप्लीकेशन सेंटर (OCAC), ओडिशा सरकार के ई और आईटी विभाग के तहत तकनीकी निदेशालय ने निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली है और स्कूल प्वाइंट पर सफल कार्यान्वयन के लिए खरीद आदेश जारी किया गया है। स्कूल प्वाइंट पर आपूर्ति और स्थापना प्रक्रिया पूरी हो गई है और सभी ६९७४ स्कूलों में स्मार्ट क्लास डिवाइस से लैस है।



(स्कूलों में स्थापित स्मार्ट क्लासरूम की तस्वीर)

शिक्षक द्वारा स्मार्ट क्लासरूम के इष्टतम उपयोग के लिए शिक्षकों को हैंड्स ऑन प्रशिक्षण दिया गया है।

समायोजन:

प्रस्तावित समाधान का उद्देश्य निम्नलिखित को प्राप्त करना है:

१. स्कूल के संकाय, छात्रों और प्रशासकों के बीच संचार और सहयोग में सुधार करके शिक्षण - सीखने की प्रक्रिया को बदलना।



२. शिक्षण-सीखने के स्पेक्ट्रम में प्रौद्योगिकी के एकीकरण में सुधार।
३. रचनात्मकता और महत्वपूर्ण सोच जैसे २१ वीं सदी के कौशल को शामिल करके छात्रों को अपने स्वयं के सीखने के निर्माता बनने के लिए प्रोत्साहित करें।
४. विभेदित निर्देश और सीखने के संसाधनों के व्यापक सेट के माध्यम से सीखने में तेजी लाएं।
५. समाधान यह कल्पना करने में मदद करेगा कि शिक्षण और सीखने की बदलती शैलियों का समर्थन करने के लिए पारंपरिक कक्षाओं और अन्य शिक्षण स्थानों को कैसे पुनर्गठित किया जा सकता है।

परिणाम:

इस परियोजना का दायरा उद्देश्य इंटरैक्टिव सीखने को प्राप्त करना है और इसका एक अपेक्षित परिणाम है जो नीचे सूचीबद्ध है।

१. छात्रों के बीच डिजिटल साक्षरता, उन्हें प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण में अगली पीढ़ी के पेशेवरों के लिए कम उम्र में तैयार करना
२. छात्रों के लिए < <क्षेत्रीय भाषा> > और अंग्रेजी माध्यम में सीखने के अवसर
३. शैक्षणिक विषयों में बढ़ी हुई दक्षता
४. वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रौद्योगिकी और आधुनिक शिक्षण विधियों का उपयोग करने में विश्वास
५. छात्रों के लिए इंटर-स्कूल डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से अन्य स्कूलों में छात्रों के साथ बातचीत / सीखने के अधिक अवसर
६. शिक्षकों के बीच क्षमता निर्माण।



कक्षा में स्मार्ट क्लास डिवाइस का उपयोग



19. योजना प्रक्रिया और कार्यान्वयन व्यवस्था

समग्र शिक्षा योजना स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत पहल है, जो प्री-स्कूल से लेकर कक्षा XII तक की संपूर्ण निरंतरता को कवर करती है यह योजना स्कूली शिक्षा को एक समग्र प्रक्रिया के रूप में देखती है और शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी-4) के साथ संरेखित है। यह न केवल बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम, २००९ के कार्यान्वयन के लिए समर्थन प्रदान करता है, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० की सिफारिशों के साथ भी सामंजस्य स्थापित करता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी बच्चों को एक न्यायसंगत और समावेशी कक्षा वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्राप्त हो, जो उनकी विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं और विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ध्यान रखता है, जिससे वे सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार भी बनते हैं।

राज्य स्तर पर समग्र शिक्षा के लिए योजना प्रक्रिया में राज्य वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपीबी) तैयार करना शामिल है। एडब्ल्यूपीबी समग्र शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए राज्य की शिक्षा प्राथमिकताओं, रणनीतियों और प्रस्तावित बजट को रेखांकित करता है। राज्य परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में योजना दल योजना तैयार करता है। राज्य स्तर की योजना प्रक्रिया में योजना के तहत की गई प्रगति की निगरानी, डेटा एकत्र करना और विश्लेषण करना, अंतराल की पहचान करना, अन्य विभागों, लाइन विभागों और सीएसओ के साथ अभिसरण सुनिश्चित करना, समय और बजट आवंटित करना और राज्य और मंत्रालय दोनों स्तरों पर मूल्यांकन करना शामिल है।

जिला स्तर पर, योजना प्रक्रिया एक नीचे-अप दृष्टिकोण के माध्यम से प्रत्येक जिले के लिए एक वार्षिक कार्य योजना और बजट (AWPB) तैयार करने पर केंद्रित है। जिला एडब्ल्यूपीबी समग्र शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विशिष्ट शिक्षा प्राथमिकताओं और स्थानीय रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करता है। योजना तैयार करने, गतिविधियों के समन्वय और योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए जिला स्तरीय टीम जिम्मेदार है।

समग्र शिक्षा के तहत वार्षिक कार्य योजना और बजट २०२४२५ को यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है कि सभी बच्चों को एक समान और समावेशी कक्षा वातावरण के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्राप्त हो, जिसमें बच्चों की विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताएं और विभिन्न शैक्षणिक क्षमताएं शामिल हों और उन्हें सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाया जा सके।

राज्य और जिला स्तर की योजना प्रक्रियाओं में शिक्षकों, स्कूल प्रशासकों और समुदाय के सदस्यों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ परामर्श शामिल है। योजनाएं पिछले कार्यान्वयन अनुभवों की जरूरतों के आकलन और समीक्षाओं पर आधारित हैं, और साक्ष्य-आधारित और डेटा-संचालित होने की उम्मीद है।

योजना प्रक्रिया में एक विस्तृत बजट और व्यय ढांचे की तैयारी भी शामिल है, जो प्रस्तावित रणनीतियों और गतिविधियों को लागू करने के लिए आवश्यक संसाधनों को रेखांकित करता है। योजना टीम यह सुनिश्चित करती है



कि बजट यथार्थवादी, व्यवहार्य हो और समग्र शिक्षा योजना की समग्र शिक्षा प्राथमिकताओं और उद्देश्यों के साथ गठबंधन हो।

एक बार तैयार होने के बाद, योजनाओं को राज्य और जिला स्तर पर एक समीक्षा और अनुमोदन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जैसा कि उपयुक्त है। यह प्रक्रिया समग्र शिक्षा के लक्ष्यों और उद्देश्यों, वित्तीय मानदंडों का पालन और साक्ष्य-आधारित रणनीतियों पर निर्भरता के साथ संरेखण सुनिश्चित करती है।

इसके अलावा, योजना टीमों का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण समग्र शिक्षा का एक अनिवार्य घटक है। यह सुनिश्चित करता है कि हितधारक योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस हैं, जिससे देश भर में शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि में योगदान मिलता है।

जिला और राज्य कार्यकर्ताओं का क्षमता निर्माण

- समग्र शिक्षा के तहत वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) २०२४-२५ तैयार करने के लिए, विभिन्न स्तरों पर **अभिविन्यास और क्षमता विकास कार्यक्रमों** की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य मंत्रालय से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रभावी ढंग से योजना बनाने के लिए अधिकारियों और हितधारकों को आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है।
- राज्य परियोजना कार्यालय (एसपीओ) और जिला परियोजना कार्यालय (डीपीओ) दोनों स्तरों पर हस्तक्षेप प्रमुखों के क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रशिक्षण सत्र समग्र शिक्षा के मूल्यांकन मानदंडों, कार्यक्रम संबंधी मानदंडों और वित्तीय मानदंडों, एमओई से प्राप्त दिशानिर्देशों के साथ-साथ एडब्ल्यूपीबी के जोर क्षेत्रों पर आयोजित किए गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि योजना प्रक्रिया राष्ट्रीय मानकों के साथ गठबंधन की गई थी और राज्य-विशिष्ट आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी थी।
- वार्षिक योजना को अधिक यथार्थवादी, भागीदारी और आवश्यकता-आधारित बनाने के लिए, शिक्षा प्रणाली के हर स्तर पर हितधारकों को शामिल करने के प्रयास किए गए थे। शिक्षक, हेडमास्टर, क्लस्टर रिसोर्स सेंटर कोऑर्डिनेटर (सीआरसीसी), ब्लॉक रिसोर्स सेंटर कोऑर्डिनेटर (बीआरसीसी), ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर्स (बीओएस), जिला प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर (DPC), कोऑर्डिनेटर, जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), शिक्षा प्रशासक और डीपीओ स्तर पर काम करने वाले पेशेवरों ने योजना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से योगदान दिया। जिला स्तर पर जमीनी स्तर पर स्कूल विकास योजनाओं (एसडीपी) की तैयारी और जिला स्तर पर जिला वार्षिक योजनाओं ने राज्य वार्षिक कार्य योजना की नींव के रूप में कार्य किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि स्कूलों और समुदायों की जरूरतों और आकांक्षाओं को पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित किया गया था।
- इस भागीदारी दृष्टिकोण ने न केवल नियोजन अभ्यास की पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाया बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि एडब्ल्यूपी एंड बी में उल्लिखित रणनीतियों और हस्तक्षेप व्यावहारिक, संदर्भ-विशिष्ट थे, और समग्र शिक्षा के व्यापक लक्ष्यों के साथ गठबंधन किया गया था।



राज्य स्तर पर योजना उन्मुखीकरण बैठक



जिला-मलकानगिरी में योजना तैयारी बैठक



स्कूल विकास योजना

आरसीएफसीई अधिनियम २००९ अध्याय-IV (धारा २२) इंगित करता है कि स्कूल अपने एसएमसी की भागीदारी के साथ अपनी योजनाओं (एसडीपीएस) का विकास करेंगे। और एनडीएमए द्वारा भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय और स्कूल सुरक्षा नीति-२०१६ का निर्देश स्कूल आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी पर केंद्रित है।

- समग्र शिक्षा के तहत स्कूल विकास योजना प्रारूप और दिशानिर्देश स्कूल विकास योजना की तैयारी के लिए प्रदान किए जाते हैं। सभी स्कूलों को ओडिया में स्कूल आपदा प्रबंधन योजना (एसडीएमपी) प्रारूप और दिशानिर्देश प्रदान किए गए हैं।
- स्कूल आपदा प्रबंधन योजना / स्कूल सुरक्षा योजना सभी सरकारी स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) द्वारा तैयार की जाएगी।
- कार्यान्वयन के दौरान अन्य लाइन विभागों और एजेंसियों के साथ अभिसरण सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया।
- फंड/संसाधनों के स्रोतों में डीडीएमए, पंचायती राज और डीडब्ल्यू डब्ल्यूसीडी, श्रम, एसटी और एससी विकास, स्वास्थ्य, खेल, एमपी-एलएडी, विधायक-एलएडी जैसे विभाग और योजनाएं शामिल हैं। बीआरजीएफ, आदि

आवश्यकता-आधारित योजना

योजना तैयार करने के दौरान, स्कूलों, बच्चों की आबादी, नामांकन और स्कूल से बाहर के बच्चों के बारे में सभी प्रासंगिक डेटा और जानकारी यू-डीआईएसई + और फील्ड सर्वेक्षणों से एकत्र की गई है। यह सुनिश्चित करता है कि योजना प्रक्रिया साक्ष्य-आधारित है और वास्तविक जमीनी स्थिति को दर्शाती है।

परियोजना अनुमोदन बोर्ड (PAB) की बैठकों में की गई प्रतिबद्धताओं, कार्रवाई रिपोर्टों, शोध अध्ययनों के निष्कर्षों और लेखापरीक्षा सिफारिशों (CAG) को भी ध्यान में रखा गया है। ये इनपुट योजना को व्यापक और नीतिगत निर्देशों के अनुरूप बनाने में मदद करते हैं।

समग्र शिक्षा के तहत सभी हस्तक्षेपों के लिए एक गतिविधि-वार योजना तैयार की गई है, जो मौजूदा अंतराल, उपलब्ध संसाधनों और वांछित परिणामों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर विचार करती है। योजना प्रक्रिया को समुदाय-उन्मुख बनाने के लिए, **स्कूलों और बस्तियों को** बुनियादी इकाइयों के रूप में माना गया है।

एक्सेस प्लान के लिए, एक्सेस यूनिट द्वारा जिलों से प्राप्त फील्ड-लेवल डेटा और स्कूल आवश्यकता की जानकारी का उपयोग एक्सेस में अंतराल वाले क्षेत्रों की पहचान करने और उपयुक्त समाधान प्रस्तावित करने के लिए किया गया है।

इसी तरह जिला स्तर के आंकड़ों के आधार पर आरटीई अधिनियम की धारा १२(१)(c) (सी) के २५% प्रावधान के तहत भर्ती बच्चों के लिए योजना बनाई गई है।



सीखने की कमियों को दूर करने पर जोर देने के साथ एक व्यापक गुणवत्ता योजना विकसित की गई है। प्राथमिक स्तर पर पढ़ने, लिखने, समझ और संख्यात्मकता में मुख्य दक्षताओं के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता भारत सरकार / एनईपी जनादेश के अनुसार रणनीतिक पीएलए भी बनाया गया है।

आकांक्षी जिलों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने, समान विकास सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा, स्कूलों में बिजली, शौचालय और पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए एक सिविल कार्य योजना तैयार की गई है।

स्कूल प्रबंधन समितियों (SMCs) और स्कूल प्रबंधन और विकास समितियों (SMDCs) के प्रशिक्षण सहित क्षमता निर्माण पहल की योजना बनाई गई है ताकि ये निकाय योजना और कार्यान्वयन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हों।

चूंकि मौसमी छात्रावासों ने छात्र प्रतिधारण में सुधार में सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं, इसलिए इस वर्ष की योजना प्रवासन-प्रवण क्षेत्रों में गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने पर जोर देती है।

२०२४-२५ के लिए, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में शामिल हैं:

- आकांक्षी जिलों में बुनियादी ढांचे का विकास
- माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों तक पहुंच सुनिश्चित करना
- परिवहन सुविधाओं का प्रावधान
- मौसमी और आवासीय छात्रावासों का विस्तार
- स्कूल से बाहर के बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण
- सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए गतिविधियाँ

एक समर्पित **अल्पसंख्यक योजना** भी तैयार की गई है। समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन ढांचे के अनुसार सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के निर्देश के साथ मदरसों और मकतबों जैसे संस्थानों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

साक्ष्य आधारित योजना

वार्षिक योजना को दिशा-निर्देशों और मानदंडों के अनुसार विकेंद्रीकृत तरीके से बनाया गया है ताकि लक्ष्य को प्राप्त करने के समय और प्रयास को कम किया जा सके। इस संबंध में योजना प्रक्रिया का पालन करने के लिए एक समय कैलेंडर तैयार किया गया है और सभी जिलों और राज्य स्तर पर भी सूचित किया गया है।

- स्थानीय स्वशासन की भागीदारी
- पंरासं को शिक्षा का अधिकार के अंतर्गत स्थानीय प्राधिकरण घोषित किया गया।
- ग्राम पंचायत स्तर की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति का अनिवार्य आयोजन।
- समग्र शिक्षा और आकांक्षी जिलों के लक्ष्य और उद्देश्यों पर सभी पीआरआई सदस्यों को विशेष बैठक के माध्यम से इसकी आवश्यकताओं की संतृप्ति में प्राथमिकता देना।

- स्कूल में उपस्थिति, प्रतिधारण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की निरंतरता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए PTM /SMC का विशेष आयोजन।
- अनिवार्य सामाजिक लेखा परीक्षा (ओडिशा में OSSAAT के साथ किया गया MoU)

एसएमसी बैठक- एसडीपी



योजना के विकास के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया।

- सभी डीपीसी और टीम का क्षमता निर्माण पर्यावरण, भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित वाषक योजना की तैयारी की प्रक्रिया के आधार पर व्यक्तिगत रूप से और सतर्कता समिति के माध्यम से किया गया है।
- वार्षिक कार्य योजना और बजट तैयार करने के पहले चरण में स्कूल स्तर पर स्कूल सुधार/विकास योजना तैयार की जा रही है। प्रत्येक स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) सक्रिय समुदाय के सदस्यों के सहयोग से स्कूल स्तर की योजना शुरू करती है, शिक्षकों को स्कूल स्तर की योजना तैयार करने के लिए जिसे "स्कूल विकास योजना (एसडीपी)" कहा जाता है। प्रारंभ में प्रारंभिक चरण एसएमसी बैठक के साथ शुरू होता है जो सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करता है (आरटीई अधिनियम की धारा २१ और भाग- V के अनुसार)।
- SDP में मुख्य रूप से अवसंरचना के विकास में कमियों की पहचान करना, छात्रों की उपलब्धि, मौजूदा शिक्षकों की आवश्यकताएं, माता-पिता की अपेक्षाएं, कक्षा संचालन प्रक्रिया आदि शामिल हैं। इसलिए, SDP प्रत्येक स्कूल की आवश्यकताओं को प्रदान करता है जिसे अंततः जिला स्तर पर संकलित किया जाता है।
- इसके अलावा, जिला योजनाओं की तैयारी के लिए, UDISE+ से डेटा जो अत्यधिक आवश्यक है, शिक्षकों और ब्लॉक स्तर के MIS समन्वयकों और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ तैयार किए जाते हैं।



- राज्य स्तर पर AWP&B तैयार करना जिला स्तरीय योजनाओं के मूल्यांकन और समेकन पर निर्भर करता है। जिला परियोजना समन्वयक, ADEO, सभी जिला स्तरीय समन्वयक, प्रोग्रामर, SR. TC (जिला विशिष्ट योजना टीम) 'जिला वार्षिक कार्य योजना और बजट' तैयार और समेकित करती है और इसे PRABANDH पोर्टल में अपलोड करती है।
- एक एकीकृत राज्य समेकित योजना बनाने के लिए राज्य स्तर पर जिला योजनाएं जमा की जाती हैं। एक एकीकृत राज्य समेकित योजना तैयार करने के लिए राज्य स्तर पर जिला योजनाओं का संकलन किया गया था। समग्र शिक्षा के तहत राज्य स्तर पर वार्षिक कार्य योजना और बजट के समेकन के दौरान, ओसेपा, TE और SCERT, प्रारंभिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के सभी हस्तक्षेप शामिल किए जा रहे हैं।
- योजना को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित समय अवधि के भीतर PRABANDH पोर्टल के माध्यम से जिलों और SPO द्वारा अपलोड किया जा रहा है।

ऑनलाइन के माध्यम से PRABANDH पोर्टल के प्रबंधन पर क्षमता निर्माण किया गया है।

एकीकृत वार्षिक योजना के लिए गतिविधियों की अनुसूची

क्रम सं.	गतिविधियों	तारीख	प्रतिभागियों
1	जिला समन्वयकों की समीक्षा एवं उन्मुखीकरण बैठक	20-12-24 से 21-12-24	सभी योजना समन्वयक, प्रोग्रामर, वित्तीय सलाहकार।
2	राज्य स्तर पर एडब्ल्यूपीबी का मूल्यांकन	20-01-15 से 29-01-25	सभी हितधारकों
3	बजट पूर्व चर्चा पर बैठक	01-02-2025	सभी हस्तक्षेप प्रमुख, ओसेपा, योजना टीम के सभी सदस्य
4	जिला योजनाओं को अंतिम रूप देना और समेकन करना।	जनवरी से फरवरी तक	जिला योजना टीम
5	राज्य स्तर पर एकीकृत जिला AWP & B 2025-26 का मूल्यांकन	जनवरी से फरवरी तक	जिला नियोजन टीम- मोड ऑनलाइन/ऑफलाइन
6	SPO में जिला AWP&B सबमिशन	जनवरी से फरवरी तक	30 जिले। सभी 30 जिलों ने मूल्यांकन प्रक्रिया में भाग लिया और प्रबंध पोर्टल के माध्यम से योजना तैयार की और प्रस्तुत की।
7	राज्य योजना को अंतिम रूप देना	जनवरी	हस्तक्षेप प्रमुख, योजना टीम
8	प्रबंध पोर्टल के माध्यम से एमओई को एकीकृत AWP & B 2025-26 का ऑनलाइन सबमिशन राज्य वार्षिक कार्य योजना और बजट का मूल्यांकन		15-02-25 तक
9	एमओई, भारत सरकार में मूल्यांकन		22-02-25 से 24-02-25 तक
10	एमओई, भारत सरकार के स्तर पर प्री पैब		24.02.25
11	पीएम की बैठक		24.03.25



AWP&B २०२४-२५ के प्रमुख क्षेत्र

- एनआईपीयूएन भारत मिशन कक्षा III के अंत में सभी बच्चों द्वारा मूलभूत कौशल के सार्वभौमिक अधिग्रहण के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की उम्मीद है
- शिक्षण शिक्षण सामग्री और शिक्षक संसाधन सामग्री: राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बाल केंद्रित शिक्षण शिक्षण सामग्री, स्वदेशी खेलौने और खेल, खेल आधारित गतिविधियों और पूरक वर्गीकृत सामग्री, शिक्षक मैनुअल, गतिविधि हैंडबुक, शिक्षकों के लिए संसाधन सामग्री से संबंधित विभिन्न हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि वे अपने अभिनव शैक्षणिक सिद्धांतों को सीखने के परिणामों और ग्रेड स्तर के साथ संरेखित कर सकें। शिक्षण सीखने की सामग्री होमलोकल / क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार की जा सकती है।

नियोजन प्रक्रिया के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं

- BEO की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तर पर, SDP को समेकित करने और ब्लॉक योजना तैयार करने और इसे DPO-SSA को प्रस्तुत करने के लिए BRC, MIS-cum, -सह-योजना समन्वयकों, सभी TC, सभी BRT, ABEO, CRCC को शामिल करते हुए एक योजना दल का गठन किया गया है।
- जिला स्तर पर जिला आयोजना आयोग की अध्यक्षता में योजना दल बनाया गया है जिसमें DIET, सभी हस्तक्षेप शीर्षों, BEOs, ABEO के सदस्य शामिल हैं।
- राज्य परियोजना कार्यालय में राज्य परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में सभी हस्तक्षेप शीर्षों, विभिन्न हस्तक्षेपों के समन्वयकों से युक्त एक योजना दल ने कोविड-१९ महामारी के कारण ऑनलाइन के माध्यम से सभी जिला स्तरीय योजनाओं के मूल्यांकन में भाग लिया।
- समग्र शिक्षा और एसटीएआर योजना के लिए वार्षिक योजना तैयार करने के लिए एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया टेम्पलेट सभी हस्तक्षेपों को प्रदान किया गया है और एडब्ल्यूपीबी २०२४-२५ भी कार्यान्वयन और मैनुअल के लिए फ्रेमवर्क के तहत मानदंडों का पालन करते हुए तैयार किया गया है।
- वार्षिक योजना की तैयारी के दौरान आकांक्षी जिला दिशानिर्देशों का पालन किया गया। सभी जिला कलेक्टरों से अनुरोध किया गया कि वे बुनियादी ढांचे, डिजिटल पहल आदि में अंतर को दूर करके योजना प्रस्ताव प्रदान करें
- समग्र शिक्षा के तहत बजट प्रस्ताव प्रबंध पोर्टल में अपलोड किए गए हैं।

शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका

- TE & SCERT has been declared as Academic Authority.
- निदेशक, एससीईआरटी को एसआईईएमएटी का निदेशक नियुक्त किया गया है तथा डीईओ, बीईओ और प्रशिक्षण प्रबंधकों के लिए गुणवत्ता प्रबंधन पर कई प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए गए हैं।



- सभी अप्रशिक्षित शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता और प्रशिक्षण को उन्नत करने के लिए एनआईओएस और टीई एवं एससीईआरटी के साथ अभिसरण लाया गया। अभिसरण

अभिसरण

समग्र शिक्षा के तहत STSC, RD, खेल, ऊर्जा, डब्ल्यू एंड CD, स्वास्थ्य मंत्रालय, पंचायत राज, अग्नि सुरक्षा, OSDMA, सोशल ऑडिट यूनिट आदि के साथ-साथ सिविल सोसाइटी के साथ अन्य लाइन विभागों के साथ अभिसरण और समन्वय पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

अभिसरण

- मनरेगा – चारदीवारी, किचन गार्डन, ग्रीन फेंसिंग जैसी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।
- DMF - क्योंझर, कोरापुट और सुंदरगढ़ जैसे जिले भवनों, ACR आदि के निर्माण के लिए धन देंगे।
- ओडिशा कौशल विकास मिशन – स्कूल में कौशल।
- OMBADC - सुंदरगढ़, मयूरभंज, क्योंझर जैसे जिले AB के तहत स्कूलों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए धन देंगे।
- CSR फंड - शौचालय, पेयजल सुविधाएं आदि जैसी गतिविधियां।
- SFC/ CFC - GP स्तर पर बुनियादी ढांचे के विकास जैसी विभिन्न स्कूल स्तर की गतिविधियां शुरू की जाएंगी।
- जल स्वच्छता मिशन - सुरक्षित पेयजल सुविधा का प्रावधान।
- स्कूल स्तर पर बुनियादी ढांचे के विकास के लिए PR एवं DW विभाग, PWD, RD के साथ अभिसरण भी लाया गया।

पर्यवेक्षण और निगरानी

- व्यय में वृद्धि, अग्रिम स्थिति में कमी, समग्र शिक्षा और स्टार्स के तहत सभी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन, PGI-D, शिविर मोड में UDISE डाटा प्रविष्टि, शिक्षकों की नियुक्ति, सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम और PTM के संचालन आदि पर जिला स्तरीय समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं।
- SPD, ओसेपा की अध्यक्षता में राज्य स्तर पर समीक्षा बैठकें भी आयोजित की गई थीं।
- पर्यवेक्षण और निगरानी तथा प्राथमिकता वाले कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए नोडल अधिकारियों को लगाया गया था।
- वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा का भी उपयोग किया जा रहा है।





20. स्कूल सुरक्षा

समग्र शिक्षा के तहत बच्चों की सुरक्षा, सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना मुख्य प्राथमिकता है। **स्कूल सुरक्षा नीति** सभी स्कूलों में सुरक्षित, समावेशी और सहायक सीखने के वातावरण बनाने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करती है। यह न केवल बच्चों की शारीरिक सुरक्षा पर जोर देता है बल्कि उनकी भावनात्मक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण पर भी जोर देता है

स्कूल स्तर पर आपदा प्रबंधन के तहत कार्रवाई शुरू की गई

स्कूल सुरक्षा के तहत प्रगति

- बच्चों की सुरक्षा पर एनडीएमए के दिशानिर्देश सभी जिलों, ब्लॉक और स्कूल पॉइंट को प्रसारित किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारियों को नोडल अधिकारी - स्कूल सुरक्षा नीति घोषित किया जाता है। सभी जिलों को स्कूल सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए कार्य योजना जारी की गई है। स्कूल सुरक्षा के लिए राज्य, जिला स्तरीय सलाहकार समिति का गठन किया गया है।
- स्कूलों को प्रदान की गई स्कूल प्रबंधन समिति की संरचना और कार्य पर संशोधित दिशानिर्देश।
- जिला शिक्षा अधिकारियों को नोडल अधिकारी घोषित किया गया था।
- सभी जिलों को स्कूल सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए कार्य योजना जारी की गई है।
- आपदा प्रबंधन को प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।
- स्कूल सुरक्षा के लिए राज्य, जिला स्तरीय सलाहकार समिति का गठन किया गया है।
- डीओ के अनुसार. सं। १७-१-२०२०-११ एमओई, भारत सरकार, dtd। नं. १७-१-२०२०-आईएस-११ एमओई, जीओआई, डीटीडी। १-१०-२१, राज्य सरकार ने प्राइवेट स्कूलों सहित सभी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा के मामले में स्कूल प्रबंधन समिति पर जवाबदेही तय करने के लिए दिशानिर्देशों को अधिसूचित किया है, जो अधिसूचना की तारीख से प्रभावी हैं और आरटीई अधिनियम की यू/एस ३५/२ शक्ति का प्रयोग करते हैं, २००९ और जुवेनाइल जस्टिस मॉडल रूल्स के नियम ९३ के तहत जनादेश के अनुसार, २०१६; वीडियो एन. नहीं। २०६७२/SME दिनांक। १.११.२०२१."
- स्कूल सुरक्षा प्रक्रिया में सभी स्कूलों को शामिल करने के लिए स्कूल स्तर पर स्कूल सुरक्षा अवलोकन सप्ताह मनाया गया है। वर्ष २०२४-२५ में, स्कूल सुरक्षा अवलोकन सप्ताह १९th से २५th, २०२४ तक स्कूल बिंदु पर मनाया गया है। इस अवधि के दौरान जोखिम शिकार अभ्यास से शुरू करके शिक्षकों और छात्रों को स्कूल सुरक्षा पर प्रशिक्षण देना प्रमुख मानदंड हैं। यह राज्य द्वारा अपनाए गए अभिनव कदमों में से एक है।
- @ रु. २०००/- प्रति सरकारी स्कूल जारी किया गया है।
- ओडिशा आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और समग्र शिक्षा ओडिशा शैक्षिक प्रशासकों, शिक्षकों की स्कूल सुरक्षा पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं। डीआरजी प्रशिक्षण स्कूल सुरक्षा पर पहले ही पूरा हो चुका है
- अभिभावक शिक्षक बैठक के दौरान स्कूल सुरक्षा एक एजेंडा था और माता-पिता के बीच चर्चा की गई थी।

१२. विद्यार्थियों में सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए वाद-विवाद, निबंध, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।
१३. ओडीआरएफ, एनडीआरएफ, अग्नि सुरक्षा विंग आदि द्वारा स्कूल स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित किए जाते हैं।
१४. सभी स्कूलों को जहरीले और ज्वलनशील पदार्थों को सुरक्षित रखने की सलाह दी जाती है।
- 15.
१५. हर तिमाही में, त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट (१० अंक शामिल) भी शिक्षा मंत्रालय और एनडीएमए को प्रस्तुत की गई।
१६. सभी स्कूलों में स्कूल विकास योजना-सह-स्कूल आपदा प्रबंधन योजना सुनिश्चित की गई है।
१७. छात्रों के बीच सुरक्षा और जिम्मेदारी की संस्कृति को स्थापित करने के प्रयासों के हिस्से के रूप में, राज्य भर के स्कूलों में स्कूल सुरक्षा प्रतिज्ञा को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। प्रतिज्ञा छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए स्कूल के माहौल के भीतर सुरक्षा, अनुशासन और आपसी सम्मान को प्राथमिकता देने के लिए दैनिक अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है। प्राथमिक चिकित्सा किट स्कूल के बिंदुओं पर उपलब्ध कराई गई है।
१८. बुनियादी ढांचा सुरक्षा: स्कूल के बुनियादी ढांचे के डिजाइन में भूकंप प्रतिरोधी संरचना, अग्नि सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं आदि के लिए किए गए प्रावधान। (कई प्राकृतिक आपदाओं जैसे चक्रवात, बाढ़ और पृथ्वी भूकंप को ध्यान में रखते हुए ऐसी आपदाओं का विरोध करने के लिए इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। इन इमारतों को बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्र में उच्च प्लिंथ स्तर के साथ डिजाइन किया गया है, चक्रवात और पृथ्वी भूकंप के क्षेत्र में चेतावनी के मामले में इमारत के सही स्थान पर क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर बैंड के उद्घाटन और प्रावधान किए गए हैं। इमारतों में आग से भयभीत उपकरणों की व्यवस्था भी की जाती है। ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है।

मॉक ड्रिल





Mock Drill



स्कूल सुरक्षा सप्ताह अवलोकन-ढेंकनाल



21. सामाजिक अंकेक्षण

समग्र शिक्षा को एनईपी २०२० के साथ जोड़ा गया है, जिसमें सभी बच्चों को स्कूल-पूर्व शिक्षा और शिक्षण सीखने की सामग्री (टीएलएम) का समर्थन, मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक पर राष्ट्रीय मिशन, समग्र प्रगति कार्ड, सीखने के परिणामों की ट्रैकिंग के साथ-साथ बच्चों का संक्रमण, चरणबद्ध तरीके से माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर योग्य सलाहकारों को शामिल करना, भाषा शिक्षक, शिक्षकों की क्षमता निर्माण (५० घंटे सीपीडी), बैग-कम दिन और इंटरशिप शामिल हैं मुक्त विद्यालयी शिक्षा के माध्यम से १६-१९ वर्ष के आयु वर्ग के स्कूली बच्चों के लिए सहायता, सीडब्ल्यूएसएन बालिका के लिए अलग वजीफा, ब्लॉक स्तर पर सीडब्ल्यूएसएन और संसाधन केंद्र की पहचान का प्रावधान, आवासीय छात्रावासों, केजीबीवी आदि सहित स्कूली शिक्षा का विस्तार, व्यावसायिक शिक्षा में हब और स्पोक मॉडल का प्रावधान, स्मार्ट कक्षा का प्रावधान और दीक्षा के लिए समर्थन, एससीईआरटी में मूल्यांकन कोशिकाओं के लिए समर्थन आदि इसके अलावा समग्र शिक्षा के एमएमएमईआर घटक के तहत, प्रति वर्ष कम से कम २०% स्कूलों को कवर करने के लिए सामाजिक ऑडिट के लिए समर्थन का प्रावधान शामिल किया गया है ताकि सभी स्कूलों को पांच साल की अवधि में कम से कम एक बार कवर किया जा सके। इसके अलावा, प्रत्येक हस्तक्षेप / घटक के लिए प्राप्त किए जाने वाले प्रमुख लक्ष्यों को परिभाषित किया गया है। समय-समय पर प्रगति की निगरानी के लिए प्रत्येक हस्तक्षेप / घटक से संबंधित विभिन्न प्रमुख प्रदर्शन संकेतक विकसित किए गए हैं।

समग्र शिक्षा की सामाजिक लेखा परीक्षा एक महत्वपूर्ण जवाबदेही तंत्र है जो पारदर्शिता, सामुदायिक भागीदारी और स्कूलों के समावेशी विकास को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य **शैक्षिक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में समानता और समानता सुनिश्चित करना** भी है।

मुख्य उद्देश्य हैं:

- यह सुनिश्चित करना कि आरटीई अधिनियम के तहत सभी बच्चों को समान रूप से अधिकार प्रदान किए जाएं।
- स्कूलों में बुनियादी ढांचे की स्थिति का आकलन करें।
- छात्र नामांकन, प्रतिधारण, और स्कूली शिक्षा के पूरा होने की निगरानी करें।
- UDISE+ के तहत स्कूल से संबंधित जानकारी साझा और सत्यापित करें।
- भागीदारी शासन को मजबूत करने के लिए हितधारकों के बीच शैक्षिक संवाद शुरू करें।
- स्कूलों के समग्र विकास के लिए एक समुदाय-संचालित और भागीदारी दृष्टिकोण विकसित करना।
- विशेष **आवश्यकताओं वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन)** और हाशिए और कमजोर वर्गों से संबंधित बच्चों के अधिकारों की रक्षा और परियोजना करें।



कार्यान्वयन की स्थिति

१. सामाजिक लेखापरीक्षा का संशोधित दिशानिर्देश १२ सितंबर, २०२३ को प्राप्त हुआ है।
२. OSSAAT-ओडिशा सोसाइटी फॉर सोशल ऑडिट अकाउंटेबिलिटी एंड ट्रांसपेरेंसी, ओडिशा सरकार, सामाजिक कल्याण, जवाबदेही और पारदर्शिता, ओडिशा के साथ १८ नवंबर, २०२२ को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं
३. नोडल अधिकारी-सामाजिक अंकेक्षण मनोनीत किया गया है।
४. ओडिशा के सभी सरकारी स्कूलों को ५ वर्षों के भीतर कवर किया जाएगा (@२०% प्रति वर्ष)।
५. पहले चरण में १०,००० सरकारी स्कूलों को कवर करने की योजना है अर्थात प्रति क्लस्टर २ स्कूलों को दिसंबर, २०२४ तक कवर किया जाएगा।
६. सामाजिक लेखा परीक्षा के तहत बजट की प्रतिपूर्ति MMMER से सामाजिक लेखा परीक्षा इकाई को की जाएगी।
७. १.९६ लाख रुपये OSSAAT (सामाजिक लेखा परीक्षा इकाई) को हस्तांतरित किए गए हैं।

सामाजिक लेखापरीक्षा का संचालन

प्रोफेसर शरद सिन्हा के नेतृत्व में NCERT टीम ने ओडिशा में ६th से ७th जून, २०२३ तक सामाजिक लेखा परीक्षा का संचालन किया।

- ६ जून २०२३ (दिवस १) को, एसएयू सदस्यों, समग्र शिक्षा टीम, जिला शिक्षा अधिकारियों, ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों, हेडमास्टर्स, माता-पिता के लिए सामाजिक लेखा परीक्षा पर एक राज्य स्तरीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। और एसएमसी सदस्य। अभिविन्यास सामाजिक लेखा परीक्षा प्रारूप और मॉड्यूल piloting पर केंद्रित है।
- ७ जून २०२३ (दिन २) को, एनसीईआरटी टीम के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में एसएएफटी सदस्यों द्वारा एक चयनित स्कूल में सामाजिक लेखा परीक्षा आयोजित की गई थी।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

सामाजिक लेखा परीक्षा प्रक्रिया को मजबूत करने और इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए:

- स्कूलों में ऑडिट कराने के लिए २८,६९९ सामाजिक लेखा परीक्षा सुविधा दल (एसएएफटी) के सदस्यों को ६३९ बैचों में प्रशिक्षित किया गया है।
- इसके अतिरिक्त, २,३२१ क्लस्टर सामाजिक लेखा परीक्षकों को क्लस्टर और स्कूल स्तरों पर प्रभावी ढंग से ऑडिट करने के लिए ५५ बैचों में प्रशिक्षित किया गया है।

इन व्यापक प्रशिक्षण प्रयासों का उद्देश्य संस्थागत क्षमता का निर्माण करना और सामाजिक लेखा परीक्षा ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए सुविधाकर्ताओं का एक मजबूत कैडर बनाना है।

OSSAAT और ओसेपा के बीच समन्वय बैठक



वित्त वर्ष २०२४-२५ के लिए समग्र शिक्षा में सामाजिक लेखा परीक्षा के संचालन की समीक्षा और उसे कारगर बनाने के लिए ओएसएसएएटी के निदेशक की अध्यक्षता में ओएसएसएएटी कार्यालय में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निम्नलिखित प्रतिनिधियों ने भाग लिया:

- ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा)
- ओएसएसएएटी, पंचायती राज और पेयजल (पीआर और डीडब्ल्यू) विभाग

बैठक में अंतर-विभागीय समन्वय, भूमिकाओं में स्पष्टता और सामाजिक लेखा परीक्षा प्रक्रिया के सफल समापन के लिए समयसीमा पर जोर दिया गया।

सामाजिक लेखा परीक्षा प्रगति

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, राज्य के सभी ३० जिलों के १०,००० स्कूलों में सामाजिक लेखा परीक्षा की योजना बनाई गई है।

- अब तक पूरा: ५,६९३ स्कूलों
- शेष: ४,३०७ स्कूल (२०२५ में पूरा किया जाना है)

प्रत्येक सामाजिक लेखा परीक्षा तीन दिनों की अवधि में आयोजित की जाती है, एक संरचित कार्यक्रम के बाद जो प्रक्रिया में प्रमुख हितधारकों की भागीदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है।

सामाजिक लेखा परीक्षा अनुसूची

- **दिन १:** रिकॉर्ड और दस्तावेज़ सत्यापन, प्रमुख शिक्षक, शिक्षकों, बच्चों, माता-पिता और एसएमसी सदस्यों के साथ बातचीत।
- **दिन २:** विभिन्न हितधारकों के साथ फोकस समूह चर्चा के साथ भौतिक और ढांचागत सत्यापन।
- **दिन ३:** स्कूल सभा में निष्कर्षों और प्रस्तुति का सत्यापन।





मास्टर प्रशिक्षकों के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण की स्थिति

- मास्टर ट्रेनर्स का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण ६ नवंबर, २०२३ को आयोजित किया गया था।
- ओसेपा और SAU से राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर, SAU से @२ मास्टर ट्रेनर और जिला समग्र शिक्षा से @ १ प्रति जिला प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिला स्तर पर सामाजिक लेखा परीक्षा की स्थिति





जिला स्तरीय सामाजिक लेखा परीक्षा बैठक



OSSAAT टीम द्वारा सामाजिक लेखा परीक्षा की कुछ झलक



कक्षा कक्ष लेन-देन के संबंध में सामाजिक लेखा परीक्षा



22. स्कूल छात्र हेल्पलाइन

स्कूल और जन शिक्षा विभाग के तत्वावधान में ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) द्वारा शुरू की गई स्कूल छात्र हेल्पलाइन, सभी बच्चों के लिए समावेशी, न्यायसंगत और गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य के मिशन में एक आधारशिला पहल के रूप में उभरी है। अपनी स्थापना के बाद से, हेल्पलाइन को छात्रों, स्कूलों और प्रशासनिक मशीनरी के बीच संचार अंतर को पाटने के लिए एक सक्रिय और उत्तरदायी मंच के रूप में कल्पना की गई है। शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ में, हेल्पलाइन एक बहु-आयामी सहायता प्रणाली के रूप में विकसित होती रही, न केवल अकादमिक प्रश्नों के लिए, बल्कि भावनात्मक कल्याण, बुनियादी ढांचे की शिकायतों और ड्रॉपआउट रोकथाम के लिए भी। तेजी से बदलते शैक्षिक परिदृश्य में छात्रों की जरूरतों की बढ़ती जटिलता के साथ, हेल्पलाइन ने प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके, अपनी भाषाई पहुंच का विस्तार करके और अपने मानव संसाधन आधार को मजबूत करके अनुकूलित किया है।

कक्षा I से X में पढ़ने वाले ६ से १६ वर्ष के बच्चे टोल-फ्री नंबर १८००-३४५-६७२२ / १४४१७ पर कॉल कर सकते हैं या शिक्षा के अधिकार के बारे में कोई चिंता लाने या उच्चतम अधिकारियों के साथ सीधे सुझाव साझा करने के लिए एक ईमेल भेज सकते हैं। इसके अलावा शिकायत ऑनलाइन (www.studenthelplineodisha.nic.in) के माध्यम से दर्ज की जा सकती है। प्राप्त मामलों को ३८ श्रेणियों के तहत वर्गीकृत किया गया है। प्रमुख मुद्दों की पहचान करने के लिए प्राप्त मामलों का अलग-अलग कोण से स्पष्ट रूप से विश्लेषण किया जाता है और बाद में संबंधित गतिविधियों को पहचाने गए मुद्दों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डिज़ाइन किए गए कार्यक्रम आवश्यकता के अनुसार जिला, ब्लॉक, क्लस्टर और स्कूल स्तर जैसे विभिन्न स्तरों पर आयोजित किए जाते हैं।

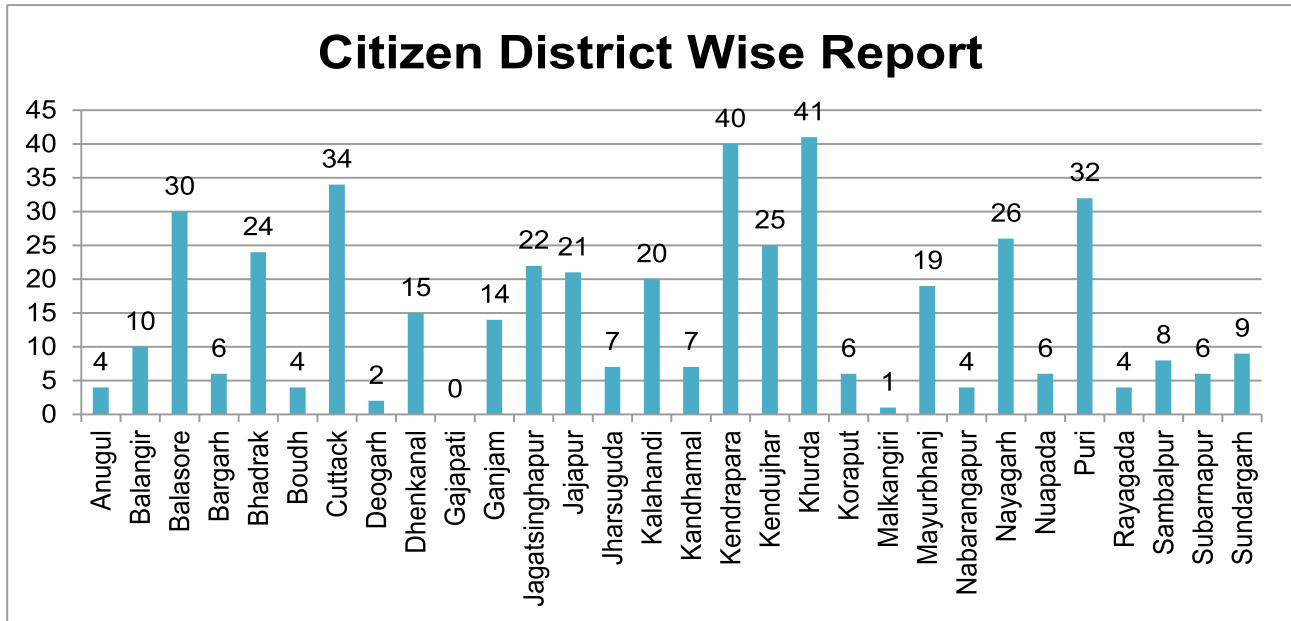
हेल्पलाइन मामलों की स्थिति:

शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान, हेल्पलाइन को अभूतपूर्व ४४७ कॉल प्राप्त हुए, जो छात्रों के बीच जागरूकता और विश्वास को दर्शाता है। ६०% की संकल्प दर के साथ, हेल्पलाइन ने अकादमिक प्रश्नों और बुनियादी ढांचे की शिकायतों से लेकर मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और छोड़ने की रोकथाम तक कई चिंताओं को सफलतापूर्वक संबोधित किया।

स्कूल स्टूडेंट हेल्पलाइन एक टोल-फ्री छात्र केंद्रित सेवा के रूप में संचालित होती है जो फोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुलभ होती है। यह एक सुरक्षित, गोपनीय और गैर-न्यायिक स्थान के रूप में कार्य करता है जहां छात्र अपनी चिंताओं को आवाज दे सकते हैं, मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं, और समय पर समर्थन प्राप्त कर सकते हैं। मामला पंजीकरण ऑनलाइन और ८:०० बजे से ८:०० बजे तक ऑफ़लाइन के माध्यम से उपलब्ध है। शिकायतों को संभालने के अलावा, हेल्पलाइन माता-पिता और समुदाय के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करती है, जो स्कूल से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए शिक्षकों और स्कूल प्रशासन के सहयोग से काम करती है। यह परीक्षाओं और अन्य समय की आवश्यकता के दौरान छात्रों और माता-पिता को परामर्श सहायता भी प्रदान करता है। १ अप्रैल, २०२४ और ३१ मार्च, २०२५ के बीच कुल ४४७ वैध मामले प्राप्त हुए। इन मामलों को २०२४-२५

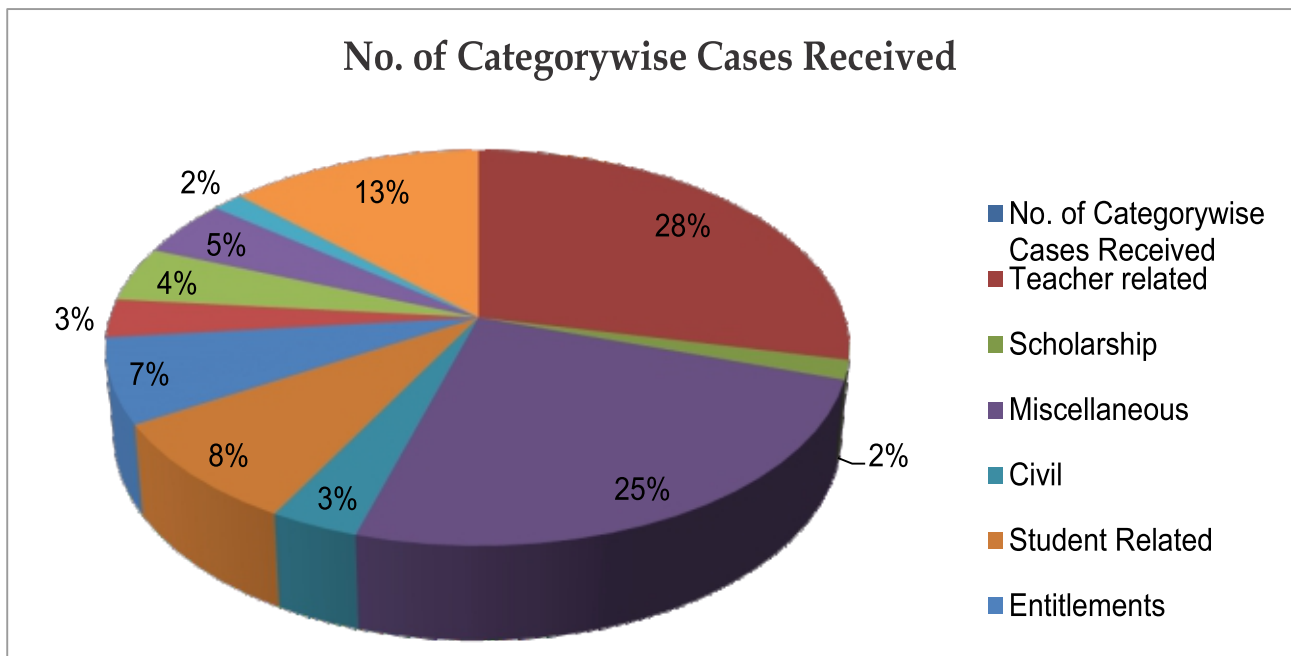


शैक्षणिक वर्ष के दौरान ३८ अलग-अलग प्रकारों में वर्गीकृत किया गया था। ग्राफ़िकल प्रतिनिधित्व में बेहतर स्पष्टता के लिए, इन श्रेणियों को व्यापक खंडों में वर्गीकृत किया गया है। नीचे दिए गए ग्राफ वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के लिए जिला और व्यापक श्रेणी द्वारा मामलों के वितरण को दर्शाते हैं।



चित्र १ : तटीय जिलों में दर्ज शिकायतों की संख्या गैर-तटीय जिलों की तुलना में अधिक है। यह ग्राफ दिखाता है कि खोरधा, केंद्रपाड़ा और कटक से दर्ज किए गए अधिकतम मामलों में से कोई भी, जहां मलकानगिरी और देवगढ़ जिलों से दर्ज किए गए न्यूनतम मामले हैं।

शिकायत श्रेणी



चित्र २: रेखाचित्र १: श्रेणीवार मामला दर्शाता है कि प्राप्त अधिकतम मामले शिक्षक से संबंधित हैं, इसके बाद पात्रता और स्कूल से संबंधित हैं



अब तक पहचाने गए मामलों की श्रेणी वार प्रमुख मुद्दों का विश्लेषण करते हुए स्कूल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से संबोधित किया गया है। शैक्षणिक तरसते २०२४-२५ के दौरान की गई गतिविधियां निम्नलिखित हैं।

दसवीं कक्षा की परीक्षा की तैयारी के लिए टिप्स

छात्रों पर मानसिक तनाव न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में बढ़ रहा है। बच्चे विभिन्न कारणों से मानसिक तनाव का शिकार हो जाते हैं। इन कारणों में, परीक्षा एक प्रमुख हो सकती है। हर बच्चा अपनी क्षमता के अनुसार सफलता प्राप्त करता है। कुछ लोग इस सफलता को प्राप्त करने के लिए बहुत समय लेते हैं, जबकि अन्य बहुत कम समय लेते हैं। यह उनके स्वयं के कौशल, दृष्टिकोण और अध्ययन विधियों पर निर्भर करता है जो वे अनुसरण करते हैं। इसलिए परीक्षा के डर / तनाव को दूर करने और बिना किसी डर के एएचएससी परीक्षा में शामिल होने के लिए अपने आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ाने के लिए एएचएससी परीक्षा के लिए दिसंबर २०२४ के महीने के दौरान एएचएससी परीक्षा में उपस्थित होने वाले दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए "परीक्षा के लिए आसान टिप्स" पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कुछ सामान्य तरीके नीचे दिए गए हैं जो बच्चों को परीक्षा के समय तनाव मुक्त होने और अपने सपनों को पूरा करने में मदद कर सकते हैं।

- सकारात्मक सोच
- अच्छी तरह से अध्ययन करें और नमूना पत्रों से मदद लें।
- ब्रेक लें।
- एक स्वस्थ आहार और अच्छी नींद लें।
- अपने भाई-बहनों और माता-पिता से बात करें।
- आत्म विश्वास के लिए योग का अभ्यास करें
- मोबाइल का सही उपयोग



राधाकांता सरकारी कन्या एन.एस. नयागढ़



जवाहर स्मृति एचएस, बोधेई, जगतसिंहपुर



23. ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम (ओवीईपी)

परिचय: शैक्षिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान ओडिशा के १७ जिलों के ५०० सरकारी स्कूलों में ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम (ओवीईपी) सफलतापूर्वक लागू किया गया था। यह कार्यक्रम **ओडिशा सरकार, ओसेपा और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट (एबीएफटी) की साझेदारी में चलाया जाता है।** ओवीईपी छात्रों को खेल, खेल, रचनात्मक गतिविधियों और कक्षा सीखने के माध्यम से दोस्ती, सम्मान और उत्कृष्टता के मूल्यों को सीखने में मदद करता है।

कार्यक्रम पहुंच और विस्तार

- २०२४-२५ में, **२५० नए सरकारी स्कूल** ओवीईपी में शामिल हुए, जिससे ओवीईपी स्कूलों की कुल संख्या **५००** होगई।
- नियमित गतिविधियों और सत्रों से २ लाख से अधिक छात्रों को लाभ हुआ। **१,५०० से अधिक पास के गैर-ओवीईपी स्कूल** भी आउटरीच कार्यक्रमों और कार्यक्रमों के माध्यम से शामिल हुए।
- गतिविधियों में **पैरालंपिक-प्रेरित खेलों का उपयोग करके सभी छात्र- लड़के, लड़कियां और विकलांग बच्चे** शामिल थे।
- पारंपरिक नृत्य, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मूल्यों और स्थानीय विरासत के बीच संबंध बनाने में मदद की।

प्रमुख गतिविधियां और समारोह

- **"चलो चलते हैं" अभियान:** छात्र-छात्राओं ने फुटबॉल, वालीबाल, खो-खो, कबड्डी आदि पारंपरिक नृत्य भी किए।
- **ओवीईपी दिवस २०२४:** **१,५००+ गैर-ओवीईपी स्कूलों की भागीदारी के साथ ५०० स्कूलों में** मनाया गया।
- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:** फिटनेस और माइंडफुलनेस को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा के सभी ३० जिलों में मनाया गया।
- **पेरिस ओलंपिक २०२४:** ओलंपिक खेलों और मूल्यों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया गया।
- **सूरवी २०२४:** बच्चों के उत्सव में ओवीईपी स्टालों में खेल और मूल्य-आधारित खेलों के साथ **२,०००+ छात्रों को शामिल किया गया।**

क्षमता निर्माण और शिक्षक प्रशिक्षण

- **५०० शिक्षकों के लिए नए जोड़े गए जिलों में ३ दिवसीय ट्रेन-द-ट्रेनर कार्यशालाएं आयोजित की गईं।**
- शिक्षण रणनीतियों में सुधार के लिए १७ जिलों में **१,००० शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित किया**



गया।

सीखने और मूल्यांकन

- गतिविधि-आधारित खेल और खेल मूल्यांकन की समझ में सुधार के लिए अकादमिक विषयों के साथ जुड़े हुए थे। ओलंपिक सिद्धांत सत्रों ने ओलंपिक आंदोलन के बारे में छात्र ज्ञान को गहरा करने में मदद की।
- वास्तविक जीवन की स्थितियों में मूल्यांकन की अपनी समझ का परीक्षण करने के लिए १.८ लाख छात्रों द्वारा एमसीक्यू आधारित आकलन किए गए थे।
- नियमित शिक्षक प्रतिक्रिया सत्रों ने गतिविधि योजना में सुधार करने में मदद की।

समुदाय और माता-पिता की भागीदारी

- मैत्री, सम्मान और उत्कृष्टता के मूल्यांकन पर छात्र-नेतृत्व की पहल के लिए कई स्कूलों में ओवीईपी क्लब बनाए गए थे।
- माता-पिता-शिक्षक बैठकों (PTMs) का उपयोग OVEP में परिवारों को शामिल करने और मूल्यांकन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया गया था।
- ग्रीष्मकालीन आउटरीच: एबीएफटी टीमें ने स्कूल की छुट्टियों के दौरान सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया।

संसाधन और ब्रांडिंग

- स्कूलों ने नियमित गतिविधियों का संचालन करने के लिए ओवीईपी किट, उपकरण और शिक्षण सामग्री प्राप्त की।
- कार्यक्रम पहचान को बढ़ावा देने के लिए विशेष ओवीईपी वर्दी और माल वितरित किए गए।
- ओलंपिक मूल्यांकन को बढ़ावा देने के लिए सभी ५०० स्कूलों में वॉल पेंटिंग और जागरूकता सामग्री का उपयोग किया गया था।

मान्यता और उपलब्धियां

- वार्षिक प्रगति समारोह के तहत जिला और राज्य स्तर के अधिकारियों द्वारा २५० स्कूलों के ५०० शिक्षकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।
- छात्रों ने दूसरों के प्रति बेहतर अनुशासन, सहानुभूति, टीमवर्क और सम्मान दिखाया।
- शिक्षकों ने बेहतर कक्षा व्यवहार की सूचना दी और खेल और मूल्यांकन-आधारित सीखने में छात्र की रुचि में वृद्धि हुई।

हीटवेव, छुट्टियों और परीक्षाओं जैसी चुनौतियों के बावजूद, ओवीईपी ने पूरे वर्ष गति बनाए रखी। यह कार्यक्रम मूल्यांकन पर आधारित शिक्षा के लिए एक मजबूत मॉडल के रूप में विकसित हो रहा है, जो ओडिशा के बच्चों को



२०२४-२०२५ की झलकियां
क्षमता निर्माण - ट्रेन-द-ट्रेनर्स कार्यशाला (चरण १):







ओवीईपी मर्चेन्डाइज और वर्दी:







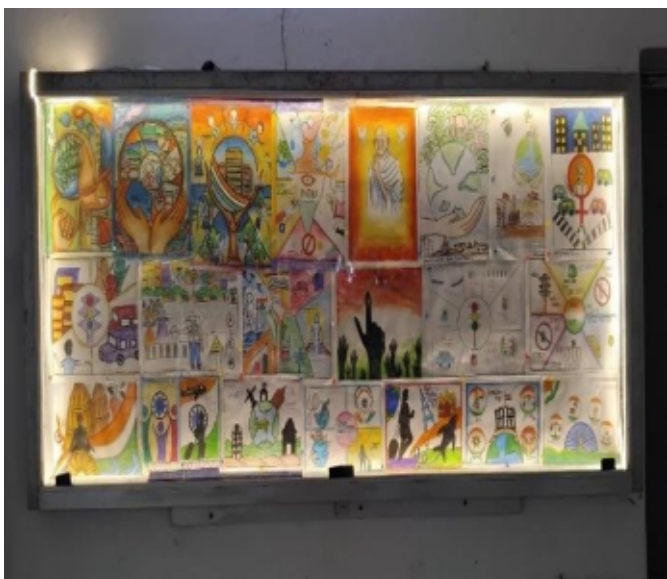
ओवीईपी गतिविधियों के लिए उपकरण और संसाधन:







स्कूलों में OVEP ब्रांडिंग:





वार्षिक ओवीईपी दिवस समारोह:





क्षमता निर्माण – पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यशाला (चरण २):



"चलो चलते हैं" अभियान





राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह:



पेरिस ओलंपिक २०२४ समारोह:



सूरवी २०२४ – राज्य स्तरीय बाल महोत्सव:



२०२४-२५ शैक्षणिक वर्ष में आयोजित गतिविधियाँ:





ओलंपिक मूल्यों को बढ़ावा देना:
वार्षिक OVEP प्रगति समारोह





24. टीई और एससीईआरटी

ओडिशा के शिक्षक शिक्षा के लिए समग्र शिक्षा २०२४-२५ पर पब अनुमोदन के अनुसार, एससीईआरटी और D.I.E.T विभिन्न प्रमुखों के तहत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए थे:

(A) कार्यक्रम और गतिविधियां (SCERT) : कार्यक्रम और गतिविधियों का मूल उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के लिए विभिन्न उभरते विषयों में D.I.E.T, सीआरसीसी, डीआरजी और एसआरजी सदस्यों, शिक्षकों और शैक्षिक प्रशासकों का क्षमता निर्माण करना है।

i. मासिक क्लस्टर स्तर की बैठक के लिए सामग्री का विकास और साझाकरण

चार कार्यशालाओं में नौ मासिक क्लस्टर स्तर की बैठकों की सामग्री विकसित की गई है।

- गतिविधि का उद्देश्य मोनो और बहु-ग्रेड दोनों स्थितियों में एफएलएन ग्रेड कक्षाओं को स्थानांतरित करने में शिक्षकों की क्षमता का निर्माण करना है।
- यह सामग्री राज्य स्तर पर डाइट के साथ साझा की गई है। डाइट संकाय ने क्लस्टर स्तर की बैठकों के दौरान सत्र का नेतृत्व करने के लिए एक ही सामग्री पर सीआरसीसी को उन्मुख किया है।



ii. द्वितीय. Shishuvatika कार्यपुस्तिका और शिक्षक पुस्तिका का विकास

- सरकारी हाई स्कूल, मणिनाथपुर ओडिशा, स्कूल और जन शिक्षा विभाग ने शिशुवटिका कक्षा (एक वर्ष पूर्व-प्राथमिक) खोलने का फैसला किया ०१.०४.२०२५ एनईपी २०२० के अनुसार प्राथमिक / प्राथमिक स्कूलों में।
- कक्षा की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए, निदेशालय टीई और एससीईआरटी ने पांच डोमेन यानी शारीरिक, सामाजिक-भावनात्मक-नैतिक, संज्ञानात्मक, भाषा, कला-सौंदर्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिशुवटिका के लिए एक कार्यपुस्तिका विकसित की है, और रचनात्मक।
- Shishuvatika की कक्षा गतिविधियों को मजबूत बनाने, एक सहायक सामग्री "Shishuvatika शिक्षक पुस्तिका" नाम से विकसित किया गया है।
- संशोधित बालवटिका प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आहार संकायों का अभिविन्यास चरणबद्ध तरीके से पूरा किया गया है।



iii एमजीएमएल और सीएल पर मॉड्यूल का विकास और आहार संकाय की क्षमता निर्माण

- कार्यशाला का उद्देश्य एमजीएमएल और एसईएल पर डीआईटी के संकाय की क्षमता का निर्माण करना और जिला स्तर पर डीआरजी को प्रभावी ढंग से उपरोक्त विषय पर प्रशिक्षण प्रदान करना था।



iv. नए भर्ती किए गए शिक्षकों (योजनाबद्ध) के लिए मॉड्यूल का विकास और आहार और डीआरजी के संकाय के क्षमता निर्माण

प्रभावी कक्षा लेन-देन के लिए अभिनव शिक्षण पर नए भर्ती शिक्षकों को उन्मुख करना और एक अभिनव पेशेवर शिक्षक के रूप में अपनी क्षमता का निर्माण करना।



v. कक्षा I-V के लिए एमजीएमएल पर गतिविधि पुस्तिका का विकास

कार्यशाला में विषय-वार एमजीएमएल सबक योजनाओं की समीक्षा और बढ़ाने, कार्यान्वयन के लिए एक आंदोलन योजना विकसित करने, भौतिक चुनौतियों का समाधान करने और प्रभावी कक्षा लेनदेन के लिए एमजीएमएल उद्देश्यों के साथ संसाधनों को संरेखित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।



vi. मल्टीग्रेड और बहुस्तरीय कक्षा लेनदेन और एसईएल पर डाइट संकाय का क्षमता निर्माण।

- कार्यशाला में तीन दिनों में विशेषज्ञ के नेतृत्व वाले सत्रों, इंटरैक्टिव गतिविधियों और सहयोगी पाठ योजना की विशेषता वाले कौशल आहार संकाय को मल्टीग्रेड / बहुस्तरीय कक्षा कक्ष प्रबंधन और एसईएल में बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- प्रतिबिंबित अभ्यास, वीडियो स्क्रीनिंग, कहानी बताने और भूमिका निभाने में लगे प्रतिभागियों ने विविधता, भावनात्मक लचीलापन, और शैक्षिक सेटिंग्स में करुणा और दया के महत्व को समझने के लिए।
- इस कार्यक्रम का समापन परीक्षण के बाद, फीडबैक फॉर्म और आत्म-जागरूकता, वैश्विक जुड़ाव और आम मानवता को पहचानने, शिक्षकों



को प्रभावी और सहानुभूतिपूर्ण शिक्षण प्रथाओं के लिए उपकरणों से लैस करने पर चर्चा के साथ हुआ।

(B) कार्यक्रम और गतिविधियां (३० डाइट)

इस गतिविधि के तहत संबंधित जिले की गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा के लिए जिले की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाओं, संगोष्ठी आदि के संचालन के लिए प्रत्येक आहार में औसतन २०.०० लाख रुपये की धनराशि रखी गई है।

i. डाइट कालाहांडी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी:

राष्ट्रीय संगोष्ठी विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को ज्ञान साझा करने, वर्तमान रुझानों पर चर्चा करने और शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित चुनौतियों और अवसरों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान करती है। संगोष्ठी का आयोजन नवीनतम घटनाओं पर अद्यतन रहने और एक दूसरे के अनुभव से सीखने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

इस संदर्भ में हमारे संस्थान ने 'समग्र विकास के लिए खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र' पर आठ उप-विषय क्षेत्रों में २९ जनवरी, २०२५ को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है।

संगोष्ठी के उद्देश्य:

- छात्र के संज्ञानात्मक कौशल, आभासी प्रसंस्करण और श्रवण प्रसंस्करण को बढ़ाने के लिए।
- मूलभूत चरण के दौरान बच्चे की सीखने की दुनिया में खिलौने, खेल और खेल का उपयोग सुनिश्चित करना।
- खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र के माध्यम से छात्रों के बीच वैचारिक समझ को मजबूत करना।
- खिलौनों के उपयोग के माध्यम से रचनात्मकता, कल्पना और सीखने को बढ़ावा देना।
- खिलौनों के माध्यम से संज्ञानात्मक, साइकोमोटर, सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने के लिए।

ii. द्वितीय. डीआईईटी, बौध द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार:

इस कार्यक्रम का उद्देश्य एसईएल पर विभिन्न हितधारकों के ज्ञान और जागरूकता को बढ़ाना है। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य एक स्वस्थ समाज के निर्माण पर सेल की गहन समझ प्रदान करना था। सेमिनार में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में संसाधन संपन्न शिक्षक, सीआरसीसी, बीआरसीसी, बीओएस और हमारे संस्थान के संकाय सदस्य शामिल थे। संगोष्ठी को इसकी सामग्री और संगठन के लिए अच्छी तरह से प्राप्त और सराहना की गई। सेमिनार एक शानदार सफलता थी, जो सीएल पर जागरूकता फैलाने और सीखने को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर रही थी। प्रतिभागियों ने मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की और भविष्य की घटनाओं में गहरी रुचि को उजागर किया।



iii बहु-ग्रेड बहु-स्तरीय (एमजीएमएल) और सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक शिक्षा (एसईएल) पर एक क्षमता-निर्माण कार्यक्रम, डाइट, गंजम द्वारा

सभी २२ ब्लॉकों के क्लस्टर रिसोर्स सेंटर कोऑर्डिनेटर (सीआरसीसी) के लिए मल्टी ग्रेड मल्टी लेवल (एमजीएमएल) और सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक शिक्षा (एसईएल) पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य शिक्षार्थियों के बीच सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक दक्षताओं को बढ़ावा देते हुए बहु-ग्रेड कक्षाओं में छात्रों की विविध सीखने की जरूरतों को पूरा करने के लिए सीआरसीसी को अभिनव शैक्षणिक रणनीतियों से लैस करना है। कार्यक्रम में बाल केंद्रित दृष्टिकोण, कक्षा प्रबंधन तकनीकों के एकीकरण और शिक्षा में समावेशिता और इकिटी को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इंटरैक्टिव सत्र, हाथों पर गतिविधियों, और मामले के अध्ययन ने प्रतिभागियों को अपने संबंधित समूहों में एमजीएमएल और एसईएल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए व्यावहारिक उपकरण प्रदान किए, जिससे शिक्षा वितरण की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि हुई।



iv. डाइट, सुंदरगढ़ द्वारा मल्टी ग्रेड मल्टी लेवल (एमजीएमएल) और सोशियो-भावनात्मक और नैतिक शिक्षा (एसईएल) पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

इस योजना के प्रमुख उद्देश्य हैं

- एकल-वर्ग और मल्टीग्रेड (बहु-वर्ग) दोनों स्थितियों के लिए कक्षा प्रबंधन तकनीकों की पहचान करना।
- छात्रों की संख्या से संबंधित कक्षा प्रबंधन समस्याओं की पहचान करने और संभावित समाधान सुझाने के लिए।
- एकल वर्ग और बहु ग्रेड शिक्षण के बीच समानता और अंतर को समझाने के लिए।
- प्रभावी मल्टीग्रेड सीखने के लिए एक योजना तैयार करना।

डाइट, सोनपुर द्वारा डाइट स्तर पर मासिक क्लस्टर स्तर की बैठक

- डाइट स्तर पर भौतिक मोड में मासिक क्लस्टर स्तर की ६ बैठकें आयोजित की गईं।



क्लस्टर स्तर की बैठक के उद्देश्य

१. एफएलएन की सामग्री पर सीआरसीसी को उन्मुख करना।
२. पाठ योजना के अनुसार गतिविधियों कैलेंडर / मासिक प्लानर वार गतिविधियों में सीआरसीसी को उन्मुख करना।
३. प्रत्येक क्लस्टर में FLN ट्रेकर्स तैयार करने के लिए।
४. प्रत्येक एमसीएम पर रिपोर्ट करें।

V. डाइट, खोरधा द्वारा वी। बालावटिका प्रशिक्षण (डीआरजी)

उद्देश्यों

- जिला संसाधन समूह के सदस्यों को प्रथम मॉड्यूल के उद्देश्यों, सामग्री और वितरण रणनीतियों से परिचित कराना।
- प्रथम मॉड्यूल के कार्यान्वयन में सहयोग करने में जिला संसाधन समूह के सदस्यों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना।
- ब्लॉक और स्कूल स्तर पर शिक्षकों और हितधारकों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए जिला संसाधन समूह के सदस्यों की क्षमता को बढ़ाना।
- ब्लॉक स्तर पर बलवटिका प्रशिक्षण के प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी सुनिश्चित करना।



उपलब्धि

- डाइट खोरधा ने PRASTUTI मॉड्यूल पर ८५ DRG सदस्यों को सफलतापूर्वक बनाया है जिन्हें निर्धारित समय के भीतर अपने ब्लॉक स्तर के प्राथमिक शिक्षकों को उन्मुख करने के लिए सौंपा गया है।
- इस अभिविन्यास कार्यक्रम के तहत, खोरधा जिले के प्रत्येक ब्लॉक में ९०% प्राथमिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया था।



vi. गणित के मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला (डाइट, खोरधा)

उद्देश्यों

- प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से उच्च प्राथमिक छात्रों के बीच प्रमुख गणितीय विषयों की वैचारिक समझ को मजबूत करना।
- हाथों पर सामग्री, खेल, वास्तविक जीवन के उदाहरणों और समूह के काम के माध्यम से गतिविधि-आधारित और अनुभवात्मक सीखने को बढ़ावा देना।
- खोरधा और ओडिशा से स्थानीय उदाहरणों, सांस्कृतिक संदर्भों और सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करके गणितीय शिक्षण को संदर्भित करना।





४. निर्देशित खोज और पूछताछ आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से छात्रों में समस्या को सुलझाने और तर्क कौशल विकसित करने के लिए।
५. गणित की चिंता को कम करने और शिक्षार्थियों के बीच गणित के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।
६. सीखने के अंतराल की पहचान करने और समय पर उपचार प्रदान करने के लिए मूल्यांकन तकनीकों को एकीकृत करना।

उपलब्धियों

१. बेहतर शिक्षण अभ्यास:

- अभिनव टीएलएम (शिक्षण-शिक्षण सामग्री) का विकास और कार्यान्वयन।
- अवधारणा-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षण पर पूर्व-सेवा और इन-सर्विस शिक्षकों के लिए हाथ से प्रशिक्षण।

२. क्षमता निर्माण:

- शैक्षणिक कौशल को बढ़ाने के लिए शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं और अभिविन्यास कार्यक्रमों का नियमित संगठन।
- समावेशी शिक्षण रणनीतियों और मूल्यांकन तकनीकों का परिचय।

३. अनुसंधान और कार्य परियोजनाएं:

- गणित में छात्र सीखने में सुधार पर लघु-स्तरीय कार्य अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करना।
- राज्य या राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों में अनुसंधान निष्कर्षों के प्रकाशन या प्रस्तुतियाँ।



**४. छात्र प्रदर्शन संवर्धन:**

- उपचारात्मक शिक्षण और गतिविधि-आधारित सीखने के माध्यम से गणित में छात्रों के प्रदर्शन में सुधार।
- आनंदपूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गणित किट और आईसीटी उपकरणों का उपयोग।

५. सामुदायिक जुड़ाव:

- छात्रों के बीच गणित में रुचि विकसित करने के लिए गणित खेलों, प्रदर्शनियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- गणित से संबंधित घटनाओं में सहकर्मी सीखने और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

६. संसाधन सामग्री का विकास:

- क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षक हैंडबुक, गतिविधि पुस्तकें और कार्यपत्रकों की तैयारी।
- पाठ्यक्रम संशोधन या पाठ्यपुस्तक समीक्षा प्रक्रियाओं में योगदान।

आहार खोरधा में एक अच्छी तरह से विकसित गणित मॉड्यूल सिर्फ एक शिक्षण सहायता नहीं है - यह बदलने के लिए एक उत्प्रेरक है कि कैसे जिले और यहां तक कि राज्य भर में कक्षाओं में गणित पढ़ाया जाता है और सीखा जाता है।

(C) २०२४-२५ के लिए एससीईआरटी द्वारा ई-सामग्री का विकास:

दीक्षा पहल के तहत, स्कूली शिक्षा के लिए डिजिटल सामग्री के अभिविन्यास और विकास का समर्थन करने के लिए वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के लिए समग्र शिक्षा से ₹८,००,०००.०० की राशि प्राप्त की गई थी।

क्षमता निर्माण

संस्थागत क्षमता के निर्माण के लिए, राज्य भर के विभिन्न आहारों के ३० संकाय सदस्यों को दो चरणों में उन्मुख किया गया था। इन अभिविन्यास कार्यक्रमों में शिक्षण-अधिगम में आईसीटी के एकीकरण, शैक्षणिक रूप से ध्वनि ई-सामग्री विकास, मेटाडेटा टैगिंग और पाठ्यक्रम के साथ संरेखण और दीक्षा मंच और अन्य डिजिटल प्रसार चैनलों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। अभिविन्यास के बाद, प्रशिक्षित आहार संकाय सदस्यों ने ओडिया, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन और विज्ञान सहित कई विषयों में कक्षा I से VIII तक कुल ५०० ई-सामग्री विकसित की।

ई-सामग्री विकास और वीटिंग

विकसित ई-सामग्री को एससीईआरटी, ओडिशा में विषय विशेषज्ञों द्वारा गुणवत्ता, पाठ्यक्रम प्रासंगिकता और शैक्षणिक सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए जांच की गई थी।

प्रसार और आउटरीच

अंतिम ई-सामग्री को कई प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यवस्थित रूप से अपलोड और प्रसारित किया गया था:

- **दीक्षा पोर्टल:** शिक्षकों और छात्रों द्वारा आसान पहुंच के लिए प्रासंगिक विषय और कक्षा फ़ोल्डरों में एकीकृत



- एससीईआरटी ओडिशा का आधिकारिक यूट्यूब चैनल: व्यापक आउटरीच और अतुल्यकालिक सीखने के लिए बढ़ावा दिया
- पीएम ई-विद्या डीटीएच चैनल १३८ और १३९: दूरस्थ और डिजिटल-विभाजित क्षेत्रों में शिक्षार्थियों तक पहुंचने के लिए अनुसूचित स्लॉट में प्रसारित किया गया



प्रभाव और आगे का रास्ता

इस पहल ने न केवल राज्य के डिजिटल भंडार को मजबूत किया है, बल्कि सामग्री केंद्रों के रूप में डाइट को भी सशक्त बनाया है। इसने शिक्षक-जनित संसाधनों की दृश्यता को बढ़ाया है और एनईपी २०२० के डिजिटल शिक्षा और समान पहुंच के लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

(D) डाइट द्वारा ई-सामग्री का विकास

i. ई-सामग्री विकास और अंतिम रूप देने पर कार्यशाला, गंजम

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईटी), गंजम, खलीकोट ने ई-सामग्री विकास पर एक व्यापक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। संसाधन व्यक्तियों ने पिछले सत्रों में शिक्षकों द्वारा विकसित अनुकरणीय ई-सामग्री का प्रदर्शन किया और प्रतिभागियों को अपनी सामग्री तैयार करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश प्रदान किए। कार्यशाला के दौरान, शिक्षक सक्रिय रूप से सामग्री तैयार करने, प्रभावशाली पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों को डिजाइन करने, रिकॉर्डिंग सत्रों में भाग लेने और पूरी तरह से समीक्षा प्रक्रिया में भाग लेने में लगे हुए थे। इस कार्यक्रम का



समापन एक समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) कक्षाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से गुणवत्ता ई-सामग्री के सफल विकास को चिह्नित किया गया। कार्यशाला में डिजिटल शिक्षण अनुभवों को समृद्ध करने की दिशा में सभी प्रतिभागियों की रचनात्मकता, सहयोग और समर्पण को दर्शाया गया।



ii. द्वितीय. ई-सामग्री विकास और अंतिम रूप देने पर कार्यशाला, कालाहांडी

ई-सामग्री ने सुलभ, आकर्षक और इंटरैक्टिव सीखने के अनुभव प्रदान करके शिक्षा क्षेत्र में क्रांति ला दी है। ई-सामग्री शिक्षक को कक्षा सीखने के अनुभवों को प्रभावी तरीके से बढ़ाने में सुविधा प्रदान करती है। यह सीखने वाले के ज्ञान के स्तर को बढ़ाने में भी मदद करता है जो रचनात्मक सोच की ओर जाता है। यह सीखने के पारंपरिक तरीकों की तुलना में



बहुत समय की बचत है। यह वीडियो, एनिमेशन और ऑडियो संसाधनों को शामिल करने में सक्षम बनाता है, एक बहु-संवेदी सीखने का माहौल बनाता है जो विभिन्न सीखने की शैलियों को पूरा करता है। ई-सामग्री शिक्षकों का लाभ उठाकर छात्रों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आकर्षक, व्यक्तिगत और सुलभ सीखने के अनुभव बना सकते हैं।

DIET, कालाहांडी ने प्रभावी कक्षा लेनदेन के लिए ई-सामग्री विकसित करने के लिए शिक्षकों की सुविधा के लिए २८/०८/२०२४ से ३०/०८/२०२४ तक ३ दिन की कार्यशाला आयोजित की है। कक्षा ३ से ८ के लिए लगभग ५६ ई-सामग्री को विभिन्न विषयों पर संकायों द्वारा विकसित और समीक्षा की गई है। यह संस्थान के यूट्यूब चैनल(<https://youtube.com/@dietkalahandi?si=rsPaQqDQ1ZTtJU4H>) में अपलोड किया गया है ताकि सभी के लिए सुलभ हो सके। यह पहल डिजिटल संसाधनों के माध्यम से शिक्षा को बढ़ाती है, शिक्षकों और छात्रों का समर्थन करती है। ई-सामग्री का उद्देश्य छात्र सीखने के परिणामों में सुधार करना, प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देना और शिक्षकों के लिए एक मूल्यवान संसाधन प्रदान करना है। इस सामग्री को ऑनलाइन उपलब्ध कराकर, आहार, कालाहांडी जिले में शिक्षा के समग्र सुधार में योगदान देने वाले एक व्यापक खंड तक पहुंचता है।

सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक शिक्षा (एसईएल), आहार खोरधा पर सीआरसीसी का अभिविन्यास उद्देश्यों:

- मोनो ग्रेड और बहु ग्रेड शिक्षण के बीच अंतर का वर्णन करने के लिए
- मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि के साथ एक सकारात्मक सीखने के माहौल बनाने के लिए
- एक बहु-स्तरीय शिक्षण योजना तैयार करना
- बहु ग्रेड और मोनो ग्रेड शिक्षण कौशल की स्थिति की पहचान करने के लिए
- कक्षा प्रबंधन समस्या की पहचान करने के लिए कक्षा में मौजूद छात्रों की संख्या और उनके संभावित समाधान के आधार पर।

उपलब्धि

- ११ ब्लॉकों के सभी सीआरसीसी दो चरणों में आहार खोरधा द्वारा उन्मुख होते हैं ताकि सीआरसीसी को मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके कि मल्टीग्रेड क्लास शिक्षण को कैसे संभालना है, मल्टीग्रेड कक्षा की



स्थिति से निपटने के लिए अलग-अलग कौशल, मल्टीग्रेड, बहुस्तरीय कक्षा में आयोजित की जाने वाली गतिविधियां और सामाजिक गतिविधियों का संचालन करना। भावनात्मक और नैतिक जागरूकता, आत्म-जागरूकता।

- सभी सीआरसीसी ने एमजीएमएल कक्षा की स्थिति के लिए विभिन्न गतिविधियों और शिक्षण योजना तैयार की। और सीएल के तहत आयोजित की जाने वाली गतिविधियाँ। इससे उन्हें बहुश्रेणी की कक्षा की स्थिति को संभालने के लिए शिक्षकों को समर्थन प्रदान करने में मदद मिलेगी और छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।
- खोरधा जिले के सभी शिक्षक सीआरसीसी के मार्गदर्शन में एमजीएमएल वर्ग के संचालन के कौशल सीखते हैं और छात्रों के समग्र विकास के लिए सीईएल गतिविधियों की विभिन्न किस्मों को भी किया है।



DIET-CRC लिकेज का सुदृढ़ीकरण

उद्देश्यों

- शैक्षिक आवश्यकताओं और चुनौतियों के लिए संदर्भ विशिष्ट रणनीतियों को विकसित करना
- सभी छात्रों के लिए इक्विटी और समावेश को बढ़ावा देना।
- शिक्षकों की क्षमता में सुधार के लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए।
- निगरानी और सलाह के माध्यम से अपने क्लस्टर में अकादमिक समर्थन को मजबूत करना।
- अपने क्लस्टर में नवाचार और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना।
- शैक्षिक परिणामों के लिए आहार और सीआरसी के बीच सहयोग को मजबूत करना।

उपलब्धियों

- सीआरसीसी के माध्यम से शिक्षकों के साथ सहयोग बढ़ाना
- संयुक्त योजना और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बेहतर शिक्षक सीखना
- समीक्षा बैठक के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना
- स्कूल स्तर पर शैक्षिक सहायता प्रदान करें।



संस्थागत अनुसंधान और सहयोगात्मक कार्रवाई अनुसंधान

उद्देश्यों

- स्कूलों के साथ मिलकर काम करना और शिक्षण सीखने की प्रक्रिया के विभिन्न आयामों पर पहला अनुभव प्राप्त करना
- शिक्षण शिक्षण दृष्टिकोण के वैकल्पिक तरीकों को विकसित करना और स्कूलों में उन पर प्रयोग करना
- शिक्षकों के सहयोग से स्कूल और कक्षा से संबंधित गतिविधियों में समस्याओं की पहचान करना और कार्य शोध का संचालन करना



उपलब्धियों

- शिक्षकों को अपने स्कूल में शिक्षण प्रथाओं में सुधार करने में मदद करता है।
- अनुसंधान के निष्कर्ष छात्र सीखने को समझने में मदद करते हैं।
- शिक्षक चुनौतियों की पहचान कर सकते हैं और इसे संबोधित करने के लिए रणनीतियों का विकास कर सकते हैं।
- अनुसंधान शिक्षक के निरंतर व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करता है।
- कार्य अनुसंधान शिक्षक का संचालन करके अनुसंधान में ज्ञान और कौशल विकसित करें।



छात्रों की पढ़ने की समझ विकसित करने के लिए सामग्री के विकास पर कार्यशाला

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) खोरधा द्वारा आयोजित रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को बढ़ाने के लिए सामग्री के विकास पर कार्यशाला। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को उन सामग्रियों को डिजाइन और विकसित करने के लिए कौशल और ज्ञान से लैस करना है जो छात्रों को विविध प्रकार के पाठ के लिए उजागर करते हैं, पाठ्यपुस्तक से परे उनकी समझ और साक्षरता कौशल को बढ़ावा देते हैं। इस पहल के माध्यम से, हम छात्रों को



कुशल पाठक बनने के लिए सशक्त बनाना चाहते हैं, जो ग्रंथों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ समझने और गंभीर रूप से संलग्न होने में सक्षम हैं, अंततः उनके अकादमिक प्रदर्शन और आजीवन सीखने की क्षमताओं को बढ़ाते हैं। कार्यशाला ने शिक्षकों को प्रभावी सामग्री विकसित करने के लिए मूल्यवान् अंतर्दृष्टि और रणनीतियों प्रदान की पढ़ने की समझ बढ़ाने के लिए। सिफारिशें और परिणाम छात्र साक्षरता कौशल में सुधार के लिए भविष्य की पहलों को सूचित करेंगे।

उद्देश्यों

- उन सामग्रियों को डिजाइन और विकसित करना जो छात्रों के बीच पढ़ने की समझ कौशल को बढ़ाते हैं।
- छात्रों को विविध पाठ प्रकारों और शैलियों में उजागर करने के लिए।
- पढ़ने के माध्यम से महत्वपूर्ण सोच और विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ावा देना।
- जटिल ग्रंथों को समझने और व्याख्या करने की छात्रों की क्षमता में सुधार करना।
- आजीवन पढ़ने की आदतों और साक्षरता कौशल को बढ़ावा देना।

उपलब्धियों

- डाइट खोरधा ने तैयारी और मध्य चरणों के छात्रों के लिए पढ़ने की समझ (एमपडीबू, बुझिबू, लीखिबू) विकसित करने के लिए शिक्षक सहायता सामग्री को सफलतापूर्वक विकसित किया है।
- डाइट, खोरधा ने ग्रेड एलएल से आठवीं तक पढ़ने की समझ सामग्री की सफलतापूर्वक समीक्षा की है।
- अंतिम शिक्षक सहायता सामग्री खोरधा जिले के शिक्षकों के बीच प्रसार करने के लिए तैयार है।



जिला स्तरीय एनआईपीयूएन मेला

उद्देश्यों

- हर बच्चे की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए।
- स्कूल में हर बच्चे पर ध्यान दें।
- बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजना।
- माता-पिता को अपने बच्चों की दैनिक प्रगति के बारे में सूचित करना
- स्कूल में एक उपयुक्त शिक्षण वातावरण बनाने के लिए
- विभिन्न टीएलएम और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एक बहुत ही हर्षित सीखने की कल्पना बनाकर सीखने की दिशा में शिक्षार्थियों को प्रेरित करना



उपलब्धियों

- यह जिला स्तरीय एनआईपीयूएन मेला एफएलएन की अवधारणा के बारे में सभी हितधारकों को जागरूक करेगा जो १ से ३ तक सभी छात्रों की बुनियादी शिक्षा है
- यह कार्यक्रम उन माता-पिता को संवेदनशील करेगा जो घर पर सभी बच्चों के पहले शिक्षक हैं।
- इस मेले के माध्यम से बड़ी संख्या में शैक्षिक जन बहुत सुनिश्चित करेंगे और आने वाले वर्षों के लिए शिक्षा के लक्ष्यों के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- डाइट खोरधा कई हितधारकों को इकट्ठा करने का अवसर प्रदान करेगा जो इस कार्यक्रम के माध्यम से इस मिशन के महान योगदानकर्ता हैं।



25. मीडिया और दस्तावेजीकरण



EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 3, 2024

ଡା. ୦୨.୦୪.୨୦୨୪ରେ ଉତ୍ତର ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗରେ ପାଠପଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେବା ସହ ନୂତନ ଭାବେ, ବେସ୍ଥର ସେବା ପାଇଁ ବେସ୍ଥର ଶ୍ରେଣୀରେ ପିଲାମାନଙ୍କର ନାମଲେଖା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ମଧ୍ୟ ଚାଲି ରହିଛି ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 9, 2024

DEO-cum-DPCs, Samagra Shiksha, embark on a transformative 2-day Review-cum-Capacity Building Workshop at Pantha Nivas, Bhubaneswar, on April 9th-10th, 2024.



EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 21, 2024

Celebrating the 10th International Day of Yoga with the 1st Bagless activity under Samagra Shiksha! Across 46,249 schools, 4.3 million students embraced Yoga, promoting "Yoga for Self and Society". An inspiring move towards a healthier life!

#YogaDay2024
#HealthyLiving



EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 26, 2024

Replying to @SMEOdisha

ବିପଦ ସମୟ, ପୁରୁଷିତ ମହତ୍ତ୍ବ, ସୁରକ୍ଷା ପାତ୍ର, ଅଗ୍ନି ନିର୍ବାପକ ପାତ୍ର, ମଲ୍-ପ୍ରିୟ, ଜାତୁଜାତ୍ରା ଗଣିତ ଏବଂ ସୁରକ୍ଷା ପାତ୍ର ଆଦି ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା । ସମସ୍ତ ବାସିନ୍ଦା, ଶିକ୍ଷକ-ଶିଷ୍ୟମାନଙ୍କ ଏବଂ ଜାତୁଜାତ୍ରାମାନଙ୍କ ନିଜିକ ବ୍ୟାପାରରେ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସମାପ୍ତ ହୋଇପାରିଛି ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 22, 2024

କାହାଣୀ ଶିକ୍ଷାମିତି-୨୦୨୦ର ବାର୍ଷିକ ପୂର୍ବ ଉପଲକ୍ଷେ ଉତ୍ସବଗଣର ଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ, ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷା ଓ ସାକ୍ଷରତା ବିଭାଗ, ନୂଆଦିଲ୍ଲୀର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକମାନୁସାରେ ସାରା ରାଜ୍ୟରେ ୨୨ ଜୁଲାଇ ୨୦୨୪ ରୁ ୨୮ ଜୁଲାଇ ୨୦୨୪ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଶିକ୍ଷା ସପ୍ତାହ ପାଳନ କରାଯାଉଛି ।

#ShikshaSaptah
#NEP2020
#SamagraShiksha



EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 20, 2024

ଆବୃତ୍ତାତ୍ମା ମାନବ ମଧ୍ୟରେ ଶୁଦ୍ଧିବା ଓ କହିବା ଶକ୍ତିର ବିକାଶ ଡିଜିଟାଲ ଚେତନା ଶିକ୍ଷା ବର୍ତ୍ତେ “ପୁରାତନ କୋଳି-ବିକାଳ ବିବର” ଭାବେ “ଉପ ଶୁଦ୍ଧିବା ଓ କହିବା” ବାସ୍ତବିକତା ଭାବରେ ପ୍ରାଥମିକ ଓ ଉଚ୍ଚ ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟରୁ ଆରମ୍ଭ ହେବାକୁ ଉଚିତ।





EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 23, 2024



"ଶିକ୍ଷା ସପ୍ତାହ"ର ଦ୍ୱିତୀୟ ଦିନରେ "ନୈମିତ୍ତିକ ସାକ୍ଷରତା ଓ ସଂଖ୍ୟାଞ୍ଚଳ" (FLN) ସମ୍ବନ୍ଧରେ ବ୍ୟାପକ ସଚ୍ଚରଚନା ପୂର୍ଣ୍ଣ ଓ ଏହାର ସମସ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ନିମନ୍ତେ ଶ୍ରଦ୍ଧାଂଜଳି ଦେବାକୁ ପ୍ରୟତ୍ନରୁ ବୃତ୍ତାନ୍ତ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବିଭିନ୍ନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କରାଯାଇଛି ।

#ShikshaSaptah
#NEP2020
#SamagraShiksha



EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 23, 2024



Replying to @SMEOdisha

ଉପର ପାଠ, ପ୍ରଦର୍ଶନୀ, FLN ଶୃଙ୍ଖଳ, ଗଣିତ କଥା, ଗୀତ ମାଧ୍ୟମରେ ଶିକ୍ଷାଦାନ, ଶିକ୍ଷକ ସାମଗ୍ରୀ ପ୍ରଦର୍ଶନ, ଶେଷୀ ସରକାରୀ, ଶ୍ରେଣୀ କାର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରଦର୍ଶନ, ଶ୍ରେଣୀ ଶିକ୍ଷାରେ ଯାତ୍ରା ପେଡ଼ିର ବ୍ୟବହାର କରାଯିବ କେଉଁଠି ବିଭିନ୍ନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ବିଦ୍ୟାବହନକୁ କରେ ଆୟୋଜିତ କରାଯାଇଥିଲା ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 24, 2024



"ଶିକ୍ଷା ସପ୍ତାହ"ର ତୃତୀୟ ଦିନରେ ଶ୍ରଦ୍ଧା ପ୍ରତିଷ୍ଠା ପାଠକର କରାଯାଇଛି । ଶ୍ରୀମତୀ ଶିଖାମଣି-୨୦୨୦ ଅନୁଯାୟୀ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ମାନବିକ ବିକାଶ ସହିତ ଶାରୀରିକ ବିକାଶକୁ ଅଗ୍ରାଧିକାର ଦେଇ ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ପ୍ରାଦୁର୍ଭାବ ବିଦ୍ୟାବହନରେ ବ୍ୟାପକ କ୍ରିୟାକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଆଯାଇଛି ।

#ShikshaSaptah
#NEP2020
#SamagraShiksha



EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 25, 2024



"ବିଭିନ୍ନ ମଧ୍ୟରେ ଏକତା" ବି ଭାରତୀୟ ସଂସ୍କୃତିର ମୂଳମନ୍ତ୍ର । "ଶିକ୍ଷା ସପ୍ତାହ"ର ଚତୁର୍ଥ ଦିନରେ "ସଂସ୍କୃତିର ବିବର" ରୂପେ ପାଠକର କରାଯାଇଛି । ଭାରତର ସରକାରୀ ଓ ସରକାରୀ ଅନୁଦାନପ୍ରାପ୍ତ ବିଦ୍ୟାବହନ ରୂପରେ ବସ୍ତ୍ର ଓ ଭବାନୀ ସହ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେଉଥିବା ବିଭିନ୍ନ ସଂସ୍କୃତିର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ।

#ShikshaSaptah
#NEP2020



EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 26, 2024



"ଶିକ୍ଷା ସପ୍ତାହ"ର ପଞ୍ଚମ ଦିନର "ଦକ୍ଷତା ଓ ଦୃଷ୍ଟିଶୀଳ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଦିନ" ରୂପେ ପାଠକର । ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ଅନୁନିର୍ମଳତା କରାଇ ଦୃଷ୍ଟିଶୀଳ ସାଜିବାକୁ । ପିଲାମାନଙ୍କୁ ଅନୁପ୍ରାଣିତ କରା ବିଭିନ୍ନ ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ କରାଯାଇଛି ।

#ShikshaSaptah
#NEP2020
#SamagraShiksha



EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 27, 2024



"ଶିକ୍ଷା ସପ୍ତାହ"ର ଷଷ୍ଠ ଦିନରେ ବିଦ୍ୟାବହନରେ ପାଠକର ଯେଉଁ "ମାଆ ପାଇଁ ଗଛଟିଏ" । "କରୋଡ଼" ଅନୁସାରେ ସ୍ୱଳ୍ପ ପରିବାର, ଖାଲି ଭାଗ ଓ ଭାଗ୍ୟ ଅନ୍ତରରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ନିଜ ମାଆଙ୍କ ସହ ମିଶି ଗଛ ରୋପଣ କରୁଛନ୍ତି ।

#ShikshaSaptah
#plantformother
#NEP2020
#SamagraShiksha







OSEPA @OSEPA_Official · Sep 2, 2024

Promote

ସେକ୍ସୁଆଲ୍‌ହାର୍‌ମ୍‌ର ଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରାଳୟ, ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷା ଓ ସାବିତ୍ରୀ ବିଭାଗ, ନୂଆଦିଲ୍ଲୀର ଡିପେଣ୍ଡେନ୍ସିଆଲ୍‌ସ୍‌କୋଲ୍‌ରେ ସାଥୀ ଉପାଧ୍ୟକ୍ଷ ୧-୧୫ ସେପ୍ଟେମ୍ବର ୨୦୨୪ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ "ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଥ" ପାଇଁ କରାଯାଇଛି । ଏହି କ୍ରମରେ ଆମ ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ବିଦ୍ୟାଳୟଗୁଡ଼ିକରେ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଶପଥ ପାଠ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପାଳନ କରାଯାଇଛି ।



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 2, 2024

Promote

"ସ୍ୱଚ୍ଛତା ହିଁ ସେବା" । ଓଡ଼ିଶା ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରାଧିକରଣ (ଓସେପା)ର ରାଜ୍ୟ ପ୍ରକଳ୍ପ ଡିପେଣ୍ଡେନ୍ସିଆଲ୍‌ସ୍‌କୋଲ୍‌ ଅନୁଷ୍ଠାନ ବାସ, ଆଇ.ଏ.ଏସ୍., ସମସ୍ତ ବିଭାଗୀୟ ପୁରୁଷ ଓ କର୍ମଚାରୀ ମାନଙ୍କୁ ରାଜ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ "ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଶପଥ ପାଠ" କରାଯାଇଛି । ଏହି ଶପଥ ପାଠ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର ଦିନି ଶୁକଳ ...



CMO Odisha and R. Rathore



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 3, 2024

Promote

ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିବେଶକୁ ସ୍ୱଚ୍ଛ ଓ ପ୍ରସାଦ କରି ଚଳିଥିବାବେଳେ ଗୋଟିଏ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଓ ଶିକ୍ଷକ/ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଆଖିପଛରେ ପରିବେଶକୁ ଆଧୁନିକ ଭାବରେ କରିଥିବା । ଏହି ଦିବସର ଦିନି ଦୃଶ୍ୟ...



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 3, 2024

Promote

ଗୋଟିଏ ସରକାରୀ ହିଁ ପ୍ରକଳ୍ପର ମୁଖ୍ୟ । ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଥ ପାଇଁ ଅବସରରେ ରାଜ୍ୟ ବିଦ୍ୟାଳୟଗୁଡ଼ିକରେ ସ୍ୱଚ୍ଛତାକୁ ପ୍ରଚାର ଦେଇ ଏସ.ଏମ.ସି. / ଏସ.ଏମ.ସି.ସି. / ପି.ଟି.ଏ / ଶିକ୍ଷକ/ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀମାନେ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଉପଲବ୍ଧ ଥିବା ସ୍ୱଚ୍ଛତା ସମ୍ପର୍କରେ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ପ୍ରଦାନକୁ ପରଖୁଥିଲେ ।



CMO Odisha and 6 others



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 6, 2024

Promote

କିନ୍ତୁ ହିଁ ଶାନ୍ତ: ଶତ୍ରୁ ପୁରୁଷର, ଶତ୍ରୁ ସାମ୍ରାଜ୍ୟ ଓ ଏକକ ବ୍ୟବସ୍ଥା ପ୍ରାକୃତିକ ବର୍ଣ୍ଣନା ପ୍ରଦାନକାରୀ ଶାନ୍ତିର ଶାନ୍ତିର । "ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଥ"ର ଶତ୍ରୁ ଦିବସରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଉପଲବ୍ଧ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଓ ପ୍ରାକୃତିକ ମାଧ୍ୟମରେ ସରକାରୀ ପ୍ରକଳ୍ପ କରୁଛନ୍ତି ।



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 6, 2024

Promote

ସ୍ୱଚ୍ଛ ଦିବସ ପାଇଁ: ଓଡ଼ିଶା ଶିକ୍ଷକମାନେ ପ୍ରକଳ୍ପର ସମସ୍ତ ଉପକରଣ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିଥିବା । ଏକ ଉପକରଣ ଉପକରଣ ସେମାନଙ୍କର ଲୁଗା ଏକାଠି ଆଣିଥିବା । ଶିକ୍ଷକ ଓ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ପରୀକ୍ଷାରେ ନେଇ "ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଥ"ର ଶତ୍ରୁ ଦିବସରେ ଉପକରଣ ସହିତ ବିଦ୍ୟାଳୟଗୁଡ଼ିକରେ ଆନୁଷ୍ଠାନିକ କରାଯାଇଛି "ସ୍ୱଚ୍ଛଦିବସ" ।





OSEPA @OSEPA_Official · Sep 10, 2024

Promote

ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଆନ୍ତର୍ଦ୍ଦେଶୀୟ ଦିବସ ।
ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶ୍ରବଣେ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଆନ୍ତର୍ଦ୍ଦେଶୀୟ ଦିବସରେ ଶାସ୍ତ୍ରଜ୍ଞାନାଳୟ ମଧ୍ୟରେ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି । ପରିଷ୍କାର ଓ ପରିଚ୍ଛନ୍ନତା ଉପରେ ସଚେତନତା ସୃଷ୍ଟି କରିବା ପାଇଁ ଉଚ୍ଚ ଶାସ୍ତ୍ରଜ୍ଞାନାଳୟରେ ମଧ୍ୟ ପିଲାମାନଙ୍କୁ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନ୍ୟସାଧ୍ୟ କରିଛି ।



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 11, 2024

Promote

ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଦିବସ:
“ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଠ”ର ଏକାଦଶ ଦିବସରେ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପରିଷ୍କାର ପରିଚ୍ଛନ୍ନତା, ଶାସ୍ତ୍ରଜ୍ଞାନାଳୟରେ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ପରିଚ୍ଛନ୍ନତା, ଶୈଳୀଗନ୍ଧର ପ୍ରଦର୍ଶନ ଓ ପାମାୟକତା ଉପରେ ବ୍ୟବହାର କରାଯିବା ଉପରେ ସଚେତନତା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ । ଦୃଶ୍ୟଶ୍ରବ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ମଧ୍ୟରେ ଶାସ୍ତ୍ରଜ୍ଞାନାଳୟରେ ପ୍ରଦର୍ଶନ ।



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 13, 2024

Promote

ସ୍ୱଚ୍ଛତା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ଯୋଜନା ପ୍ରସ୍ତୁତି ନିମନ୍ତେ ଶାସ୍ତ୍ରଜ୍ଞାନାଳୟ, ଅଭିଭାବକ ଓ ଶାଳୀୟ ଶାସ୍ତ୍ରଜ୍ଞାନାଳୟ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନା / ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନା ଓ ଉଚ୍ଚତମ କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସଚେତନତା ଓ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ବ୍ୟବହାର ମଧ୍ୟରେ ଆରୋପନ ।

#SwachhataHiSeva #SwachhBharatMission #SwachhataPakhwada



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 13, 2024

Promote

“ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଠ”ର ଅନ୍ୟତମ ଆକର୍ଷଣ ହେଉଛି ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ପ୍ରଦର୍ଶନ । ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଠରେ ଶାସ୍ତ୍ରଜ୍ଞାନାଳୟରେ ଶାଳୀୟ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ କୃତ୍ରିମ ପ୍ରଦର୍ଶନ...



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 17, 2024

Promote

Schools across Odisha are buzzing with the launch of the #NIPUNOdisha mission! Students are diving into creative activities, games, and quizzes to build a strong learning foundation.

#NIPUNBharat #FLN #OdishaEducation



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 15, 2024

Promote

ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଠ : ପ୍ରତ୍ୟେକ ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଆନ୍ତର୍ଦ୍ଦେଶୀୟ ଦିବସ, ଶିକ୍ଷକ/ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଓ ଅଭିଭାବକ ମାନଙ୍କୁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ...

#SwachhataHiSeva
#SwachhataPakhwada





OSEPA @OSEPA_Official · Sep 18, 2024

Students are participating in Socio-Emotional Learning and Numeracy activities as a part of the #NIPUNOdisha Mission Launch across Odisha.

Join our students and educators as we move towards strengthening foundational learning.

#NIPUNBharat #SchoolCelebrations #FLN



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 21, 2024

ନିମ୍ନ ଶିକ୍ଷା ପାଇଁ ବିଦ୍ୟାବିକାଶ ଲକ୍ଷ୍ୟ, ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ଆବୃତ୍ତି କରିବା ଆମର ଲକ୍ଷ୍ୟ।

#NIPUNOdisha #FoundationalLearning #NumeracySkills #EducationForAll



EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 30, 2024

A Special Parent-Teacher Meeting (PTM) has been organized for Parents of Class IX to XII Students in Secondary and Higher Secondary Schools of the State to create awareness and obtain consent for creating APAAR IDs for their children.



OSEPA @OSEPA_Official · Sep 28, 2024

Parents-Teachers Meetings for FLN grades are building stronger connections at the school level!

By aligning efforts, these meetings ensure parents and teachers work together to support children's foundational learning, driving the success of the mission.

#NIPUNOdisha



OSEPA @OSEPA_Official · Oct 28, 2024

Promote

'ପ୍ରଗତି ଶିକ୍ଷା ଉପକରଣ ସମ୍ପାଦନା' ପାଇଁ ଅବସରରେ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରଗତି ଶିକ୍ଷା ଉପକରଣ, ଉପକରଣ ରାଜ୍ୟ ବାର୍ଷିକ ଠାରେ ଅଧିକାରୀ ଓ କର୍ମଚାରୀଙ୍କୁ 'ସାଧୁତା ଶପଥପାଠ' କରାଯାଇଛି ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 12, 2024

ବିଦ୍ୟାବିକାଶ ଲକ୍ଷ୍ୟ, ଶିକ୍ଷା ସରକାରଙ୍କ ଆନୁରୋଧରେ ଆମେ ସେବା ଲାଭକାରୀଙ୍କୁ ଶୁଭେଚ୍ଛା ଦେଉଛୁ ।

ବିଦ୍ୟା, ସାମାଜିକ, ଶିକ୍ଷା, ସ୍ୱାଧୀନତା, ପ୍ରଗତି ପ୍ରଭୃତି ସବୁ ବିଶିଷ୍ଟ ସାମାଜିକ ଲାଭକାରୀଙ୍କୁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ଲାଭ କରାଉଛି । ଆମକୁ ଆମ ପିଲାମାନଙ୍କର ଏହି ଲକ୍ଷ୍ୟକୁ ଜଣାଇ ଦିଅ ।





OSEPA @OSEPA_Official · Nov 12, 2024

Promote

ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ଶିଶୁ ମନୋହର ପୁରସ୍କାର - ୨୦୨୪ ମାରାମର ମହା, ବିଦ୍ୟାବନ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଦ୍ଵାରା ଭବିଷ୍ୟତ।



OSEPA @OSEPA_Official · Nov 13, 2024

Promote

SURAVI - 2024, a program to discover and showcase student talents, offers participants the chance to explore various historical, zoological and cultural sites on the second day. The students are thrilled and are enjoying every moment with high enthusiasm.



EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 13, 2024

Promote

ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ଶିଶୁ ମନୋହର ପୁରସ୍କାର ଏବଂ ବିଶେଷ ଆକର୍ଷଣ ହେଉଛି ଶିଶୁ ସାମ୍ବାଦିକ। ଯେମାନେ ତିନୋଟି ତିନୋଟି ଦିନର ଶିଳ୍ପ କଳା କରି ତଥା ସଂଗ୍ରହ କରୁଛନ୍ତି ଏବଂ ତାହା ଉପରେ ଲେଖିଛନ୍ତି। ସମସ୍ତଙ୍କ ଅଭିମତ ପ୍ରକାଶ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ରଥମ ଦୁଇଦିନ ଓ ତୃତୀୟ ଦିନର ସମ୍ମାନ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 13, 2024

Promote

ପୁରସ୍କାର ବିଜିତା ଶିଶୁମାନଙ୍କୁ ଯୋଗଦାନ କରି ମାରାମର କଳା-ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଶ୍ରୀମତୀ ପ୍ରଭାତୀ ପରିଜା ପିଲାମାନଙ୍କୁ ବିଶେଷ ଭାବରେ ବିଶେଷ ଉପହାର ଦେବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛନ୍ତି। ଏହାଛଡ଼ା ଆବଶ୍ୟକ ଓ ଆଗର ଶିଶୁ ଶାଳିର ଶାନ୍ତିର ସେବା ମନୋହର କରିଥିଲେ।



I & PR Department, Odisha @IPR_Odisha · Nov 14, 2024

Promote

ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ #ଶିଶୁମନୋହର ସମାରୋହ 'ସୁରାବି'ର ଶେଷ ଦିନରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବରେ ଯୋଗ ଦେଇ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ନାରାୟଣ ଚନ୍ଦ୍ର ମହାପାତ୍ର ଅନେକ ଦୃଢ଼ ଉପହାସ ଶୁଭାଶୀର୍ଵଦା ଦେଇ ରାଜ୍ୟର ଶିଶୁ ଶାନ୍ତିର ସୁରାବି ପାଇଁ କେବଳ ଶୁଭାଶୀର୍ଵଦା ଦେଇଛନ୍ତି। #Suravi #Odisha



OSEPA @OSEPA_Official · Nov 26, 2024

Promote

'ସମ୍ବିଧାନ ଦିବସ' ପାଦନ ଅବସରରେ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରଦଳ ଗର୍ଭାବେ, ସମସ୍ତ ଶିଶୁ, ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ଓ କର୍ମଚାରୀମାନଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ସମ୍ବିଧାନ ପ୍ରସ୍ତାବର ସମ୍ମାନ ପାଠ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ।

#ସମ୍ବିଧାନଦିବସ୨୦୨୪
#ଆମସମ୍ବିଧାନଆମଶ୍ରଦ୍ଧା





OSEPA @OSEPA_Official · Dec 1, 2024

Promote ...

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କର APAAR ID ବୃଦ୍ଧି କରିବା ନିମନ୍ତେ ଉପା ଅଭିଭାବକମାନଙ୍କର ସମ୍ମତି ପତ୍ର ସଂଗ୍ରହ କରିବା ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ରାଜ୍ୟ ବ୍ୟାପୀ ସମସ୍ତ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅଧ୍ୟୟନର ପ୍ରଥମ ଛୁ ଅଧିନ ଶ୍ରେଣୀର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କର ପିତାମାତା / ଅଭିଭାବକ ମାନଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ବୈଠକ ଆୟୋଜିତ ହେଉଯାଉଛି।



CMO Odisha @CMO_Odisha · Dec 11, 2024

ମାମିଳା ମହାବଳି ପ୍ରଦାନରୁ ଭାରତୀୟ ଚଳଣତି ଅବସରରେ ରାଜ୍ୟଭରାୟ 'ଭାରତୀୟ ରାଜା ଚଳଣତି' ସମାବେଶ ପ୍ରାପ୍ତି ହୋଇଛି। ରାଜ୍ୟଭରାୟ ବିଦିଆର ଚଳଣତି ଅମଳ ଦର୍ଶକେଷୁ ଶକ୍ତି। ମାମିଳା ସାହିତ୍ୟ ସର୍ବତ୍ର ଅମଳର ଭାରତୀୟ ରାଜାକୁ ମଧ୍ୟ ଶକ୍ତିମୟ କରିଛି। ମହାବଳି ଭାରତୀୟ ଚଳଣତି ଗ୍ରାହ୍ୟରାଜ୍ୟର ଚଳି ଓ ସମାଜ ସଂସ୍କରଣ ଭାବେ ବୃଦ୍ଧି

[Show more](#)

† EducationOdisha reposted

CMO Odisha @CMO_Odisha · Jan 21

ଦୁଆ ଶିଖା ନାଟ-୨୦୨୦ ଉତ୍ସବ ତିନି ଦିନିଆଁ କାଗଜ କର୍ମାଗାର ଶୁଭାରମ୍ଭ ହୋଇଛି । ଏଥିରେ ଦୁଷ୍ଟାମୟୀ ଶ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ନାଥ ଓ ଚେନ୍ଦ୍ର ଶିଖା ମନ୍ତ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ ଯୋଗଦେଇ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟରେ ଏହାର କାର୍ଯ୍ୟକାରୀତା ଉତ୍ସର୍ଗରେ ଆଦିମୁଖ୍ୟ ରଖିଛନ୍ତି।

ଭୁବନେଶ୍ୱର ଶିକ୍ଷା ଖାତାରେ ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା କ୍ଷେତ୍ରରେ ଦୁର୍ଦ୍ଦତ୍ତ

[Show more](#)

OSEPA @OSEPA_Official · Jan 11

Promote  ...

୨୦୨୪-୨୫ ଶିକ୍ଷା ବର୍ଷର ୪ର୍ଥ ଅଭିଯୋଗ-ଶିକ୍ଷକ/ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଓ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ ପରିଚାଳନା ଏବଂ ଗରଜର କମିଟି ବୈଠକ ଗଲାବେଳା ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କର ଅନୁକୃତି ହୋଇପାରେ । ଏହି ବୈଠକର ଲେବେଲ ଦିଶିବ ନୁହେଁ ... ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 10

ଯଶସୀ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ @narendramodiଙ୍କ ଚର୍ଚ୍ଚିତ #ParikshaPeCharcha2025 ପାଇଁ ଦେଶରେ ଉତ୍ସାହର ସହ ପାରିବ ଯୋଜନା । ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ତାହା ମନୁଷ୍ୟ ଭାବେ, ଉପାଧୀ ପ୍ରଭୃତି ସହିତ ସମାନତା ଆଦର୍ଶକୁ ସମ୍ମାନ ଦେଇ ଚିରାନ୍ତର ମାନବର ପ୍ରାଣମନ୍ତ୍ରୀ ମାର୍ଗଦର୍ଶନ ଦେଇ ସମାଜର ମନରେ ଉତ୍ସାହ ସୃଷ୍ଟି କରିଛନ୍ତି ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 19

ଜାତୀୟ ଶିକ୍ଷାକଳା-୨୦୨୦ ଅନୁସାରେ ପ୍ରତିବର୍ଷ ୨ ଲକ୍ଷ ଅଧିକ ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କୁ ଓ ପ୍ରାଥମିକ ଶ୍ରେଣୀର ଲେଖକଙ୍କୁ ଏହା ଯୋଗ୍ୟ କରିବେ । ଲିଭାମାନର ପରିଚାଳନାକୁ ଲେଖକଙ୍କୁ ବିଭାଜନ କରାଯାଇ @dinkoraput ଓ ଆଗର ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ମାନ୍ୟତା ଦିଆଯାଇଥିବା ସ୍ଥଳରେ ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ପ୍ରତି ୧୫% । #ଶିକ୍ଷକବିତା୨୦୨୫
#ଅଭିଭାବକ୨୦୨୫





EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 20

ଶିଶୁ ବାଚିକରେ ନାମଲେଖାକାରୀ ଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ତା. ୦୨.୦୪.୨୦୨୫ ରିଜିଷ୍ଟ୍ରେସନ୍ ସେବାକୁ ଥିବା "ପ୍ରବେଶ କରବ ଓ ଖଟିବୁଆଁ" ରେ ଯୋଗଦାନ କରିବାପାଇଁ କଳାହାଣ୍ଡି ଜିଲ୍ଲାପାଳ ମାଲିପଡ଼ା ଗ୍ରାମର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ପିତାମାତାମାନଙ୍କୁ ନାମକର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ପ୍ରବଳ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କଲେ।
#NEP2020



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 20

ଶିଶୁ ବାଚିକରେ ନାମଲେଖାକାରୀ ଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଅପ୍ରେଲ ୨ ରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ସେବାକୁ ଥିବା "ପ୍ରବେଶ କରବ ଓ ଖଟିବୁଆଁ" ରେ ଯୋଗଦାନ କରିବାପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ଶାସନ ସଂସ୍ଥା, ଶ୍ରୀ ଯୁକ୍ତି ପ୍ରସାଦ ମହାପାତ୍ର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ପିତାମାତାମାନଙ୍କୁ ନାମକର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ପ୍ରବଳ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କଲେ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 21

ଶିଶୁ ବାଚିକରେ ନାମଲେଖାକାରୀ ଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଅପ୍ରେଲ ୨ ରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ସେବାକୁ ଥିବା "ପ୍ରବେଶ କରବ ଓ ଖଟିବୁଆଁ" ରେ ଯୋଗଦାନ କରିବାପାଇଁ କଳାହାଣ୍ଡି-ଡ଼ାଞ୍ଚି-ଶାସନ ସଂସ୍ଥା, ବିନାୟକ ଓ ଶେଖିଆ ବିହାର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ପିତାମାତାମାନଙ୍କୁ ନାମକର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ପ୍ରବଳ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କଲେ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 21

ଶିଶୁ ବାଚିକରେ ନାମଲେଖାକାରୀ ଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଅପ୍ରେଲ ୨ ରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ସେବାକୁ ଥିବା "ପ୍ରବେଶ କରବ ଓ ଖଟିବୁଆଁ" ରେ ଯୋଗଦାନ କରିବାପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ଶାସନ ସଂସ୍ଥା, ଶ୍ରୀ ଯୁକ୍ତି ପ୍ରସାଦ ମହାପାତ୍ର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ପିତାମାତାମାନଙ୍କୁ ନାମକର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ପ୍ରବଳ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କଲେ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 22

ଶିଶୁ ବାଚିକରେ ନାମଲେଖାକାରୀ ଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଅପ୍ରେଲ ୨ ରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ସେବାକୁ ଥିବା "ପ୍ରବେଶ କରବ ଓ ଖଟିବୁଆଁ" ରେ ଯୋଗଦାନ କରିବାପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ଶାସନ ସଂସ୍ଥା, ଶ୍ରୀ ଯୁକ୍ତି ପ୍ରସାଦ ମହାପାତ୍ର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ପିତାମାତାମାନଙ୍କୁ ନାମକର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ପ୍ରବଳ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କଲେ।
#NEP2020



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 22

ଶିଶୁ ବାଚିକରେ ନାମଲେଖାକାରୀ ଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଅପ୍ରେଲ ୨ ରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ସେବାକୁ ଥିବା "ପ୍ରବେଶ କରବ ଓ ଖଟିବୁଆଁ" ରେ ଯୋଗଦାନ କରିବାପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ଶାସନ ସଂସ୍ଥା, ଶ୍ରୀ ଯୁକ୍ତି ପ୍ରସାଦ ମହାପାତ୍ର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ପିତାମାତାମାନଙ୍କୁ ନାମକର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ପ୍ରବଳ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କଲେ।
#NEP2020





EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 24

ଶିଶୁ ବାଚିକାରେ ଆସନ୍ତା ଅପ୍ରେଲ ୨ ତାରିଖରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ମାନଙ୍କ ପାଇଁ ନାମ ଲେଖାର ପ୍ରବେଶ ଉତ୍ସବ ଓ ଖଡ଼ିଛୁଆଁ ରେ ଯୋଗଦେବା ପାଇଁ ମାନ୍ୟବର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ସ୍ଵାଗତୀତ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ମାନ୍ୟବର ବିଧାୟକ, ଧର୍ମରତ୍ନ, ଶ୍ରୀ ସୁଧାଂଶୁ ଗଜେନ ପାଟ୍ଟନାୟକଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ଅଭିଭାବକମାନଙ୍କୁ ବ୍ୟବ୍ତୀ ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 24

ଶିଶୁ ବାଚିକାରେ ଆସନ୍ତା ଅପ୍ରେଲ ୨ ତାରିଖରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ମାନଙ୍କ ପାଇଁ ନାମ ଲେଖାର ପ୍ରବେଶ ଉତ୍ସବ ଓ ଖଡ଼ିଛୁଆଁ ରେ ଯୋଗଦେବା ପାଇଁ ମାନ୍ୟବର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ସ୍ଵାଗତୀତ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର କଟକ ଜିଲ୍ଲାର ବିଲ୍ଲାପାଠ ଓ ଆଗୋ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଦ୍ଵାରା ଅଭିଭାବକମାନଙ୍କୁ ବ୍ୟବ୍ତୀ ।



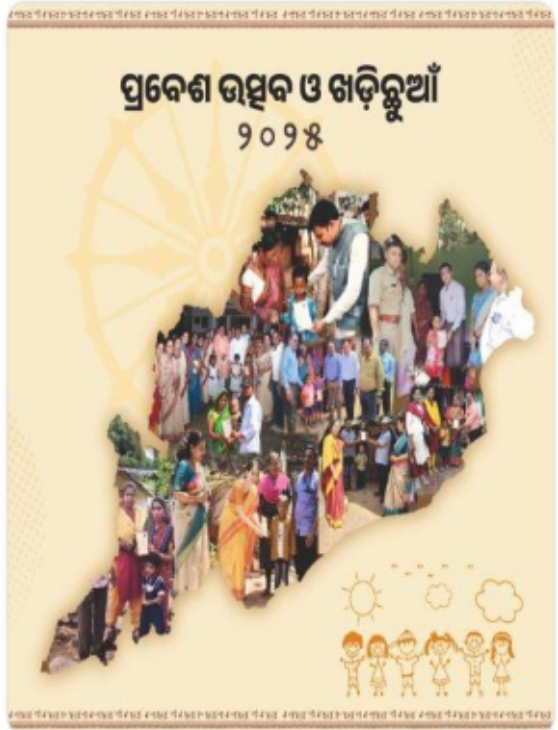
EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 25

ଆସନ୍ତା ଅପ୍ରେଲ ମାସ ୨ ତାରିଖରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ଶିଶୁ ବାଚିକା ଶ୍ରେଣୀର ଶୁଭାରମ୍ଭ ହେବାକୁ ପାରିଛି । ଛାତ୍ରାୟ ଶିକ୍ଷା ନୀତି ୨୦୨୦ କୁ ଆନୁଷ୍ଠାନିକ ଭାବେ ମଧ୍ୟ ଆଡ଼ମ୍ବରଣ ସହ ସମସ୍ତ ରାଜ୍ୟରେ ଲାଗୁ କରାଯିବ । ପିଲାମାନଙ୍କର ବିଦ୍ୟାବେଶ ପ୍ରବେଶକୁ ସ୍ଵାଗତୀୟ କରିବା ପାଇଁ ସାର୍ବଭୂମିକ ଓଡ଼ିଶାରେ ପାଠକ ହେବ "ପ୍ରବେଶ ଉତ୍ସବ" ଓ "ଖଡ଼ିଛୁଆଁ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ" ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 26

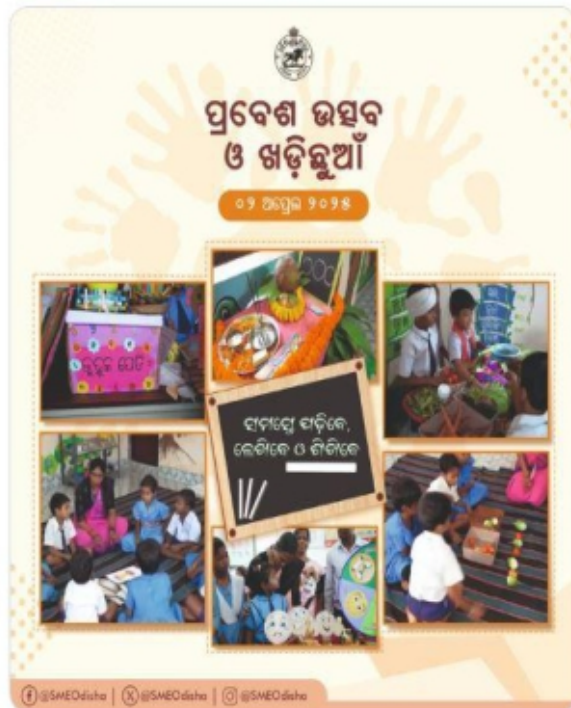
ଆସନ୍ତା ଅପ୍ରେଲ ମାସ ୨ ତାରିଖରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ଶିଶୁ ବାଚିକା ଶ୍ରେଣୀର ଶୁଭାରମ୍ଭ ହେବାକୁ ପାରିଛି । ଆମ ରାଷ୍ଟ୍ରର ପୂର୍ବିକ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟର ଉପର ଦିଗରେ କୃତ୍ତି କୃତ୍ତି ପିଲାମାନଙ୍କ ଶିକ୍ଷାର ପ୍ରଥମ ସେପାକରେ ପାଦ ରଖିବେ । ସବିଚ୍ଛିନ୍ନ ସମସ୍ତ ପ୍ରଭୃତି । ସାର୍ବଭୂମିକ ବିଚାରଣ ଗାନ୍ଧିଜୀ ମାନ୍ୟବର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ସହଯୋଗ ଦ୍ଵାରା ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ।





EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 27

ଆସନ୍ତା ଅପ୍ରେଲ ମାସ ୨ ତାରିଖରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ଶିଶୁ ବାଚିକା ଶ୍ରେଣୀର ଶୁଭାରମ୍ଭ ହେବାକୁ ଯାଉଛି । ବାଚାୟ ଶିକ୍ଷା ମାଟ୍ରି ୨୦୨୦ କୁ ଆନୁଷ୍ଠାନିକ ଭାବେ ମଧ୍ୟ ଆବଦ୍ଧତା ସହ ସମସ୍ତ ରାଜ୍ୟରେ ଲାଗୁ କରାଯିବ । ଆମ ରାଷ୍ଟ୍ରର ଦୃଷ୍ଟିମାନ ଲବିଷ୍ଟାତ ଗଠନ ବିଭରେ ବୁଦ୍ଧି ବୁଦ୍ଧି ପିଲାମାନେ ଶିକ୍ଷାର ପ୍ରଥମ ସୋପାନରେ ପାଦ ରଖୁଛନ୍ତି ।
#SishuVatikaOdisha



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 28

Shri Sanjay Kumar, Union Secretary, School Education & Literacy, @EduMinOfIndia, visited the FLN-compliant classroom at Raj Bhavan Primary School, Bhubaneswar.

#EducationForAll #FLN #NEP2020



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 23

ଶିଶୁ ବାଚିକାରେ ନାମଲେଖାକରାଯିବା ପାଇଁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଅପ୍ରେଲ ୨ ରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବାକୁ ଥିବା "ପ୍ରବେଶ ଉତ୍ସବ ଓ ଖଡ଼ିଛୁଆଁ" ରେ ଯୋଗଦାନ କରିବାପାଇଁ ମାନ୍ୟବର ବିଧାୟକ, ଏସ୍.ଏମ୍. ଭୁବନେଶ୍ୱର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ଅଭିଭାବକ ମାନଙ୍କୁ ମାନ୍ୟବର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ସ୍ୱାଗତୀୟ ଗ୍ରନ୍ଥ ପ୍ରଦାନ କଲେ ।



EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 23

ଶିଶୁ ବାଚିକାରେ ଆସନ୍ତା ଅପ୍ରେଲ ୨ ତାରିଖରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ମାନଙ୍କ ପାଇଁ ନାମ ଲେଖାର ପ୍ରବେଶ ଉତ୍ସବ ଓ ଖଡ଼ିଛୁଆଁ ରେ ଯୋଗଦେବା ପାଇଁ ମାନ୍ୟବର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସ୍ୱାଗତୀୟ ଗ୍ରନ୍ଥ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି । ବିଭାଗର ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଦ୍ୱାରା ଚାହୁଁଥିବା ଓ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ଶିକ୍ଷା ଅଭିଭାବକମାନଙ୍କୁ ଦେଖନ୍ତୁ ।



PRINT MEDIA

[illegible][illegible][illegible]

କଟକର

- ନବରଙ୍ଗପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ ଗଣପତି ପୂଜା, ୧୫ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭
- କଟକର ମୁଖ ଉପକଣ୍ଠା ଉପରେ, ଉପକଣ୍ଠା ଉପରେ, ଉପକଣ୍ଠା
- ଉପକଣ୍ଠା ଉପରେ, ଉପକଣ୍ଠା

ପ୍ରମେୟ

THE PRAMEY

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

ପ୍ରମେୟ

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

ପ୍ରମେୟ

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

ପ୍ରମେୟ

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

ପ୍ରମେୟ ପତ୍ର

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

କେନ୍ଦ୍ର ଦେଲା ୨୦୧ କୋଟି

ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ଶିଶୁ ମହୋତ୍ସବ 'ସୁରଭି'ର ଦ୍ୱିତୀୟ ସନ୍ଧ୍ୟା

‘ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରତିଭା ପ୍ରଦର୍ଶନ ପାଇଁ ‘ସୁରଭି’ ପ୍ରକୃଷ୍ଟ ମା

ਪ੍ਰਭਾਕਰ, ਸਾਮਾਜਿਕ: ਸਿੱਖੀ ਸੰਗਤ ਦੇ ਅੰਤਰ-ਮੱਧਿਕਾਤੀਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਵਿੱਚ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸਮਾਜਿਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸੰਗਤ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਵਜੋਂ ਦੇਖਣਾ ਸਿੱਖਾਂ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵੀਂ ਚੁਣੌਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਸੰਗਤ ਦੇ ਅੰਤਰ-ਮੱਧਿਕਾਤੀਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸਮਾਜਿਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸੰਗਤ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਵਜੋਂ ਦੇਖਣਾ ਸਿੱਖਾਂ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵੀਂ ਚੁਣੌਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਸੰਗਤ ਦੇ ਅੰਤਰ-ਮੱਧਿਕਾਤੀਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸਮਾਜਿਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸੰਗਤ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਵਜੋਂ ਦੇਖਣਾ ਸਿੱਖਾਂ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵੀਂ ਚੁਣੌਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਸੰਗਤ ਦੇ ਅੰਤਰ-ਮੱਧਿਕਾਤੀਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸਮਾਜਿਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸੰਗਤ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਵਜੋਂ ਦੇਖਣਾ ਸਿੱਖਾਂ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵੀਂ ਚੁਣੌਤੀ ਹੈ।

[illegible]

ପ୍ରାଣୀ ସମ୍ପଦ ପ୍ରଚାରକମିଶନ ଆର୍ଥିକ ସୁବିଧା ସମ୍ପାଦନା ଆକୃତି 'ବିଏ ଏ ପର୍ଯ୍ୟାୟ'ରେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ସ୍ତରର ଚଳା ଗୋରୁମାନଙ୍କ ସହିତ ସମ୍ପର୍କ ସ୍ଥାପନ କରିବାକୁ ଲାଗିଲା । ସେହି ସମୟରେ ପ୍ରାଣୀ ସମ୍ପଦ ପ୍ରଚାରକମିଶନର ପ୍ରତିନିଧିମାନଙ୍କୁ ଗୋରୁମାନଙ୍କ ସହିତ ସମ୍ପର୍କ ସ୍ଥାପନ କରିବାକୁ ଲାଗିଲା । ସେହି ସମୟରେ ପ୍ରାଣୀ ସମ୍ପଦ ପ୍ରଚାରକମିଶନର ପ୍ରତିନିଧିମାନଙ୍କୁ ଗୋରୁମାନଙ୍କ ସହିତ ସମ୍ପର୍କ ସ୍ଥାପନ କରିବାକୁ ଲାଗିଲା ।

ପ୍ରାୟତଃ, ବର୍ତ୍ତମାନ ସମୟରେ ଗୋଟିଏ ଗ୍ରାମର ଲୋକମାନେ ଗୋଟିଏ ଗ୍ରାମରୁ ବାହାରି ଗୋଟିଏ ଗ୍ରାମକୁ ଯାଆନ୍ତି। ଗୋଟିଏ ଗ୍ରାମର ଲୋକମାନେ ଗୋଟିଏ ଗ୍ରାମକୁ ଯାଆନ୍ତି। ଗୋଟିଏ ଗ୍ରାମର ଲୋକମାନେ ଗୋଟିଏ ଗ୍ରାମକୁ ଯାଆନ୍ତି।

‘ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରତିଭା ପ୍ରଦର୍ଶନ ପାଇଁ ‘ସୁରଭି’ ପ୍ରକଳ୍ପ ନାହିଁ’

[illegible]

ଜିଲାହରାୟ ଶିଶୁ ମହୋତ୍ସବ

[illegible]

● ବୁଧବାର, ୧୩ ନଭେମ୍ବର ୨୦୨୪

ଭୂବନେଶ୍ୱର

g69
THE PEAK



ଉତ୍ତରାଞ୍ଚଳର ଶିଳ୍ପ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ 'ସୁରଜିତ'ଙ୍କ ନାମା ପିତାଙ୍କର ଗଣ ନାଟ୍ୟପ୍ରଦର୍ଶନରୁ ପାଠେ ଦିବ୍ଧ ହେବାପରି



ମହାଶୟର ଉପସ୍ଥାନରେ ସେହିଭଳି ପ୍ରକାରର କଣ୍ଠାବଳୀ



ଉତ୍କଳରେ ବର୍ତ୍ତମାନର ପିଠିର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ରତା ଓ ଗନ୍ତା ଯେଣୁକି

ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ଶିଶୁ ମହୋତ୍ସବ
'ସୁରଭି-୨୦୨୪'

ଆକର୍ଷଣ ପାଲଟିଛି ଆକାଂକ୍ଷା ଦୁନି

[illegible]

▶▶ ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଡାହାଣ ମହାପଦ୍ମରେ ଗନ୍ଧା ଦିବ ପୂର୍ବେ । ଏହା ପରେ

[illegible]

୩୩ ମିଶ୍ରଣରେ ବୁଦ୍ଧିର ଉପରର
 ଏହାର ନିମ୍ନ ଭେଦେ ଏହା ମିଶ୍ରଣ। ଯେଉଁ
 ବୁଦ୍ଧିର ପ୍ରାୟ ପଞ୍ଚମ ଯେତେ। ଏହି ବୁଦ୍ଧିର



ମାଧ୍ୟମ ଉପରେ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ,
ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ, ପଦ୍ମ,

[illegible]

▶▶ ବର୍ତ୍ତମାନରେ ଯୋଗଦେଇ ଗଲା

ප්‍රධාන අමාත්‍යවරයාගේ නිවෙසේදී එහිදී පැවැත්වූ
ප්‍රධාන අමාත්‍යවරයාගේ නිවෙසේදී එහිදී පැවැත්වූ

କରି ପଢ଼ି ପଢ଼ିବାକୁ ଚାହୁଁଥିବା ଶ୍ରମିକମାନଙ୍କୁ ଉପକ୍ରମିତ କରିବାକୁ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ରଖି ଏହି ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରାଯାଇଛି ।

ମାଗଣା ରାସନ ନୁହେଁ; ନିୟୁକ୍ତି ଦିଅ

[illegible]

ବିବାହପଣି ସୁଧୀକରଣ ଓ ବିବାହପଣି
ନାମାବଳୀରୁ ଦେଇ ଉଠିବ ଉତ୍ତରାଂ
ଶ-ଶ୍ରୀ ପାଣିଗ୍ରାହୀ ପଣିକୃଷ୍ଣ ପ୍ରଧାନ ଶ୍ରୀବ
ଓ ନବକୃଷ୍ଣା ଶ୍ରୀବତ୍ସ ରାଜ୍ୟ ଉପ ପ୍ରାନ୍ତ
ଉପାଧିକାରୀ ଦେଇ ଏହି ଶ୍ରେୟାବଳୀ ଉଦ୍ଧାର

କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ସୁପ୍ରିମକୋର୍ଟଙ୍କ ପରାମର୍ଶ

- ଉପର ଭାଗ ଦାଞ୍ଚା ବଦଳାଇବାକୁ ହେବୁ ନାହିଁ
- ଇ-ଗ୍ରାମ୍ୟୋର୍ଗାନିଜ୍ ଅନୁସାରେ ଭାର୍ତ ଦେବାକୁ ଚାହୁଁ
- ୮୦ ଡୋଲି ଲୋଭକୁ ନାଗଣା ଉପର ନିରୁଦ୍ଧି
- ଡେବିଡ଼ ଉପଦାନା ନାଗଣା ଯୋଡ଼ିବାକୁ ଚାହୁଁ

ପ୍ରଥମ ଆକାଶ ଟିଭିର ଏପରିକି ଶୁଣିବା କର୍ମର
ଆରମ୍ଭରେ ବନ୍ଦ କରିଥିଲା । ସୁଦ୍ଧାହେଲେ ଏହା
ମଧ୍ୟ କରିଥିଲା ଯି ଗଣି ଗୋଟି ବରଦେବଙ୍କୁ ମାନ୍ୟତା
ଦେବା ପରେ ତଥ୍ୟ ସୁବର୍ଣ୍ଣର ଫେରା ଯୋଗରେ
ମାନ୍ୟତାପ୍ରାପ୍ତ । ଗୋଟି ବରଦେବ ଦିବ୍ୟ ଆଶିଷ
ଦେବାମଧ୍ୟ ବନ୍ଦ କରିଦେଲା । ତେଣୁ ମାନ୍ୟତା ଦେବା
କର୍ମକାଣ୍ଡର ଗୋଟି ବରଦେବଙ୍କୁ ମାନ୍ୟତା ଦେବା
କର୍ମକାଣ୍ଡର ଆରମ୍ଭ । ଗଣି ଗୋଟି ବରଦେବଙ୍କୁ

[illegible][illegible][illegible]

୧୭ରୁ ରତ୍ନଭଣ୍ଡାର ମରାମତି

[illegible]

୧.୬ ପରିଷଦରୁ ନବରତ୍ନ ଉଦ୍‌ଘାଟନ
ପରିଷଦ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପରିଷଦ ପରିଷଦ ପରିଷଦ
ଉଦ୍‌ଘାଟନ ଉଦ୍‌ଘାଟନ ଉଦ୍‌ଘାଟନ ଉଦ୍‌ଘାଟନ
ପରିଷଦ ପରିଷଦ ପରିଷଦ ପରିଷଦ

- ▶ ଉଦି ୨ରୁ ଖେଳିବ ଶ୍ରୀମନ୍ଦିର
- ▶ ଭିତର ଭାଠ ଠାକୁର ଦର୍ଶନ ବନ୍ଦ
- ▶ ଶନି, ରବି ଭଗେଡ଼ ବିଶେଷ ଦିନରେ ଭାଗ୍ୟ ବଦଳୁଛି

କଟକ ସୁଦ୍ଧା ପିପିଲିରା ଯେତେବେଳେ ଯେଉଁ
ବେଳେନା ଯାଏ ତଦ୍ୱାରା କଟକ ଯାଏନା
କେବଳ ସମୟ ହିଁ ଘଟା ଯାଏ ତେଣୁ
ନିଜାମୀ ବେଳେ ।

ଗୋଟି, କପଡ଼ା,
ମଇଦା ବୁହେ...

ସାମ୍ବୁଧି,
ଶିକ୍ଷାରେ
ଅଧିକ ବ୍ୟୟ
କରୁଛନ୍ତି
ଭାରତୀୟ

[illegible][illegible]

- ୧୦ ବର୍ଷରେ ବଦଳିଯାଇଥିବା ଭାରତୀୟ ଶ୍ରମ ବାଣୀ
- ଆହୁ ଅତି ଶୀଘ୍ର ଆମି ଶେଷରେ ଦଫାତରୁ ବାହା
- ଆହୁ ବ୍ୟୟରେ ୮.୨%, ଶିକ୍ଷାରେ ୭.୫% ଅଧିକ
- ବ୍ୟୟ, ସ୍ୱଳ୍ପକାଳରେ ଶାନ୍ତ, ବସ, ବାହାରେ ୨୫୫ ଶ୍ରମ

අනුගමනය (විගණනය) කළ නිමිස
 සංඛ්‍යාවක් සොයා ගත, එය - ෨ ප්‍රමාණ
 සහ ප්‍රාග්ධනයි. නිගමනය, එය - ෨
 ප්‍රමාණයක් සොයා ගත - ෨ ප්‍රමාණයක්
 සොයා ගත ප්‍රමාණයක්, ෨ ප්‍රමාණයක්
 සොයා ගත ප්‍රමාණයක්, ෨ ප්‍රමාණයක්

[illegible]

ଅବଦେଶ ବିଦିବାର ବହଳ ଉପଯୋଗ
ନିଜ ଜୀବନର ଆହୁତ ଶ୍ରେଣେନିୟମର ରହସ୍ୟ ।
ହାହା ସମୟର ଛାତ୍ରୀ

ବ୍ରେନୋଲିୟା®

ବୃତ୍ତିଶକ୍ତି ଓ ସ୍ମାରକ ପାଣି

ସମସ୍ତ ଶିକ୍ଷାକ୍ରମ, ଶିକ୍ଷାକର୍ମ ଓ
ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ଶକ୍ତିର ଉପଯୋଗ
ସମସ୍ତ ଶିକ୍ଷାକ୍ରମର
ଶକ୍ତିର ଉପଯୋଗ
ସମସ୍ତ ଶିକ୍ଷାକ୍ରମର
ଶକ୍ତିର ଉପଯୋଗ

ବ୍ରେନୋଲିୟା®



BRANOLIA
BRAINOLIA
BRAINOLIA
BRAINOLIA

☎ 82980803192

www.branolia-pharmaceuticals.com | E-mail: branolia.pharmaceuticals@gmail.com

BRANOLIA PHARMACEUTICALS PVT. LTD. KOLKATA

ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ‘ଭାରତୀୟ ଭାଷା ଉତ୍ସବ’

ଈରାଜୀ ମାତୃଭାଷାର ବିକଳ ଦୁହେଁ



ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୧।୧୨(ବୁଧବାର): ଈରାଜୀ ମାଧ୍ୟମରେ ପଢୁଥିବା ବହୁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ପଢ଼ିବାରେ ଅକ୍ଷମ । ଏହା ଦୁଃଖର ବିଷୟ । ଈରାଜୀ ଓ ହିନ୍ଦୀ ଆମ ପାଇଁ ଏକ ଉପାଦାନଯୋଗର ଭାଷା ହୋଇପାରେ । ଈରାଜୀ ଭାଷା କେବେ ମାତୃଭାଷାର ବିକଳ ହୋଇପାରିବ ନାହିଁ । ବୁଧବାର ଲୋକସେବା ଭବନ ଜନଜେନସନ୍ ସେଣ୍ଟର ଠାରେ ଆୟୋଜିତ ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ଭାରତୀୟ ଭାଷା ଉତ୍ସବରେ ଉପାଦାନଯୋଗ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀ ଏହା କହିଛନ୍ତି ।

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ କହିଲେ, ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ବ୍ୟବହାର ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇ କାମ ଆରମ୍ଭ କରିଛନ୍ତି । ସରକାରୀ ଫାଇଲ୍‌କୁ ଓଡ଼ିଆରେ କରିବା ପାଇଁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି । ବହୁ ବିଭାଗରେ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଫାଇଲ୍ କାମ ଆରମ୍ଭ ହେଲାଣି ।

ତାମିଲ୍ ମହାଜବି ପୁରୁମଣ୍ଡା ଭାରତୀୟ ଜୟନ୍ତୀ ଅବସରରେ ଭାରତୀୟ ଭାଷା ଉତ୍ସବ ପାଳନ କରାଯାଇଛି । ଚଳିତ ବର୍ଷର ଭାରତୀୟ ଭାଷା ମହୋତ୍ସବର ବିଷୟବସ୍ତୁ ହେଉଛି “ଭାଷା ମାଧ୍ୟମରେ ଏକତା” । ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ କହିଥିଲେ, ଆମେ ରାଜ୍ୟସ୍ତରରେ ଭାରତୀୟ ଭାଷା ଉତ୍ସବ ପାଳନ କରୁଛୁ । ଏହା କେବଳ ଏକ ଉତ୍ସବ ନୁହେଁ, ଆମ ସଂସ୍କୃତି ଏବଂ ଗୌରବର ପ୍ରତୀକ । ଭାଷାଭିତ୍ତିକ ବିବିଧତା ହେଉଛି ଆମର

ସର୍ବଶ୍ରେଷ୍ଠ ଶକ୍ତି । ସ୍ୱର୍ଗତ ଭାରତୀ ତାମିଲ୍ ସାହିତ୍ୟ ସହ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଭାରତୀୟ ଭାଷାକୁ ନିଜ ପ୍ରତିଭା ବଳରେ ରହିମତ କରିଛନ୍ତି । ସମାନତା, ମହିଳା ସଶକ୍ତିକରଣ ଓ ସାମାଜିକ ନ୍ୟାୟ ପ୍ରତିଷ୍ଠା କରିଆରେ ଏକ ପ୍ରଗତିଶୀଳ ଭାରତ ଗଠନ ପାଇଁ ସେ ଉଦ୍ୟମ କରୁଥିଲେ । ତାଙ୍କର ଚିନ୍ତାଧାରା ତତ୍କାଳୀନ ସମୟ ଠାରୁ

ଭାଷାଭିତ୍ତିକ ବିବିଧତା ଆମର ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଶକ୍ତି: ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ

ଯଥେଷ୍ଟ ଆଗରେ ଥିଲା ।

ସେ କହିଲେ, ପୁରୁମଣ୍ଡା ଭାରତୀୟ ଜୀବନାରୁ ଆମ ଯୁବପିଢ଼ି ଯଥେଷ୍ଟ କିଛି ଶିଖିବାର ସୁଯୋଗ ରହିଛି । ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦିଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ଦେଶର ନାୟକ ଓ ନାୟିକାମାନଙ୍କୁ ସମ୍ମାନ ପ୍ରଦାନ ପାଇଁ ନିରବଚ୍ଛିନ୍ନ ପ୍ରଚେଷ୍ଟା କରି ରହିଛି । ଓଡ଼ିଶାରେ ମଧ୍ୟ ଆମ ସରକାର ମାଧ୍ୟୋ ସିଂଙ୍କ ନାମରେ ମେଧାବୃଦ୍ଧି ଆରମ୍ଭ କରିବା, ହରେକୃଷ୍ଣ ମହତାବଙ୍କ ଏକ ବର୍ଷ ବ୍ୟାପୀ ଜୟନ୍ତୀ ପାଳନ କରିବା, ଗୋଦାବରୀଶ ମିଶ୍ରଙ୍କ ନାମରେ ଆଦର୍ଶ ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଯୋଜନା ଆରମ୍ଭ କରିଛନ୍ତି । ଜାତୀୟ ଶିକ୍ଷା ନୀତି ୨୦୨୦ରେ ମାତୃଭାଷାକୁ ପାଠ୍ୟକ୍ରମରେ ସାମିଲ କରିବାକୁ

କୁହାଯାଇଛି । ଇଂଜିନିୟରିଙ୍ଗ୍ ଓ ମେଡିକାଲ ପାଠପଢ଼ା ମଧ୍ୟ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ପଢ଼ିବାର ସୁଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି ।

କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ ନିତ୍ୟାନନ୍ଦ ଗଣ୍ଡ ଯୋଗଦେଇ କହିଲେ ଭାଷା ଆମ ସଂସ୍କୃତି, ଐତିହ୍ୟ ଓ ଚିନ୍ତାଧାରାକୁ ପ୍ରତିଫଳିତ କରେ । ଆମର ଐତିହ୍ୟର ବିବିଧତାକୁ ଜଣିବା ପାଇଁ ଏହି ଭବି ଭାଷା ଉତ୍ସବ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ଗ୍ରହଣ କରିବ ।

ଉନ୍ନୟନ କମିଶନର ଅନୁ ଗର୍ଗ ସ୍ମରତ ଭାଷଣ ଦେଇଥିଲେ । ଏହି ଅବସରରେ ଆୟୋଜିତ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରତିଯୋଗୀତାର କୃତୀ ପ୍ରତିଯୋଗୀମାନଙ୍କୁ ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା । ପୋଷ୍ଟର ତିଆରିରେ ଯାଜପୁର ବରୁଣେଶ୍ୱର ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଅନୁପୂର୍ଣ୍ଣା ମିଶ୍ର ପ୍ରଥମ, ଇନ୍ଦ୍ରଜ ଏଲ.ଏନ. କେ.ଏସ୍. ହାଇସ୍କୁଲର ଅମୀୟ ଦାସ ଓ ଖୋର୍ଦ୍ଧା ବି.ଏମ୍. ହାଇସ୍କୁଲର ବିଶ୍ୱପ୍ରସାଦ ଦାସ ଦ୍ୱିତୀୟ, ବାଲେଶ୍ୱର ଗରୁଡ ସରକାରୀ ହାଇସ୍କୁଲର ସମିର ବେହେରା ଓ ବରଗଡ଼ ନିଶାମଣୀ ସରକାରୀ ହାଇସ୍କୁଲ ସାଇନସନ ସାହୁ ତୃତୀୟ ପୁରସ୍କାର ପାଇଥିଲେ । ସେହିପରି ଜର୍ଣ୍ଣାଲ ତିଆରି ପାଇଁ ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରରେ ଦଳଗତ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ହୋଇଥିଲା । ଏଥିରେ ଜଗଜ୍ଞ ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଥମ ପୁରସ୍କାର, ସମଲପୁର ଦ୍ୱିତୀୟ ପୁରସ୍କାର ଓ ନୟାଗଡ଼ ତୃତୀୟ ପୁରସ୍କାର ପାଇଥିଲା ।



0674 - 23955325



www.osepa.odisha.gov.in



@osepa_Official



@osepa_Official



OSEPAOFFICIAL